Way Slave 3 ENTERN okh MOLLS- 33 My Khatas Khalaho - 11

Meyor stand a separation of the post of the standard of the st 622 Ery on 2000 (Certal) मिले इटन (८ सहस्र :) क्ला किए दिस्से में मेरी नुसामा राष्ट्र (भूती के मामा-मामक) मुलाके भार म (भूलक. (क्याक्षत सम्मीत्क हक स्माम क्राप्तिक दिश्यमा ' नात मध्य सत्य) विषय हर के लिक लिक नाक्ष्य में िम्बास्य में दिस लास्य है में म्राम्य में क्रिक्टिलाक मार् रेक्ट्राया) पूर् : (अभू अवाता) निकामी : तर्राम कार्य कर्ता कार्य कर्ता वाडा. (त्रिक मंत्री अर्थ के) त्रिक मान कर्त्य वाडा. (मार्थमा) विगन्न बकार विमार अमा (अक्षामा क्रिंग्डम वस रव कर्निट्रिन, नक्षे क्रक्ट) 116011 म : mis (नर्भ में मामाण) विष्य के) इस (नमात) हाक वर्षा वर्ष वर्ष के मांग्रामायं व ढरे छाटल) नम्द्राम (मामानिभामा हिन्नी हि: (धार्टहक्रम ज्यव्याक्तिम का का का प्रा) के वा देश कर्म समीक्ष. क्रमेत्र हतां कर क्षिताह: (िकुट ने कार्क से कर्म प्रकृत यन काल प्रथमित कुम्ममानिक्य केसर्याभाविकिया) मनीयनी मणनी - जिल्हि: (मूजनसा मनिकामनानि न सहक) मार् मही महिल्ली प्रमें में वर्षा है। (त्राम के वर्षा मार्थे)

ट्राम्य अर्थ [स्थित व र्यो के] म्यान न अली आह में व (क्या मार बाब क्रम प्रेस नाम) 124118, (CALLEL OLYCO (5) 11 P d11 कि असार्यक्षा (अधिमा व चारक) मह मण्यमा (मर् व्यंत्यवं) बाहर् (हाका) तिलक्षा (अयर्ने करवेणा) भिज-ट्ला जिलारमो (मूल शामाला हा का ने पूर्वक) अवभाव के कार प् (अवभाव अवभाव व व प्) रेसा-विक्रिय (विकार्य की . असे व) कार्य किया लिहीय भूका स्वकार् (मिनीय भू क्या स्वक्ताने) प्रमुखार (क्षिक) कवा वाब त्या भीता कर्माय पर्म छार (क्षिक कर्मात्रिय) ॥ १००॥ है। को जिले का (जिले विष्यं) अवेश आर अपर (अल्यानान के मार्क) लामकार (हैन के दियमते द्राक ग्रेट हेत (हिस्सिक कार्य त्या) (उन्हें किस कार्य Any sur Money Carle Cardinal Carles Cardinals Media sulfing the Local - M (ला (लक् वर) मा लाम (क्रांसका) विकामितार्थमं (कार्य्यो विद्यान पूर्व) ध्या (वीक्टक ने) हतालाई. (Se) mare and Carather Ender. Ender. Care and Carather and Care and Carather and Ca कर्यमाहित्यत])॥ ५ ग।।

90 [myga yen] Bis (Bronis) Sil shar (इम: म्य मान कार्यमा) लाड (बायात्र मिल् (र्ट्स खिन्डटम!) टेलकाहतेः (टेलकाइते) निदाधकाटेनः (भीयप्रदार्भ) डेमलामिड: (मीडिड वर्रमाई)काहिड: अयाग्यात: (अक्यम्य द्रेष अयाग्रव्यक) जन (टाकार) कुछ टीमन दूर्ण (श्वास्त्र लिशि पूर्ल) समाज्यः ताश थिर् (लामन प्रम् कार्या कर्या हर्ष) है।। कारा कारह (त्र क्षिण्डाम !) प्रकाद्धा : अमा : (मिल-मिल-क्षिण के भार्ष्ठ विश्वमान) प्रकाद्धा : अमा : (मिल-मिल-भूरक (राज्यान म्यहर्मन हेपन्रय क्रायमनार्मात्री) मुर्वार्ष भारे वका- मना स बादम (हन्न का नु भी देशहर कुलामकारम धर्मार कुल पूर्व के भावावितारम) ब्राष्ट्रा (भार कार्या) भारतिष् तिभीष (जनभाराह) दिस्टाक्ट्रामाः (म्यामदासरीक उर्दता)ट्ट्रिक-पृति (हेक आतमाराव हेकाब छारम) वित्रमाडि? (विश्व कवित्वत्र्र्)॥ २०११ (किराया] यस कि) आर्थ वास्ति । (विश्व के अर्थ के (विश्व कि अर्थ) आर्थ (विश्व के कि विश्व के कि) कि विश्व के कि वि विश्व के कि विश्

वयलायर (वय- विलाम) अम्माठ्य (प्रमेत्र कन्) हिर (अम्मारत) लय: (तर्) प्रवसनं ने च्याः (यत सर्वे बर्ग) सन्तारम् अर् (टब्रमात देवामाल के क्रिंग्ल) विधारमात्म प्रका (किंग्र त त्मानी त्राप कार्यमा) त्या बंद (मिकत्य) रेकरेक (रिकर कार्यक्टि)। अडा भीक ममावर (मेटाम) निषमाधीन (मे द्वात) आवमराः (पक्षेता) " ठमहरे: (हामा अवानेपा) मानुवा: (मेरमुका-बाकि) मनीमचनी-क्रमानिकामाए (मूक्रमस्र या देका का का का मिली मारे के) आर (का एपान) तिस्तेत्र (धरार्ड) भू त्यामान् (किसमे हिड) ज्ञानार (ज्ञानमनेटन) अटामेन्डि: (तिक टामेन्ड-हारा) कर्षा है (काक्स्म कार्य (कट्ट)।। अना 18 कामान (अदेशात) वर्षावटकार्विण (वर्षम्बामाराम र्थित स्तार्ड म्मम्या) क्रिंगति-तार्विण (क्षतं क्षानं उक्षत्रं क्षतं मा [नवर]) भन-टमकान्य (तिविष्टमकाक्त्रा) अरेवी (वृद्धारेवी) मुश्री- मूश्री कृषामिका (मूर्यका लू आवालि-का ना-ज्यवनरेक अक्षिप्र कार्यमा) जाति (आजा मार्टिट)॥ महा

) (क्षाम्य (चत्र वयात्रहास्त) लास्त (लाकालास्य) लासार्वः (टमकाक्त), ज्यार (कार वर्मार वंगका) ज्यान्य (अस सार्थित चिवर्]) करूष: (पिक्मप्र) मूर्त्तः क्षित्र (नम्मत्र) शिकामी (क्याक्षित्र में क्षित्र क् (अक्षेत्र अदं लामाल क ब्रिक्ट), माक र बामा लान ह (यारक्षाम्मान) ट्याक्षात (क्षेत्रक मार्थिकार्टि) : लच १ (लाकं नम्बार्ड) धाककामः । हर (१००८ मानुः) यर्वाव हु। ६ (देश मान क्षित्रः [नवर]) मार्भव,-वीचि: (एक प्रकत) माने द्वां व वी छ (बान द्वां प्रमान किंविट)॥ १०॥ भी लव (नमात) नवा (नरे) वकानि : (वकट्याने) विवाद शिष्टि (धार्टिम प्र कार्ने खिटि)। विभावत. (यारी कार्य (कर्म क्रिकेट्र) मन्स्त्रीति (देन क्रिकेट्रेन अहा व कावे (७८२) दे का बार्स का भी (हिरिष्ट आर्थ-मर्) म्यानेता प्रकीष (अक्षे काल मिनाद कार्ने एट्ट [वर]) मन्ड मर्कें थाव (नमात) मन्ड मड्कि: १ (मर्ड लाक्ष्य आय क्यांटि आक्रमात्र) अप्रदेशमील (उक्र करते अम कार् (० (३) ॥ २ १॥

ोर् भूतः (- अ तम्मी प्रभाभवाक्त) भनावती - नीय - निकात -यर देवा (समामाना न निर्मात कार्य वार्या) रतारिका- अधिकशान्यात्री (वक क्रिक्न) माल युकारान्नविष्येषा [नवर्]) बलावि-त्यापकन प्रवता (रेक्टन्स्य धनद्वातं मूल्माहिन) आष्ट (अरे आरो वार्षा वर्षा) अभी रेव (अभी नाम) कार्डिक अला कर्षा हिट्टें कि प्राप्ति कार्षित हिन्दि (समामि तेते (वर्ष (वर्ष) आवृष्- तक्षी: (वर्षा-तक्षी) गण् (जामापन देखरान) हन्ते कमात्म (भादभाष) कर्षः (कप्रमुक्षिकिष्) आतम्बारः (लधुमार गर्वन्ति । क्रिक्स सम्बद्धाः (क्रिक्सिनिक क्रिकिति । (इंग्रेने मुक्त मुक्त) त्वक्ताः दत्रम्पद्रः (क्वनीभूभं का अयन विषय) कि की देवत (कि वी देवान [विवर्]) य-कर् छ : (वर्ष्य में भी में के में के में में में में में कार्य (विकामिक माम्बिका-कूम् सामिका) विकि)विविष-उन्नेम लाम (ममायिस ठानमार) जन्माह (ज्यों कार्वे (() । गेगे।

Toot TON TON THE !] र आ (नर् वक्षायमी) विस् (कामानं विस्व) भवे वापः (सड वायमम्मुस्याना) वन (कामान) मात्राना: (जिनेटमाने) नैसेप्-सर विश्वद्वाद्वाकारनाः (डेकेस्टब-श्मध्यनितिष्ठ कूडप्मलाम्), अञ्चल्या प्रमेष अद्भाष्त्र कालिकाना) समदमक छात्री मार् (भूला छत लायक्षाति (किट्]) अत्र अर्थ व कि : ह (अत्र अर्थ व यत्र प्रमाना) खक्ती. वर्काता ए हैं (प्रमा अन्ती-प्रार्मिम (एवं) देलामाहर (भार्का) लाहिक ((2 day 2 da Ca (5) 11 200 11)) कू कर विमा (धी कृ कका की क : वा (त्यरे वा) मूमीम : (भ्रामिक्सी मान्त्री किया] जार हिमा (जार किया) [क्यान]) के या (क्यामप्रे वा) नीमा (नीमा [र्ग]) रे-माकुरि: (उत्रक्षाक्रियों) त्या वा त्या क का क्वा रेषि विक्षिः ((क्या वा टक्स वा के वा के वा रेक्सांस डेक निराद) रेखि (रेशर) जन के किनेक रिकार)॥ >6 >॥ १०) (मन्दर (तिब्हरं) खनीता अत्रव्याविष्टं : (तिक्रतीता. रिका मार क्या जार्य बार्मियादि क्यमपृत्क मार्व. प्रवंश्वा) मार्का (वत्रास्त्र) मर्द्वा द (रिक्सिन) केकर हिंद्या (योक्क के अप) के हिंद

[sie] काल ह (कात दम्मि विल्ला क्रिके क्रांत क्रांत कात कात. खिल्लात) कर्मे में कुर परायाः (ष्यम्बु मार्च) अत्येतः त्य वर् ((सम्भाष्य त्य व (त्याव)) मत्ये के पण्यः (हम अवं सद्य मान्त) 'सामने मा साम्; (ता सहने. भानितिण) प्रः (त्परे) आन्देकातः कः ना (विधाकात्र दे वा तक १ र्रिडि (अमेका) (एका: (एकमप्त) अत्रकाद (कार्जनाम त्रक त्रक) टकटकारिमाटी : ("रक्षित्र" के के के कि का का) दि मि दि मि (हर् किटम) जा म उर्ह (दमच मम् मुक्ति वर्षा काम दक) विषांड (12.21 41300CE)1130511 १००) सन्तावर (क्राय प्रमेश नान: (रेमराखेर में मार्थे-वर्षते) वक्षा गति (वक्षा वे भीता लाम वं प्रकृति (ह); त्र्याती ([ma] त्रवं केर्ड) म्यानेति (त्रत्वं गान लाहवेष कावताह "[नद्]) में व: (भन्ने म-प्राम् (व (सम्मक्त्म क्रियं कार्य कार्य क्रियं कार्य क्रियं कार्य क्रियं कार्य कार्य क्रियं कार्य कार्य क्रियं कार्य 如為でのCE)1120011 आह्व) दिसम् (विसामवंव) मिन मही (पर्वाद))

भूवः (अभू अवाल) अधिकाः (अधायत) भियावितः वीक्ष (क्रम के सर्वी सन्दिक में स्था अर्थित) सिक्षाल के किया (त्या लेक कार्य मार्थ) कारी लाक त्यंत्र (भिक्स समें ब्राटक ल्यान्य कार्न कार्न कार्न) हा: (ल्या मने ने अप्टिक) भंदत : प्रमार (अमेरिय काक्रा) र्वोति क्रमान कार्टिट्ट)॥ 208 ॥ १०० वादालक्षामान्छ: (म्बिक्स्म विष्ट्रक्षी एक) इयह (चर्याल) मर्वावन्त्र वार क्रिकेट (वक्षायात्र ट्ये खिल् कार्य कार्य के ने के प्रति महत्र थे कार्डि) ज्यानी हक्ष्मा करार (मश्रीमार्य मन्म मन विश्वाप १० क्योंक्या, कि: (शाकं) शामार्गिक: (शामार्गिक: विश्वाप १० क्योंक्या, विश्वाप १० क्यांक्या विश्वाप (हम्ह-नामिक्षाना) विश्वर प्रिकाछ (निभिन क्रभाउरक अटिंडमा लगावाचिल प्रवृष-श्रीक लिया पता पता (भारा की किंद्रमाद्भाष माद्भामानि ध्रार्थ्य म नार्म में ल प्रम अपिति त्यानं मच में प्र अकार्याव यरेगार्ट), नीवध्वायकाभक्तिम दिए

(अन्मेर्स्स क्रिये अम्मि के में प्रमा टाम ह्या अपूर्ति हार अमिट सारा कार्य मार्ट न हैं जा जी व मार्गार मात (कार्यन खारामश्चार्मिक मेर्टि मायान देस्त डर्माट्ट िया]) म्यान में यात हो बन (क. (मार्स में में यम १रेग्राटः) , टलाविकामीमामूख काता (व्योक्तिक. भीतामुक्तासम टमने काटके वाडुमक) पर्तास्त्रीमाह्न लार (विशिवाकाका न महार यह प्री विसत्त) न्य: (नर्) मायल: (मायल) मर्थ: (मार्थ) मन् (मध्यालात) मिन्ना (क्रिमान 夏南河)11 >>11 इस्ट्रेस्ट्रिस्ट्रीय विषयित निर्मातिय विषयित विषयित STALLY LEASTER DISTANCE OF THE STATES Server I have the religion of the

schen zy

) ति : (अप्रत) रिक: (अरिक) एव : (करिश्चे क्यू यह स् (भू त्वाक सक्तान मार्क) कारत-डामर्गः (वर्षा व अवेदेशव न मार् केट व्याद्रताम शिनं) भूमार (syrvin) orus: (gour \$ 2 - 2 fine) mergin (जिम्ह मार्थ थिकत्) अर्व मैमा ज्ञां वा अवा र (अर्व-में मार्थ के अस्तर्यान्त्र सांग में महीता) विकासार (जिमेप तमाडा) जात्र (बनेत करनेए मामित्रत्र)।।।। (तिरं (त्र क्रिट्म!) में वे : मना (मनामिक्राल के एक कि निर्मा वर्षा भाषा माना में के वर्ष कार्यमा के वा (मारावं दात्रेश क दामीर मार् कर देर्ग मंदर देस यहार वाकिए। द द्रमा इद्राह्म इद्राह्म का क्रिकी किन्नी (ब्कारेरी) किल्मनी उत्रद (किल्मानी न त्र अवारं ग्रें) हाति (क्यादा मार्ट (ह) ॥र॥ ्र पटम (में) यमन (क्षमनि) भारत (मक्षि) लडतमाँ देव (कार्डक्ष्में पान कर ग्रेस) अप्रयत-के.से सार (के.से स सामर-चे कि ता) मीत्र कार डिक्रा (मीत्रिका-प्राटक लाक का कृता) में सार्व द्र (यका पालका व गरेते) त्याती दे में माई (प्रवाप -क्रम्ममध्यक्षिणामती) आणी (धानवीन वाव अहिं) स्रमान्त्र (सम्प्लार मिलंड रहेकि)।।।।

मान्या कि वाहर कराता का निर्मा है। 8) आरंपत- यं ने क्रि- क्याप्त (आरंप्त देवत क्ष्यास्य वास्त्र अवयहर्व वक्ष्यमा) र्मर (यद) वर्द्धी (रम्हाधी), भाषिणामानी निमवा (भाषि मनं य प्रका का खात का ला हा ने का मा में द्राम : सिवा (काम में कियं विकाल करे वर्) हैं (हवा तत) मुका (त्योत्र कावासत्त्र) । स्वाधिकाः (मम्बर्गा), मानी र्रम्भर्कः हिन अलि (केर् निमाद पड इंट्रमश्र) यः (काम्प्रार्याद्य) व्यवदीं (व्यवद मधाक्ष्या) अवस्थि (अवस्थि) व्यापावार (कार्यात) कममाह (कार्या कर्ष (वट)॥ ४॥ (त्रम्ये (टर प्रमाय !) क्यारी र (मंत्रीन प्रशासमात) All (and) mo mo (to ca) स्थातिहरं (स्थारिक्तानं) सम्भे द्वार्ति प्रधा कार्नेमहिलाम), आ आ (त्मरे त्मरे मन्त्रिक्ती) यम् ((यक्ष क) हिल्ला (हक्ष न द्वार) ध्यममान (असम्म कार्नेगाहित विभवता) प्रकः (क्षाक्त) लाने : (उसक् अ) सूर्ग (र्बटान) TIONS (CACA) CONTRACTOR MANO

(Curuga - & Andrea) = 20 mile (Mile) शर्रेगाट) मा मा (अप अप अप आपानमान्त्र) मर्यमाणि मा (कृत्य यामिक इत्रेमार्ट्ट)॥ द।। र्वेस्पर्याप्तां (य र्वस्वरावं द्रवानं ३ अन्यवं : [anai]) त्र (लक्ष्यं) केस्पावा (क्ष्यवा) लक्षरं (राम् (प्रम्) लामव: (भाषा) आर् (विश्माति कु कि दंग के) प्रते गोग (अंग्य) अवस । युर्त । वृद्ध विवर (अवंद अर्द्ध लाय है य [लक्त]) रुक (नक्षाप्त) अवक्षाकंद्रके (चड़) रमलामार् (समायुक्ता) खिलाम् १ (दम्म कर्)।। ।।। of way; (12 of sug ' (2 of size i) or was (75, Cen)? वद्रता का - अक्षत्र), टलाता नि-भागात्रका (हक्त म्यवं मा क्रम कालियाहिका), (अयर रका क के हा (श्रें के विव रक्ताकर अयस अ सुत्रयूग्तानानिती)) अव्यवस्थानिक MAN CONTINUES OF THE PARTY OF T (प्रिक्टिम (एक कता दिन मना) न ता भारते का करा

काळ्या अल्लाहर), मीरमाद्वामा ([नक] याद्याद्वयं वे व क्ष्रिक्रम्य वे वा) दर्द (नव) अलारमें था लादि (अन्यां स्मात के कुल कु का उड़ना. " तिंग के कार्य ट्वट्ट)॥ वम न अवर सप्रवी (नम् अवर सभी) के अर्थर (म्बेक-ज्वार) मत्र व मेरेना है: (व मेर्न द्वार मार्ड) कार्ना है: (सामकी अक्षमभूत कार्य) कार्य मान्यम् की : (मक्रामंत्र लामडीतं) ' द्ववंद्व: (८०० रेमे न जी मही का व्यव वर्मका मह (कर्ष्य विवर्]) अरे मिलावित् : (since of the) Care you - no Gi: (Care y of se. sundari) oursis (MOSA) (MANI (4 EXI DAGIL) andingo ([y xman] xanging (2) कार (अविभाषात्म) कर्ड (अर्थन दिल) यन्तीकरण (दार्यनाण करिन्ट्टर्स) ॥ ५॥

भीरे क्रियं य अकरम साधरम्बंद : (य सम्पर्ध भेका-विकारम सम्मामाण्यी) विवासमाणी के अभव के वार्कः (DE CHANN MEDING CANON SELLY OLLES) ग्राम अर्थावायु-१८क शत्तं : (ग्राम अका क्र म मंग) हामन (आहिए) अपटना सारमाना निनाय - मृह्पिए: (काममा रेकिट्सारं मर्भर संस रेडर प्राथित) निकास के कि मिल्ला कि कि मिन कि के का की) भार माना मादिक. लार्डिनिक्तम् धरोष्ट्रमः (क्रिकेट) = द्राहि वाक्रिक्त. सेल मिन्सिसिक्ष) म: लगंद (नद् में साम्य) madely - alumber of: (madely in and-भश्यां (वा में अर्था) कामत्म (वम भर्था) भूषः (अया अटार्म) पीकार (विलास कर्वाटाह)। २, २०।। क्षेत्र (मक्त) क्षात्रक वंत्रात्रका (क्षात्रक क्षाद वंभवनकान वार्षेष्टा, ज्याव म्यान-काम-प्राथित तकी दिनी व कह का रक्षितारा टमावेषा), अवस्तर्भ-र एक मर समा (अधिर्मम प्रेम प्रकास लास्त्रीहिंगी लका दि कं अवसर्दमार् व च कराज माद्र संस्था) विसमक्षक के हिं (विसम्बक्षीय हक्त वाक-आक्रक्तव कां ट्या टीर कर अवाड (वं में मूर हैं के प्याहिका)

नवा अवर (तर् अवर) दशवत्र मं : वृत (दशकार्य व उत्त नाम) नव: (अम्मकाल) व त्मे (विस्नाक * 13.0 CE) 11 33 11) लाम (लाके खेर) Ca (व्यामा) यद् (मकत्त्र) वत्त्व:. निर्धा: (अक व्यामिक के मिले हारम लाबमाय कार्नेग) अकरमेठम्स मारा (अक्रमामा भामवेटक) आ विकाष्ट्रेय: (माविकामतेष मार्ष) छकामार् (क्रमाक्रमानेन) विष्णा (विवाद) कम् रू: (अयरे कार्यमहिलाय)॥ ३२॥ १० [वस्याप्ते कुछ] दूर्त (मार्था) द्वराशिक्षाना-हार्याः (त्वराहुमाट्यं धर्मायम् एक निर्दे लर्षाताः (नामक क्षेत्रं ध्रम् वर्ष व्यव माठ माह) हिला: (हिल बानिया) स्रीडि: (स्रीत्मा कमनेकर्षक) लाम्बिर्कानार (म्बर् र्कममहत्त्र) ममस्मार (यत डमनेकारेट्स) अल्पाः (माडिक दरेक) 112011 8 सामिकाः प्राविकाः ((र मात्री आवीषते!) क अवकाव कृतावतिलाव (कृतावनाधीयव जीकृत over 2 2 3 stri) ans es (and usus use) निवर (त्रे) अयह (यत) मिल्री (रात्र कार्य गारहत)!

and (Maled [Course]) mas (mas) 10 6 (MM 2 24) 18 28 11 Da [migaunga gra - (x sang i) Las (caraa) सद्धिः (रापटारी) तथाः (तथा) गर(cnos) का का तब (अंगराम्ह्र) मत्यावनी (यह बर्धन कार्मावनी नि मंग्रिक (मंग्रमास्मित्र) इत्यान (म्यान) डेक १ (के इरेगाट एम), क्यावटन बल काका? (क्या का का केला वर्षायक कराक लक्ष करी,) 11301 Mesurya gre- Trad (Encad) mell (me) ्राड् बन् (यरे बन्दा) कृकवन्त्र (चीक्टक वयक्ष (भ) भीगंदि (श्रीव्य क्षिताहिय) विदि (त्ये. (प्रतेष) क्षेत्रा (काश्रिमां) सी ह : (सि हिं) बाद्य रि & (signawy space Band (sing) विद्याल (रेश किद्यान करने भारतम) । रेक्न अधा) रिंद : (अर्डक्ष) द्रेगरं बायमाता (पर बायन आर्थ अउड) अस्त्र तासी किन्य (पर्व ट्यार य किमीत) का कर्मा क्रिया का (किन् कालमा विकार मिक) कि ममानः का प्राप्तिका रिकेश अगर बारी कार्या खाने हिए व इर्ब. केनक) 175911

The [migerus is great on a acs (Top ace) ingini. (अभिनेत्र) त्यम : (त्यमभात्र) ख- आग्रिम् का : न (सड-स्मार्थ - मस्मारे गर्र) , कार्य ह (कार्यकड़) यद (कार्य) अन (नरे बात) छन ने विषुष्, (मोमनानं आमातिन अविविष्ठ क्र वर्षमान (प्रवास) wink-मयुकाः (धानामे डायम् य अभू व [मेरिमार्ड])॥३४॥)) धमः त्मेरिया-धमिमाः (धादतं कृरिय उ धमिन), बादिशीकारे ज्यूकाः (धामह बादिहन नम्म प्रभामक) लसी (तरे) प्यालाया: (प्यालायकत्र) अन सराकाय-कतालयाः जारि (अनु धत्राकान वा भाषान कति र wing course unglass) 130 mm 0 कियान के कि निर्धा क्षित्र क्षाया का व्याविका क्ष्य बाख्य करण) आजिकामार (आष्ट्रिकामार्य) वत्राश्चिः (व्यव धनार्येष) वाभा-वन्नत्रमण्ड्या (काशहारक्ष वन्ना छत्र [अरे]) दृष्याना क्रिंव्ह्वा (मेरित सामस्था लामे हारा सत्तार्क)॥ र०॥) (म (munica) न्यात्र : (सर् म्ये क्ये क्ये क्ये क्ये क्ये (यं त्यं लकार्ष्टीक) स्थान माधार क्षंत्र देश (सामा-म्यवानिक गारं) वार : ला : १ तक के ला (ला हा दे (स्प्रमेश (श्रीक्य- प्रिय) । हिंगी) स्यावत्यं के अधिक वा

(Marie of Color of a partie of a partie [[migaunga 822] @3: (@BCa) 221 (nger) वंसतां: लाम (बामनं इद्रांत) बार्ड: ममारेट क्लीह्या. शकी वन वर्गन न वर्ष भा (वर्गित अकरामित क्रिके त हेड्यां के अ अधिकार के के किए (सरम्मा), म: (तामात्मन) अहा गामा: (क्षीकृष्टिमान) word (करे) अड़: (अड़ार) देश कराड: देव (देश. शास्त्र ग्राम) यात्राका-मस्पृ ६ श्रास्त (यात्रस्य मास्य वर (मार केत्र) वंत्रकर: य (वंत्र धार कर्वरधा)।। रहा। ी केकाड्या हेब (केकाड्यं गारं) लह: मिम्रेट (अउद् । अका "[लाक]) बादी: आकेउ - बक्रमार (बादी-द्रारम अव्यक्त अके परें , के कार (सुरे किंद मिन्दे दरेख) बाला- मिक्की ए नार वर (बाम दाव क or CB of Car) CB S ME LO (CAS MALE लयं सामिति इसे दिश्यमाम - (त्रेड वर्ष व्या)॥१०॥ To [Bausy a gros Frementay (Curyluy) लवाम् देव (खवा मैक्स बाक्षिव पारं) लाभ बता. (तिने व क मून्त्र), बाहि: डे ब्लासा ([ध्यक] बाहिरव BE: ([ma] A Concaca a formation) & m:

(कारक) संकृष्ट: अप्रकाषित: (माम्प्रेंगकारि मान्ति उ-Con वा - आमात) 182811 [यार्क्सामान्य कुल्] कुन कि सरी में (ह्यामार कुम्मन्) म्मीया का) सा क्षेत्रा देव (शाक काव भाग) आह : बार : जान (जिंद् डे बारिए) सहर (अर्थर) अक्रामा (जयस्य लर्जाम स्क्रिक्टिक - बाक्सा कर्त्र scis [ass]) (a (countrie) ans you; (अड व्यक्त) मारिक सार्वे वर (मारिक व नाम) नव-वन-प्रभाद (प्रवास वस्त्र भर्ताल)विडिन्न-इग्म : (जनमूक्म राम क्य जार्यात भारात्रक डाव न्ति किकारक - विचित्र वर्त [अकाम करवर]) है 2 का क्षा विकारीन देशिन दियम (भिने) भवतामनः (थिके रपक्ष कार्य) मामाया (मामाय कार्यम) देखुलमाडाः (तेख्याम कीटेमनेक) पादिषाः (मक्त कार्या ८इन [नवर]) त्यत्र (भिन्न) व्यक्तीमः (प्यावस्य । शार् के दे दे हे हे हे हे (दुरहा यम कार्का हिट्यम) Car (क्राप्टान माइव) यः (त्य) मामार्थ लामांगर (सरावा पात कर्नु कि मारंग) हरिता)वि [यार्कामप्ते द्राष्ट्र-] ब्राविक्यांनास्य - विस् रिक्रा

(तिमनात्र विके विकामित लानान्यां सर्द हर्गा) के एक (म्युकाक क सद्या) व्यावात्र : (म्युग) व्यावात्र : विकास (विदिय लगके अधर्मने वर्षक) वकी- वकादार: (अंत्यात उक्र करित) यंत्राचंतः (तार्येयप्रक) प्रिता: (प्रित अनेगार्ड ! [अनेड]) र्य (नर् रेसा-इत्त) लयाहित्वः (मृष्काकियमे)कृत्कः (अक्रक्ते) क्रीडि: लाज्य (क्रिमक्त लम्बद्ध ने क्रीडि आ त्या क कियादि)।12911 नि उक्ष भ शमुलक (उक्ष भाग्रमानु व अम व र्मा में १ मामसी (का म कार्न मा) लाहु: (मिन्धाल (मानसूत्र) विश्व: (अस्तु ह्युंस्त)अंगर (अंगरं) असे ज्यार (डेर्ड्राय व्यात्मार्थ वर्षक) महास (क्राक्समध्यात) काटकुर (क्यम्य कर्नगाहिला मे [बंदे]) क्कः (लीकिक) लामा (प्यावस्थामार्थे के) लास: (लासाताता) 2 स विविधाय (28 विकास कार्य भारे) बिलाक लो (मिर्डिश क्रिक) क्रील्ड (क्रील) ड्लीस्का क On Coyano (Coyan) unasing land and (angglusta.

(Albert क्षित्रक करतं) दे प्राप्त (भ्राप्त) बता स्मित्री (यक्षी-प्तिने मिन्न वायम्य करने क्रिक्टी क्रिक्टी क्रिक्टा-मित्रहर् (प्यावस्थ-। शाही क कर्ण कथे ता आंद्रित कर्दे) man: 34: ("and a ship) antaning (अम्प्रेट्रेस्ट्रिस्ट्र क्रिकारीयकी छि: (क्रिकारीयकी छि-व्यानी), मार्मारमः (विकासियम), धमाद्भाव (लासारित) लातं माना (त्ये सह मुख्या) प्रमा कर्व (सम्वित मार्थायम करूप) मेर्गा 2) Lugurga 9.8- Blangain: (Blangia) Jaise (क्षीड), ब्रूज्यका (क्षेत्रर्ध), ब्रूबीनका (भूमडाव), मद्य-पात्रधकंश (में ब्रेट्-पुन-एम्पे) क्याम्-भम्ब (orma ayxing []) sigar & (sigamiz) क्रमात्रासार्य-हिंड-स्मार्यो नाकाव (बमावन धाम-Cमार्थ कार्क कि कि कि कि कार्क मार्थ किया कार्क मार्थ किया Wilder Hood Dire [Deuga gron } & Co (Calder) dring (मानियाम ७ ज्यानिकंत्रापिकं व द्रायं मकावं कार्या)

राक्त (क्यांका) वक्षत्र- त्यकाल त्या गढं (वर्तन १वन-[ud?]) a the (on the want on it; ya (aread) the said of court of the said ; and of court of it; vir) onvie saigné (ajuse ordinations श्रृत्य) यः (चार्रेक) वरक्षेत्राचर (चार्यात्रे चारता) के काम (मार्क दक्ष) मम्द (मम्) भागातु (कासमा करतंत्र) । व (क्षि) पत्र , वर् (व्यामा लाड करित) भूभात मुवार्काला : (अबन भान कभी क्रिक्रमार्गा रिएवं बारल) यामाद (यद्यास करात्र करवनः [वरेक्ल जिने]) जर्भी विस्वन एए: (वस्ते स्वाव त्य अधिक र) भागमाम व्यक्त (साम्या श्रुत्यत) क्या लयर ममाट (व्यम्ब देसर्व कार्ट्सर THE BY LERI & SCYN JEST (DES (ON BUIN 115011 (JEANTED क्रिया वरं भा. (त्य वरं भा.) यांच्त्या हिया (पर्ममर्कार्यं. प्रमा देश नाम प्र करने), विश्वाकार्य में (विश्वाक व्यवकार्य में करने

(mugaal gerja (galy) [086]) Egyla (galy) nor cherigal इत्यः प्रामंती (अश्यक् मन्त्री) । १७७॥ की [असार ने देखाने हैं : में (द्यार काक्ष्र का) के कार (म्युक्टक्रकं) रहन्यः (क्ल्युकं) राष्ट्रस्यकं (राष्ट्रमा) क्रमते (वप्त कार्कात लाटक) हिमा (एम बर्जी) भार. भीगे वर्षेटे (प्रसंस कर्षे वर्ष्त्रे में में) ध्राप्त प्राप्त (त्यातक पान्ना प्राप्त) वार्वक के कात (क्रेडिक दें. लंकानुनम्य) बामलड् ० (लर्म बाम-लड्डे) विकृत (क्ष्य जिल्लामुक यार्थमा) साम (सराम) अपन मार्गक. के कि (भुठास्क सम्बर्धि कार्डिकाइरेक) बागर लास्किट्याह (लर्डियान नास्कृत महाम्मं माद्र)1,081 क्षेत्र (लक्ष्यक्ष) क्ष्याराता: (13 क्ष्यायक अव्यक्षित म्याविष् अप्रणासतरः (अप्रणं द्यात र्यंग) भ्वाः १ ung: 2 (22 - Tyle miguy) Assemplis (जिला- जिला आ के बाद) ब्रुक्त (इक्टिव) विष : (अवंश्व) सद्भावश्वाचा वर १ में: (स्थावयं प्रव ग्रिकायाल कार्नेमाहिस) 110 611 [(कात्र कर, लाजां कार्क कार्य कार्य कार्य में में

(ट्रां (ट्रिक) कः (त्व) कर्षक्ष (तक द्रास्त) लाजानु (आवर्षत्र । भावेष) महाम (काकामामकात्र) भिन्न (श्रांत का कुर्म) सर्द्र मायुरा हु (इटम के कि अर्थ (क) लाम् : लामने (लाम् : लामक कार्यार्ट (यम ' [किंग्डे]) कः (कि) काणुमार : (काणुमाराक) अन्यक्तां (क्रिने क्रिय क्रिमाटक) नमर् (म्ठा शहंगाहिलय) कं बत्त (क्षात्रां महत्व में दिन्ते) ल्यः क्षः? (केर् कार्क्)।। नन।। al [o a migl on or a migla on a sign of mus i] का (क) निअक्ति (निकः सकः मुल) द्वाकाकाडि-म रामा आडे हार (हित सम्बंध अ अत्वर्ग मान्य देवार्ड-हारत) ए खिन्दे के किए (क्षित्रेश का किन्द्र ते) भीयातिशयत्ते (भीयत्मत्येवं भीतं) विवाद (क्षांवप करवं न [वक्ट])का (क) हैन महत्त्वन छिता के छ . १ कर हैं अभी - जियं स (शामन राम मार्के किं हिन्दिश्वा हक्ष्य हैंब अवं वस्ट) पराठ (रेश करंतर) 'शर कार्य, (व्यान मत वय, [९३ के] भा स्थायकार, (शिम् स्थारकार,) 11 0 d 11 * 100 (a) 1000)

Up [= a ace à ouz and a as a a a les mais तिक क्रिन ((क्रिके) बात (क्रियान) व्याण : (क्रिकेट) यहा उब तेया: (यिन) मैंक चेम्प्रायुक्त मैंक्रमाप्) em (कें) काश्रिका : १ (स्मार्श्यायका ने गार्थ) कार्ड-में खिक करा सहाबाद (क्षात्राव सहाद) मान -क्षिताक्षाः (एष-१५८५ सम्बद्धा भाद कार्यमा) ट्रम: वदम: (के वैक्स्मिक - हाक्नमधावं महिनाकर-वर्षा, (वया): [९३ वर्ने) सम्बन्धा, (सम्बद्धां किस्टे अटम - श्रृक वं समृद्धां) में कार्य (मार्क्षेत्रे कटांत्र)' अटम - मार्ग सर्व क्रांत्र) मार्का समृत्य (द्धान्ति) रक्ता मान्या राष्ट्री या मेर्ने - वरा दे अहारको)॥ ७ म। ्रे [स्थान् किला के काश कार्य मान्य के से असा उद रेड्य : १ (थ्रिड) मेंड. अंक म्राप्) बमा (कुर्ड) कार्ड-मुका: (अर्थनी जन मने) भारतीक काला: डेर्बम (वेट्यूक्ट्रम. पर लग्- टाक्ट्रस्थ डड्रांग अनुम्य-व्यत् अमु क कारी रहेगा , प्राथियो भाम- प्रमे ब्रामिन उद्गामिका र्येया) , धर्म मानि-प्रशं : आणा : (स्थातकाक सेट क्य - टक्सिप दे मध्य रहेगार)

अनुष्य- यम् वर्षा मृत्यात्वे अभी देव न्याद व वर्षा वर्षा -त्यां अरप्तं अन्ते रहमाटि) विक (च विकार्त) (50 ं वस, (अवपृ क्षि) एक रम, [934]) क्रमा गत्र. (CONT DE) ELENTINON. NOILS, (DINHOLDE DE OND - चारा लक्ष्य वारा तक्ष्य क्षेत्र माने क्ष्य माने स्थापित । - चारा लक्ष्य वारा तक्ष्य क्ष्य माने क्ष्य माने प्रमादित । या ८५ व मक्षा मारम - स्मिन वामून वामाना वा हे अवरत व ज्याच वमरह मार्टिक भारत्ये।।। वर्ग।। 80 [यक आयो काम कामी काम कार्य अनी क : (कि) (८०) अवश्वीतिः (अश्वकामाप्तं) मॅकेवरं (मून्यं) हिता (वितास कट्डी [वर्])क: का (क-र्व वा) सिमंड (मीक्पाट्रि) वरम-रिका १ (यदम उ वृश्वतक) तिभूत् (तिर्ज करवे भाउ) न सकार्ष

क्षिंगत) सार्वेश्वक: (स्रोकान बक्षन लाम्य लाम्य रामक) काल्यत (उर्द में ट्रिंग) है कः (क) बरमकं (बर्धक किस्पर [इक्षाह्या] डिक: (क) (व्यक्ष (क्ष्यं के (क्ष्यं के कि विश्व कार्यमाडी) धामर त्येमक- नक्षकः ! (त्यमक धर्मन (2 Lucy a rugue and [Ezine (22) 70 20]) रेत्र १ (रेत्र विश्व कार्यमात) रेव्यत्यः (रेव्यत् (व्यवद्य [क्यार मुन्बाम्बानी ड्रांगार (पत्र]) है र्याची - वब्दे (क्याबी मार्नेच वब्दे बान अनु अस्कात) उपले कर्वाक् अर्वेका मीडि: (बादाराम्ब ट्राइव, हिल्दु उ अको व व व का कार प्रमा किए हैं के का का का है। कार्ष (अर क्रम अश्री का.) लक्षांत्र (श्रुकंगाहित्य र Tracel =: [res (a)) marine (tray usys) यहाति ही लाहित (अडीत उंत्र प्रेयुवा) त्राह्मेशहरू हत्य (वन्त्रत्रष्ठित विकास कर्निगार्ट्स) देवर बद्री (QUALA WM AM, [GRA]) N: 5/2; (181275) A 218) 11983 9 8211 80 य- अटलोर (अलीमार्य मार्ट) की (आंक्रा त अक्क) अहे विश्वास् (यूनिश्री विश्वं ७ विश्वी-

भारत) मृति (अर्मेस) याम वियायार्थियात्र (मत्त्रेर बार्टी विया मुक्ता व्यवपृष्ट तक कर्त वं (क्ष्र्मेस में क कार्टि. में बंगु शहरेंग) शिवटिया (आम कार्त क कर्तात) वर-की नेप्राच (अर्थ विद्रां । विद्रांशी मार्ने महिसानिकारम केर) निकानिक-प्रमण् (मिकानिक-प्रमण्क) ध्यादिनाको (ल्याटम कारात कार्यें के किन अवस्व कार्य कार्य का (अवं स्विष्ट (आहरी आहि) त्या करा हो (मर्भन कान्छ कनिए) (हन्छ : ([हेक नमधार्या] बिह्न ने कार्या दिल्ला ।। किंगा 88 [लप्डन] पात्रवा (प्रायवा) यांबा ही: (आंबा प्रपुरक) लक-राका- वयम्बर (मेलक राक्षिय) परम् (राय कार्ना कार्ना) में बात ; क्षेत्रत) कुर्तिक : (कर्माकुरानुत्क) अव-साहत्र-माद्वार (म्बर काडियाक त्यात) आमाय (मान कार्न मिट्रियन)॥ 88" 80) वर लर्जे (क्षिप्रये) भागामें भी (भागामें भी) (वर् (डारादिगरक) अवमर (बामरता र्विताली! (क्ट्र र सावार कार्ड, a र सावार यह ! [अलिस हा]) स्योवतः (प्रमानमामाला निकाः (मार्ग) सर-सम्मक्ट्रं : (द्रेड स अस्मर् का निर्माण) गर् (अपलासिक)

एवं मुक्टि (१वं न मिलावं कर्ड) द र्मेस (१९४में को -रें ियें ।) प्रमय-अधितार सामते (प्रमय-अधिम ल्यार (प्रविका प्रमेशमांगकक (क काम्स) " नवं (24) वत्रामर् (वत्रविद्याम) निराम्छर् (दर्भत कर्म) ॥ १०॥ हिं। देर (नमात) किम्मिना क् अन्नान-क्रकेटिन: हिना (मरामर्गेल भीवर्ग मरामरार्भ मार्थिस महात्वरम विश्वित्रेक्षेत्र रमंत्राम्लमान्त्री) भूत्र : (दिकालक) (त्यां क मर्गित काम्रिक का स्वतीमें मध्य का अवता केया) सरप्राडिडिन-लान-अर्लद-किशी-की ना करें : अ अपना क्षित शिवाने भाव चलके किसी व सकता कुर्याने क्षित्र कर्म कर्ममायन नामक मार्थन) लाक्ष-पानकं कहितः (मेलके प्राप्तकं व सर्वे प्राप्त म (सह हाना) इत्या (इया अर्था द्वामानमा प्री (येमाव था) भा दुर्द (तर्) प्रम्मा (यर्मा) नीवा द्याताः (क्षितिधार्यं दृद्धांतं) माकास्मार्यास्त्री. त्याद (अक राम्तिंद लायल द्रिकास्य कर्त्रंत CHILOL SIX (012) 118 A11

8) रक (अ मिक !) कांबेठ सरहवानी- वादि : (किंग्ड-रायमाम - निर्मादित भावास दुर के खिलाकं विक्रिक त्तर अत्य - कि से छि हि सर हव अपन में मार्थ आहे व्याख्ठ) ल सामकारिः (विश्वमल लि) भरामम्बिकं कारियंकं [Bosanca] Brysug & ac- Exnexthought any and comment and comments and any अर् व श्रिवां का का अवारिक के का ने की के कार्य Tolange all pracus Energo of " [180] in all say Curyuque sia supa oupe smeina) 1200-रैसेमबाप: (किस्सकाकाने । हकारत भुष्यामारी में हा-Caules " [120 sides,] & record 18 anx courses [745]) dingo-Quyy:) (annum) The after any and survivery is an in some of y praise printer [popular of maining Mys wy willing [Bolo alm] ay sales at 24. नाम्यालेव में मबंद्रियां के प्रमां में मिला में मिला में भिर्त) ट्रमहरूत: (ट्रमहरूत) (क (क्षिप्रास) स्ट्रक्र्य: (CECSANINI) RUB (CAMEL OUT COLE) 198411

8ff an (Maisis) sig; (ags is) one des: (one in स्क दर्भा) कामार मात (जिंतकार समाद) कार (त्ये) दिश-अवस्कार (त्यात अवं व्याता) र्कत्त भा (सकाशं शिवं त्याव्यास्य कार्य्यार्टात्य)॥ हन। 8% अँगामा (ए समाम :) अयन (क त्य) रेक्टिं - अतिन-बर्स (अटमकृष्ट विविधवर्म), अकु भाग्र एका भी (म्यक्र मार्नि काम् काम्मक्य वर्मित्रका), मदकन-क्ष्याची-पर-पासीमें भी देव (पासी बाद्धिं कारं यत में मं क्र आक्र आप्त्रं कायुरेका 'चिडी) आड़-निर्वादिक र्रायकं क्षत्री (मूलकु उ देवर मामकं क्रमकं स्म (विभिन्न) रेप्ट (वरे) त्रभद्धनाथी: (त्रमहनाथी) इस पट्टी देव (टकका महीनं गान) व्यक्ता (क्रांत्रीन (1 8 11 (E) 11 8 % 11 (०) मार्स ((क्याम !) विष्ठ पूर्ण पत् (क्या कार्य) हास्यः कुम्भरं (मैन्टिंदवं कुम्मेका)वैधानकुक्ता. (अनुकि करमें) क (Cerena) असम्म अन्देश्व (अमन. में प्त) यमायांग्रह (लायांग यड्य कांस्टिट : [mis]) स्य-त्याकर्तात (िकामाव] स्यक्त रक्ताकताक्रम् उद्यान (भूपात्वन देक्डान मां द्वार) धाममान-

बिटियामरें अर् (अने अर्वे विकेश में अ देना है मा कार्कता) काणु । स्वरं विस्त्रात (दिवा कास न कस डिरेर के कार्व किट्ट 1 िप्रणायाल १ अवाकर्ताटम के अवस्थान अलंबिल्डिस आर्थि है न महात समझ प हकताक. र्गायं त्राम मेत्रअसार्व भ्रमायायं लर्यान -बला । तिका मिनत मूल इरेक्टर्रे)।। द्रा लाया: (स्वय क्षेत्र क्षिक्त) मिलामा: (मिल्यं) क्रिया । () इस माला (तर रहमड मिलाक) लास: (लामुन) स्वरणाक -(ल्ट्ने) आवृत: (हर्देश्रिक) स्वयः (श्यवव रत्रुंगे) (आहर (कर लार) कुलान (कुलन क्रिक्न) वितिभागु भीता: (अविव व चर्डेमहेव उर्गाह) ? लाभ ह (एक त्यर था) PAN CALCE (SCHA CALORCHICA [M.]) ON ZING (aga Bair [Lastynes])116311 () अर रेग्ट (नर्मि) हिमानी - कार्क्स (विभानी का लाक्त्री) रूप (नर् दिल्य) मर्थिय (भ्यता) क्षत्राक्षिण् (क्षत्राक्षिण हात्र) हात्र- क्र्युएत्राः (भूर्य छ ला थेंच) कुक्री (आप्यूटर (दुक्र शक्त इक) कार्यकार (भाम कार्यकारम) कारात आपित्रेड (मिल-मिल-) आपड़ (भर्ड रियम्डकारम) कारात आपित्रेड कार्यकारम

(शक् किट्य)। ६०॥ यम् किर्याद्व (शक्ति अवित्र क्षित्र क्षित्र

(अकाल कर्ति खान में लिखान के कार्ता किया कर के कार्ता के कार्या क

प्राप्त (मन्त्री कार्य करके) विषयित के कि क्ष्रिक के कि कार्य के

(अथिला ए अप अ वे देव का - ट्या मा के बार्च (12 के नाक् का का क्यू शिश्य स्थाप्तिनं सवय अला व त्यंताक्तिकांक कत्) कृ हिंदु (कात्रम्य) असम्मानार्यः त्माका-भीष राष्ट्री (र्रेट रेक्रमर्टिन सिमेश एम क्षेत्र देक्रव्येटिक कीय-तिवायंक), मृद्रालिक्विकारिः (भूर्यातारक्वं भृद्र्षा-यकार कार्य [क्ष्री) राष्ट्र म्यामणा दः (राष्ट्रम् एटक र्माटरवं माठ्रेक) मान्त्रं के हिवं माना (त्मिन्न-कृष्टिने माध्य) (धन्ति) कत्तमः (१ वन -विकास) दावि (अकास सार्य १००१)।। किए।। (१) । नी मन- अपूरक्री: (वरे भीजक्राणुन सक्री) कवा-रक्षालाक्षे - वन प्रमे व पर (धना-त-वन क्षितान काहित्र वक भड़े यक), मप्रक- अडा- (काती ? (पप्रविश्वास्त दी शिक्त मिरहा के क्ष [अरेर]) रूप प्राण-। प्रिण-। मिरायए ह (कूप भूरक्त प्राण्डिमा) अन प्रिटाम) मंगी (शवन कार्याक कर्माक ट्रामान ट्रामी. किकालिक-राबीक-कालिहिः (कर्माकी मार्कमापन प्रमापन इार्वा काम्मार्य प्रमप्तरं) किम्पे (किम-हतं) यर से प्राप्त रेव (अधिक्षिति से से कार्य कार्य (एप) प्रिमिष (प्रमात हेकार्य इवे छिट)। एव।।

() बात्रकारी देवा पायत - वंबि- कर्- (कार्क (काराह उ मकारात ममामक भेत्रकंत्रकं महमाल मुख्य किर्दे) स्थिकाउमकी (मूर्य काउमी-वियम), मिरिएएस- क्स्मार् (तिरिष्णयमात्री मुक्रमार्थन) लाक (कारत लाम्ये वैप्रम्थ्यम व्यामान)देनाक्षा (डेमिने [नवर्]) प्रमालाप्यक्षप्रा (श्रिक र्लाप्यक्त-क्रियम्बारं वस्त्रीय) मेमवि: (मेमप्त्र) आरं महाक्र). (अम्लिक्कित्य दर्भन कार्यमा) अकरे अनक- गर्थन (भूतक ७ धामारा क करें अकाम शूर्वक) धारा वि वि (निकटि क्याम्कट्ट)॥ एक॥ (h) काभीर अर्ज (बरे मीड अवूड) मृद् डि: (मृद्) ें गार्दः (श्रिमिवंग्राम्) हारक्षाः लगेष्य (अविधित) हलार्ट्याः क्षि (अहडक्रियंभाजी मूर्यcultain) Blas: (onemin) sou : mus; (al : min) any xxxx (any lave) bring you was कि वि विकास (भग्ने प्रिका नाकी: (विमाला [क्षित]) सम्भामप्रामः आला (पियमन्त प्रायम् म् रिमर् ममार्थं क) महाका (भारता)का (MEPLI 2 2 2 3 N.CE) : 80 (SIN ;) 12 26 (1 2 ML)

वित्यम् विम (क्रादीन्यम् दित्र) कः (क-रे मा) कात-द्रमाः (कार्यम क्योह्ड)म हि द्यान (यर्ग) हि करा। ००) बाद: (म्पिय) अयमान्त्रीनिवडीक्षा (अ४७ भीविव लार) अधिक के के (कि दे के वा में व अला रहा) वन्तीय (टमकीमार्यक्) मुत्रमूल-सिन्दूल (सन-में अथ के अ वर्ष टेंप्) में क (पंकार्य में अपर्या -हिला); कार्राह: (प्यानीय) है जिंद (मर्वेदरे) (प्रक्रिक द्राधान के) डे के (९ ८ मप् कर्नण -(इत) हे ((() माट क्यांप (क्यार क्या आकृति) वृत्ता अल्लामा (क्षेत्रादेव कालामा क्रम्ड किए के (कार्य के कार्य के कार्य के किए के न महत्त मूर्य त्या माण्ड हेक्क म्याम्य (माभीमार्ग त्य कि सुर्कार प्रकार भवताब कार्य य द्याल द्रायादि क्रम्य टिक्सर गार्ग्निक गार्थिक क्रियाट्य])॥ ७०॥

रे छि छ मार्भना (वृत्या त्यीन श्रुति छ नात्म) अभारिकः

(इन् ठेर्स्स) लेख (र्नेन्सिर्ड्स्स्रिक्स्

(अदारम) । भी भवं अठ्लार (भीड अठ्लाड) वता अधेष् (वतामाठा) कत्रभन (पर्मन कर्त्र ८० कार्य) तथा (वर्षकार्य) मुखालुमार (स्त्रियाकारक) भागवर्ष मार (मर्बंशाय वर्षात बाराद NON (MA) 1135 >11 त्री , संभान: (हर संभान ;) मार (ENCE) मात्र (न माउ) क्ति (क्तिप्रेव) द्रामालं के बेलं (क्रिकंपप्) लवाकुत्स (अटमन कार) यमार नं (लाम कारत काराम केर्य कुर्म (कुम क्राइम) धारम् (धारम) विमार्ड (माड कर्डिकार किल्चित कार्यको]) म्लाम्बर्गममर (नीड अंपूर धामप्त) दिलाडि (मुहरा करिएटि) ॥७२॥ र्ण मनावं ((त मनावं!) मना (मेलम) मिकाह मकाष्ट्र) रामान्यम् मूल्य (अध्यय् मूल्य भार्ष मिनिषा) देखिना (नक्षी) अवति: (अवन) दिताः (निमिन् - अर्अपनि) ५०५२) मानर (५ %-त्यात) । प्रकार क्षेत्र क्षान सम्में के (अमी क्रम भीलं साम्यं) विद्यानं (कार्ने) एत कर्तना) के जा बटाए (के म बाह्य कि मान्त्री गाह (का मृतं के अ

मार्पिक शर्बाक प्रका कार्नाकरड)।। तत।।

अही चाड (अप्रयासी: (चार्य क्ष्यामाह) । दुलासी (भाष्यं च्यान) मीन्ड (मिन्ट्य) भिल्ल ड (अवाद्यक्ति कार्यात) क्षा क्षिया व्यक्त) टासुन क्ष्रांसु क्षिया (व्यान समुर्धिय क्षाम्यं) आस्म- वाद् (कार्मिने कार्याक) लक्षायंते (अंश्रीत्य कार्वनाट्य)। एडा। All concingarin: ([काळानंत्री देवीलाययशास मामारह] जम दर्य क्रिया) ब्राह्म का का विदः (उलडू अनी मार्थन) समायमी (समामि) यार (गाउनक) एम (कामान) मिलि कार्यमान (मेर्क-अला लायमंत्र कार्न गाम्न्य) अन काटम् (नइ क्ष्य) मा कामा भी (वक्क आरं) भर्वत्वी - कमावती (अंक्स बर्गिक्यकान्) लच (नम्पत्र) वार (त्या केरान् अपने कार्य के प्रमाणिक) सरमाहिं

(र्केस्टिक) कामुनं एक्ष्र (कामुक व करेड)' ते का (काश्ये) ठावु: (कार्केक) र्यान

(overa, Angacar) presing 2 (8 an 22

DATOTES)11 0 811

मिठसर्या अस्ति में ने न्या मिट्या (मेट्यामन (अ० थे बा-में क्लांब अब् में अंग्रेश कप्रविंगमा). अभिथक क्षंक्सर (अंधक व क्षंक्सरिं आहेव) मित्रामाः (सिन्द्यानं) अभुद्याः (अभूनमा) यह महत्व (विकास कार्ने लान]) मा कार्य (खिने क्या मुंबा का छ) वस्त (क्य के क्या कर अर्थ लाय (क्ष्रवास) त्यामानवर्त्ता (केम्पेकी-द्राष्ट्र लयहैं अंहरें [डिमें कर्जिय])। १९॥ धामाना: (क्यांस्कं) क्वं लक्किए (क्वंक्राए) गा. ताम (लक्ष्यं) र्जान (र्जात्या) तेन (व्याप्तादं) लोकी धाना (कूक श्रुटकान एप भागारि) मिविका (ल्य्य श्रुविग्रहिल्य) ज्वा (ब्रह्म.) जर्ने त्याहिलाई-लय-क्य-त्रनी छेट् (क्रेक्ट्र वक्ष वर्ष हेर्न्य वालित्र हे म्मार्) मह्म (व्यावप क्रावंगः [कायां देगा]) लियां (स्थिम् क्ष्र के कि क्ष्र (स्थिकिं के के कि (कलेटाएक) व्यक्ति (व्यक्ति इरेग) भूत्रा भीवत-ताम द्याहि: (अयर भी अवस काल व साम कारि. [सक्ष कार्य लवढ में यवार]) िंदर (च्यिक-

१मध्यक (ध्रमण्डिय) कर्ष) त्यात: (अवाकुत्व) साम (यक्ष: म्हिन) त्यालिता. (खिशक डड्रा [दुरा]) हाएल मामारी १०६ (१००१-वात्यां त्याह [क्षंत्र कर्ष्याह्य]) ॥ वता App [क्षप्रकृत] (सर्वा (सर्वेत्राभानेका) प्रमाला (खिलाला) made (2) year) 2008 (Jan) or se Consoni ल्यानि क्या ने सर्भ.) अल्यात (तम्य करें) वे क्या ([मक्ना] में क्रात्माह हा.) में दिला समा (त्यास पार्के).) अका कूलवानिका नव (अकाकती कूलवा) क प्राचात्रापे: (कात्ममाड) जमरेंगः (जमक्मन) त्यसार्था) क्षित्रात (क्षित्या क्षिक (क्षित्र) ॥ त १॥ । त्यस्य में १० (१० विषय) यहारा विषय में १० विषय । १० विषय । अले हिना (हिना) व्यवशिष (अयस में) मासि (व mका!) राक्ष्यार (राक्ष्मिमी क्यान कार्ट) अप्टिल्यार (TOPELLY) THE TA OLY (CANA [SIE.] हिन (त्रदेस) लग्ने (तर्मामंग्रिक मित्र) ला को में सामा करार (काक लाग कर्म ने कर) का मार (पर के लायता व तात) नका त (दुक त्रावमान्य) में (त्म) ट्याबर्ट (र्यमस्य) बंसप् (बंसप्)

(Jane (who 3 is) & 306 (321) 1276 20 (बिहिंच न(३)। एको 00 (अमरी ([कार] के रायका) लाम माल (अलामर्थी) eany (इ मार्ग!) कारे के अमर (चक्र हिन्स There tal sa) man; (orsen) tang: (यमनी) तिका हिक-मान्य (तिकानिक= अधीववर्ष) क्र कार दिकारिक चार्यात् (मिन-मिन-लार्ड्टि) में से से रे कि से सार्गिक) र में-विचार भी रामक क्रमणकमरेका) सर्वेश (मांब्छ) मार्बक्त) प्रियु कार्याः (क्राक्रामाहिस्ड) वर केमर (नर एक्ट) नकर नववश्वाविष् (वक नवीत वश्रमीक) अने मिकाडी (हेल ट्लाम कार्ट्ट्री) मं 9011 की हिया (हिया) लाड (शामात्र) है कि कि है (मिर्का करें) गारं का दुरेका) ' त्याव्रिंका (त्याद्या) भाने त्रार्था (भाग्य प्रमाना), भक्रम भाग वर्ग (अक्षक्षविष्टि अभी दिने । भागमंत्री [क्रिं]) डेमा सर्वाणम्ड : (-वक्तान पर्वाकरे की विका-क्ष व्यवस्थान मित्री) दूर्शिकार (उपनीर्यान)

Thur-Sum Alexa]) ' an (Crossing) 2 mig (a) No. 5 m) 11 42 11 की लाम (लाखांकां) यातं : (चिक्क) मामा (लावं प्रात्मवं MES) DIS LINGIS (MIGHUE) MINOITA. (विभिल्पत जिनार्ष (कि गर्ष !) वह (लायम) अन्त छ ते : (अन्तरीय अने ना निकामा) विक्नािष-धाना (यात्राम् काडमान धामनीच द्वे गार्थ न वर्त्तम) आ (तर्त्र) भी: वर्त्तम (त्रकी दिवी छ) छव (ट्लाभर) धार मारि (धार नमात) न धार । छ क्रिक्टि भयर इत्रेखन मित्रे (वेत्रा) अकार (ज्या कार्जार) मा न्या (ज्याना सा ?) डान् मा मड (वीक्रकवं अध्य) यहम्याभ (क्षालक्ष्यान अव्या इत्रेट्सर) ॥१२॥ की लिंग मार डिक्ट ने सा (एपर) चा: (चा) वेदसी, (अल्डान्य स्त्री)।। १७।। ([[[[[]]]]] No ([[[]]]) & ([] []]) >1 (cm))=1:2(=12) 11 9811

de [= singra, grand Euna Flyco (cuma signy) क्रमार (क्रिकारक) मी मी दिर्दा कारवं हैंव न का do [= 1 5 cm à grand (crisa) curazola: (ट्याम्सीनार्भक भावने) ज्या ? (क्याविष्ठ) 119011 33 [mingra gre-] Ca (and this) miles (majares) May) in: (main) 18: ; (* Mag.) 11 dd 11 ति [व्यक्तिक कुल्] सकड (भ०) हेर के बा मा (cernia I'm quay serin units) (on (ourse) गावी कि का का, (क्रिक्स ड्रेम्सर्ट,) 11 वमा की [नीनामान के कि] त्यमे मा (त्यमे मारत) व्याक्षी (कार्केक्ट) र्स्मी-कार्स (स्माद्ये विटास्मा-) (* MONOWA 1 18-11-3) 11 d y 11 Ay- (Ay) No Levis (oums 18 m) 11 po 11 wiste wir [os 2 m]) 2 c (Az co mo out [ales 18 18 2] Las Lucuer. (Ays wir cerning निक्षां देशक निकादी मादी (कार कुर भाषां) मारा का ([ग्रापु किसि दि] मारा पाद कार्न ग. (5 र) तामक्ष्मा (मीनकार) मां (टमरे के का लाम्ह ग्रमेपड २,) ७ (अमधं) यास्तु (अमंभु ॥ १ न।

May talough) seed (12 in) your of Layer can grand fa (Earna) may (my) fine (अप द्राप्त्र) विष्यंता (cornia क्षेत्रा काम्मे) म (अप रत्र) नाम द्रीय (श्रियाम) क्षेत्र र्व CH (MHIG) \$131, (12 in,) 11 P51, ि विश्वान वालन्त्र मार देगंड (तुर त्यर) ते मी अंडा के लाख (सामानं सद्य) वंसपा देव (ब्लामार्स कार्य) (स्त्रवंश्यप) Co (लायमं) बलाम (बलामिक) मुख्य धार्छ (निका भारे ८० (६) ॥ ७ ७॥ शिक्षा (राम क्यी न) रेम (क्या) ८० (त्वामान) ध्यकावती-प्रमुनी (ध्यक्ताम् मानं काा ह कारंप् करतं , वर (टमइटड्र) मधा (Agu) 3 M ((in M)) (in m) M & (11 P & 11 भी नाम का के कि नितार अम प्रमुखी (मिट्लर -लियं में ये ए के भी में में (का हिया। किया) बन् अर्था (अर्क ट्रिट्स भी तेर) Co (अविश्वाद) न्य (नरे) मिड़ : (मिड़) कर्ण (क्क्रेस व्य प्रसार (मलाइकास) धमर (त्याचर्यत मिर्दिक) माई । शिवन कार्ने माहिन है। 6 का

ि विडिक्ष अकु ने हिन (एगमन) मेरी में. (मेरमानय मेल) करार (क्येंकरल) स्था (स्था) अप (स्था: रिव) लाके: (मामार) दुरक्ट: (लाके देव) क्रिया के प्राथन पढ्ना) हाडी (हान्य कर्न एटाड है। १०॥ Polarisia gre- Tom (Tais) cundiey (ez ing) विल्यामानिकः (विकेत मक कर्निक भ आहिता) स्ताहि: विद्या (दयकतास विद्य दरेग) ए (निल्याह)कार (यक्ष: मृत्य) डाडि (त्या डा बारेटाट)।। प्र कि वा विश्वास्त्र देखें दिस (कार्य) मामेवद्यापा: (हलायेश) (व (खामान) मम मर्थि: (ममनासि) यमान है जा (अटमाअटके कार्यन कार्य माहिमाअ) नमा (छात्रा) गार्रः धान (गार्रायुक्त) धर्ष् १ (अमरे 五十八五五十八十十十 इंग्ट (नव) उठाठ छाड़ (यदा आस) त्रत्र में काम (दमन-ल्याडिक वर्गा) रेक (अखिरक्षान) रेन्ड्र लाहित्य कि (काल्य क इस्टिशन कार्य विद्रित)।। के मा 4) 12 (E [3/2 (B) 4 9/8 - 2/2 (CALSE) \$15 (- १ न जा नामि) त्व (त्वाभाव) प्रदर्वत् रेव

A DO TO (with orquis wir) & want- yens ([onis] अस्य का लिए]) सिक्षेत्र ([Corning] संते द्वा ठ० के फार्स) के में मर्ट (में में हा के) प्रमृत (केंद्रे) कानिएटड) ।। अठग प्री विश्वाद्य के कि ने किसा के (ए के सके !) आमा अनु (मानिक्टर) रेपर (यह) क्याब-मानिका (क्याबी नामिना) क्राय-ह्नारी हेर (भार्यीय गाप) ब्रायन-इरेन्द्रा किन्द्र में - अर्थाप मूतिभूते ।। केरा N) क जिल्ला के के जिल्ला में कार्य!) वहः अभवस्वा (वाल्यक तियूता) रेपः (वरे) नामिका (नामका) मूमान-वृते मूका (कल वेस्ताधन जारवा त) अतामन अवं का एक (मर्वारे अवामन までまず)リカとい MO DE MANGER CO (COINTY) & CONTRACTORISME (ह तब हे अविद्याल) हिया (विदिय) प्रमासमा (क से वी टब आ) मम ९ (एम म [त्या हा मार्ग (मर्म में) टम्नेवर्रायुक्त रकार्य (प्रवर्षिताम् काम्पर्का) लका (लम् दर्भा) कामिल्कि: (क्षेत्र द्वार क्रिक् GIRS (((प्राप्त मात्रे ((र) । । अ एग

मी ना बार देखिन हम (अलामारक) हिन्ममा (विहिन्यमन-मानुर्का) स्त्री (स्त्री) भूक मारी यथा (हरूप क्वार्षक. गार) ताह (त्या हा आरं दिया) गार : (मार्ट (दे) @क्षायार (तिब्रायान्य) डाल्यां मेर (श्राल्यां साम्यात किए र कार्य में) लड़: (लड़ेडिएक) उंट (प्रत्यात) क्छ जि (त्रात करने)। 2811 Darred Share Comme क्षीक्षक व दे किन्य दे विके) निकः (क्याकिय) में (Си) भड़बर अक्रसर (बाह्यानुक अक्रमनदं) दक्षि: आने (दिस अक्षीत करं ' [कार् दुरात ता]) इंगटम है) रेर (रेशाए) कः मिन-देश हैं (कानिलन कि कार है। विशा मी विश्वासाय देशकी त्व (लिस्सिक) लेक्स (लाठ प्रमात) में बर्गाला, (९३म बर्गा) विश्वम्यामे. लिं भिका विक्री भारति व विक्रित यह अकाम किया कि दिनी किया अवा (पूछा कृषिनी व कार्स यर्गने के क्षेत्राहर मिलाने में मान वर्षीयमाने के बिला वन

भी िम्हिक के द्वारा (सक्ति) व्य (नम्बद्ध) व्यावदानि त्याव-मानारकः (स्मानीनामेन त्याव-गालकं कार्यक्त) क्रिकामें - कर्मिका (क्रिकाम्में प्रित्मकार्वेश) वरान्या (वर्भी) सरम्प्रा-संयाप्त्यत हि लाह, (लामान व्यक्त्यान अंबन् भानाप्त् विकाल कार्य (व (2) ॥ २१। भिष्टिक के हास्य काळात्रम बेटमचा (काळात्रमु -इं अवास्ति), सूप्ता (कान्याक्षी) क्रमा वि: (द्वानी किया) कमर (क्लिला) प्राउष प्रमुम: (ROELLOW X SM.) Ca (MONSILE) COLLEGE (क्याने नादि भी छत्र) प्रदाखी (भर) कार्नेट 4153 119611 -99 [व्युक्टक देश्व-] सामुक्त (चुन मीशका) शतका-ज्याने (काष्याने गानं बाई ने हिं [प्रमाहतं]) लापर (नवे) के निमंत्र : (नमन्ति) यज्ञा सकः (काल्यां सकः [अवन नम्मीमा]) कर्रास्ट (टिलाइन महित्र) अठलाया (अठ कर्ना) ormer (sinc ormaters) as (cos anala) य में काति कि में में में में में का का का कि कि कि हैं हैं। जिन गा) िम्स्यम् द्राष्ट्र- मिर् (ट्राइक्) = इस (नद्र रेन्यातात) इनेंद (चड़) नव प्रमुक्तियक तम्त्री (का द्रिव में ब्र्युक्ते हार) क्मामिन-र्या वास (क्रिक्सिन्स् मिन्स् मिन्स् लास्कास रेंग्गेत) ८० (मिलासाह) वर त्या माया-में विश्व सिमी (में मीटिंग मां कि तें के प्रावंत गार्त [त्याच्न मारेरवरः, क्टिंडिं हेना]) रे सेर (क्टिंकिंडिं M [[] E (]) 11 20011 (@ & ((())) क्री (भावस्तित मूवर्मणी द्वामे) दूलमं-मन्ता लास (हिंद्या अपएवं शका में क. र्युना ते) मर (ट्राइडे) Co (comà) त्वरिकार्ष- मुक्क महिका देव (वरी. Come do do de unio 12 en e (men (Bing) 1120211

Riay sea ' [Maria gas]) 1 Ding (now is) शि [चान्य क दृष्टि [अंत (४ क्रिंग्यां) इंतर (वड़) हत्या नं की किया (हत्या नंदीक) कर (हेके (रहे) एक मार्थेष्ट (एक के मार्थ के) प्रजार (मार्थिया कार्यमा) लाउप (सिवालामा) देश (न म्राटन) कार्यक. (तर (सिकट्निक्टिकार कार्या) अमंतर (त्रियं रेत्रेना)

wer (mucha suza) er winer (ARRADIM) क्षाह र्विष्ये कार्यावाह रे हे २००० वर्ष Soot [ay & cos 3 so] Ear (Eg & consigne) core (ou rulma Poster) minhaló 15, Ba (mildundo. दाण्त आवेत्या कार्वता) । युक्त आवेदला (। युक्त व क्षाविकामिकार्विकारं) कड़ र देवा ([कामान मैं महत्त्र क्रिकेट, त्यार्गा) बेर न्युमें मार्थे-आह- बार अर (बारा कार महत्यन शहिसत. क्रिप्तिमा) भीवा (भात क्राक्रिंग) मूं भर मवा (मेर क्षेट्रकर्ष्य) र्य (ग्रमाप्त) द्याहर (12 die 2/4/0(5) 11 > 0 10 11 Tog an (della) ed arjugization (arguegà क्ष्ममाश्चा कार्यमार्टित) चा हा है। दिन (भारतिक) त्यावनाका (क्रम-३-६३ क्रम (म) भारकारें। (भारत्रामक्रत) ७उ९ मा वस्ति के भिर्ता: (त्यरे त्यरे मभीकृत्य माधायमा हिसूरी विचिन अहा-इत्ता) आजीभाती: (असत अजीत्करे) वित्रकुग-ध्यम् : (विस्मकारक सकाईकारत 4180cm (24) 11 > 08 11

700 [न्युक्टकं मर्ये (म म्युक्ट् :] का (द्य) अद्याकं -सम्बा (संभुमें मान्ये करमारा क्रममा [नवडं]) १ थी. लाज (कालमहाता उद्गांत) विवासम्बद्धा (कल्प-Educa) La (ousa syin) Murisa (Mains ecis; [mis]) ex (cry. ereq-यक्षारम , देर काशाः १ (द्रेर काश्रुवा काश्र मेन्द्र्य -सम्बात) लमार (द्रम इम्रेक) त्राकंगाह कि (भिकान करवर्षे क्रिया) आस (भी में) वर, (बात हे कि का कार हे ड करें) आ (दिनी) आरेका 1130 CII (PORTE 707 [नार्काम क्या क्या (क) प्रवामनार्वा करें भी-(कर्म व्यास अंग्रेस भी [नवर]) के हिंद (क्राहित) केटमेमके केस-समालक-अम्बिः (समम्मात निस के कित असे वी लिखक व में माम है में हांका) दे करावड (3 of chias) oninging (oringul) W. (42) [124] वर, रिस्ट निगमान देवन्ते)देनं (12 min) \$ 18 min) 11 > 0011

500

10 Pl [a) Ecos a man gen. (See) and, only. (man ड्यंगात) म्ह्यम्माना (इवस्व: भम्यम्प्रा राभुगं) लाशुक्रमरं (महाकार्त्व) स्वरं (र्कामुक्तावि लिम्डिं - माहिट्स) छिता (मान्क्राम कार्ने) स्पृत्र (काल्म्बन्ध) क्रक्षणभाष्य (क्ष्रवन क्सामर्क क्षा कर्षा कर्य - मार्क कर्ता क्या पर याम् का (याक कार्नेम) हिताह क्रमंत, (प्लाका min ; At an; [Dispaged] fro (\$17) 6 54 + MOI (6 WAN 2019) 11 209" 70 = [न्युक्टक क अप] हुर (ट्रेश्वार) का (क) करावत-र्भाव्दिष्टमा है: (मामा अ रमक्ष्रिक्षमा अधिक) मात्राहित्य (मात्रक्ष हिन्कार्य) तिश्र में (भ्रात्रेश्रमें) र्टे: (र्टेड्डाया मिट्री) त्राहमायर्था (लाहानुक भाषानु मारं लायद्व भीया ड्रंगा) यः (mungues) Laines (munder ecan is िलाका का के वन के के किया (हिया) 112000 १०० = [न्युर्क क कर्य] मा (। गुर्ध) कस्त्र्यमानुस्था-अहै: (शामान्त्रीशिकान मीमुर्म शाम्मा) इर (नभारत) तिक्वर (टमाभरत) भाभाने (निक्रिक्)-

यर्त्र) मान्यत्रोत्रः (कुन् । मारक क्षे) लान् (लान्) भकाव (विश् क करवंड) वार्ष लाम बत् (भी में श्रांब पात बा के (मांग्रेस देवने) हैं तर (है पिर पिर) कुर्गाहिमार (क्रमेंकिमार) 1120011 निर्वाहर (६४) द्रयतं (द्रयंकात्) मस्द्रव-द्रामा जिनमा लास (मेम्ब लमें बार्मिका 'काम्प्रितं-ल्या द्वा न मान्य र्यंगा छ) द्य (नमारत) अकतामार कृषिता (तिक कलियूर)-अपमत वाध्यावावाच्या , वाक्याउत्न त्वाद्यान्द्रम & [CARATTON [ONE]) NEGLETION CARIL (म्भ्यमाख्ये कलपारकम-मकाक्कावेरी) कार कार्र हिंद्यां मार बन्न १ जिसक्तं हर् ्रियं (र्मेर्) रेल त्यमा (रेल त्यमा)।। >> 011 कि विकास क्या देश (यमार्ड) कर (क) बल्ल (ब्लाम्टल) सम्बुल्ला (नकम र्ला-कार्य) महिता: लाट्य : (भूक्य मृत्र अत्र्व्य प्रामा) मीकार्त (विस्तामनीया हर्ना) म: (ausment) र्रेमग्रे (लायमा थाप्र श्वंत्र [चवर]) द्वाका

क्षित्रिक्टिम (क्लाहिशना) साम लान (ourses) (बार्याक) उन् करन्त ([कामा]) वदः (वत्र के निकाक्षण् उन्ने रिम्ट (क्षेत्रेर) म्लेस्पनी (क्लेस्पनी)॥>>>॥ प्रिक्रम् का (मेरका बालना (क) हा के काम (aumas) खिता (अन्तिक्षिश्वेषा) अत्याकिक (अभूमार रिक्सके) है तेय- चेत्र (है के की आमक कार्ये कार्य कार्य न है सेप सेल बेबेरि) गैंडे गिर पु कर्त्य "[1हर]) लकार्त (प्राध्यं संबाधित रम्प्र) म हि । हि सातु है ([अपुत्रकाल है मैप] राप कार्वात में कार्यप्त कं िनामान के के ने निर्देश मिलका (7 (A) 11 >> 211 (लेंग्रेंडे) हैटिस (के कि के कि के का क्रिंड) क्या कि (अ हम मेंग्रें) का: (का आप) लेंग्रेडिक (क्रेश्वास्वास् (क (काराजा) क्षाद्यक्य क्षित्रं तमा (क्षाया)

प्रकर्तिक थारं) देह (चर् रेसान्छ) काम्या (कारावंत विश्वित) विश्विताहुका : र्रेटा के डिया ocis; [macia]) Z: Sa (Z: Sa) xx1. #: 17/21: 5 (ON CM & 2:17/2 5,2) 3 mg : Aft. में माप्त- हैं: मप्रहर्मः (श्रामं में म अन्दें: मचात्व) न इत्वाद्यास्माः (इव वा द्वा अकाम कल्पमा [नवर्]) त्यक्षायाचमण्यमाः } (क्ष्र (भिष्णाकुक, लाजस्थान वह सब मात्म्य) ताः सार्वः (स्वारत्वं मात्र वयः चिवाक्षकं देववं ने) ्यः (क्षित्रांगः) प्रमः सर्वन्त्रारः , (जासाव न द मरहवीलती)।। 2 > 011) वन्नीतार (अलाबाद्यिक) किलत्यं - क्लाबादमड: (नव भन्न उ- धनिशार्भव आत्रापन एक मन्यड) लिकिस: वा (क्लाकित बाख्य गारं) भः।कित (ट्ये निर्म) रेपर (वरेकाम) धार्कम-कता-नाम-श्रीमा दिश्वाम (भामक नामिन मेर विक्रमें ने स्तिने निर्माण्या वन के कर्न - अपन ने कार्य ने

(मार्क्रामक्टरम क्रायाता मिक्किमान लिकिक्षिम राज्ञासारिकांग) दीकार (व्यान कि अधि केंदि) मामर मामर (धाराव धाराव) शायवा-नम्बर् (भार्यवातमार्थ-मामक) द्रेष्ट्रिय धार्म (र्वि ठ-आर्येक डर्यापत)॥३>४॥ काष्ट्रक्र अपने व्याप्त कार्य न्त्रकारमार्थित (न्योक्ट्रिकारमाम्यम् प्रिंच कार्य देख देश हैं के कार [निक्]) नीक में भाग-त्रे उन कि (मार्ज उन पाम दे कि मार्ज लर्जा के मार्क ब्रम रंजारह) प्याचल-ीयामित भावा (क्षेत्र म्यापाय मध्यामित पात्रक (मिलाहार पार्ट) में मिलाक नीमान पार (में भार -भाग्यान्ववत्क) उत्राथमावना सप्तः (प्राप्तमा) मा: (मर्) क्यार (अवस्य मार्गित-१६/१६) मिर्गित मिर्गित स्थार कुर्मा ।।। ।। विभाक प्रधारम्भाष्ट्र कार्यस्था प्रभागे मा

edfu suf

) | लग (मक्नि) लग्नुवस्त्रमः ट्रम्बल्यकः (मभ्रम्पिवं लॅमअदलचं टम्बंदल लार्क इंद्रंग) यः लायः (कार कार समन) मुआत्म मु अकर (द्वाराय यं मलाम भावक रंत्रमान क्रममा कर्ति)वाहः (व्याहिनकर्क) प्रवात्वा : (प्रवाति उद्गा) शासा का मामें के जिसे (जीना सान में म सम आत अस्तिकं (हर्देश्य) लकाड़ (वस्त्र कर्त्राट प्राम्य)॥ २ ॥ भीता कर्त्रात । वर्ष अस्ति : (द्रमान माल सक उन्ने)केवथ कारकाटकार्स-अद्भ (म: (क्स्मिकासिक अप्टरमार्थ-टमताटिम्सेकपुर: १ (भंगु-ट्यायुक मेगूर) 'क्स्पु-क्रम एक्स क्रिट्र) नामा (नामानुक्रमा) (यामिक-मार्य नमा- है बर्प : (कारमार्य क कंक्सरम न अकायमधाना) भिष्ठः व्यक्त (वाहित इत्रंगड) (एमडार (टमानटरक) म लाममानं (एमराप जाम कर्मना) , जर्द (जमन) अस्ति विमा (चा ना का मंद्र) लामर्था (रेंडि मार्मा) न्त्रीयतं : (चिक्तिकं) प्रविशाक्त-प्रवृष्टाप्राक्रामा (९० ब्रांतिक लक्ष्य माना सँभक्ष्य लागि अर्ड्या)

माटक (मार्क (मार्क करण) विसी में । में हा (में काम में। कुष्टित्य)॥ १॥ क्रिय वासीम् कत्म ([लमहनं] ट्राइ समन्ति हैं हक्रविष्ट्रे) अभवती १ लाख (अभवता व दिक ergin Culm) oum: (xoung) es; (glarguan) लाय: (गाम्यम निमाम्।(प्रमाम !) द्रमं भा के (दर्भ कार्ड था) देवर (क्ट्रियंट) माम (अप) न्त्रः (क्षे) सर्व मित्रः (समन्) न्या भी (अभाष्ट: नियाविष्ट: (oumbriage प्रवाविष्ट इर्मा) देवक: (हरकाकिवाहित) भागित् गठ: (ansiga) may - and my sur (m) (12019 - max sos into) 11011 8) [लायदे अं अर्थाक शास्त्रे , मर्बेश्य : अमाणुरं अतः ; न्द्रं अन साथ कार्ने विद्या विकार कार्य कार्यात्य-कार्बरी) मेलपर नेप्र (ट्युकाण मन्तरमें कार्बर्) में व वे नेपा (में प्राधिक कार्ने कार्ने किंदी) लक्ष वेप्ता (लक्ष्विमानार प्रकार है) अपरमाह अक्षा (द्रेटखर्नामान्धिक (त्रिक्षिक (त्रिक्षिक्ष)

लाम (कार्या) मेंबर्ग (मार्माय) मान्वरं वरं (जिन्दा न्याक्टक) य लये यम (म स्थाय कार्यालयमा) (वार (क्षिक्रीति) दाम्बल्य (दाम्बल्य) के त्या (क्या के क वर्ष) स्थानियाः (धिमानिया विदे) मन्याः (जीनामानं) क्यमत्राकृतः (क्यमत्रकारं) मित्रीवाः (शिर्मावा डेर्म्म) वर: (अर्र) अभा: (म्यामन) वर्षा (व्यक्तिं मक,) अर्थे हः (लाव प्रमेष कार्वात)॥ ए॥ क्रम विकावः यमक: विचाउ हिया काता (स्थानी) काउं (मुरेकाक) काशासेबंड पळ दे सहा (लाम व मानेकान मिनद अठ वात कार्का)के का (के के हिट्ट) कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य विकटि अर्थमा) बाद (बामिलाम)॥ ए।। व क्लरेमारी-मार्ट (कि कलरेमारेड मार्ट!) कामत्ते (क्राम्टक) कि (क्रामक) है के: (हैक) के में (क्रामकं के [कामिकेर वाजिलमें] रिमारी! (दि मारी!) महम्पान, (तामन जिंतम) अम्बर (तामन मन) क्रेमिन लडरहरू व (अमरमंत्र कावेत्व) भव : (मिगारहरे दे

[क्रांकाका कामरामने)किकारिति! (क क्रमारिति!) मा अपन (त्ररे देव) अमात्री श्षण: (ह आ नती मु तिकति मारेगा) CES (राष्ट्र) ताड (वाप्राटक) मायति (प्रमुगा मास्मर रे [क्षत्रका कामात्रक कारा दर्शत]) विका (हिलायती, लाभ कर्ड (अमर्थान) वर (तामन) यमक्रा (तामन मार्ड हारा) नि लिंच्या है थाने दिन कार्रिकार (कार्ड मनाक्षर ररेटवर) ॥१॥ ि चिंगमा स्थिकात श्राम्य में लिय के (त्राम्यरं) त्व (त्यमानं) त्याव: गान्त (त्यात्र त्यात्र पात्र) देन (creed) Lie mistal (Les muly लडबन्ड (मास्त्र) में हा (में हा) ने मर (माइक) यानिकार (प्रमान मार्ड) अर्था मावर (द्रिकार) व टन भमन) अष्ठा जामि (अवने कार्नमा ३) क्रेट्रणाः वर (कामक पानं केंद्र क्षेत्र) राप्तां (क मानं) विमाला (विमास कर्त्रमें) करा (अर्) मान्स. भाग्र (आएवं प्रकृत) ल्या मा (ल्या मंगह)। १ न त) [लयदेनं क्यांना मानकार कालत कालत कार्य प्रथं (marking ([Eini] muscha serning) प्यक्त (यरे) क्षत्रका प्राची (क्षत्रका 3) मः

(ourugues) swile (sour enice ([onis]) प्र: ह कार्न (त्यरे र्ड-७) धामात् (धामादिनात्न) लक्षेत्र (शाम कार्नता) कर्ता (त्यह हजान्त्रीन अव्हे) यर जिनवाम (कामान किंग मामरे) विमान (विमान कार् एएटन / क्लिक्क) अमुनि (ममुनि) रेक्ट ह लाम (देशा) लमामर (लामात्य) ममम- विसर् मण् (नमन-(माह इ रेस | [बदारी) कामेर बमाड (अ ब्राट) म: (त्मकि) हिंग् ब्राय (हिंग बी-इम्) प्रः है या (त्र गिक क्) नि दि (कि) 201 m word & (at cech) # 11 किंड दर्द किर टमाट्नार दिवाल मरी (हराम! में देशा कि यत क्षा मस्यान (म) माम् हर् (न में हिंद माह) मधानी ए (ह आवनी त्व) हारे विभीम (गानिक त्व (लामान किंग भारताना के की में बड़ी भारता) के हिंद लास (स्थाप मिता) त्रिकार (ग्राम्य हिंता) or (ound me) on (oxic) मिन्छ (मिन्त) भवामान (जामनम्बद्ध) लाक अपु (अपुकाय) में साथा कार्त (रेगा धानारवन धान् ह) ममना (अमनन व्यक्त)

JA (TIMES) 4: (OLIMENCA) LATIN (OLLIN ENGIL) लर्स माम्बी (वायां प्रमित्र हास्या प्रायत्र) ॥ >०॥ यनं (लाम) क्याम्हर्ड (यूजां ईकुता) में ड: रेकुड़) प्रमुता (पालुका) मात्र (यूण्या) क्रियामां (ध्र. साम ।) (अवं अवं भक्त शहराह) अवंतर है (वेहि अवंतर बायमा) वर (बारा) म लखात (बारमा) देन दि (प्रम) अमान्दं भाम : (तिह्न मृत्य हार्यमा भारे)।। >> ।। ग्री-इंट किंद्र शल्मा) भासवा (भासवा) वार (स्थारं) आरम् हें है। (डाट्न हार्नेग) में प्रार्थिश ह टिस (रिटर काल्यरम भर्म मार्टि रेक्ट कार्यम)! मा लास ([लान] म्यासाव) वर्षितंत्रार द्वारा (क्षांत्रिक विकास (द्याः क क्षांतिक) क्रिकाइ / दुरका (दुरका क्रिका हिटा) सह (भागवादक) बलाद (बिलाय -) 112211) [(अ. अ. हं। ताम के] चामर (दि. (क्रिमेश नाम हिं) मुख्यान त्यावान (वर् त्याव त्यावित कार्या)न र्रेडेपट (यर् श्रंम श्रंमा)! लयह: विमर्थ (विम म माहित व दायारे) हिड मेहि (म्मा करमें [लामें])

वार्येन वर प्रतिकटल (वार्न र्द्योशिक व व्राधीक (तामुख देख्य करने ! [mun]) हिंद करकात्त्र] (報のはすり)112011 हिर आस:] बाबिका का जातः देव (बाबिका का कार्य-पालक सामाखादियं गारं लक्ष्र दुराव नामा नर्म रंपूर्य व मक्त मत्यार्व मकार तिसंस गाउदि प्रमे डरंगा (अव्या) मार्टि मीटित: (मीप्राहित) शामका (काममिक) नाममा-वस्त्री (नामप्राह्म नाम) क्रिका काल (अयम दर्गत) क्राहित (क्रमत 3) (4) to spian (of in the transmit) मा नाडिक (व्यक्ति) जार्मभीर (मभी नामिलाक) मारबंद किं से जी मार्च (यम)॥ ।। कि मारा (ट्र मारा) क्यू बे एया (क्यू में भाष्य भी कारण त्यू) भक्षा मार्ग- हत- यन कमार (मार्गक्राहर न व केमा मादिकमा) छाष्ट्र (आरंगामक के) भिम (लामक) जामः (वाप [क्याक]) विश्वत्यादि (बाइकं ड्रेंग मार् रकाइ) हे इन (क्रम्) के देवि (विसी र वंदरकर निकी) यमें में गुर (राटा में पूर्व देतर डर्म दर्म हिंदी) (coince source); si (sini) un (nai) sericinas une alor (ng ug, sin) " alor (gug, eg.); ais esur niu: (niu) " nig mi (nigm) néig: 31: 2 (gan a meni) thing (munic tilly that the the sing) 11> or 1

Useful Factors

$$(a-b)^{3} = a^{3} + 2ab + b^{3}$$

$$(a-b)^{3} = a^{3} - 2ab + b^{3}$$

$$a^{3} - b^{3} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{3} + b^{3} = (a+b)(a^{3} - ab + b^{3})$$

$$a^{3} - b^{4} = (a-b)(a^{2} + ab + b^{4})$$

$$a^{3} + b^{4} + c^{4} - 3abc = (a+b+c)(a^{2} + b^{4} + c^{4} - ab - bc - ca)$$

$$a^{3} + b^{4} + c^{5} - 3abc = (a+b+c)(a^{2} + b^{4} + c^{4} - ab - bc - ca)$$

$$a^{3} + b^{4} + c^{5} - 3abc = (a+b+c)(a^{2} + b^{4} + c^{4} - ab - bc - ca)$$

$$a^{3} + b^{4} + c^{5} - 3abc = (a+b+c)(a^{2} + b^{4} + c^{4} - ab - bc - ca)$$

$$b^{2} + b^{4} + c^{5} - a^{4} + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^{2} - c^{4}) + b(c^{3} - a^{4}) + c(a^{3} - b^{4}) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

ROUTINE

Days	1st. Hour	3nd. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							-
Wednesday	3						
Thursday							
Friday							
Baturday						7_1	

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে -ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প**ড়ে** " 3 Substry Luchos METINE ETER weekha 29 The Mess Mit मिल्या कर्मा कर कर्मा कर कर कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर कर कर्मा कर्मा क حا نه ی 7 [[माम्या राम्याय - [प्र माम्]] र् क्वितः (रेक्माप्तं काला) विविध- बत्त्री नकाद : विशिधक केल्य मार्पन counts.) out (alto) & one (or sa) रामार (देस्तीमपुरं वाद्) लहे कुं (लहे कु) / (व (course) क्रंट (नक्) लाम कार्त (लाक्ष्यपुर्द) मान्या क हरमाउंद ह (अवायता व हमयता) त्रात्माका (र्म्य कार्यमा) श्राट् (कामात्क) रेड: धार्म (रेश धारममा ७) लाइकड रकामका (लाइकसल उक्ता कर्याका): ascai(21, 1) 4 no (overal) 22 (318 acr) विकातितः (कामान लगारकान्त्रं) द्वाः (वेक मान हर्ना क्याह) : अप: (अप कार) क्रमाप्त (aumente) विव्या द्वामी (कमने स यम कविन्त्री)।> ७॥ A [= 1 sign s 12 (2 x 2 1] [] [[] [2 seci) \$ a : ong. (got alenma) organ (unger) en m (oui god) इक्षा गिरी(इक्षा र्द्र आक्षे दियांत (दाइक्षा-हारा) ना : म: (त्या है श्राम) क्रमाप (क्रास्प्रम आक) कर्मा केन्य्राहर् (विद्युत्ता दात्र कर्मा दूर्व) रिका (अर्थिक) देश (नस्त) लाममारी (कामार 21/40) oras: (setter) 21126 (cus 32)

राम्छार (सिमाटक) काम्युमंड (काम्युमंत्र मुक्क) skuss (News) Paris (18 starter) न्मक (द्यामक वास्त्रेत्त्र)॥ उप।।) [[मारक] मा (माराया) अवसार- राज्ञा का अरं। (त्रिम्द्राक्ष्य अभावताता व्याप्तक्षा) स्यमाभीयार (भिष्यं साह मामाभानेका सिक्टी मर काट्ट सेन्तुं (मिखन पानं तामं तामं समीकान्त्री।) वारं कीका (टमरे क्येंकिक प्रमूप कार्यमा) अभामनी खान (हळावण्यास्त) वित्रम्मही (स्रिमं मंद्रक) दिना अस्ता (पळणा व अस्ता) । असे भी- एकत्सा (असे भी इर्मा कल्लाविन इर्मान)।। २०। द्विम अधिका (अभिन्ति) देश (अस्ति) धर्में (दक् स्या एक्ने सर्वे स्ट्री (क्रिक्ट असे क्रिक अस्ति) के त्कर (कार के हैं तर कार्ड मार प्रायम एक टि टिम्स अंग्रेस करान र्रेक्समन्य (क्समन) महाम) प्रमेरका (क्रिक्शिकाशिक लाम्से । किं (क्रिक्शिकार्य । क्रिक्शिकाशिक लामास्वा) है।

(वाह्र) लामवर (ममामव [0]) समेरमें दे दिवश्रेव-१९०)०० (जिल्लाकारिय मार्थ) कें कें (में वे) मित (भिनिया २७); क्यर (मिट्राष्ट्र) धक्यार (धम्मा९) क्या (कात्व) विवाभी खाडा धार्म? (त्यम्भ व्यवस्था कार्बमाह है।। 2011 क्षित कार्य (क्षेत्र काउ) जार (क्ष्म संवादक) जार (कार्यस्त्र) में , व्यक्ष ((कर्ष) ति गा (वैश्त) मार् (गारा () अर मारे के (croupers) mss (ourse) custo (sta sxso) ल्यामेल (िसमेट्य] ल्यामुलाह) व ६ (व्याप्त) उदं (स्पे कार्याक) म अन्याम किर्द्धियामिक स्थान कर्)) क्ष: (जीकृष) अचित्र (बाजलार्जी (या जिए ! कृषि]) यार् वर्षात (मामनं कमा सरा कार्डिट) ने नहा (न र कार्डि) भा म (समार [भन्त])का लाभ जका (काम जक लका के क्ष्रिक) मंग (लाह) लच (नक्षा ए) लाभ अ. लर्जेन्य (लामुक त्मम्याम) देया (अर क्रिक्टी) व्यक्तिनंत्रते ([ला. ह] न्यु के क्रम कं मार्ग) वपत्तवता. धानी (बन एवंग इसे) मेरिकि हे क्या (बने बानेना) यमाप् (यम मूर्वक) प्राक् (धामाक) भाव बढा आ सु (आमिनंत कार्या स्टियाहर्)। दर्गा

कि के के दिल्लाक (काराष) रेस (समार) रेस हैं। है। (कारिनेत ७ हम्र कर्निम) कारिएमा (निक् विमानित्य) अ एक्स (अ कुटल स्मारंग) एम (लामान) हेरास (मक: म्ह्ल) टमा नया (नस्वलात्वर मन्यस दर्गाट प्रिमा V अहर्ष के स्टिंग के सर कार्य (सम्प्र र मृत्यहरों) र बंगंड कि स्टिंग के सर कार्य के प्रिंम के मिल्न के स्टिंग के स्टिंग के सिक्स से कि स्टिंग के सिक्स से लाम ह (लान कर्र क) ति: मर् र (क्लिंड ररेट [अप्रयोग २५ (० (६ तर))। १ ० ।। समा अमर्या वर्षा (वामान साम्माम् उत्र) यहा (यरे) कार्यकार्य (कार्यकार्याया मिन्नी) भार (कारात) म सरावि (मिन्निकास काने एएटरमा); प्रमार् (व्रित्र निकास वर्ष) मिल सकी (जिल सकी (क) वानम (वान्तेकन) वाटम (ट्य) प्रा (कामारक) वतार (वत्र व्यक्षेत्र) भीएम वि (भी डिम् कार्नेट (हे) ।। इहा ([लम्डेड] यामुलाकाई (प्राप्तक) कि टिल् प्रमारंगई (हेर्यान कर्न अवसमा हरेट्स किमेर कारने कारने सर्व दर्भ कालर कर्नियो) मा (स्वीवामा विकार) जिल्ला की जारी (मूस जनमा करने त्या [जार])

मक्का: (महरक्षं भार्ष) महाः (महर्भिन भक्त) क्रमः (रामिक लानिसनः [क्यान) क्रममी (क्र-. यता) हार् (मांश्वादक) समाद (बार्य सम्मार्का (तिंत्रमात्क) प्रना व विशास्त्य (ट्यामात्वर साम्बर्ध) राहेत्वर । प्रमार्ट हामंग्री प्रमा माना (क.व) लग्ने पूर्व (लग्ने प्रमा) सरास (धरम कानी वह चिन्द्र) अर्वत (अन्य म्हात्रे) हळायायेकार् विस्कृत्य (हळ्यवयी व कार्यप्र कार्यक्र कान्ति) वन (तामान) देवर (नरे) स्रोगा मानिर्धन ्यामार रेटर) १९ नहीं (विश्वेर प्रित्र) ॥ रेटा क्रिय (धानामार) ब्रक्ता (ब्रक्ता (स्वी) कार (ब्रियन) न दिल्यमेनाकर्ले (द अलव अत्व ध्येनाक व मृतियमन! [(जामन]) आत्मभादि : (विविध ध्यात्मभन ट्यारम) * Paro X was in and your (Manage) में पर किया के प्राथम के प July (4 1 84) 1/4 9 11 (काष्ट्रार (श्रायवंत) " ककक- मैर्य- कर्ष्याय- यखन्यायर (लिंक के के सामक की कर्त व देव महत्त्र के)

मर क्षा का का का के वर्ष) मित्र का मानिक के मित्र के मित अटि अन्तरम् मार्थात्री भार विद्यासम् स्थान । विद्यासम् स्थान । में पाहित म्य कें हैं हैं। खिलां) लाईकार (मार्कास ' [ane]) ywas endaa. Conor. enga: (12,54, कर्व व व अस्व हिं क क क वार्मिश्र (मान के समूत्र) टलोग्रिः (भूकातिपिष्ठ) अवात्रतिः सार्विः ह (क्रू: बार्नमप्र), जायुत्र-शाले : (जायुत्र, पात्र) क्रमानिकार्यः (अका स्थारिका के इरात्मं हाना) जाल रिद्रमेग्रिक डाल ते: यू छा १ (कार्य सूर्व प्रवर्ग वात ही भावा ह प्रत्माहिण विशेषन कर्ष के मूक्त. समा अके क स्था मार्ट (क ल्वं के के सां करें ये कि कर के हलान) अरेड : १ हम्प्रकर्त : ह (कर्षण उ हुर्मनार्थ त्राविष्ठा (प्राविष्ठ) वत्रत्रतीतार्भव-व्यापिका.

मूरी (वयद्वतीत्मप्रत्माभत्मामी व्यंत्वादि) and all (eng 2 2) 1150-0011 0) mr (मध्येष) तथा (टिक्स) त्यावमप्राटम : (त्यर् मेन्द्र्य म्मिला) जार क (त्मरे क्रांसिटिक) आक्रा (धार्वार्ने मूर्वक) अकड: डबन (अक दिल धार दान कार्ने म [चंबर]) मीबत्त्र : लाम (क्रिंग्डम मीक्रेक्ट) लक्टः (दिन बम् कार्याद्य कार्यायम्बद्ध ने वामा वकितिक विस्तान करिए) भूतीप एड करम- अतुकादिक: (भूदिक वस क्षेत्र है हिंदी अर्थ में) क्षेत्र टक्षम देवा (लाट्सन साश्मरकार्य) अवस्तिक विद्यार (अवस्ति कीएं करिए लाभीत्वर) 11 ७ गा Federal Joy (50 20 / Seleca) Ly La y Hais sely लिया मिरिकी त्याता म्यूम अवने मेल नी (अ) विकास] त्वी (अभिन्य अविकाश अविका) देव (बन्ने-(यदिकान हेलाने हाराम) विर्वतम् प्रिवार्ष्ट ली (मूभा ठक्र यम भविवात मुक्क) राम वास्त मूर्यात्री (मेंब्रो कारी प्रशिवा ते क केंब्य कर्त्रां) केंद्र विकारियोगी किष्य शाला कि करिया

(कल्ल्ब बन्ने मान कार्यक कार्य) मेरेर (माट्य माठ्ठ) अर्थ किन्मिकी के विशः (अवस्थान) हत- मिनिष्ठ-कराक-कल्ल-गागह-मुक्ति विश्व उ हक्कत करिकक्ल कल्ल-क्षात्राम्म यान्यव्यात्रात्।) मने वेद्यात राष्ट्र (मज्ञाक अध्यामान मन्त्र) विम्वड: (eraft की [करकाट] ज्यांगुक्त अर्क मं : (ज्यांगुक्त करि में स्वी: नित्र) क्रिना विभू भावस्ता सुक्ती ने - ए ए प के वसी - धर्म विधा-म् अव्यवादिः (वार् ७ व्यक्तिम् व स्वालिन अलाह न ररे ए देवता विक्रि आलं अर्थे में मान क्यार काला) प्रश्मिक -काह- मम्मा स्वन स्टी ला : व्यक्तिक कार्नमाहित्यम [अवन् मिलना उ]) जमा व्यक्त (स्थिक्षे) कः (वार्ये ल लक्ष्मार्बे मुर्म महिनात हांग) कालिनिविकः विक्र त्याः (त्रत्रमध्दिनं कालिनं कार्ड त्या के कर्न त्या है। वा स्मर्कार कर्न त्या है। म द्वा क्या प्रिक कर्ताः (क हरिक जार्म त्यारम क्रांशात क् अकरि लड अवर देत्व इरेमाहिय); क्रियातकाल-व्य- पर्वाचनाक दिना : (पर्वाचन प्रक न नारे पर्

लाई लाम बाधि हाना लाने वर्गाह्य) रे वित्रविकार विभन्न द मूझावारिका: (भिक्रिय टक्नवार्थ दर्शक क्रम्मम् अमिव दरे क नामित के त्यात करार्म. त्रमाशक - के शिर्धन सक्षाः (द्रांभवात्र वार्द त्रिक्टन मून्छ हर्या हत्र देव्वार्भ उक्ति दिल कारमानिक इरेरवाहित) काक्रार (विषयांना] हत्त्रपादं सत्तर) विशः में हें। मुक्तालिकार् (छिर्म्स्टिक पृष्काल वारका), विविषे. सक्तिम्ति (विविधि डेड समक हति लाव्यून), () कार्यक्रिती ((क्याक्त) प्रवाता : (क्रिवरे पूर्वक) कन्तर्व-दीवात-प्रतर्थ-प्रताकमाताः (कार्याधीवक वार्त्राम ७ मालक मां विभवनात्ने) कृषािवक-निवा छ। छ थे (क्यों के कर्ष कर का दि। विक निक् निक निक दिए दिए इस त्रव्यते वा व्यक्षेत्राभातः) त्रावकाताः (प्राव-क्षित्र के कि का हित्य ; [-वर्षात्म क्षाया]) नाराखकान अदेवाअह भाग (नामाक्त पूर्णाक हूरी. बाल), त्योक्यादि-कल्कारीत (स्वादिक क्रिक्न का (क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न है। (त्रिटम क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न है। क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न है। क्रिक्न है। क्रिक्न क्रिक्न है। क्रिक्न ह (अम्मेर (त्यम्हर्ष) महत्वमंद्रमूटिः (द्वनम्द्रमूक)

ब्रमानियानिते : (ब्रमानि ब्रमाना) बनाउ (निक-मिनकर्ति) शिक्ष : (सित् कार्नेगाह त्यत्र)।। ०० -००॥) [किलवं मिक] म्यार्थः (म्ये रेक व) कार मामि किला मार्थः निष्ट (क्षिप्ति नम्भान अधीमहिष्ठ वन्:), त्लोक्ष्मी ? वार्यावतीर् (म्थन्व हिन वार्यम्य) , अन्तर्कत्म नक्ष-(वर्भी) कटवं (इटक) व्यायम र (वर्ष) वर्भी अलिला [लक्त]) अद्माव्यः (ममभट्यश्वा)। मुह्ति वार (आवं-व्य) जीभिक्ति (अस्ति भरेप) हम ह विक् (हक्रम द्वारक किया ने किया) अम विश्वक नक्षमानि : (राम्मेक् गम्भक्तमारां) देमाः थाडाः (म्र काडा-भनेत्नं) प्रक्रम् (त्यहम कवित्व कार्य व) भी गावि (क्रीडा कारेख जाल त्या)॥ ७१॥ िन लयो (चड्र त्युर्क कं) मा नथा स्थार द्वायं (ध प्रमास्य त्य वक्षि काला) ति: अन् वि (अभयव:] निर्माष इरेष. हिन)वय (धर्मा!) धराभे किस (ठात्रपत्रे-) रेत्र (चर्) रकाराकान (धाकामारार्ग) मठका ह मर्या ह (NO ELLY 3 XX NOISU LEGO 37 in [AMOLG]) लायम् भारतम् (अवसम् भूर्यमास्य) सम्भारत

(MARIEN CARE) MONDA (MAN TELLE PROPER CHICAG-अपुन काम) मार्क्रमात्त (अरु पन मतातं) (अर्दिश भार (क्लारिटाल विटक र्वट मानिन)। ७४। क्षि वाह: (कर वा (त्यामीयन केंद्र की कि क) ममर्प: अर्थाः (मम्दूर् मात्रेर्त्र) माः मार्केसः केत्रियाः (गामीकाहिक प्रत्यक्त के लिका)। मुक्राः (प्रिक्स कानेलिहित्यत), जा: (लामा) द्वार ट्रिक्स ट्रिक (प्रिट्म तमंद्र तम्मकः) क्रिक्सिं। (क्रिक्स ड्रेंग) हिल्म (हिल्म) टमर्ड : (काक्ट रहे क नाम्य (नर्ड)) जसकी था: (जारात्म व वात्र न) त्यात्मका: (त्यात्मक-सम्य) नकार् वाष्ट्र: (नकार्त हेलार्ड इर्माहिन) ॥७०॥ A COMPANY TO THE PARTY OF THE P James (culosungia) aly (अन्ति) में किताब्ले क्रायत्त्रे (में माय्ने अक्षिरं यकी भूति) एवं विवाल ग्रम विकास : (विवाल भान टमरे स्मामाविष्मसूत्र) सूर्वनवती छाडि - भूका सूर्य -त्रकानित्रका अवस् हेत्रां है (त्रवित्र ना ना निष् भू अप्रमूचि मिडिए जनवा नियम जारि हेल्लाहर कार्नेटाइन)118011

8) वकारतः प्रथ्यतम् ([अर्जन] की कृटक न नवी न 3) श्रीनार्षका-समम्बार-मम्भावम-मन्यन-मुक्तालामान-विनुकार्यः द्वाक्तम्मक्ताल के क्रिकाल निस्त्र विर्वालियां।) ग्रास्ट (माने ग्रास उन्ना) दारेट मैं माथ्यं प्- । ब्रह्म मादि : (देश्रास्त्र अव अव स्कार्यम् द्वारा वार्षकात्र) पतः या (लासामस्वासं प्रांत) मानुक्रें बात (त्याता भारेख नामन)॥ 8311 HENY (GOL X Will MUSTING (COUNTER) in opin James 8) क लाम (अपिकार) टक्स प्रत्यमान का की कुर्य मार (जिल्ला प्रायंत्रे में के के जिस सर्दित) कर्त्न- भगष- लंगाकी - टिमानकाह: (कर्न मिल्न उ मुक्तम्मानिक (मानक मम्ह) अनं बहुत (लाम्बरस्) भयाति: (यरंभयं किटी) में भाशिवादृतः (में भी खे यका भंड महिताल) अहै वैद्ये ने के (क्ष्मित्र मान रहता) हाः (अर मेल्युमिष्) नवार्यकात्रः (धलकार्डिक बिडिन)स्ति) मिरिकाः (वास्तेव कार्याण्य)।। 820

क्रीति: सामावति: (नामकी विक्रिक) मक्र हरेने: (पक्ष र्यमत्ते) कार्यत (समाव:) हैं : (क्षियु) टार्गः (धानमा), दिन् निरिक् ह (नेने दिन निर्दे) स्मात्रल (मानेका के कार्न माहित) मनहार (ममहन) मका खनार इकिमर्कित सुले: (भक्त नवार्केन वर्षते के अन् मून विक्ति के अला द्वामी) 1800 Emious Cale Visign Emioladousid हार्येष कार्यान्य)॥ ८०॥ है। अहत-साल्य करे मुक्स क्षिण ([मुक्क] प्रकार वादिएं कार्न अकाल कार्नेग) लक्ष द्वान हत्र Lassagla morganes & sanda sycalo (MUNTING) HER GLOS (CALORY JACK OWRIN) भिर्ति। वर्षः (भरेश र्याण म्योज उ निकिस) मुभाक्षेत्रावितः (मृत्तकि ज्यषान् [जित्राक]) । मेकारे (टमहत करिट लाम (त्रत) 11 8811 80 गव: ea: ((त स्म्याहर इंड्रेक) मध्य सका लाहार)

(che Cuning 1329- angin) sci: (als cos) चलाह (पाट्य) सठलड - बासकार (देशस माह, हैन-उरामी) अवाकिये (विकास कार्यात लामात्मम [येक्ट्र]) 2: and (2) so) som the said of the said कार्डका कि: (रिप्रकार्टिय राज्याचा) त्याय पति (क्षायाव इडियम)118011 8) उक्पार्ट्य (स्थिक) द्वार (अप्रिक्त: स्प्राक्त) हैं यः (श्रम्भावं [भ्रम्भव्यावं]) अद्रवासकार । क्वंडी : (प्रश्निम् प्रमावेता) शक्त (क्यांकारक) पिट्न सिवार बीका (लाविशिष्ट कार्य कार्य त्या स्था मेंगा) यश्रद्धतं (अभ्याम) व्यक्ट् : (हर्व्यूटक) काकान -अद्रामुट्ट (क्षारमाष्ट्र अदिवं भाग लवन्दाप स्वातं) क्रिक रेटन राम (क्रीकृष्ट) क्रिक नाक्षित (विक सम्बद्धा) भेष वे रित्यसान (मित्र कार्यमारियम्)॥ हता 8) केक: ([बरकार्य] मीकिक) अवयन्त्राम्प्रः (कलात्व अपुन्नकं लिक]) भन्तम कर्ना १: (अड्ड मास्ति असी), जाराट (बकालंगामरोत्) जीरेंग्न: (डीभ्र)

कर्राकः (कर्मा अपनि काना) विकासका (पर्यन्द्राम विका इक्षेम) सदमानिकनः धामी (कामकान विश्वन दर्ग-हिलान) न्या (थल्ड्स्) मः ध्याचि (विनिव) व्यव्यव्यक्तिः (मुख्य डाम्प्रेक, लायाम् हे क्रिक्स अपने हे हांग लानं अलावदी (त्याची पिलंड करामक्त बान्ममूत्राम प्रमावंत्र कार्नेता) नामि (प्रिवंद्ध) हाः (प्रितं में मंत्री -भर्तक) गाक्या: गामिर (गाक्या)कार्माहित्यम)॥ ४ १॥ शि महीतं (मन: (द्यावाय (मन [व्याम कार्यावाड)) नः ह (आव (भरे त्यम) नव्यम्: (नव्दिर्भावी); जमान (त्मरे (मण इरेट्ड) म्थामेड समम् र्यः (अम्म हारव मरमक्ष में श्रिक्ष विकर) क्षेत्र (त्रमकर्ष) यत्वर (मन्त्र) भम्म कावार शकारात्ंः (तक ब्राय हेउप दान्यिल) प्रिंग्स्मा (किटाबिक) नास्तः (विगृष्मपूर [अरे नक्षात्व क्षापान्य]) 00 E (Cong (म.म.) लखें के किया विकार (De signoss / [ona]) Surysio (Salasiga) ट्रियं का का का का का का किया है। त्यं) लाभात्र (-वर् टार्सिक सर्य)) कार्ने वर्ष (स्था) लाम्बर (मात्र कार्येक मान्त्र)॥ ८ म।

80) for (ny incom) outry (mason) outre: (cuy strig)-. पर्य अहं) महिं (कहां कांब्र कांब्र) त्यार्थ. विकारिकर (कार्याकारमं वार्व मिक्टि)धमधर (प्रात कार्ने भारिता : विश्वाली) व : रावे : (वी कुक) दीसाल्यानाः (यन्यद्राश्चाना) र स्पीक्त्यात (र साक्ष व केल प्रवाद्य,) यज्ञातं किया (स्वांत कार्युंग) रस्य (ड्यायुर्ट ड्यायुर्ट) काडामा: (ज्यांकाक) कवंतक्ष्यार (कर्याम र्राट) क्रीलरमार्विकालमानः (अन्यक्षि रवंप शहरण) लेंग (कांब्रक) रेश्वर (वप रेव्य) ल्याक्षेत्र दिन्द्र वं नीति काहिता यह त्यत [व व] प्रमाणका हिलामायुक्त (दिन्याभाषा) काक द्रार (काटबारने कार्यत)॥ 8 गा। (१) अस (अअस्पर) क्या की (क्या ना) इसती (क्या किए रामित्व) अन्यत् (वानितान क्रिम्मार्थ (वि म्यूर्भ !) (रामक्र) क्रान के के का विम्ल (अन्ते कन); कृषितीस धामु (कृषिती-वाल्य द्वातक) स्म अंस (अर्थ कार्य ३ मा) ; स्मर्थ । (०० मास्त :) हिंदी मास (विंति ३) कार्य (क्री मासाक्त) द्वीकार (द्वीकाममा) प्राचित्रपद्व (क्रियद्वि)

वानवरि प्रवन किन्य करें) त्वा (विन्य करें) करिये) विसाद (कार्यास्त) करिया (करिय उन्हार प्राप्त) कि Some was यः राष्ट्रः (त्यकिक) लभाषीय (राज्य) अपंत्र (रश्चांवा) गर्मकर (बन्धन) मल्य (अमान [अवर]) प्रत्यान (बाम [इ.स. राया) क्या मान्यार (आवाकान करता) मं व या . भेरेत (बैंच या तर्र का बंदिक) मुका त्याद वाली द (भिक्क रित्र इस मूलन हाना) कर्षमाव (मस सराम अ धें अयुक्तराप्तं क्ष्य) वत्रमेत वर संस्तरिक (द्रक त्राक्रतीय वस्त क्षेत्रमार्गाम) पद्मां (क्षांत्र कार्नेमारियत)। ७२।। ([लयड व] र वि: (क्युकेक) लक्ष्मेत (काक्ष्टतम इंद्रेट) र्सा रेस्डिंग १ (र्स कर रेस्पारिक) (त्यां वार्ष क्ष्यां के क्ष्यां क्ष्या त्यायारं (त्यायानं) मार्कामनामास (मारकार् म्बार्का क्षेत्र (मुकेक) मिनंस (जिनंद्यां याद्व) हिस्साय. कि (जिन्हेंस्थ) हिस्सय)॥ ६६ मा

(भारति कार्यक्षित्र)। ६०॥

(मार्या (मार्या का का का।

(मार्या (मार्या का का।

(मार्या (मार्या का।

(मार्या (मार्या का।

(मार्या (मार्या का।

(मार्या (मार्या का)

(मार्या का)

(मार्या (मार्या का)

(मार्या का)

(मार्या का का का का

(मार्या का का का

(मार्या का का का

(मार्या का का का

(मार्या का का का का

(मार्या का का का

(मार्या का का का

(मार्या का का का

(मार्या का

स्मिन्न (क्ष्याम्य)। मित्रः देत्र (क्ष्यंक्ष्यं) ह्यद
प्राप्तेत्र) व्रत्मः (क्ष्यंक्ष्यं) क्ष्यद्वः

प्राप्तेत्र) व्रत्मः (क्ष्यंक्ष्यं) क्ष्याम्य (क्ष्यंक्ष्यं)।। व्रह्मः

क्षित्र (क्ष्याम्य) क्ष्यं ह्यं (क्ष्यंक्ष्यं) क्ष्याम्य (क्ष्यं) क्ष्याम्य (क्ष्यं) क्ष्याम्य (क्ष्यं क्ष्यं)।। व्रह्मः

क्षित्र (क्ष्यं) क्ष्याम्य (क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्ष

क्ष्यमेश (१०० क्ष्यमेग्र्य) व्या (न दंस्त)

हळ्य का असियक अहेत १ (हळ्य का की न स्यक्षम्र) बरमर्गात (अवश्रायं थाक मर्गर [क्षारी]) लाड्-वानकामार में मंद लान (वाक्कान सम्प्रेरीय व) हमर-कक्ष्रवाव (अवलाक्ष क्षित क्ष्रिमाक्ष) हैं हैं (हैं है-हारत) सन्तामु वर्ष लाई (स्वामे इम् ग्राह्म)॥ ६६॥ ([acuta] (xx cerains) लाहमां हक्ष्य हर्रत) हक्रत ट्याहमा (हलत नंप्रा) अन्य (मानाना) मन्त्रमायातार्थ द्रव्य श्री (मन्त्रार्द्रवे अत्याना र क्या कार्य दिवरह में क्या) वाहि (सम्मान). राशिक: (र्शिक्समर) गणिक (स्टिंग मार्सिम) painte man (त) या: (प्रक्रमाग) वार्षे मुनाद (मृत्येश च्युंच स्थाप्ता) जाकिः त्मामिर्द्रियामा १ (मिन्दिम कामा द्वामा म लाटमान्यरहरू) लाहित्यामार (लाहिमां दक्षता) लाकात्मक्षक महार (शुन अधिक प्राटक स्काइता) म्दः र हार (हिट्ट) न्यामीयार (श्रिश्ची मभीयान् के किन्ता कर्ण । विकास मान्य के किन्ता । विकास मान्य के किन्ता । विकास किन्ता । विकास के किन्ता । विकास किन्ता । विकास के किन्ता । विकास किन्ता । हर्गर (देवम अपने हमाने) मान दी है (कार या मुन) न्यकाम (धारुत कार्यमें) क्रिक्यम् ०१ (ताप्तं

Man mining (Journey + minery) work Alexa (000) Bulan susor (Bulania susa). नामिन (नामिन) जानुनवी थी: (जानुनवी दिना निके), शियम (श्यावं अभ्यत) आ शक्यात्रका (श्रिक स्ट्री) ग्रेंग प्र १ (ग्रेंबिममात्र) में में प्रमा (म्रेंबिम मार्ड) क्री बेला दिए। (बेंग्रुरोत) आयोत-बासेयर कर्म्बुरेमक (सम्मूर प्रेमि अर्थायी किए]) मूर्पका भार्य किम (ब्रुप्तवीन प्राह्ण) कां प्तरी (कां प्तरी) प्रमाधानकार, अद्वासकार १ (संग्री अके - व- र्ष्ट्याम) व्याका (लार्नुस्क्र) त्यार्म प्रमुक्त (क्षा (त्यामाद्यावित हित्त) लाक्ष्येत (लाक्ष्यं इस्परकारं) विन् (सर्वे हिल्ला मिकार (क्रामान देवन) कान्यरनात्र (क्राइन्त्र) काइ (त्यत)।। ८० ० ० ० ।। ति गाह: (एक मन्त्राम) कि: कि: (अव्हाक श्रेमश्रीकार्य-धांबा) (याच्वाताः ज्यक्रांतः (क्रिंगमालं प्रवा भारेत क्रासिन हिटानं) गर्माश्रुकः (प्राधनं हार्यायमातं) भायवासं : (भायवास्त्रे वि भवतः) TRUG (TONTER) SELLE-FAM: ([UNITED] ट्रामान] व्यक्तिमानमार्टर व्यक्ति इनेमा) विदंश: (विवाक कावेल मामियन)॥७०॥

Man ([edula] (MMLa) aso (asys) pourt of कार्ट्ड (काम्मी-गानाय महित त्य) मंदाः (यभीमन प्रकार) ल्यः मिलि (प्रमाधवर्ष) का भाक् एको (अर्थाका. इक्क) यममद (यक मारंते) याक्षा हम्भवार मार्थे (जिल- जिल- कालिका खिंगक्राम काल) मेर्ड हा: (CEINCO MINTER) 11 US11 ार् में यः (मंद्राम) रेसर्मे संयवधारीहः वाहः (रेस-रे य प्रतिकार में सर्वाम प्रत्क) का नामां (का मार् रिम्प्रियात्मानमार (कार्यानमारक)त्मानामार (त्मरे लाक्षाह) काहित्यामाना (काहिन क क्रम हर्मा) इस्ट (त्र्यंत) अवं (व्यव्चाह,) । हर्षेत्रामुढ (खिटिन कामानं लिहिमाहिस)॥ ७२। भी डार्ड: (मार्क) कार्डक: (हर्केस्ट्रिक) रैयायरार (प्रमम्य्यं प्रत्ये) । म्लामार् (धावार्म्या) नामार् (भाग्वारिक हि से में नुधारम्) नाटम् (मान्य्रास्ता) अकि अकालिविष्ठित सुनि (।नेख-आलिविष्ठात) विक्रेत (लावम्या कार्या) लामे हि: (प्रमुम्बेश्यम्) सरमा (सरमा) दलकट: (ल्यापालक रहेम) स्थान्य त्माह: तेर् (न्त्री क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र में में में में में में में (क्रिक्सिक श्रेसिन)। ५७॥

08/ sed (ord) orthice: (consimulation) ormers (अताक्ष) दिवसकत्र-विद्यालाने (भूरीधाउत्तन हेलाने-लाटम) र्वः ववः (र्वधवः) मः (त्रद्र) प्रवास्तितः-गुर: (नवीन प्रथनार्ल) मडण् (मर्नन) श्रकरे- हलनाडि: (अमुख्यत मिन्सिकां) अवानितः (भानिताकित वर्ग) यरावालाद माउ: (अवस बाम् त्या भूर्य) लाखाबत्ते (इर्क) वस (वारत रंद्रिक) क्यमं : (क्रमुमन) ट्या (त्यामन कासर मेर्ड में जी मन कर् क मार्ड विष्ट लार्येका) लागांबाद्धः (अर्डकं) दुलामुट्यिलयवाडि (देवा मान कर्ने वित)।। ८८।। AC may many: (अद मार्क) अवस्थि। अवस्थार (क्यां क्यां प्रकारक्षायेक्षातं) भाष्यार्के लाक का (पानिकाटक लायत्त्र कार्नेम) मार्ग्न केंबर (पार्र्ग्न बार्ड) टम्मा: (व्यायां कड्काट्यां मिट्टी) अवं कें कें (शाम बाद) राज्ञारंत्र-त्राक्ष (जिल्ला का का प्राप्त) विभिन्ना (प्रयम्भे भूवक) प्र: (जिमे) जार्ड्ला: मर्ला. (aiga nu wa a a and white (and in a sin कोकी (क्रमाण) ध्युवीय (क्रायत विषया:

विभाशिकाद्यः (विभाभाष्ट्र) उतः (मश्रीमनेरम)
आक्षा (धाक्षेत्र कार्न्य) अमूः (ठॅरियाम) प्राक्षितेर्थ
(द्वाक्षिते क्राक्षेत्र) धानिकेद (ध्वाक्षेत्र भूषेष) दिल्यानमूल्य (दिरासामत-सीतान धानमः) धात्र प्र (धात्र क्राक्ष कार्यान्य धानमः) धात्र प्र (धात्र क्राक्ष कार्यान्य धानमः) धात्र प्र

पण्डिताह (बिमामा ३ प्राप्तिकार) क्रिक्ट (स्थाप्ता ४५८०) लबक्ष १ (लबक्ष ५ र्षक) क्रियामा मि लग (लक्षेत्र) व्यावादा (चावादा) हिस्सामार

कालार कालार (देश-देश-स्थ सभी म सर्व) विकारियः (Birdus) Brio (Mian mf & man) ourcesid (व्याहमानिक कार्नेक मानित्र)। ५०। पेशे वतः (लम्बन) वाद्यान दि : (त्यानान देनिन मान) पायवारं : (अश्वामकि अभीमप्) निरम्धः (ट्यामा ड्रेडिक लबक्ष्म् र्वेष्ट्र) करा (वटकाट्य) धर्मः। अपार्षः (त्रिम्रार्ष्ण) काकत्वानिका दिकाः (काकत-नवा अपृष्ठि) प्रश्री (प्रश्री मरेक) क्रमम : (क्रमम :) बताए इति: (बर्ने के हित्तं मार्ड) अर् (अरे) हित्सा अभार (त्यामारं) ला त्वार मा मार्रः (वा त्वार प् क बारे भा हितात ।। ७२॥ अर्थ संग्रह का: (अर्थाक्ष के मार्ठ) या: (अर्थ मणीयन) माने ही: (मात्र कार्डिक कार्डि) क्रमम: (माना (म) कामार (क्षांतास) वर्गा-वर्गा-वर्ग- वर्ग- (रेप्र-रेप्रवर्ग वर (टमड़) (आहमर (अक्तिका) मेरेर (उन्मडकाव) रमासमास्य : (welling कर्नगारिया)॥ १० ॥ ([लयदेवं] पात्रकातं (प्राप्तका) द्वाकाता: (च्याक्रक) का श्रिया मेर (कर्त्र महत्रया हर्रा क्रम्पर (मानार

टलाई के डेलरा म कर्न्टि) कराने (बीनामा) इमडी (उपमुख उपमुख) त्याचार (त्याचारं) लाके ही (लाखार्य-व्यक्त) व्यासीमार् (मजीनारेन) स्ट्रमान्तीर हकान (अरतक ब्रायत का प्रत कहता करित्तत)।। 9311 of [dewly] ance (apiet) printenter (Break चा किएक बाम जाति) तिवामार (कामरात्र कार्याम [Tass]) myld (anywy) chrus (chrain) Bulmunight (ongomin oulenau ouast exalu) स्तः (स्वाम) पर्ट (पर्वार) हिन्दे लहें (लयम्बर् क्राव्यं मिद्र्य (त) * अ: (व्यक्त) रावं: (म्मुक्क) लर्मकार (टम्म समामप्तं) वित्ताः शताः मली (मूरे मूत्रे लातन अकी मृत्ये) आम (अका भा भारेत लाभिट्यम)॥ १८॥ (६६ (ग्रे) क्यालक : (क्यान रेम) मध्वक्ष का मार्ट रेंग :

(क्राम्म क्रिके में का) अवीव: (आहे का क्रे) लक्ष्यकी हैं। (प्रतिक क्रिके में प्रकृति क्रिके क्रिक

हास्तं (कार्कामहित्यम)॥ ४८॥

क्षित्राम्यकारणायमं (ट्यामाहित्य कारणायक)

क्षित्रमायकारणायमं (ट्यामाहित्य कारणायक)

क्षित्रमायकारणायमं (ट्यामाहित्य कारणायक)

क्षित्रमायकारणायमं (ट्यामाहित्य कारणायक)

क्षित्रमायकारणायमं (ट्यामहित्य कारणायकारणायक)

क्षित्रमायकारणायमं (ट्यामहित्यम)

क्षित्रमायकारको अभीवे (माभागम्) कार्यकारमं (प्राप्ता

क्षित्रमायकारको अभीवे (माभागम्) कार्यकारमं (प्राप्ता

क्षित्रमायकारको अभीवे (माभागम्) कार्यकारमं (प्राप्ता

क्षित्रमायकारको अभीवे (माभागम्)

त्रकं कि रें के क्षेत्रक कार्क कार्य कार्क कार्य कार्य कार्क कार्क कार्य कार्

ला बुन्तु : (पाना असे था) यक्ता है: (ममें क्राप्त कित्तिक अभिवारं (भूगालं मार्थिक) त्मेकी-ब्काबीमार् (क्काना क ब्रक्तिक किए) हमू-म्मारामा केकासर (यांत्र केल हावक्रमांच केका-सामक (केट्र) भिना कीनानानी भागाकारि : (न्याक्त बार्क्स्विस्तिकां) विन्द्र हिस्त (र्याण्यली अस्य स्वयं में लियं का हित्यकारी) लाए (एप्) डिकास: (म्येक ट्राम) र् यांचप) (र्भवतः) नवरं त्यामन भीमन दिममः (नरं क्ल हिल्ला भी भी के कि का मार (बन के उद्दे) 11 वता वर्ष क्रम (अस्त्र क्रम) क्रकः (निक्क) जाहिः समर् (जाराय महिन) नी क्याक्रारमं (न्यु क्याक्रा मंत्री का ना के) वासीक. नामक्टिल (मर्नामानटमान क्षेत्र १८६) निविधे: (डेललममण्डिक) विद्यामम्भर् (विद्याममूत्र) अनुष् (अन्दर क्रिमिष्टि (सन)॥११।। ०० (द्र. १८६ वं) चार्ड का आर वंगत (चार्ड कं देश मार्स इंड्रिक) लावती (वार्स कार्य में) लायह: वर ([द्रायन] अभागताताई) मड्यवंग (मड्याकार्व) देअत्यम भिट्टि भर्गायार (दुअत्यमम्बर् कर्मास्या)

धक्विभम्भन्म् (क्रामटमहमर) Consolare (आपी-मिनं) सेवत: (लामलाटम) ईवायक्रे वं-भावासे वं: (विविध क्षाक्ष व की उसमा भागते भूषेक) म: (वीर्क) ट्यार्थिशनासुद्ध (अर्थशातन प्रकासक) मुन्नी-अहिं (के वे का शिकाहत) का के ताम (के क्या प्र त्या का भने गारं) क्षेत्र (काक्षेत्र) में सर्व हर्यः करंत्री क्षिर्व कर्ताः 9 क्रानिके) आतमः (प्रभीत्र) प्रताक्षप्रकरार्वाव (अमर्थाण लडलकात दुवस) मध्य कर्द (शुर्भ इट्ड) मक मानवं प्रमान (मामि मान क्रमें कर्मा) ला (देक रहबंगत्तर) मिनाउकामेनाउमा (कीडाकि आहा) कार मा (स्थित प्रमं मार्ड) निवर्ष (ठेलावर), कहा ([क्रेंट्] कारियांग) जिल्मान क्रिमेर (कर्ण का दिवारी) श्रीकर किंग् (जिल- जिंग चीक कटन) गुनीन पर (वी वन कार्यंग -हिला)॥१०॥ . जिली मिली कर्क धन् भिक) भाषाक मर्गारम बीक्ष मर्टा (भार के उ बीक्षमादि कि मार्डिक मा स्मार्प (सिंही मार्ड) लाभार (क्रार्ड)

भवनारम (क्राडि मृत् दरेस) कुला (क्लारमबी-) साक्ष्य में पूर् (सर् में प्रेस) एतक (आय आय) सत्त्रीत (लायनंत्र केत्य) किता: (भाग मा केरक वे) वे ब हार (यतात्म) पेक्षें (क्षेत्रे कर्ने प्रमे)।। १०।। र्षेत्रु आविद्वात्त) लक्षमार (लक्षमार) लाक्ष द्वात् (पर् आयकात्यं राष्ट्र) रेक्टरम् आस्थारं विशेष्टे (र्केनक मक्ष्ममें मार्था कि किया) विकास्वर् धार (विकाधिष), अकर (अकरि) करक- कथान ए (भूवर्यक्रात [क्षर]) अत्राप्त तीत्रवाकीवः (अमारि नी सम्मू निरंकमा) विद्यिए (विद्य) अम्मूम् (अमर्ग) कार्यायार (ong है 2 र्माम्ट्र)॥ २)। ि श्रिकार्यः (चार्यकार्व) सम्बद्ध (समझ) मन्य-वर्मनिया (यन्त्रक्त क्राव्येग्य) माद्रि (भवन) भीनमा (कीन भारत) भारत (भारत) भारति । (कारियासिक्त अधीलिय) अभाव (त्यार मीय कार इंद्र) द्राया में वायर प व्याप्ति (द्रायान अस्ति इरेनमा): किर्मार केर्

922

िश त्लेकी (इक्नक्ष) ध्युवीय (बाम्यमी प्रक्रामारमी (क्रिक्ट क्रिक्ट (क्रिक्स मान के क्रिक्स मान !) इसर (चत्र) रक्षें (काम रमाम)) सर्व (सर्वे) मेंबाल्यार (व्यामनी दृत्यत) महस्ता भूकर ([anna:] Har Barain our wains :[ansis]) टिनाः (दुक्टनं के) प्रध्यारम्यामा अधिमेगा मुक् (यंत्रक्ष द्रिय त ते अवमा हाडा. प्राप्त द्र कंग्रं [xxx (e]) \$15 (77) (ais (al 2 salus), no) ब्रक्त (ब्रयम्हानं) यिकारिवाई (काय करं)। १-8।। (त्रव्यक्ते क्षित् (, नाप्र करं ,) द्वि (त्र वाम्ना) धाडा-वदमान प्राप्ति (जिल्लान म्यक्रातन विकरे) विता रिक्टिम (कार्य कार्यत्र) मार्ग कार्थ (कार्य कार्नेता) प्रत्येष (क्य) करने (इस माना) वर करो । व्याप (में माना) विश्व की भी (में माना (डाराव र ३ वरेटा) वर (भार मानिर) ब्राय (अर्ने कार्यात्र) ॥ ७ ६॥ (बस्तकप्रमानं) बस्तं (त्रें) लार्के क्ष्यं क्षें) वस्त्राके प्रमानं क्ष्यं) वस्त्राके प्रमानं क्ष्यं) वस्त्राके प्रमानं क्ष्यं विद्याने विद्या

226 (22 sia) negyas (cry six) mini (oring. वर्ष) विकास कुल्लिमिका मिठीकुट के वर (क्षिका) लक्ष्म (में असे सेवामिक कार्यमें) खिनेता (जिनेकरान) कर् (राक) समर्थमामात्र (धार्यने कर्मात्र)॥ ५ ५॥ नि जितः (काउ चिक्क) जिल्ली- व्यापार्थः (किंत रेलाद्युवं री अपटा ड्रांट क्रमरे) विराह्न-A My My Loya Ro (13 nama agame भूतमी कृष) , जिल्ला भामी - नावेता भ नाभवन् (तिल- विक्रिश्याप्तं मार्वमाम में नामक) सिमाल्य (सिम्बत्यक्ष कर्व) सिमंद मर् (टम्पु. जिंग-सर्व) यक्षेत्रं (अव्यत् व्याप्तरहातं) ला अटम्प (व्यात्र कार्बनाहित्यत्र) 110- 911 कि मिल्ल कान (जिंतकम म्यामा ३) का मिला छन्carting (times any one win prince) mine (च्यक्ककर्व) रात्वा-न्यान्यात (रात्वाव क्वंवात) ल्युक् (कार . निर्द) राम्बाइव- आयवं (कं क्षित्रहारे लक्ष्मिन, येबायह) वर (रमड सक्ष क्षेत्रक कार्यका अप कार्यकार्य मान ।। १०।

्री कर्क मश्क्रमानेना मन्या (क्रवन्नि अक्षे ध्य हरीमारे व अर्घ) मृद्या (वृत्याप्त वी) जात्व प्यापा युक्ति अकामरेन: क्षिम क्षित्र कार्य (अम्मिक्टकर देशिक कि में कर्म काम की है। एक काम बंगान की में Milas (overi and aca) easily (our minter) लेत्रापु के का (लेत्र करवना) मत्मात : (वक्षप्रकादन) सभी गरं में बंद : (सभी अपीर्त अमरित) भ बाद (त्या) केर्स्य)। म्रेग केर्स्य (अवस्त्र) व्यक्तिः (मृत्या क्रिक्ट्यीन के म्प्यवारे) यश्चीमार् (म्मीमाने) कमार : (मम्राम) हसरम् है (टमरे वार बादा अभी) गटिश्व (म्माय करित) यः क्षः (लीक्क) वाबिहियाक्यामा (मिनिविविव कियाक्याक) युम्मप् (अककारम) कार्यमाम् (मिश्रेम मश्रीवार्षक्) माकित (माक्रेन) भाटक (भाटक) माहिक् वर अमे (लाइम्प्रेंड र्युट्य छ) ट्या व्यक्त (श्रामंत) न जाटनाक (द्विलाहन दरेतनमा)॥२०॥) [वरकाट्य] वा: मक: (अर ममुग्य) क वर मिनंद (जिंग जीकृकरक) टक्कार (क्कामान) क्रम क्रम क्र (मिन-निम-) भार्यार् य (भार्यात्रे) व्याप्तर्

(miles for I) of with 5 pas passes. (Course day was sign in the many (my my sixte my sixtes 2 - The six - (second sixtes) eng mine o made e 122: क्षित्र कार्मा क्षेत्र (क्षेत्र क्षेत्र के के किसान के कि र्डे किल्ला क्रिकेशन (त्राहमनं मात्रकेश्वी कार्ड केंद्र दे निम्में कारमें बारमें की प्रत्न का प्रति का प्रति में का प्रति का प्राचामार देठके में मन्त्रकेल लक्षेत्राष्ट्रिक व केक्ष्र-जारमान-तमानिक-निमानिक-यहे अमानि (टम्मेनकटमारमा कारमादिक खननमारेन निम्मते भागी), रासमूकाडि-बालिकार्वन अञ्चलि (दाक्राम्य ह्याक्रिकेन्स्वर्ण-अ ब्रुक्त अर्व व अ व मार्गी किट्टि ट्रिय व मना अपनी ए. कृति- त्यो करी- मल्लानी प्रमान कृतिकारी ([पन् नीम्लन] क ट्रियम्मम ७ सम्माना का मार्त्स ट्राम् अक्ड (अन्त्र्रेड्डम अन्त्रेड मर्बारं आंड्रेबेर्) लस्यार् में निमार (क्या में ट्याहमायरम्) बक्तान (येमप्रकेंड) श्वरकाष्ट्रकां : (आप्रमानकात्म मार्थपुट まずいを出)11かとのからい

(त्रीक (करे) के प्रवेशन (पूर्व आप्ते क्या) माने में आर्थ १ अवस्था अपूर्व (प्रिये) माने में आर्थ है प्रवेशन प्राथित (प्रिये) माने में आर्थ (म्यक्षत्र) मनकार कार्य क्रिया मान केल कार्यन हरेट्स [ब्र्न्बीमार्टन मर्मारन केसी कीम्राकन]) अर्थन: (धर्व) प्रवक्षक प्रवचार (भार भार कार भार रेड वर्मन) गरेष्ठ ग भी लग (लक्ष्यं) मर्डास्य (श्रिमारम् व मार्ड) मा रेस्स. (र्यात्वी) र्याचार-मामामाः (र्यावत्रक्षेत्र र्याचारान्यात्र) व उमा (केर) मभी मार (मभी मारेन) भू न द्वार (ममार्थ) नाता-विष्ट्रेण: अधिजात् (प्रमाजातम् अस्ति, व्यात्वापतरणामा विदित कर् कार्म कर्मन हार्ट में मार्व विविधान माधीय-हल्यात् (ताताकाणीम प्रमा) मधर्ममाधाम (धर्मने किल्लिक् स्था है (स्त)।। भे ए।। क्षेत्र कार् कामवनार (भ्रामक नामाविष मण्याम कार्ग) ८० गरं (चार्कित संमध्याप्यं) भामभागम्मार्वे (अक्ष मान रर्षे व नाम क्षान रर्षे क क्षातिक सार्वित) विलाहतः (विलाक्षिकं) हिनाम प्रकारनं के प्रति मार्थे प्रतिमान के में का भी के प्रतिमार्थि । १०००

स्टिंगक ६ (भाडिक्ष क्षिटिंगक) मर्से (मर्से [यक]) आ कार्यमर्स आप (कार्यक मर्स आर्थिंगात्त) मार्थे भाषा-यकर्षात्र (मुंबेड कं म्यूनेमार्क्यात्र) वर (प्र्य रे कर्ताक रेडिस्न : कर्ष (विद्रम क्रिन क्रिय क्रिय कार्याम् में के रे रे रे रे रे में रे में प्रमान के में म दा करें रे के के किया उ-सर्म महियाड:) हक्तां साम दाकार (क्कार [] भारत्व) विभूतामार् (टमरे मूनमत्रक्षम) विभः भारत (अनं अने केव व क्यानेव कायाक्तां) दे र (नर्रेडन) मिन्ह्यं ; त थाम (कात निन्ह्यं हिनता । विकिर् कार्रि धर्व कारति विद्रुल का का हु का कारा दे आहि (बार केरेशक दे आरंग हिममा])॥ २१॥ ो प्रार्थकामण्डातरकारिय: (वमरद्व धामयरन कन्द्रकारिक) धार्यकात्राकः (मर्भा मार्किति किट्]) धार्वन समेकिः ह (अक्रक क्रम्बिनिष) प्रदेश (जिनि प्र प्रकार ल्यात्वरम) छाः वंगक्षाः (त्रत्रे मूल्लीमने) काक्याः क्षेत्र (काड्या क्षेत्र इंद्रेश हिर्मे)॥ १० ।। क्षेत्र (काड्या क्षेत्र इंद्रेश हिर्मे)॥ १० ।। कृषामान्त्रहात्रव (भार्तिक वत्रत म्यानिक कृषेते विष्-किकार्गित कार देश के व लखन) , करार (क्राय)

म्राप्तवर (दृष्ट रामा) ' लाममर्भाष्व बेरं १ (मम-भव्य क दुळ कं रात्र) ' लार्डियार (मिन्द ने लव्यावंदन) डे विष् मा मिन्द्र मिन्ना के अनामराना), वर (असे र्वाक्ती भामनर (मिद्रांभामकारिक) लड: यर्ट (लालारे येप प्रवा) क्रमंग्ड (क्रमान १०० विकेत्यक लग (विकित्यामां) में प्र (कमान्) मित्र (जिनेक्सकर्क) जिनेसमूर (जिनेक्समारम्के) कर्मय-बास:-ल्ल- शहार् भर्यमार् (भावि वमा क्ला उ बहतन (स्रायत) विर्द्धार (कर्क इस), रेप्र (नम्हि) पर्मा: (धर्माम्भाव प्रवारे) व्यम्भार (क्रें) वर्षतार (वर्षातेन) वर क्रांत् (जारा मिक छ द्विन यात्र ने प्रकारत करिमा) अमा मुक्नाता: (क्रिपंडम निश्रक किएक के किए के किए के किए के कार्य व्यक्तित (सक्तारम करिमारिस)।। 2001। १०) त्या (वरमात्य) मृम्मार् (त्यरे मूमवीमार्भव) देखारे (sua) Division) + Custan (with the) " मडिंग (माद्वास्यरंग) अभायत्वा (अभाय) क्मार्छक (क्ष उ वत्स) अमुडा (विश्व : छाय), ट्राचाटड (नम्नरकार्त) अक्नेज (नडिमा)

(ट्या में मार्थ) देसं में प्रका (ट्या में में में प्रकार क्षेत्र के क्षेत्र (आविश्रामवात्माव) मेर्डा (मेर्ड) में हैं। मे माध्यका (रे कि केर्राट माड्रिश राज्या) ०००६ का (चित्र किए व करमास्मां) हैकिया (रिन्द्रवाकेल) मित्रकंट्यार अधा मा मा लागुर (एक एक विकाश विविश्व माने बात इमेर कार्यार र्भे छद्- ७ - भू क्षिति । छ मुक्रमा मार्मिसियन र्मेख हर अन दरे नाहिन), कर्म्य प्रा (ज्यम्पर्म) मिनंद (मिने मुक्का) काम प्रांत (स्मित्र कार्यमार्थ)।। २०२।। १०% केटक (अक्कार्यसम्) जस्ममून मृत्यार् जिल्लाहरा-अद्भवं) शात (श्रमां) मः आदंबामः (त्म समादं अत्वात) नावीकावकार्यमा द्वार (नावीकार्यकारिय लकारं) ब्राप्ट में हिंद (प्रकारिक हिन) मर्मिया ([कारा] सम्रेमा प्रधायक धळवां) कावंसंबं (कावंतें) (आह ्त क्षेम : (अठ कार्ड म क्षार्ग) राद : यड)

(SILYCE OWN THE [CAX XME LUCY]) CHICAGAGE

(ममन्त डेर्मन वाकि मार्क) कार्र हमान

(अम कार्यमाह्य कार्य कार्य कार्य कार्यान कार्यान कार्नेभादिन)॥ >०८॥ क्रिक्ष (क्राम नक) महक्तिना हिका (मबीम किलावी) (ल्या (र्वेष) तर्म का प्रमाण (तर्म का मुक्त) मार्गास्त्र के प्रकारमं) कार्विक्यम (अडिममं विस्वतादार) असताम (असम किन्टि लात्यर के। 50011 (CLA) 1/2; (almeria) nn n naga: 100 (Cameria) n n n n naga: 100 (Cameria) n n n n n na. (अल्मी क्राम्स्) अ अ अ अ अर (अर्ड) मामा छ : (मांबेट्टर्ड्ड [लवं]) रा (ल्ड्यां) । ह । ह व विभिन्न (विभिन्न अर्थार कृषायन किर् (लड्डाट्र) वाह्यर अमर् (व्याति व वृहतंत्रं महत्) The (main maine) कि विम् भंग त्याद । विक्षे एकं - विक बना एका - विनिधिवकः (यात्रान म्याधान विस्कृतिनीन टर्मव्यक्षां क्रमन अर्थन धाकर्मनेकारी विकामिक अभाक व निमा क(व) मधामत्वरे विवसी क्रियात तथाक क्र-कल्पमपाछितात:

(1213 ret, ours a soley maintini muy Be sudan monin can) nagamany-प्रश्नित्र वित्त निकार के स्वत्य के कार्य कार कार्य के कार कार्य के कार्य विकाशिष वाकादमान भगादमानी अपम्य (क्षिक) लाहिया (भारियामिक महामव) सर्कातः वेष (रिकाव निर्धिक शानं) प्रायम्यमार्गे (६क्रमा क्रिक्स गर्न मत्त्र) प्रमास (ब्रह्मकाशिव कार्यमिष्टित्यत)।। २०६५ २०७॥ 700 त्या (लक्षां) (का (चानाता व चार्क) लड: क्षेत्रमा) मन्नाकार (मन्नामेगपकर्षेय) निक्शिक्षि धामकु: (टमके इम्मिश्सितः [अव्ह])आजिमाति: (अश्रीमते) कवत्रंग (नक्सान) प्रकाम व्यक्त व्यक्त (क्षिकाकार दिखिल उर्द्र माहित्य)॥ >० १॥

१००० (लक्षां) तरंग: (मांगांव मार्डेटकं) प्रतादमंत्र-निम्हनीय पुर्शिवित: (मण्णिर्षू कर् नीत्रीविष्ण कार्डनाम छएमत रहेटन क वद्विष्ण कार्डका) ट्याम्गाः (कॅलयवावं) ट्यंत्रमं (ट्यवंत्रमं) अव्यक्ति तात (क्रमतम् नीकृष्) का स्थव्यार्थः (Brown & y & By & By & By) acure & MA) game (as me dos me some (क्रांत (लडमार में देश के प्रकार कार) मळाड (म्प्या कर्वाय) में मुम्में क्रियुवाकी (में म्प्या दि-(माहता) काहा अली (खीवाकाउ) ट्यमानवारी-वार्ट्रियोगाम (म्यामबारंप मन्ना सम्बद्ध टमारिका दर्भा) भूक्षाचान-जल्ल जाकि (पूक्ष-वालिशिह्य मार्गिक्क) निर्म क्रियाहरी-क्ष गाटन (निक्क क्ष क्ष नामक ठेउम क्षार्म) श्रृष्ट्राभ (निमामन इरेलेन)॥ २०५ १०००। 170 [लापरें] मामाजता : (क्रायंग लर्येनतात्म्वंत-अमृक्ष्य-), अतिमनाविक-सामित्याम् क्रिस्मामामः कस्ता: (प्रारादन मूज्यमा जालमा ट्रान्ड-मुस्तिष्ठ म् मुप्त देश इर्टि), तम्बन्धवाचंडः

(ग्रायादन धार्म इरेल वसन स्थानिक इरेल्ट्र)? मेर्याम्य प्रमातः (ग्रायात्वं यने मेर्या मिर्यक Exerc [212]) MANNE MOT TOTHE (कः कवः अधारका क्या ला वाः (भारादिव वद-जिल्ला रेपछण: मार्थि रेने किए के किला अका: व्यक्ष (प्रभागते ३) मण्या डिमाया: (मण्यान कार्कार्य) वर्षः (अयम कार्यस्मम)॥ ३२०॥ छिद्वाभकत्रमभूत्रीण प्रमानि - मश्च - मिक्कू क्रिनि अर्बि-मिन्न क्रिक्ट देश प्रामान अराउने हाम नगा-द्वारा विनेन के वर्त करवे करवे गाट्ट) न प्रश्विकाद्ध-मललाय- अभा जल मु (अपराव अरक) र्वत लभावक म्हन अभाष्त्र, अल्च उ भ्रम्बाहिड M. M. C. C. M. C. C.) " E OR LIN- BIS 2-यक्षि द्यात (१ क्ष्य सार्वायाप्यं क्षि ए मार्डायं ELANDE EXPILES) " DELAY - EXR- HELE-हितिकि (किस्परमा में में के के के में अस्थितिक मात्रास्य द्याष्ट्रित अकाम व्यवहाट है, [वर्]) जाम्म- गक्षमाजाम- वामिक्र (जाम्म ७ गक्र-

स मर्था अपन सामि क्षा भाराना विनामधाम कार्य गाट न [वर्गम] रूट्यू (रूप्रम्य) म्स्यमाः प्रकार क्षेत्रका: (क्षेत्रका प्रमाण) इंडा: (प्रमाण Egin.) And SNA (SNA SANDELLA) がなめ: (当日 aumitaxy あんとはり11222-22511 अन्तिक्त अपर अभाग्निक देशकं अक्ष कार्य कार्य कारिक्या-के दिया सिट्ट. (अका रूआहु मुस्मिया सार द्यामार्थी भिवार रूपकेटल किम्मिक देर्गाद्र) व्हार्क्सिकारार अप्र मार्थ द्वाराम अकुमार्ट्ड) मीक्षी यमाअर्थ मात (al a cumation my and surve esta 27 41 (5 [38]) Stantons of a die (38) व स्थाप हरे द्या माना में बाबर का वार माना हरे गारावं व्हम देश्नाटः) व त्याविक्रमीमामृत् काता. (सी टमारिक्सी मायु हिमारक ट्रारे कारान वासक), हर्वस्मावना सुनवः म्यः (न्यास्मा मा कि मिल्यान मुल्याक उर्म में हिंग्का में कि कि कि कि कि रिक्रिक्नी क्या-विस्त्रक हिल्ला प्रात्ते वार्गिया क्या क्या

कार (लक्षेत्र) करियान अमेतक - वसेश - सम्बं : (लड्सासन देशम अस्वरक कर्म क्री मार्थ का ने मूर्य) करका से-बार्स-तरक - सुबकाके - भारते : (आत्मारक न मीत ह वक दाए अनुमा) मः (त्यरं) मानः (ची क्राक्) देवकः (देवकाश्रवाहतः) ACREO BRIMO 19 & MANOSIU) DISCOM.

(sentin que la la mano de la maria del maria de la maria de la maria de la maria del maria de la maria del la maria del la maria de la maria de la maria de la maria del la maria (अरवण कार्नित)।। उग ्रिक्र विषय कर्णा (अविक के के भी में उरिही) के हार ये व स्था कार का का मार्थ है आर्थे इतेटल) व्याती-संगती-भगने : (मश्रीकृषा द्रशीमते) लक्षेत्रा (मडेन) दुन्धुनं लस्यमानं (दुन्धुन र्राम अध्य कवित्र ॥ १॥ (ग्रंतकश्य द्वांश) अम्बाम्यः (क्यायम्या अव्यक्षां) नावनेद्रक्त भाम्यर् (क्रथ-नावनेद्रम्भा) भिवतं (भात कार्ट्ट करिए) न्योकत्वरे (भूका इस्वाका) क्यूकित्वर् (म्क्राक्षति ट्रिक्ट्]) नी वी - ना निर्मा ए ह (मी वी कल ला प्रिजीए) बामा मार (बिकिन कर्ण-हित्यम)। जा

क्रिक्स अवीय मंद्र) मदल (मदम) लाष्ट्र का कर किंद्र कार्य लाम (मिनका क्रांभ्य) क्रिका प्रियासका भी (जिन्ना अक्टर देनार्से रंग्रेव रंग्रेव) रस्म (ए। राज्य [पहर]) बाधार (बामाडामीय माड:), मीबी- कूडामर्बन-अप्रवत् ए (हारास्य मीबी उ सम्मायम् आकर्तनम् (एके। उद्राप) बावंतिही दिवांत्र करवंति करवंति) अयमान (अयाम कार्नेए मानि (यम)। 811 (रदं ((क्यारक) मर (लामारक) म म म म म म म लि म्लून (मर्न कार्वेडमा) देश (अमारा)कि कि कि हि ((क्स कि)) वि विकार्ष (क्षांत) रेक्टाम ? (JEL WISCOSS & ON (OUNCER) Ay ((Ayell) म मामें के र (मर्म कार्टि) म म दर्दि (माउ); में में यं क कामका कि में मा लाम , (कामक मनम में मन भार्ति ररे एक (है)।। १। क्र (अवाक्षेत्र) मा (विति) वसा (वर्काट्य) वसन्धिय (क्रिंग्डमास्क)। मुक्केटिव विस्मर (राम व त्यारमण्डः) यर् परमण क वर्ष (परंगरः ल्किक नमद्गमरं) देखि (चंस्त) गाउं विद्य (शमित शमित) कंबाक्रार (कंबेम्य शका)

Macura (Brachi ang Truck) अनंति (अंत्र कांग्ट दुला द्रम्म) करें हा (धामक वर्षाय [नवर]) क्रिंट वर कर ह (क्रिं मिर्क Munite ordanzino (Liga Billes marin) लामा (द्याम्द्र मार्ट्य)। ।। ो सर्का का मार्थ आ (कार्या के सार्वा के कार्या व अवारित्य न्यां का विद्यात्य] मध नामंदर्भाः (असे व सामन्त्रिकर लक्ष्रान्त्र) भ्राण्याम्याम्यक्ष्र (तम्दान के की लत । तिशासन किया) माम्याप-टिकिलाहिका लासीर (माक्षेत लाटनेड्नी सहका. वास इरेगार्सिन)।।१॥ द्वी जार (माम्राम उ नकारिका :) विषयम् मर्गेष् (कन्दर्व-प्रकारम) विमू भी ह जार्थ छार् (की नामा विमू भी इरेलिए) लक्ष्यात लकात (क्षिरक लक्ष्यं द्यात उर्मा) र्मार लाकारा (सराम लाक्सपुर्क) मिल्ले कार्नास (asi tel sigla ani R sigla) reds ([eligini)] काळ्याक) लाक्सार (काक्सप्टिक) में बार क्रामा (मुलंब ट्याम् मं) कम्प्रः (क्र्यां) स्कीवं मणमं

(Talina) and for (ecity cus) remiser टमत मेर कार्य कार्ड आसम्म)॥ १ के छ।। > mangasya: ([adalor als mantes] marce cai मारे कार्यात कार्माक्षेत्र) मू क्यः (क्रीनाक्षेत्र) गामः (DD) 20; (20cm) 20; OM (2000) विस्तिः (बिस्नि) कृतिएः (क्त्र अल्प्याक अमिक्टन) उत्ते (क्षीकृश्केन मिनए) प्रकार्क आश्वर है क्यान्त्रणा कार्या हिन (कर्नगिष्ट्रम)॥ २०॥) त्र (में क्षिक) यः केकः (अर च्युक्त) अर्थेय देव मरात्यार (म्म जुलक्ष नदार्गममधारा) बाधार्भे (बाधारक्ष पूर्म) विकित् (एक कम्म्मा) क्रकर (मञ्चन) व्यक्त - मर्थन म्लानः न्यानि द्वानात्र स्टिनः (अपं) किः त्यक्षेत्रामतः -वीरेव: (अंग्रंग प्रामंड बीक्मरनेव कावा) जार् मूर्वन्-वर्- खेंबुर (सेमच् चा बाक्तं प्रसर्व) में कृतामात्र Jana- Mi- ad co: Masuria nolais Sar-सरप्रव काडकारमभात) , अरकः मरेभः (अरेरकारी

यम्मर्गार्थं हाना) दरमावार (म्यम्द्रेव) कम्मान्त्रः (Metoi) myolis (viruy) 84 & Ra: (82447) हिंदि) काक प्रवेत (रिल्प्नर के ते) रेम द्य: अवार (एडवाब्रिका अप्रव) मन्या (व्यक्त उद्राव) का वत्तत (वदत्र-कर्क) अस्वामृष्ट् (अस्वामृष्) बालकात् (बाल्यूमन क्षाना) भी के वाद (भी के व) वामान (वामे क्रीक) रक्षा व (यम: मध्यक्ष) मान्यें (मान्यें [नर्]) क्षात्राह (क्षेत्रमामका) के द्वायार (क्ष्मक्ष्म) व्यक्ती (व्यक्षक्ष) विवरमात्रे (भवार मृत्य) भी उठ्ड (Curaca अठ बंदम्) है से कार्य (है से क कार्य ह्युम्मायक) बन्द (ठेउम) न्प्र (न्प्र) क्यू ट्र (गूरीक इर्रमहिन)।। ३८->४॥ रें क्र (मक्षेत्र) क्र मा दर्भ (मक्रासम कर्म)हिट्ड (हिन्न [नवर]) हिः (जीकृतकन व्यवनादिकर्ष) अमृज्यू अर्थत (मूलामृज् अष् वि केत) विम् थिए (धन. इन रहेट्य) लट्या हाहा लाम (वित्वम म्यासात) जमर्मा (जमर्क रहेगा) न भ-रलान- मामत- मार्डः (नभ उ एउन्न भाग दुलातेन भारत) हम्मान कार्य ; (र दे दे विका (समामाध्या) अंतः के का (काम मर्गा)

220/20. 130/23/20 mas (min ersydnessen annaga) er en sia Ro (Ex a sugricain) क्षेत्र (लाबंदि कार्बगाहिष्य)॥ ३६१, ी डांबुडमेलांगर (मुक्किसमेश मुबाका) भाडें (Sin alle) artin (and and execution) ad yet content माक्रीकारी: (काळील कारिये) छेलेह: मुन्दा हिन्द: (३ १६ टेप्टे 18- सार्वे निरं]) महिकां : (महिकां का अन्) इवं अर्यमातः (देवस अर्यमार्थिकेक) व्यक्षि हिंद्र का हुन)॥ ३ ०१, यिथिए-(पार्थेक) over star (and ceryin [type]) ar (लाउड्ड) एकत लाख्न लाखाट (लामरावं लामगासिट [न्यक्ष्य]) खिल्द सका (अवाधिक सत्य करव्या) वर्षे कार्यकर त्माति - यह कर्म ने र (विन्द्रमान कर्ते वर् हरेंचेल डिडिंग प्रक्रमां) में कार्या-पात्रकरंग (ध्यावाताका महकी व मार्ड) मनडे (म्डा 419 (mn 42)115911 क्रिकाल्य (मुर्केक) अन् लागाः (मुध्यम्) राठ गर

requeside (rein a mainto. Cr cr id) ouxal (रविष्यं) एम वेते दिन (भ्रीमंबे वे वार्षि क प्राप्त) चित्वर टमामुक्र (लकादंबलकाक्सारं में बार मं बारिय (अत्र), अभा : (वीका क्षेत्र) ब्रम्- मभ- भन्ति : (१९० प्रमक्ष अपकार) वर मन्ट (व्यक्ष प्रमेरमंद) मूत्रीए० (बलक्क प्रत्मे कार्येत) देश (कलाए) रूप० अने बिद्ध (अरवंत स्य प्रवंत कार्क (क्षेत्र (त)) मार्थ-मार्गी (आर्थ कार्या वार्याय मिला किए करने),-रेखि (रेप्रा) मणः (मण्ये नए)।। उप केल केमार्श्व) एम् प्यव्यक्ति (मन्यकेल एम क्रिके दूर) न्यामा १८न: (अ कृ किन) नम्त- भर् कनाछ। १ (अंत्रसंस स्रोक्री अपकृष) च्राक्र कार (च्राक्ष व) वप्त-मनित्र तम् वाष्ट्र (मूजम्मू भ डा आव १३ ए) का-सबस् (त्मास्तर् भन्) स्कृतः (स्कृत कार्यक्ति) (का (काप्रांबा) करंगः अभे गति (पंत्र- समवंत्र अ काम्मेर्सा भाषे भवत हम्द्र) स्वरं (भक्षेत्र) now hosely (Eci elyin-lun) 11 > 911 हि जीक्क त्रच कर बीव वर्ष - अपन्यात नव (जीक्रक व

(यन संस श्वेहितंद मन्यतात्त्रे) कर्मार देव (तार ancias) or me: (glarged) occarred craceco. (MEMEL WILLE (MARKOR (STANK) मक्षां द्राधा व्यक्ष (व्यां अमरमंद्रमं व प्रधानमं वर्षा व) द्राः इहित (अवास्त का अवास्ति महा द्रात्र दर् ।।। 50॥)) बरा (ब्रिक्षी) लमा: (ब्रमाव) मात्यह (ब्रिपीर प्रमाद-(मम) अपे भार मात्रामामक दृष्ट् (धर्मक मात्रक अमक-नातिश्वाना वानेनान्छ) , निष्यः (मिष्यादमा) निभन्दः (युम्मत) विमम्मान (स्महरं) तुन्द्राम- हनमर् (दुक्रीस दिवस) व हें स्ट्रेस (दें से में सम् तमर (प्रतिक मार्ग किटी) मन्यमेगर (मन्यमाय) ल्याम्यवर्षे लहें (मृत्ये वेस्ट्र ड्रम्मह्म थ्रिक. (न इंड्रा) आह्य (महंस्यात) अंडा हैं छ। (अंड्राप्ट्र) र्रंट (स्थान्त) याम्वायस्ट (क्षित्रकार्यः व्ययस्) ला ८८४४ (१९ से के कार्य कार्य ना इ) 11 5 > 11) अवंश्वाद्यात्रात्र (कल्लीयश्वाद्यकं प्रद्रमक्त धेया (व्यायान) केंक्र (व्यावक्य) लाक्स essis) organizad (organi stegitus seld) प्रकार (जीर) Cay के छ (अवंद्रान्त) म्यूरेडी.

(स्मिन्न कर्नेट कर्नेट) क्रमार (र्वाप) मार (कार्याक्षेत्र क्षार्यक्षेत्र हत्र क्षार्य) क्षित्र (क्षार्य) (क्षार्य) क्षार्य क्षार्य क्षार्य क्षार्य क्षार्य (क्षार्य) ए९ (बारा) विकिन् मंदि (विकिन नरम); या अवना ([sian] Cr [wen] man) " xt (x) man va ([मार्पा] कामार् वर्ट.)। र र। अस्ति अप्रांत भिक्ष व । श्रुक्ष डंग्रंगे- शिक्षम काव करवंत करवंता हि) " कार्क भारत्यम र्माक्षिक्ष त्रा कार्य त्रामं वसे लमकारं प्रमाममाभ नाम व मान्द्रिमाम स्थापिक قرم من رق) ا المعلى لا ساوه من المرا ما مع معدم किनं अत्यक् धकः म्हत्य भावत ब्रह्मतंत्रः [नवर]) राम्याका (म्राच मनम्मम सम्बद्ध ड्रमंदि) म (०५) वाहिका (चारामका) नकारित्रिक (प्रवाप त्मारक मार्ज) हिंबताहे हे द्र (। हैं वी करें कि फार) व बाह्य (ट्लाइन आरे खाहिता)।। २७।। (प्याम- १का प्रत्य) से.दः (कांसीकं) के क्रियंद क्रीमार्ट है। लग्यः ([बदल्यार्थ] न्यांसावं) क्यारमाक्ष्यं हैं तरं (लाकिक दे देरे कान् कर्ना) नामने देरी (नामन

agida one (Totala) orasi: (Sjargia) Cruisi Charle Coing 186 (902) () त्या (व्यक्तात्व) इट्यं: (चार्काक्ते) भीक्रे स्थाति। ति -मार्चेश्री पार (वरकामकात एका मार्ग में मार्गा मार्गा empraga minus 3a (nova usi) munos. (Branca original menengon (melles 3 (gourse sys! [and]) Lumes: (Todalala) यातः (यात्रः)नमा (नक्तातः) वर्षामक्ता वारावि (origina Eximpy) 11 5 611 Man (seruly) prosid & (Brand, mayor, 3 प्रमान करा) जिल्ला (दिल्ला) भार को (अकि) विष्टर् (मीम्य शहीत) मः (महिक) दे आगं (भाषामालय-विक्) त्यार्म (अधिमा आक्) अक्षेत्र का मार (An seannal in) Minin: (Misma) Anderi-धार्ति (भीक्त प्रवित्र) केमात्रकात्र प्रश्वि हिंदि ह हतः (कार्याम्य त्यत कार्या कार्या खिनाम 200 11 50 H 50 H

अरं ज्यानुत: (ज्यान्य कार्य ए ?) म: (ज्यान्य) ति होता (ज्यान्य) कर्षे व्यक्षे व्यक्षे (अन्तिक) विकास (ज्यान्य) x of the (Dellary & white) are (gringua) बरामक ((अविशेष अवित्रक क्रिके के कि MALIES: (23-10 mais allegand soming of Mais (d'air) THE ISPAG (MERICIENIN OLDER sain) RESONY-अस्य तथा- विस्तारंग लियांग (व्यक्तिंक कान्य प्रित्न-उमाठ: वितिता देशन हमने हमूल क्षांत्रमा) शिक्षाः दृष्ट (डिंग्साटक] निट्य किर्याएं विनिष्ठ लामित्वन)। 291 (any ((and) 32 (and) 32 (and) लिकार्न के (लाम क्षानी के कार्य) दें (colorer) The survey word (The the survey of the Day ango De (77. Im or an oly sa); विवेत (केंद्र उत)! है का (लपत्रे अंत्रियोग्य) तत (ourse) बेल कह म डि (क्राइक पड़ डड़िक्स) र लड्ड (aug) लय है वेप हन हा कार अड्ड (लय डेंग्ड-भामन दार मठा कर्डि) माख्य हर (ममम् ३ मह) of grings (Day Elys) are (oumer) I (1110)

(अनेटार) क्या का का अवस्त (अने का का में के र 413)112611) । क्या (क्षेत्राक्त) ताम क्षा (माधामा कर कार्य) भ: अर्थ: (१ न्या निक्क) मर्कः (विकाल निष्ठि) किक्सिए अंस्तार (राम- व- द्यार्य- किस रामक्ष) Elyamid (Tir yer yer yer [0]) amagayid (मर्मास्त्रक) त्यांत्री- बक्क नमार्व (म्मारमार्व. मैंसलम र्द्र के व्यव (रिक्शक के ते) अपटिव-संबंधि (बहत-अर्क) मिलीर (अपन कार्यमा) हार विषयमातः (कल्लिन कार्यान सक्) असर : विम्न : ह (इस्म -के हिंदे शिमात) लामार (र्ड्साहित्य) 11 50 11 30) RIAS (74 XNSA) RESI: (The president) CNEY-स्प्रिकारम्याः (ट्रायम् र्रेजवाध्य) प्रमंद चित्रकाम् : (त्रश्रीकाम् विश्वकारं) शर्काः (शहला तरार्श्वा) ' वा : (१५५) हिंगमा : (१हर-मक्रीमारे) (अवामहावानिक-व्याने कान्ताः (। निक= निक-क्षंत्राम (अया के एक क्षेत्र कार्य क्षंत्र) रेक्स्मर (केंग्रिटिंड) शिक्य : (अवम कर्रात्र)। ००।

(भग्रामाना : (मभ्रामाना) वाह: (क्रिंगमीन) उत्ति नीव्यव्याप्त-भक्तारेण: (वापूत्र, नीव्य क्त, विश्रीत मका भामा), भाषा धुकापि - श्रूप्रक्रिन की न नारेष्ठ : (भारतमारिव पूर् भर्तत ७ बीक्त अकृष्टिश्वाका) निवाकिक-अत्य (मिन्तिक कार्याम) त्या (मानाक व मारक) युमत्याम (याद्वम्त इर्म) व्यवह (कार्यमं) आत्मादर (इर्क) थाल जू : (मड कार्यत्मन)। ००" ्री [लयद्वं] शहा (स्रिंग्डमा) मार्ड व सामाव - मेमा (बंदेशम्भातित व लाहकां ने प्रक हे कि क्रमीयद्रमातं) Bro (Branca) paing (Carpeters erin) ल्येबी (बार्या क्रिक्स (प्र क्रिक्स [ama]) मा : श्रिम (मारात्मं स्थितिक) नाम (म्म) म पाल (ध्युडिव कार्वता), क्यूव्यमा: (क्यत्रधूत्री) प्रभा: ([अर्] म्मीनरे) मानिस्यामंद्रः (मण्डार धरम-टाक क्रिन् (इक्षममुक) अभाव (निया भारेरवह) वस्ते (त्र वसते!) वा : (वारादिमरक) यामा नामन् अन्यव कार्यम प्रकार नक्ता 1162" की लाम (म्यक) मार्ग (कार्यमाख्य) वर कार्यक्र

([anna:]acisasin ony ar som main [oness]) Brin (Brianis) & La: (wather) orga: (augu-क्या) भारती: (भारतिभारते के क्या) प्रक्रिक रेप (मत मध्याखां काम) हा: (त्रुडमाहमाक) चेत्रात्वे व (इंग्डिसा कार्ब अर्थ अर्थ) मित्राम् ([क्रम ड्रम्ड] । प्रमुख रतेत्वत)। ७७॥ 98 = क्षः (अव्ये) अमार्थ हत्यः (मत कार्यतम (प), कार्य (अम्मक:) नामियार (नामियार), किर्म विनामार् (OLDER 18 MIN [1884]) 18 315 (18 31 à 12 de 19 भगमि (भारेन निर्वाट (अनेकारण) प्र: (विनि) स्त्रिक्रियाः वाः खिलातीः (एमरे जिलं मश्रीमार्पनं मक्तारकार) लाकते (हिंद्रा कार्येटक कार्येटक) डक्स (उन्ने करें पक्षत्र (क्रामंब डर्मा) । निर्धित्रकाष्ट्र (स् धनरह (धनड) बिनापार (कीनापार) वक: aren (7 2 % ouche vier) Luas (72 2164) over 1-(।प्राधीय) कुछ रूप (कुछ अमूर्य) आविमप् (खालन कार्नाता)।। ७४।। ्रेटो अंग (अ.प.) र्मामामाः ममा (मिलकां) स्थासान [XM] CANN [WIN EXNIEN "CMAIN])

ELSAS (Liet 1904 & LA) OLANG Aquano (AND META naching) Ad- Qualici: (Ad 3- Qualeni) क्षित (क्षेत्रिक मार्डक) माराज्य भाषा कामी ह (मापार्व रामान अमेकाम हम् तार्म) 110011 का सम्बद्धाः (सम्मत्व) न्युक्तः (म्यूक्तः) थः भर्ताः धानी-भन्नी- प्रज्ञीः (भन्नभूभानिष्रमा त्रारे यन्त्री मत्त्रे मक्ष्य स्थिते) वर के कि विमः त्या मेर् (अन्यादन अर्ड धन् कि भावभाविक वाल्याक) म्मान्द (नक्षाल) थियान (अन्ताक्षेत्र क्ष्मियाक (अत्रा ी यादत (नड् अमर्प) च्यांसक्त (च्यांस.) के कि (के के सद्या) लामाकाप्त: (मन्याप्त्रं) टमाम्बर (CHELMIC RIGIL) Any ((Ay ANY) 18 AN) (विकास पूर्वक) दे : (जाराय मार्ड) अपन कीर्य-के दिन्द (भिन-भारताव दिन भारत के कार्या में An tyreng- så-sulga. Érig- an nészulgarjag.

ad tyrenge e a la) newind (omers eriges) 110011. TAY NOW OWN (THE MENT BLOCK IS SAIL) मक्षात्व करें के देश्रामा का अं अवाहर मर्मेरं लाक्षाहित इंदरम व) हैरंगई हिमाब्रिक-ममाने सम्

र्ष्य देव (मळाकुणं काबमारि काबसे काखित र कर्मां गारं है [लक्ष्यं मार्क् गाइ ३ दे हैं। है. (तक्त मेंक्रप्रमृत मालक मेंह्या करके (अवस्त्र)) टक्षेर मार्य क्रिक्न भटका भी क्रिक्न कर्ष-अर आमका मीन (कार्क मिस् मिस महना कार्य मा) ना ल्याम् हाडा (एन् मार्गाम) सम्तिमान विकर्त सः (अरेग्ट्यालीयमण: म्हनीयर्मातं) मळात्रीव तप्रवदमा (मक्तानिष्टिम्त) भारति गार्डम् भाषा (क्रिक्टर) (my a sign) aning ginne on (ming (मप्तप्रात्म अर्वनिमीत्म अकाम मृत्क) रेण: ५०: (हरें तुरं रंपुट्) मायुरं मायु (एक ममी मानाकाक पिकार) लाह्य (मण्ड (क्याम्म) सिम्बर (आधार्मण र्रेट्स्स)॥ ७६ मु ७ रे॥ 80 (MA (OLEMA) ZI : 5 DI: OND (CAS - 2/2 D. B) पकः (प्रकार) निक्क म्याप (निक्क अपूत्र इरेट) मिलेड (बार्स्ट विद्]) मर्मानारेन : (मर्-भन्न म अवृतिय अभ्ये) विसम् (विभिन्न इरेप)

अन्द्रार (त्रिनेक्सात्क) (संबायभाड (डाम्मेन) मुम्मे. (राज्य कार्नुगा) इसम् (इराम्याज द्वामाज) है: भार्वः (धर्मानेय प्रदृष्टि भागे रें) उपार्देकः (18 sound years,) sound (owery signi. E(AA) 11 8011 8) कमा (वरकारम) र्सामीयर अमात्र (र्स्या सर्वाह म अवकां) र्वित्र (रिवा) केंस्वया (केंस्यवाव माउव) वागर (Сих.) प्रमेन्यार (प्राम्याप्तं) रात्व-साहकर (वार्काक्षवं मकामाहर्ति) व्याप्रकाष्ट्र 130 वंतु- अन् (अक्षित्रेय कं क अपूर्वित के वृत्त) (अ (अ तिराया ह के नर्गा दिं , भक्ष के व्या आखारा) पक्षा-वत्रव (अवत) मर्पपुष्ट् (भाष्ट्रामकं म प्रवक्षांक) mare (अम् काम इरेक्टिन क्रिकामन (Cr Booderin) air (& was) nout (somure) a: max: (max aunglant) 13/201: (2) कर्त्या) प्राम्वा: व्याप्तत्र (न्या स्थान 11 58 11 (P. Y.] Juhiste व्यक्तिमास्य लाम् प्रकारको अठवर्ष्यमारः

(भव्म रेंबेबमार डेंड्ट्र ३) अमाने - विवसत्माद्य : (कार्क कार्य महत्राकः टक्षायक शास्त्रं) (कार्य) ग्रेंबमादिः (त्यमग्रीटम् काम्ये त्यमंत्रक त्यानामः मार्गाता. लक्षारमधेत्य,) माणाद् ([१३. मेक्शेनकं] minut scar ; [ais]) aces: (or and) कर्ट्यः (अन्तर्मक कर्णास्ट हमात्रीत) व्यक्तः (अल्ब केमाड: कामी यव (कार्यमान दय) जामी (क्साक्त्र म्मूम)रव (मान करके) किवार हामार (5/21 CHRIMZ- DINCO 23/50) 11 8 5 11 80 लग (अक्षेत्रेष) लग्न (वरकाट्य) लग्ने प्रथ-(अक्षाहत्यमा (अम्प्रताष्ट्रिक श्रीम कट्टे) - (अम्प्रिमान् लाहत्ता) अवस्तानाक मा लामा (अयन्तिक इक्षांक्ता मभी) हैं र (मडेंब) हरला (क्षाम्मा) विविश्वाम नादिकः (मामस्य विमादम् भार्त्र मार्थ क्रारियं मार्थ के कारियं के किन्द्र के मान्डामर: (मार्काक वर्षक किन्नुम्पर्क) 100: National: (0.370 000) व्राप्त क्षेत्र क्षित्र भारत व्या क्षिली मार्च के अपनि के किया माना: वर्ष : (अधिष्टार्म्स कार्केस्ट्री। हत।

986

क्षित्री वार्या प्रवेश का का कि कि का का : (क्षेत्रा के (व्यक्तात्म भेत्याद्वाध्यात्रात्र क्रिके. (क्रमकाम मुबा-एर अं अपि हारम र्राट करो रह म)! करवा हुता हु-नव-छन्न महीन रहताः (अजितव अनुवर्त भूभाषमत लार्कात कवा वर्तत) र टमना लका मानिहरं (विक्] (अवाअवाजिय अभाग्य) कोवकावुत्रावुत्रकामं-किसप्रमा: (क्या मर्गेड इड्राक काप्र के काप्र कार्य असूर डेल्याहत कर्नमा लहेलत हिल्लिकार्]) ा: (टम्ड्) प्रेर्टेम: (प्रमव्याप) प्रव : (organi त्याका वार्ट क्यान (यम) 118811 हिन्द्रिम् कार्ड अव अक्षेत्राम् माह । (किन कार्ड मान दिर्गतिशात का शिक्ष का का मार्थ किया के कर्द्र), त्थाना प्विकामन विकासन मुस्ताम : (मारान त्रम्म् त्र त्र मूर्णप्रापं विकाम कम्म्यम् प्रतेस) कल्ल्याय अवस्त्र के के का कि कट्टा के : (यात्र के अद्राम कलाल्य में अस्त में में में अर किया कि व अंग्रेसिक कर्व), व्याडिम्माडिक व. श्रूष्ट्र वितातः (ति से अधिमानक के अस्तितांत का विभाग सरक [कर]) क्षः (अक्ष) समाक्रायव प्रकृति भी भरेगा छः

(यार डाश्यामाप्तं महत) बाद: (मान्याद) प्रमेश (CADEL RING) प्राप्त के मार्थ के किया के क (यप हनं यम तक स्प्रिंग में के कार के विष्य में प्रात् : (आश्रम्मकान्ये आत्राम्ये कर्क) मार्सिकः (वार् -(बाह्य वर्गा) किस्तिक विमारिमिक विकार्गार्भ) र (Brown Bir Martin anged while to) Quica (319 4 2/2 (23) 1186 3 8011 80) हरा (दरकारन) त्यान्यारमा कार्य (प्रायतम् त्यनः कालिये देवलमाय्यं भ), आमा क्याम (मूम्ये क्यामक्रम) धानकत्वाल- कृषेर (धानक वासिरे हक्रल कृषे क्षेत्रक भ), र क्षार्थ- क्षाक्रम्सा (स्त्रम्स्त्रहे हक्षक्ष्म्रम्स्त्र), ज्यार्मिता ([नक्] कार्यात्रे म्नातsign d' - sign) cumpage: (cumpuy) sourge. मन असरिंगः (क्षेत्रिव प्रमेश्न सन ताक मंग्रिक) ज्य कार्य देश (क्य मीका प वृत्ति क्रिशाम करें) सम्मह: (सम्मह:) अवसी लामी (भावाव कंटल वान्तिति इर्याश्तित)॥ ११। की के में जावाद (माजाविक जी कर्ण कि:) अव मार. मारा: (क्षात्र लक्षात्र म कर्नेम) वहुन्दा: शान्हर

(त्यात्र त्यात्र विरंश द्वारंत कार्यात्र कार्यात्र दिवार दिवार (अयागरी किया (अयाभिक) अभ्यादी: (27 1 m/2 mangy of) ows: 5233: (one क्रमान में द्रामित द्रामित) प्रामिना हः (क्राम मार्पा) निया: (नर्मा नियाहित्यन)॥ ४४ म 89 जिंग (अकट: इ. कुडी. (चिंडिक व ध्यात्रिक प्रांत) का कि (कार कार कार कार में) मान में में कार के में कार al Las [tas]) ais: (ow mayny) gie -म्टने (क्षेत्रावात्रक) स्य (याम) । मृतः (अवमान राहित) शहे: (नीक्क) भागां प्राप्त (निस्ना -स्थाप) अभाग (स्था) । मृतः (वासमात्र कार्यमा) विरमत् (शाप्राव रामित्व) बनाए (भवान) भर्या: (अस्तरकारे) अति: गामिक्य (ब्रम्बाना मिठन कारणार्वित ।। 80 ।। [किट्यारम] इटवं: (कार्यटकके) स्वत्र सामक मार्थ (योगम्यत. से ल वल डाक्टरं) लाभई (त्मर् में संबुधापुरं) । हेरे अधिमा वर्में की-वसना दुक्ती र कि- चय दक्षानि - टामे केय- भावेष- भूकमा अ (श्यामकः लाक्रममा बदमनं लाबाद्यं दर्ख भिःमेव

लक्ष्मिं (मुक्र क्ष कं मित्री के (माका-माम्ट्य)

Useful Factors

$$(a+b)^{\circ} = a^{\circ} + 2ab + b^{\circ}$$

$$(a-b)^{\circ} = a^{\circ} - 2ab + b^{\circ}$$

$$a^{\circ} - b^{\circ} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{\circ} + b^{\circ} = (a+b)(a^{\circ} - ab + b^{\circ})$$

$$a^{\circ} + b^{\circ} = (a-b)(a^{\circ} + ab + b^{\circ})$$

$$a^{\circ} + b^{\circ} + c^{\circ} - 3abc = (a+b+c)(a^{\circ} + b^{\circ} + c^{\circ} - ab - bc - ca)$$

$$a^{\circ}(b-c) + b^{\circ}(c-a) + c^{\circ}(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$bc(b-c) + ca(c-a) + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^{\circ} - c^{\circ}) + b(c^{\circ} - a^{\circ}) + c(a^{\circ} - b^{\circ}) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

ROUTINE

Days	1st. Hour	3nd. Hour	3rd. Hour	4th. Hour	5th. Hour	64h. Hour	7th. Hour
Monday			1, 11=			-	
Tuesday						. 11	
Wednesday		- 3	L.			-	
Thursday							
Friday							
Buturday		•					

স্দীম আকাশ শ্ন্য প্রসারি রাখে, হোথায় পৃথিষী মনে মনে তার অমরার ছবি জাকে।

त्रवीखनाथ

SISTA SOLDEN Cekh 9 Khatas Klatano-13 one is a sing or sing in the interior 9=9 of an in well (Could.) the tinger ing and [The] Brightings. मिल्लिक राह्यान्त) क्रम क्ष्म (स्वकाक्ष्म) वाम (and a mainted engage a asigned (and engly us) इसर प्राष्ट्र (शिमम रहता (पाटा आई (छाड्स)।16011 (1) Het: out: (2) May Curayury) -yeigi: fa (40. मीटिक गांग) दिशामार (माद्यां बामीकार्य (कर्ते) किपि । भिष्य देवका: (वस्ति वापन उ क्षान्ति माना किन्ने. वर्षक) अस्वाविवीर्षकः आमि (अयव वृद्ये । ता कार्यात्र ७) DON WERE (STEERS (STORY (STORY) ONTO (मुक्क कर्टक) लार्डेड्डा: (लार्डेड्ड ड्रेगा) गाहरत्ते (THE DAMY) COLLA (CHARGE) OR THE PORCE : (765 1000 हल्पिता)। मृता: वित्या: (धरम्मन मूर्वक वियास किन्पिटियम),॥ १०० () [अरह ने] जा: (टमरे मूम्परीमरे) शकीय शकार्थन -ने कड़ी क - कडमा ब - यु टिमार मा - किववाया ह (अम अक्रि. क्रिया, त्याल्काम , कर्मान, मीमिक्लिम उ क्रम्प-गिष्टिं) अवसंबंदण : अठठ अवाद्य : ह (अर्थंव सर्वे-क्षांत व अवस्थात अवासंवाशिवांता) टम्बं हो हा है (अभिकीक्ट) अस्मि (क्रमध्या) विकाइ: (विदान कविभाष्ट्रित)। एर।

(क) [वरकाट] मानुकिस्तिष्ठितकारा: (मान्तिनी वेसा ३ श्यका कर हिं वारा स्थार (मार्ग्य कि हिं) धराकार: (Balacayay sen) a whigh: a marg: (air-क्षान व-मार्थिक क्षित्र आरं) भी भिक्त किरिय (Some and a poly to the Tale of the हत्यं) हिंवा: (लक्साय अकुंगाहिएयय)॥ ६०॥ (छ) सेवय- त्यान्तु हराई (स्वीयो ० के प्यता के मार्ड) वर् : (महमम्म) जीयान कहिटल (भाएन कारा हर्दान) हिंद : (लक्स्य क्ष्वंग) ईक्रमा (म्यूड क्रिके) खिला, काली र (विकान कासमार्ग) में का व्याहिक दं को वार (अक्रेडिस हि केरियाहित्य)। एडा। (वर्ग (वर्काट्य) वाह : त्रवं (ट्यं ट्यामा गर्प्व महत्) क्रीक स्पार्वः (मुक्टिकं) बराबो क्या- सम्यर् (अवक्रवं मन किन्द्रिक अम्बद्धर (कार्ष क्षेत्र) !-(भूग कार्यक में म: (वीक्क) मृद्दमहते: (यूप-यूप्क्राया) अरेश (क्रिंप्रकात) लामार (त्यानुसर्भक) (कारमार् कृष्टि विस्ति. (देव्यार्वित कार्यादितातः [अन्त]) जाः

(cunguy) on is o or igo: (m) is sa la la eta Exto) निवह में किया मारेवः (निवंड व क्रिकी मिल्ल -लंदन) भिकादी: (विष्यक्षि क्षित्र कार्य कार्य कार्य कार्य हीका (हार) कवा ने निर्म : (इट व करे मुक्त मार्थ के स्प्रमा) के के (के कार्जा) बरम् कड़ : को : कारा महाका) का कु भाग का दुर (भाग पात्रका उ (अस लाउपक अर्थिता हि (प्र) 11 कि का (cour) (an (Maille) 2: Sig: (Cald to) ains (Cumoyusya) ट्यान्यीविताकत (ट्यान्यी-म्यान्यीयाय) प्रम् अ-(यद्यकार (यद्य-(पाहत्व), वाहित्व भावा (क्षितारह) तिक रे मग्रतनिया) भर्भ-भाष्य (भर्भ-भाष्य [कुट व्याराव])दुमम्रात (व्यायम्यावतम्) यदत्रः बायबर (मरस-बायबर) देवी हमान देव (एम मीकायं कार्यमाहित्तत)॥ एउ। (जिंद्र अस (निर्वेश पर] मार्डिक) द्रियं- समैक (प्र (द्रेत्व- सम्म असम्पर्क) । मृताम् (व्यामृता) न्त्रीम्नार् (मूट्याहमामार्यम् आह) अधीष्ट: त्राक दिन-ट्यहत्र-ब्रालाट्य), बद्दत्र-लग्न-विकालाट्त ह द्वार (ज्यादवं विमलमानकाम-भागावं किं))

ह्राकाल- त्याक- विभूतायान- नामत काल (युम्पामक्ष देवंशी १ कावं (सरज्ञ क्रिके श्री आव क्रिकेश हिट्या र करते, लाग्- अठ अधा ठ है प्रत्य काम व काया निर्देश के विस्तर काम व काया निर्देश के विस्तर काम व काया निर्देश के सुनक्त हमराक्षिम्मभूरियं लानम्याचार्यं भर्दाः अवंते, काम्-र्माति)। ए ।। () वर् : (छिल्लामा अर्थना) कृष्ट् वीका (अर्क्ष म्ब्र कार्ना) मेरा (डिक्सरकार्व) सड समार अवसाभः सरस्यातः अधावः (व्यव्यवः अरस्याः भन्न- (महत ७ भन्न-बार् मेर्डि (नरेक्टल) अन्ति (अन्ति कार्य) कार्य (वार्य कार्यमा-12 CAR) 11 @ 5 11 () अग्रेश (अन्तर्ण क्रम्य) मानीम् भी (मानीयभी) इसही (क्रामित क्रामित) + उर अवतः वाश्वादरं अव्दार्शियान्तिम अरं द्वाराव है र छ , लप , ट्राम्म , सर्व छ व पत्र भर्ग जनार्ष्य) राष्ट्र (यरे बंग) भी रहा (भी हिंगा कर) लाम कर Em (देखांबन कार्बाहितान)।। एक।।

00 (कत्म (कील्डिंगटन) आ (त्म्) आकी वि. (क्योर्क. वर) शाल्यासामार् (हक्ता) देवा नेत्री मही मार (उन मार्गिक्य तलाका कि व आह) व्यक्षिण (मारक (कार्यकार टमहराक्रियं अनुकारत) दिलि दिलि (अर्थ) वित्रक लावायं द्वामामानायं (वित्रम्भाव अलग्लीय व्यवधाना देवनर्ति। (वर्षते करन्ति) ल्य देव सामा जाकी व (रमय सामा कारण विकासिक र्यमारियम)॥ परा A) amá (culatiajuga) and mich (and in Cula कार दाता) लका के प्रमा (साराष्ट्रक लाश्यां अस्मा विम्यान बामिया) भार्ष: ह किए (धमक मुनारम न प्रताकत कि) द्वार (नद्र यत कार्यमा) जवा (नद्र) अवस्य-भावा कार्य (क्रांत्रा कार्या क म्बार (म्बार्स्स) हिराद्यं विश्व विश्व क्षा (मेर क्षांत्र क्षा) इत्यं विट्याल कार्यमा) देखाः (कार्यमा) यदा वय काशी (या इर्माहिता म निर त्याल व्यक्तामा भाष रेत: रे तर हिल्ली हिल अस्ते व स्त्री आरम न लाम हिंद अप्रतिवं च्याल कार्बाय त्रात्र हैत:

म ((अर्) प्रेस्त्री-आय: (प्रेस्त्रीयम्) विमेक्दे-मिल्याम सम्मेशका लास (जिंग्डिम इस मर्जि क्र मार्ल महारे रहेताउ) अर्थक - भएछ - मिभदाया-राउंता (अंबेड के हर्दी हरू आहत र्य मार्थ के दाहता-हिला (१९८२ द्रायम द्यान कर्यमा) मिर्यायन न्यान ड्यी. (देश्यवातं दुमाल्या [मुद्र]) अस्वमास्व सक् (टब्निये वस्ति व साम्य क्रिके) बन मेर् (अयम्बिक में दिल्ल) विस्त्र वर्षा वर्षा कार्या कार्या हित्तर)। ७ हा की लाध्याह: (कार्म्यामन) लाखामाय (काळ्यक) वास (लयकान्यवं सद्रे) कारिय (मुक्किकक्ष) प्रकेरी क्षित्र क्षाम्बार्गा (ध्वक्षा ७ क्ष्वमा) लियामार (लियामनिक) विकारितः (विकासिक मिकि र हमप्रवादा) १ मामि-मासम ([मकार्मिनाइसन क्षेत्र वा अववासि मात्र कार्ने में अक्षान क्षित्र (हरकाट्य) महिन्द (मह मान्) अंग्रह्म: (किन्द्रकर्षक वित्राम् किन्द्रम् । वर्षा द्वारत है। बजील्डः (अभीमार्थनं) स्मानीय मेर्शिव स्थार

900 ि में अन् क्ष्मिरां क कर्ष व काक् दिवे वामे प्रवाधि व कारण भारतिक वातान विवयं निकेस) भक्क द्वार्थिती (WYENES) grad signification of the Carles (My and Carles) ENCARCA (My and Carles) MICH (ENNO:) Halle and Lustail : (no hay Las. 1 100 miles 1 in 100 miles of 100 mi प्रिवार्त कार्यमा) शिवा: (अवंश्वार्व) महम्मा निता: उद्या: अन्तां का अवित ना वा का का ना किया) स्था साम (क्यू -(सर्यकाल,) है स्त्रेम अंदर (वेस् मैंस्) लाइबर (मरंग्युव इंद्रेगार्ड्स) ॥ तह।। क्रि [लक्ष्यर] यश्यामधार्वात् यत्रारं (यश्याप्तं आवितियेता) कवाकावे (१८४-१८४), जुका द्वा (रायरण-राय्छ) ग्रमाय (रायनाथ (म्हरी) त्रेन न्यार दिस्तिकं) देम मार्गित के संबंध (भूटमन्यूटम ७ मटि-मटि विश्वयात्र वात्र कात इंड्रेग्रेड्य)। एए। त्री पाप्ता क्षाण्यानी काट्यांगान्य नं संस्थाते (अवकार्वत प्रमाम विक वर्ष दिने) कुछ (विश्व कार का भारत वर्ष (लाप्रता लक्ष [अदी) असार (स्थित्री स्थारिक) लाखान्मकि: (जायाद्याला) ट्यामार् (क्रिया) युक्त (प्रायम) लार्ड (चार्यक्षक) लार्डाड (गनित्तन)। ७१॥

mañosa (umentescu) mantes princip pracy mari (ce my;) mon (Jasona) Éci (Esi) aners त्मे अड: (त्मे अड कार्र)। विश्वप्र छार (कार्राचेष्ठ (त) (a (coma) usa (uscesse) ming & (auxi) लाल्बार (यड्न काक्लंट) ? के त्या (के अम्माम) काल ट्याट्स (कालमार्य हक्रम रहेगारह); विनक ० ह (हिनकति) कार्निक (समारिकाल) नीत्र कार्यान् (मीन र्रेगरि विक्]) भारा (भाषानि 3) हिताहितर (IE & lege & strin on price); and (Sale) मेश्रात (मेश्र इंद्रेट्न) विक्स (विकट उत्र)! काउड़ (काड्स) अमूड (अड्डिश) भा भी ड्रा (अरं भी उर तात कार्य द्वा)॥ ७ ७॥ त्रे विचार्य (अपलक्ष्य) क्याक्य क्या (अवं क्यां क्या त्राहरू-मिट्य) समेर (टमसे म) में द: (शक्या क) में अवास्त्री (अर अंग्रिन [उर्माहिन]) अदर (शुरं) गात-डामाड (अवंत्रतं मार्जरात्रीत्रवातं ३) (क्यारं (क्यं) न प्रसार (वेपर्याप्य) तथा ((अर्थ व) टल्न (बार-अवाक्त) स्टाब्न (महता. हिन) 11 एक।

नित इन : यास्त्रीय वृत (पण यास ट्रांस ट्रांस आस्त्रीटक [काकर्री में देक मामास्य कीए। करतं , टारे म्य]] म : वर्षः (त्यम् न्युक्त) का प्रायाः (त्यावाद्य) व्यक्ति (धाक्येनेवर्वक) छार् (देनशास्त्रं) भक्तेपिए (जिलः के रे मिल्ली) में लिस विश्व करका) प्रमान (लक्षेत्र (ललात) ; छवक्षात्मात्रा व प्राव्देव (काव) एडंदेश के अच्या उद्गां संग्रे कार्ग उद्गा) च्या (व्याप) मं : (मंद्रात) दुर्दात (क्षेत्र उद्गाव कुत्राव करिए मानियन)।। 9011 4) [लाक्ष] र् एक द र सिर्वाचित (क्षिकंश मावसं-नालन इस काना अत्मन हे अन मुका इरेगा) कार्र तामा (लाक् रक्ता) यादा (कांबादा) वर्का दिनाव्य - द्या-र्शिया (वर्षने क्रिक्टिंग कार्य के मात्र अमन्त्र). वृश्क) त्यानि क्यान मृजात्र ताकी (धू अमा क्रिया क्षित्र क्षिता क्षित्र वर्ष कर्षेत्र क्षित्र क्ष (अभित्रम्तिकानं प्रापं) लक्षीत्र (स्त्र) अमे वानं (यक्षेत्र अर्थांगाहिष्य)॥११।। अत्यापार (क्यापार) कार्स (ट्या) समास दाप)

(अक्रीक अवश्वकत्रय-कामत्म) नीमाअ (न्यापिक दर्शत) माला (अलाका) मार्गेट (अव्याय) मार्गेट (अव्याय) (Bri (Ex 1 Brian) Cr. (auma) simus: (mylury) Too (त्रवं) है ये माठा : (त्यामां श्विम (मायत) है व्यर (साम) ज्या : (अधारतं) अध्यक्त (लायमाप 本有 119211 की लम् (में क्षित्र) त्या और देश (क्षा प्राप्त प्राप्त का किक) त्यं (क्षांचारक) वर्षणामाम में के दि (द्रायां क मेरियां वाति विश्वासिक कर्यन्ति (क्षित्र) क्षित्र (द्रक स्टाप्त) क्रे न्यू शरीवी (अपूत्र क्रम्मकानत्म) अविमानि (अवन कार्वति) सम्भूष्णातमा (अपू सुक्थमयपमा) काची (की नाका) भीता जात्र (ज्वारेण वर्ष्ट्रत्वत) ॥ १७॥ कि [लिस्सेन] वर्ष मूलत : (अष्टिक क्षेत्र मित्र) क्षेत्र : नार्थ : । विलामि (क्रम प्रमेख क्रिकेट हेर्मक) , मूलामिखाएवत. यमाछिविवार्विवानि (अभूत्र मीत्मार्भन भूमत्मव मार्थित व्यक्तिन द्यादिव [क्ट्री] वर्षात्म प्रमा प्रवाति (जन्ने-हक्त ल्यान भाष्या भाषिमाड) कतका मुखान (अनकमन्त्री) द्वीर (दर्भन कार्य)

ब्रेनाय-१क्यमादः लक्ष (द्रापि सर्वायमं भिर्ये हिए इरेगाहित्या दे निष्टत अभीमारोब प्रभरे भूगरे-कथान नम्मपूर्णन मीरमार्वान ने द्वानामिन टेमदान अवर् जातात्व मुअपर्व जामान्त्र कपन-कि वामार (एम्ब्र ट्राम्ब्रामान्य) मेरमर (त्रममस्य) क्रका वार्षान मृत्यामधारमध् (क्षिम क्ष्मरम मान कार्यन गावेल) शह : (जीरूक) ह्यार् लात्म कर प्रकर्श (विकाद समावसमी प्रवेशका) में बिर्वा व्या (मार्वा क अटमन) लक्ष्य (यक्षि राष्ट्र मा) मनम् नाम हिल (वर्षात कार्यमाहिलात)॥१०।। क्षा का क्षेत्र (मा भी भारते व क्षा क्षेत्र में का किए) (लरेम लात) दामेर्डर (बीक्ट्रक महिंड),

(मर्म त्याम) दामे (जर (मिक्ट के महिन),
निक्ष का मिला की मिला

छः (बाह्र) ट्या की सम्मानम देवाः (ट्या की मार्थे सम्मान कारिक क्षेत्रक क्षत्र वासिक्षा म् स्टूलिन कि क्षित्र कि क्षित्र कि क्षित्र कि क्षित्र कि क्षत्र कि क्षत्र कि क विकास (हक्स कल्य ना लिए) हम्हार (हम्माना) (हमान) (प्रमाण) का मह में मान देव (द्रकार के में महाति के कार) रस्क (स्मित स्ट्रिंग्ये (स्ट्रिंग्ये (स्ट्रिंग्ये (स्मित स्ट्रिंग्ये (स्ट्रिंग्ये (स्ट्रिंग्य) (स्ट्रिंग्ये (स्ट्रिंग्य) de louing (3 24) (any (cange) jame (curoluga) aninay-montant (anitalia gon मार्ल्स) रिमायकित-कर्रिनमाये विष्यः (रिमाय्वि १९२ क दूरीयमृत्य व विशाध कार्य (त) म : (जारा) राम विमाध-विकाल-अम्मा क्षेत्रप्र (विविध-विनामकानी न अप-कारिक क कार्मिक कुला किस्त) भारता म्यान (अण्टाम्भ) बनमान (वनम्माद्भा) वार्षाः क (या व (अर्थ (जा का त्या का व्याप्टिय) ॥ १४ ॥ प्र) वर्षिः ([जरकारम] (माधवर्षमर्)। भीव-द्रक्त-भाव-विकाद्याला - त्यर्थः (मृद्यामा , वाल , माडि छन्नी, मूम , स्त ७ ट्रमका (मणकाम) क्रम्म-वित्र-धनाता. त्यान-हत्याद्वाति (भूका व्यात वावर्ष्य भाग

इक्सान उ देवनम्मालिक) मिल्ड (क्रम्कानिमा) मिडिए-क्ट-मिठवाश्मियोः (मिडिए क्रम्मम उ निव्याम कार्याच्यामा) असे अस्ट्रीला मार्गाति (स्त्र मार्भिष्ड कथा डेर्भारम पूर्वक) आ (ट्रार्ट्र) प्रवर्षी (प्राववंदन) त्या दिन धार्मी (भू क कार्मा. हिस)॥ १० ग ि। भाराके को वर्षा प्राप्ता हिला: (भारती मान: के से वर्षा मान इरेट देस्त के) कड़िंश: (वन अंगार्श न महिंद) मून अर (ध्यकात्म)। मिनिवामार् (क्रिमिक) गालाकी मार् (याने सवार्य) यदमहः लहें (यदमक दुनारित इरे पाटिन नियन (श्राहा) रीता विभूत (कार्य-मर्नेन विभूत खर्मार वितिष वाक्रियमा) त्नातर् (हक्रत हरेया) मार् सह (धनम्त का ममन कार्ड अध्य म धामीर (मधर्य दरे नता)। ए ।। ?) [तिर्वाट्य] टामाड (त्रद्र (पाम्याप्त्ये) मैमार्चट-के हार (रिकट क्रिक्टिं) हमत्ते त्यात्र (इत्ते व्यव ३) विद्यावदः भर् (विद्याने पू: भ) म व्यालू: (आयु रंग आहे) : किंड (अंड) ब्रिशायित (अहे.

संसह न सार्वे एक एट्र) न्यान्य यत स्था- एक कर्माय (वियायम्ण अम्माजिन्न हर्मनामाध्रम्मभूय) कारमान्ड (मर्भन कार्ना) विश्वामि क्षिया ह -हिन यम्मा) लाह (माम र (लाह नाम इस) लार्ज : (We signife on 11 P. 211 स्यामित्यानाः (न्यानास्य में महत्यनं द्रत्राद्ये) 62 यांचाचां (भावावां) भी भिष्ठे लय - क्वंदवर्षे लास. भूटन थे (मिर्याद्यम केर् का कु मूदना किन् म विकास दरेल) मिल्ल आदे (मिलाकात छ दिराम) गार्ड सर्वाप्तवर में में (यह वाप पर प्रमाय में म र्य) विद्युक्तः (इस्वलने) मधकानः (वककालरे) खड खड (कर्ता मेर) and: (काल हेत्र ग्रेस)। स्ट्रा कि अम्प्रित (ममीय) केंद्रवित काल के विष्युमें (क्यादिशी अ लाक्षितीमाने व पट्या) के वि विद्यार ? (क्सबंस एवं) का हिन्द (का हा बाह्य) में सबर वियाम (पक्रामीत वियाम) अमार्ड (मर्मत महिट मेरे हेर्ड रेंग्रेस) सः र्रहः (स्थि) नी ना कुष्टि (तीलक्षल वा क्षित घटका) नीत: wir (नुक्राधिक इत्रेट्नेत)। ज्या

लिश्वम्यां सवा: (लिश्वम् क्रिया क्रिया भाषामेक्ष्य (मीय अप्राप्त प्राप्त) धान (हैंगद्रान) मुनानि व प्रा (HA RIY BELLEN) OLLEW ROL : (OLLEW & BLEST SLIN) अर्थित (व सम् वित् के) अने अन्तिमा क्षत्रः अवेश्वातंत्र रेक्ट्र) हेंगा: रहेरे: (आहे व (元)111-811 Bar (1821) Grand (marrie) in que à (mique) किने बके आम्बर (सिने बिने बेम आएन्) व्यापने हुं सार्वासाका (देनार्श्व हर्याव त्यार्था) मन्ती: (मनी-मनेत्य) प्रभाडावण (वाजानन प्रियाम): (श्रियमीयन!) य: (ounces) मंदः (orsieron) लड्ड सद् (वारा-रेग्लिं सद्य) सर्ट काम् वर्ड (कार्य लामका) वामाड (दर्भत कर)। । । ।। अमय - टेमयाम- कप श्व- भर्यु एर (म श्वाम टेमयाम शामि-ही बंग लाकर के) कड़का पट्टी अन्दे कर्म मार्ड (मक् वार्य न्छ। वक अक्षमग्रामीरमाहिक) रमामानियामः (हक्रत-द्रमविक्रम्मान्तिक), व्युक्ट् (विहिन) हत-(24-अव्यक्त (प्राट हक्षम मार्गकपम (कर्])

उत्पारिसर् (अपूजा अकार) मिला क्रिक् (मिल क्रिक् हकारि (हक्षतवादव विवास कार्नेट्टर)॥ एव। (क्यात्व क्रिक्ट (क्रिक्ट क्रिक्ट (क्रिक्ट क्रिक्ट (क्रिक्ट क्रिक्ट कर्म : हात्रामात् (लान्हानिष दर्मा) मीनवाम (मीन लियं अर्व) नमान (म्यम द्रेम : [आकार]) केर किए जमार (टमरे नी सक्त मन इरेट) विवासिक लाउ हमरं (लाइ हक्ष्य लाद्य) में मं : (में मंग्रं) कास्त्रमं (करे ती क करात कार्य) प्रश्मूण ह अभूण ह (अर्युक क वियक) धात्रीव (वरेटकट्ट)॥ ४९॥ कृष्टि (क्याहिर) देश (अश्वात) क्याकार (क्याक-मैं अस काम्य कामा क्ष्य के प्रमें दे में व रहे हैं लक्ष्मार (लक्ष्मार) एवं : (क्षेत्र वर्गात) द्रामुक् (दिश्विक) अमेर में (अमेर्स्स व्याप्त मिके क्रिके 533 in [austra]) on style (misse siècols " [Mais]) ANILOS = US 32-246 (QU 54 (a) हार्या वक्षा कर्माम्यू मान अर्थार की वाकाव कर इंग्)

MANJUS CO. [MENT) nous musika exerces]) लाक: (प्रश्रामप्) गृह वराक्षमांस्था (।हनां . नारे स्व काल्माक हारा) (माप्र (क्रिक्र) त्याहर्ष (स्ति कर्ष गाहित्य)॥ ६६॥ ि। त्य (अक्षेत्र) के एक (च्यकिक) वर् (च्यं क्यार्थ) ल्पराम (अद्भाषकृत्य) कामार (मभागतम्) सद्य). (सर्व) लामाव (देनार्मे व उद्ये) वर्षेत्र (द्रायां न्यामेला) (असा मित्रिक्त (स्प्रमाय-वाजिकाका अविरयाधिक) मीम अभवर (मीम अटलें पानं) प्राम् (प्याना मार्ने ग्रिम)॥ वर्गा ते। भिष्यके के किन्न (चिन्न के) वाहि: (व्यापन भार्क) कु थाम (कार कार्स) वरे प्रसानिवर (एक्राक्तिन गाम) कि (क्रम उ वा) देने हि-क्रितिय (द्रेन क्रिन क्रिन नाग) बन्न प्रकृतिमानि (अग्रिक अगरी अर्ड) लवार में (क्या प्राधित) अ अधिकामिकित्य न)। २०।। [ब्रह्माल] अवस्थाः (भाषाबातंत्र) कामर (अयवास्त) डाव् राव् मान्नामर (कार्डिक व वर्षण किंग्युमप्तं) मान-प्रमंत्र-

(माद्वा: (माद्वां के केमी व माव्यवां अरामाता) लाइकमंग्र - भीवर (लाइक मेंगाश व भीवय [वडरी]) कार्य-। त्रिक-शिक्षा (क्षेत्र अक् अक् अ विश्वेत्र में) थार्थ-कार्माः (कार्वाधाव सर्माता) म कर्त्व १ कागुर भागामिकार्य प्रकेश हर्याहित); हि (CACED) अप्रिम्प्रेट (अमेबातन मर्भार्त) निर्धमामार (मिर्मम अवन्धिम्यूर) क्रिके अरामिश्यात : (क्रिके क्रिके क (यमत्त इ ही वं यान [मास्त्रीमन क्यूर मास्त्रीकाकुरं [unguyanga, one (Ba. 2xin]) + i- of & (i) (कंत्रसम्मानं भर्यव धिमत्रां । [डाक्ष माम. निर्मित क्रम का ना]) जार (भन्ने भा क्रिमी ने तक) भिक्रम क्रिक कार्या अयूरे-वाध्री बता देशी (विकासिक अभवनिष्ठे) कामार (क्रेस दर्शक) देवीर्स (देख बंग में क्य) क्षेत्रक लाममें (प्रधाव (वं मार्ट किल्ला द्रिया । अर्। विकासिक राज्या ने कि लियः महभादवर्धाः (त्वत ७ भूमाक के (गिल्ला क अविष्यं में में में

ट्याविवानंतुः (धलंद्रावा कविता) छाः कृष्ट्रिकार्थमाः (Of system o achi carry) carry sixted ((कामकार्ड रक्तां) लाटगाम : (लक्षांतक) यामान्त्र (साप कवायुन्त क्विंड करंडी) साम्रा (साप दार्ग) मेर्ड: (कर्ड केर्ड) निर्माण (कार्ट में दिला केर्य केर्य (कार्ट में किर्य केर्य (कार्ट में कार्य)।। २७॥ of enjaingre ([seaura] enjaing emorangueya) ला यमा वे वा वा हे (ला मर्य म बास व मा व हा म हरे हा) प्रकार (अ. १ विष्ठ) यांगर् वांगः (अयकांगिम्य) टिलेक्ट्रमहत्रके र- केंग्र- टिलेश- प्रकार (मेर्केश मिर्देस मेर ने मंत्र साम संस्था में नानिया दिया ने सार किया ने अभिम अर्वर (अवरकामीन स्माममूद हरेट [अाट्ट स्थानामार्थं] गान) डिटंगे : (miel भारेगाहिल)॥ ग्रा) गमर (भर में में भी भए वं) में क्षेत्रवात : (कम्मर्ने (उंक) (लामहास र्युट) भया : (क्रावुट) जारी (अभव्य) सनविद्यः (अनिविद्य) अने आधि -क्लोकिक-अगति-ज्ञाताः (विश्वास्तेन्तार्म मृक्त्यार्थेक व्याशमिन व्या दर्यात) भामवः (अक्रिक्र)

इति धातः (काः भ्रतः) - कावती - विहम्लास् देवताडा (लकावयी-मानक डावमर्दिव लाका व्यवप्रक्रा) (क्षा: (विवास कार्नाएडिन)॥ २०॥ अर्थ कार्ष में में ने निया क्या (अरक क्या किय-मान. रम्य मर्यक "[लार]) हिन्द्रमित - विमें वेर्य (कन -(शार्त्र में का) त्या अवद्या (क्ष के वर्ष (क्ष कात्र कार्य गांत) व्या क्ष्रियों क्ष् र्माकर: (Сपर में मंदी निटित्र) महिल्याहे-を 大きるとのであるとのできます。 भार्तिकारं (केकार हिन्ने रिष्ट) लास्त्र (कारे दे The interest (5213]) 18-3 Stones, in sou विशिधमहातिक प्रभीतामा (यात्रादाव प्रभीत गाएउ make time (cumunys) 18 x 12. इक्सारिक मार्त्र : क्यम (क्रामिसीय में में बाधकता क्रिन आक कर्षणाट्य , टमरे.) लक्षाहितः (मक्रकं) क्रिन्ना सुवात: - प्रयूतीन - जा प्रकारी - प्रव्यन्ति : था: सेंट: ([ट्यामीयाप्ते]। प्रक. बटमें ककारे वे उत्रि द्रमण विश्वित कालंब मेन्याले कि उत्तामन [qui sx 2]) as: (cry sq sing) (frum

from and [22 min ([22 star] star such for बाटण लान (बाणकारमन्) ममार (ता [मर्गाद)) या ना (mor की भागामा कर्ष) मित्रिषानि (arasa) अमहानि (अमह)पामानि (वक्क्ष्यामि) प्रवहार (अर्वाकार्य) विवासियायुक् व्यमध्य (विवासियाय-सामान लाग्रर नक विराख साल मार्चित उर्द्राहित)" क्रियार द्या (त्ये निर्म) न वि समे : (मामाह (ग्रमण उर्वत्राः) किवि (य्यात्रे) हिन्दि (क्रमण्याः [1 2 2] II 2 9 4 4 1 11 (क्रिक के क्रिक्न कर्ने क्रिक्न कर्ने क्रिक्न प्रेम क्या कार्य (मजीय) ही मार कार्य: (में में बसे -दाना) आवेशमिक्टर्रिटर्स : (त्पर ७ क्लानाम भर्तिक कर्नित । आमिरिकाम्मनीय एक : (क्षित बस्यान अविधानभूषक) भरहा: (महरमप्तर्व महत्) केक: केकवंत्रप्र प्रहरं ? ? (चार्कक व वसीत क्यांस्थाप) लव: (प्रधांत्रितं 09- रद्रात) क्टर (मडेब) स्मारास्वर (अस-राम्ब्रायक के कि) निक्ति (स्वाय कर्षे (स्र) ।। 23 11

म्मिन्तम)॥ २००॥ १८मः (कम-र्यात) सक्रम्य (क्षायकी कर्यात (क्ष्यम् एक) क्षायकी (क्षायकी क्ष्यम् अद्भार (क्षायकी क्षायकी) प्रक्ष्यम् अद्भार क्ष्यम् व्यक) वर्ष (क्षायकी) प्रक्रम्य क्ष्यम् अद्भार व्यक) वर्ष (क्षायकी) प्रक्रम्य क्ष्यम् क्ष्यम् व्यक (क्ष्यम् क्षियकी) प्रक्षियम् क्ष्यम् क्ष्यम् वर्ष (क्षायकी क्ष्यम् अद्भार क्ष्यम् क्ष्यम् वर्ष (क्षायकी क्ष्यम् अद्भार क्षयकी क्ष्यम् क्ष्यम् वर्ष (क्षायकी क्ष्यम् अद्भार क्षयकी क्ष्यम् क्ष्यम् क्ष्यम् वर्ष (क्षायकी क्षयम् अद्भार क्षयकी क्ष्यम् क्ष्यम् क्षयकी क्ष्यम् क्ष्यम्)

स्वक्रास्मिन बद्गावृद्धः (क्रिक भने के 'क्क्कुर्य'
स्वित्तास्त्र के क्रिक्ट के स्वत्ता क्रिक क्रिक्ट के स्वत्ता क्रिक क्रिक्ट के स्वत्ता क्रिक क्रि

हस्तक-रत्य व सर्वं वे अस्ति कः) " व क्या त्या कि क्या प्राप्ति -में आख्रिय के देश : (िक्ट्री वाक्टरतं के के तामा उ में का मामीका के रिन्माहर) मामीका : (मामा-मर्गेरमाना) केट्या क्रमानाक्यार (क्रमा : डे हिता लाखें । , प्रक्रम्य- मिटिश् : स्मर्लभगर् (श्वकरें के तर्ने वे के का का का का का का कि कि के म्रा म्यवमार (म्यापाल कार्यम्), म्रामा-स्थितं (लक्षाप कार्य मेक्षा) ' केक्षाप्रके थार (क्सवंग्रिवं लाक्कुनुकावी) " लाय्यमार्व (प्राटु-रुर्यते [नर्ठ]) धामवेलायदी ६ (धामकाकिति) अमरमाहित्री र हें दार के कार क्षिम विव स्मिरका पक हुड़ाविक्रत क्रिक्टियत)॥२०२७२०२॥ १०० कामार (केम्स् मार्पन) देशायम् (मन्यस्त त्यं क्ष्मी) ममार (मारात) म मा (मम र्युगा) म मिलिशेटक (कार्याक रंगमा) मा (मारा) द्वरंग-कभारत (स्पण्डभारत) अव्यक्षा (अव्यक्ष इमेरत) माजू (क्रम ७) नवर (बाया) न के गाह (व्यक्ताम कर्दम) ग्राप्तः हार्गा (माधां हार्गा) प्रकेट (पश्चां माजः) बुआ सापा लाम (रेब्र. ड्रमंग्रे) केक सममेति

(या कि कि कि मिर्म में कार्य कर्य) भा (त्या के काक्ष हिंहा (मोहरकद त्रां हिंडा) अवाया (तिक की श्र-हाडा) समर भिन्दी (समर ममी हें करने मा) यियम्ब (विवाश कार्याह कार्य) 11 >0011 908] шयवार (यायवा) इरवं: (चार्ककं) प्रधादिः (प्यादः) तथ- विले तहा (तक्रम्य करेवृं विलेते. [के]) बहि: (किंदिहार) की माजा के निहिंड (हलातन विभू मेरियाना अस्मित्र), मार्भिनिड् (६न्नार्डिए) क्या (क्या कर (रेटिस्प्रिटिट) राठ विसक्ष (त्र विसक) में कुं (का कि कार्न ने निर्मा) त्वर (९३१) लाग्य (त्यु- त्यामुग्यपुरं) छर माउत (क्या-मक्ष) भरत्या क्षिक हम्में क्रायुर क्रायार्थ. यूवर्न हम द्रेमाद्रिम)॥ > 0 811 NO हिना (हिना) कराप (मिक्टिक मंदीत्व) डाक्टिर्द्धः धार्ष्ठार् (मानाविषे अञ्चलापित्रक), मार् को केश में में हैं है हिस कि कि दि याला हिस्से कार्या हिन्दे में कार्य पार्ट (यत), आ (अस) भारत्यात्र हक्ष्ये (भारत्ये स्वाप्त हक्त रवेशा) अर (हिन्) बार्स (बामनीना-

कामीत) मीका मिलाभी-क्ष्म में भार लमावने ह (क्रिट्रेंड्ट ट्रामिक क्रिक में मधर्ष के मिर हर्वादम कर्निगाहिस)॥>००। १००१ तम (लक्षकं) एमन्यिम हार्का (स्मून टार्क महन-हिंडा) हिंचा (हिंचा) अप्रतिस्कारिके (क्रमहिंकिक). काश्यामी) भिकात्रमात्य (श्रीम स्मिन्न मिकाक द्वार) यर हिन् (एम हिन्न) अकरवार (वहमा कर्मगारितन) टर (शक्र) मश्र-मंत्र-मक्रीय-इक्ष्यानं (मश्रायदोद लाग्या मश्री व्यक्तिक प्रमें में माने माने प्रमें के प्रमें कत्रभे-मास्तिक-विश्व-कामार्थि विश्वका नामार आर्मेक उर्द्रमहित)॥२०७॥ 209 वाह: (cumany) पायात्र- र्या अ-मेर्टि: भूटेकाः कृटिः (मामक्र भूमाका भ्रमभूकाम ७ भूकार वृहिष् विश्] भन्नितः हुरेष्ठः (भन्निष्कि) क्षत-रान क्षत-लममान्त्रीन काकार अंदि : (क्षत्र, डाके के भी में में के काकी व कर्म के के का कि किए! (त्याडवप्ता मार्था) सिंग्डल (क्विंग्वसिंब अर्गादं) श्रिक (र्वकावं) मा चीरमाडमी (त्र तमावमी)

के वर (ब्रह्म कर्जगाहिएय) गान्य (वाद्यार) ल्याला (इ.स. में में बात्र के) प्रतिष्य कर्षा. (यन्त्रकेल अख्राप्त यम्प्रकार्) क्रमण (क्रमाल्व) आसारिक (आमन पारं तार्षित कार्या कार्या कार्या ।।) 1700 di (क्षांमारक भावत् अत्तर्व सर्गामा क्षेत्रात्क लाक्ष्मित् भिन्न (क्षारं) लाक्षातः (भभीतन्) मात्मिरः वेश काम् शर्वता) टम्पूल: कात्वित्: १ (में में विष्ट वात्वेष्-भाषिकारं) है। हिल (लयक क कार्न मार्टिलय [नदर]) आविकार्तिहरेंग: E (आविकामें) कथाय (कथा:) ७(ग्रा: (प्रकीमनेतक [धमकु क कार (मन])॥ >०७॥ 00 दिन: (क्षित हर) अरमा (मिक्क) जा: ह (क्षेट्र (पर) मभीयत) बेसमा (बिसासहस) ०८ (ट्या) ट्यामा -के कि मर (अंक्रा) हे विदं) कामी है : (कामी है को मा) छप (श्रिमात) समाय-मात्र स्वामेष्ट (स्वामायत , भान अन् भे मुर्बन्न - अन्ता : (क्रेनी-बन्न उ कम्मी भाष्ट्रम्म व कि) क्छी-मानारिभातिक (केन्न करामुक्टिक अपनामर्टिक सद्या) में कर San (San San Cala) all aly (noing) अट्रक्म: (मता अकार) फतंश्राति डक्सारि (मन-मेंपक्ष हक) बसे) रहे छ : (सम्य कार्ना-E(AA) 11 >000 >>01

200 meny (260) sily (2, man 20) 22) cred 6 (कार कार्यां के कि कार में कार कार कार (करें कर मुक्स का अने के लेता के क्रायत के अपनि के : (डेमरकमत कार्नेत्यत), उभ (डंग्सन) प्रत्य (ग्रामाल्य) जीर्या: (जीवार स्यत [क्ष्र]) पाकर्त (पाक्री भारत) पर्मानेत: (धर्मानेत डिलाकमात करिगाहित्तरे)॥ >>>॥ ११ यात्र (मणामप्तं महत) द्वाहा (चांबाहा) में नं देमार्डका ([द्रायादन] प्रमास हमत्यमात्र कार्यमा) वरमण्य (ब्राप्तवीकर्क) व्यामीमं दक्षान (व्यामीव ए अस्य) कामि (अर् क्रा) कम्म मर्म) टक्टा: (अहम् अक्षिक) असिविषम (अविविभन १९०० क्यां का) नारान (मक्र मा) (क को : (व्याहिमा) कारिकार कारिकार (कारिकारक) एवड-इफ-रावेर-भीडबरानि (एवड, वक्ड, रावेर उ भीउवर्त), अन्नमार- न्यम्म स्माम् ममानि (अर्थान्य के कामन मार्थिय के के अवकारितमां मण्ड) मुक्ष-म्यूनल्मा (भिम्म्भाषात वस्त्र त्र रहत मिन्) अअभवत्र क्रिकान ह (आटक्रम नाम्ब्रिन ड व्याक्ति-बिलेक), अटनकमः नार्वक्यम्यानि (अटनक

मार्विक अस्त) भाषे विष्ण (भाषे विभन कार्बनाहत्यय)।। ३३०० >> 811) (व: (क्षार्कक कर्ति) भव कामायार क्षार (क्रमप्त ना किल्या के अप कार्य के किया विकारिकारि ([देश] हम कर्ममें) मिश्रामणानि स्टेश्निक मार्क अस्ति। भाषाति प्रभाप भार बाहिन कार्ना) लामी मुका (मक्षाने महत) श रग (क्यांना [अरा]) मखाति (असियमन किंदि) किंगी (चीरक वर्षि [देश]) आर्: (कमर् शर्मां मार्टियर)॥ >> ६॥ ११ भा (ची गंबा) किंदी: (व्यारामिलक)क त्यार (क्रथम:) क्राडि- वर्गकृषि- बादू भाक-प्रश्माग्डिएड: (उतारि, कर् आकृ ि, अर्ब भाग उ प्रक्रियाँ (उतारिका) मानाविधानि (अरमक अकाव) आसानि ह पापी (लासे मध्य क्याय कांब्रेनेमहिष्य) 1122011 अभी (अंत्राना) म्यलकाति (अस्त्राक्त), नाकती-कुलानि (अलीकुण), निक्षक्त नाक्षीनि (वक्ता, अन करि-मिर्म), हर्कार्त (हर्वन ट्याल) का निहि (elean) outry (out my) outring (ormanda कार्यक mमित्रत्र)11 >> 911

अभि (क (ब्रासंस) सबस्यामके व्याप्त (बस्टिसं महित शहर शहर) किक् प्रत्यमान ह (अवद प्रत्यादान के चित्र]) तकाव (अक. शक. करम में स्वरंग Enul) " अवैश्य (अं अवि) अवंश्य (शह अनं [लाम-कत्र]) धापत् (डअने कर्ल्यार्ट्यत्र)॥>>>॥ 775 त्व (क्राना) केट्रा: मेन्सि (क्षेत्र मेन्) "mustanya क्रिके (मूभजारम क्रिकेर कार्वक), अर्गानि (मकार्-ममुका) अर्थकान (मामक) कामाहर (exerci) outer my (Late [out]) En 13: (Eny erein) (mus ann : Some erein-हिलान)॥ >>२॥ ७० (छ्त्राण) कलोक अत्राप् (करोइक्किन १३००) निश्चामकात् (व्यक्षिक), ट्रायर्तिन्वत-हाटम्यम-कार्काहार (मिर्द] मर्याकमत उ म्लक्ष्रिं कालकार गाम की ज्यम), क्या मिश्रिकाम (मुक्स र्च) (कामाम (काम र्मंत्र) कामार्ट्रे. (त्यावत कर्न गर्भ त्यत)॥ २२०॥ वाकिका (लीकाका) बएएकमानि (गमाकिक) जीकानि (ल्यान्य) राज्या-मर्बिकाप १ (त्राक्ता कर्व) (म्यमम्द्र), नम्पट- जायबीकरात्र (क्यान क्यां) कर्या-लक् हरात्र ह (प्राणं कर्रे) कर्या- वस्त्रीमार् ह लक् हरात्र ह (प्राणं कर्या) कर्या- वस्त्रीमार् ह लक् हरात्र ह (प्राणं कर्या) कर्या- वस्त्रीमार् ह men) Migai- Erally P (might Eaver)? Maily (Maria Las Maria Com Miles and Miles) unnel- maily E (41×611 B- 322) " main-रामकार्य (क्रांकि (पर्ते श्रमकाम्) विस्तित. भनानि ह (विकिति), भूष्यने माणून्येनि (क्ष्म्हा, देवर्गित्र), कामिश्रक- क्रांति ह (क्ट्रेंस दियम) भी भी कार्य किए के क्रिक्ट निश्चाक्ष नार्षेष्र किर्मेर् (विभी दार्डिश्व धर्म इक्टि भर्ग्यीड) नामार्डभाने (पाराक्रका) बीक्षित्र (बीक्र प्रहिट) र समामार (अंबर्ध) सम्प्रति (बर्मेका) ' क्ष्डि मर्बेनापु १ महत्कम् (क्षण्डम् अन्ति । अन्ति । भूत्रकाति ह महत्वकम् (क्षण्डम् अन्ति । अन्ति । भूत्रकाति ह

प्रिक्ति), नाम्यार्थ-अभिन प्रकाति हं (भात्र उ प्रवंश अभवीरम्ब भाग), विभान ह (भ्राम), भिरोप सिक्त विमान-वीक्स मार्थ करियम्म : व्यक्ति (मामसम्बद्ध) ज्याता (म्ट्र) यवाह: अविकार्व: ह (हिन के हिन्दिरियार्ग) क्वार (क्रिक) लाक में-के का मारि- क्याकार - विकावकार क्रिने के क्षित काम न के वि क क्षा मार कार्क कु निष् (काक) बस्) मेलक्बा आकाश्रीत्राप् (लक्षेत्रं भाक्ष्यं क्राहिड) बिन्न-माडिय-भीर्मम- अव्यं-के हका तिकार (डिसे काणित क मार्ग कार्र केरान To the to mander our (municipalemes) किंग (चींशक्षकर्टक) (मार्टर केटार (म्डार्स्टर ससेट)' । रक्षाप्र (बेल्प्रसिंह) हत्तकाष्ट्र- पत्राज्य सर्वेश्वाप्त कृक भरका खामात्रमा दे छ नेत्र (व्यक्तिक सक्त का का नार क्षान्य क्षाय - यम अववर्षे) र सक्तिम्पाल स्थित्र अवका स्था-प्राक्ति कि । आक्र का स्थान स्थित के कि अवका स्थान स्थित स्थित । अवका स्थान स्थित स्थित स्थित स्थित । अवका स्थान स्थित स्थित स्थित । अवका स्थित स्थित स्थित स्थित । अवका स्थित स्थित स्थित स्थित । अवका स्थित स्थित स्थित । अवका स्थान (अक्षा नक्षि अवम न्त्याह उ स्पर्वापि - मंत्रः)

म् महाभिकाः (दूर्वन भूम मन्त्र)। निर्देश (लयन-र्श्वक) क्रानि नज्यकानि ह (अस्ट नज्यक्रम्पर) स्राचं वेस चित्र) क्रिंग्याहः (क्रिंग्याम्न-कर्क) आतीषाति (आतीष) कर्ष्याम्ड क्रानिति किर्वामी ७ किम्ड कार्र अपूर्व कि कि जाने भर्गाने (यह प्रक्रेश (ताम) न्यार) ममार (मममः) अमुक्यमंत (लाइटियलन कविभादितन, [नवर्]) कथ्रामन: (क्यम टलाहन) शहे : (अक्क) वाडार भर (भूवम ७ अर्बमक्तान अर्घ) जान (अ असन (डाका) ज्या) बेट्रा (एअन कार्यगार्ट्या)।।>>> ->०5।। 100 [abuser] mry (aper nau o nemy) granis रुमन्मनंत्रिक (मक्ना व रेक्षमान्तिक) हैं के डार (र्कम्मिक,) अत्र- वेका- मत्र- माम- र्वायाप्त (अन् भेक्ष म्य श्व भागा व रंग) ट्रह्दि (no na erein) one 3 (emy ereca mutura) 112 ans) वह: (प्रकार्य) क्यार क्रिक्स: ह (2 रक्ष (काका देश कर वाराय मार्वितान कार्निती मनिता)

निकत् अभव्भत् ह (निका ७ अभव्भा कान्छ कान्छ) यत्रम-यूभरेवष्ट्रेष: (अविशासन भारेष भ्रमाविन्षि. हाता) मक्र : वा : (मिनाक्र अक् दि सक्ताक) द्रायगामात्र (इग्ना कवार्टि नामिया)।। > 6811 कित (त्वाध्येषाट्य) (व (द्वाप्रावेष) ममामेश (माराट में र रंगे न सक छाटन) कर्न बंशामुकं (to dis - xauge) coins (Wa) or is; (our wing कि (प्रत) दे हत : (क्राप्त) यश्च र दि : (मश्चामरम् अद्र) प्रकामिल : (प्रकामित) (कार्म : (क्रममाना) धाहहम् ह (धाहमन कान्ट्रिन)॥ ५ ७ ६॥ १०० दव: (क्रिड्ड) यः डार्डः (मारेक) लर्बिराम्बारः (अमरामु दं के किया) माद : (अमर कर्ता) ध्य (जमार्का) मरकूम्मकानुष्ठन्य पर्का (धेडम ने का याना सिंह हिंद सत्तारं) (माद (मन्द्रीय) कार्यत); जल ([आय] (म्लार) क्रमी (क्रमी) जिन्याहः (जिन्यश्रीम्प्रकं म्प्रक) वासेत्रताय-भद्रजात्रतः विक्रतातिः (जानुत्र अकात्र, भादेशीति उ बुधियापि शका) लमें (व्यापं) सिरस्त (त्रवा कविए लामिया)॥ २ ७ ७।।

१०१ व्रवत्मन अभर (म्बत्यव भार्ष) वर्ष : (धर्म अभन) जायुत्र-वीरिकार् धान्त्र (जायुत्र वीरिका स्मयन थ्वित थाक्रक) वर असमामा केट्रित (९० अस-धालुंदं साम्न हिंदं) मुख्यम्मारं (मुख्य आज्ञां) स्मिट्ट (अलंग क्ष्रिंगार्ड प्राप्त) ॥ २०१॥ िम् लम (लक्षेत्र के) यसम् स्थानिका (अध-परम् मार्ट नी नामा) माद्रिम (मरे हिए) डेकाने से (देवायान कार्डिंग) में का अस्ति कि मान ह (असमाम्बर्ग उ क्रिकारमनी कर्क) आवादामा जानि (आखेरवामक किंड]) शाउनमं में में किंग (क्रिंग्रिक. विकाम् विकास कार्या) भावता कार्य (कार लिहान) न्या क्रम्पि (क (कार्म इस्पर्देश) बढ्राल (टिंग्लून किन्मिरियन)॥ ५०४॥ क्षे वन (वरकारम) मभी है: (मभी भारत में मारव) नामी क्रमवासा: (मनीप्रेश उक्रमान) नर्भावमुणि: (भावमात्रीविमात्र) थानी रेक (Bir x ma uni) ourse (ma en a E 12 à) माधित्रभा (प्रदासम्बद्धितिक व्याम्भा) भावेखालका लहर (मार्टिमान कार्माट्य)।। २००।।

180 per (mara) mer: (mera) outen (outers कर्ति।) क्या अभावा मुवा ह वर् (अभाग्या प्रवेष अकार्य) anni: (munx wig [[anin]) ing. (जीना कि) जाइ (मणाज्य [अरें]) प्रश्रीभामि: (म्योगारे) वाहेड: (हर्डाम्क) प्रमुवाबिमाव (देव-क्लान करिया हितात) 11 28011 ही जूनमी (जूनमी) जाका: (बीनमा अक्किका) रख: (अर्हाकन) जायून-हर्विष् (हर्विष जायून [करें]) नाकी मूरेक (मन्त्रमूकी) किलेकारेंस (किलेका [0]) कुलबटेन्न ह (कुल्निणातक) वीचिका: (भारतक विशेष) हिल्ले (साम कार्नातम)॥ 28 ३॥ (अर्थ ह्म्योर) स्वामक्षे वटा बही ह (क्रमान के क्रमान (ट्लाक मनम्म) धाप: (उम्मे क्लिंगहित्तन)।1582। कि वाम (द्राया) है के महाय (त्वाल प्रम वन मिया (यता) में अभा: (अभी मरे किट्रे) गानी मुआदम: (गानीम्मी अवृष्टि) वा: भर्म: ह

(जाताना सकता) निसंहा (ज्या दरेख नादिन दरेगा) ात . वर्षेत्र हिटा (अमाम्यान्य वंत्र १ कार) मध्यः (निजामा दर्यत्वत)॥ 28011)88) ७०: (अम्डर) भीनाविका (भीनाका) छाडा: (प्रभागने के) जायून-हार्विक (हरिक जायून [करें]) इलार्स (बुक्ताराकी क) बी डिकार (भारत कि कि) मत्ति (मात करिला मा [आव]) प्रा ह (विनिव) जाड़ करें। (जा अस मीडिका (अयत करने एक करेंग्ड) बार्टः (बार्टिष्) यटा (हाम्या (सत्त्र)॥ 588 ॥ १८० हक: (न्यूडिक) कार (एप्ट्र) है पुपर (प्रमावैता) प्राह्म (जिन्दमा (क) सम्पर्का (व्यक्ष्म पर्वत्क) राज्य द्राम् (द्रामित्व द्रामित्व) मव्वः (मव्यवस्त्र) मानमाद्वार (स्मा म्ममम ररेट्ड) जम्याद्व (छात्राव व्याभाषा) जासूत्री मेर हरिष्ट् (हरिड जा मूल) ना मात्र (धार्य में करने मा) इसा ते (क के विष) ला दिन (लाका दिन का) मार्गामाम (मार्म क्षेत्र मार्ग) 112861 कि जी सल प्रकृशी-मुका प्रक्री छ : (असल प्रकृशी अश्व अश्री भर्त) बीक नादि हैं (बीक नादिश्वा) त्राविद्यों त्व (टमका कर्त्य द्रामां द्रवरमं) वन

(देश लगतामुद्ध) अपूर (अपूर्णाय) ध्रम्पुर्येत्र (अस्तिम) लाता नर्दः (दुन्द्राम कर्ष्याप्त्यत्य) ॥ १८०॥ (ने गुट्दे क्ये. लंग ये क्य महैस- मीसेस ट्या मार द्य न्या मापिक्यात्रिव्य मार्थियात्रिक मेर्विम्येत A SAN TINE CHAIR MANGENCEN) alalamine (ala ala marantina या निर्दे गार्थ द्रमेश वर्गाह [कर्ड]) मास्त्रwas said (The same of curally) चारंत्र वा कार्य मिंद्र क्रियां क्षेत्र हिंद्र) र प्याक्तिया मार्थित शास्त्र (क्यामाक्त्रम्यामेट. गामक वारे कार्य व धार्मक) , धर्माक्ष्मी मार् लाई (म्बार भी मीब सन) , लांड (चर्) अकादमाडिन: अर्भः (अक्रदम प्रार्-) लामार (माम्याक उर्म)॥ १६॥ Se 3 heurs yourse-vers revend apout making The year of the water and the sales -BUSK WILLES

casian my

) लग (अविशेष) ममूर (ममुखाय अदं) Cay (म्यांस्य a मारेक) माद्रमें (बार्का (बायक रहांग) द्रामानं (आत्याज्य अवस्य) व ट्या आहे (आगानं द्रलातं) या है। बिटिंश अससी कर (के आब के इसे गार्टिय (दार्थगं) (यम्मा) स्था हरार सर मिक्री में भारत) उद्यमी अर् (द्रारा व निकति) मपू: (अमन कर्वतिन)।।।।। [प्रमहा] भा कृता (कृतातिकी) भानित्को (निकानिक) विक्रेमविभावारी (मामाविका-तिभूमे), बाटमी (अर्थनंक) क्ट्या ह-मन्द्रवाक्-प्रवृत्को भाषेका-कर्ल किलाकि-तामी आविषा उ में बार्स-तामण कर-निम्हिक) र्वेत्रक्रित (पत्रंता) ल्यांगेर (ट्रिक्नेयि क्रमेश्वर क्षेत्रत)।। र।। १) ७७: (क्षित्र के) टर्ज (क्षेत्र आवेका ७ छक) न स्थि (यक रेम्मा) अवव: (आव कार्वाव आम्मा) ? रियायत्यावन ((८ रियायत्याव ;) येत विराय किए): रेला रिकार :((४ मणाम्पः) केतर किंति। विभार रिक् उठक [नवर लिसिया मामल]) अभीत ए) (अमन क्रम)॥ ७॥

हि िलम्ड ने ने काका रेप्ताम् कालिका (मां का का के मने मने माक्षित्व डाकाडिका) विका (भूमाविका) कृत्य (बेलाट्यु) , अठ, देखि (आठ कवं, चर बाजुंग) भीने (क्षक) समादेल (काराम कर्म (तत [नक]) थ्रें : लाम (क्र. व) यहार (म्ब्राम्स) मामस्ने (our were signi) and and (our signe were) #811 and one (sule a) CA (outrie) espai (espai.) टेश: (कारक्ताहिक) छटेत: दीता (छने अध्वादिन्ता वारिया) कार्टमपूर्वा म (कार्टमप् वार्ष्ट्रप्रमात्र), लकारम (कमान [र्या]) व्यव्यवन मुकाष्ट्रन (न्युरक्षेत्र लक्ष्मं क्षेत्रमें क्रिकः) मवार (म्लाय-मृत्यन) भागा डावेडा (आभात्यामा इमेरन), र्वेशन केर्या (शादिव केटर लवार्षेत)लगः नकी (त्योद हावेका) अपनियोग मुखेर (अपनियोग काटम्) सेवमुकं काम्रा (मेंबमुक पाल कर्तता) यद्वार (मळायमाप्तं) क्षित्रे कृत्व (ध्याक्षातं. (Brilya) Rais (gasnuf si) Han सरे त्यारक रिकारि प्रामिक व्यवसास ने मामक्त. शिमक वस कितंब देलका मामति न न क्या मं रमा

अव्य जीक्रक वर्गमा क्रिकः भाषावक-वर्षिद्व केक ब हर् प्रबं अरू, प्रकारमान् नार मुचार न बर ट्याप्रक टाइकार प्रकार मान्य क्षा कार्य के प्रमुख्य डेनियाम मध्यमिनिया ररेण हा 1 101 हळार्यम् - भवाखेरकार्न-कल्टिः (हळ, धर्महळ, भव, अंदिकार हिंद्र क्रम्म), ह्य-जिलानेप्युरंतः (ह्य, विकारे हिंद , बस), हाल- शाहिक - बड़- टाम्बद- दर्वः (देर् : न्या हिक वक्ष , त्याकार , सहक्ष), वीरमार्क ख्या होन : (यरमा केसारं मा करेंग) 'लाधाल-माम- अम्मामित-र्यात (सम सम केंद्र अब अब माम मन्त्र) न्या में कार्या-उसव-अम्द्राः असम्पूरः विकास्तावम्ब्रीकालक त्यक. यक्ष्रवास्त्रिका) कार्षिक (शिक्ष्य) मिक्क मार दर्द (3) South as) shirt (wine 39 4) लियं ट्याटक मिकेटक नरमेग्रिव मालावक लकरान वर्ष्यात्रेड , अलाटबाक, प्रामक क्षत्रके रंड्र गेर्टर] ||न। त्र क्षिका क्षिम्म (स्विक कर ता अस्मेमत्र) सर्वे (जक्यावतात्र,) काल्यावरं (क्याप्ति रंप्रापत्) नवामा हकारवर् (मिश्रेम रेजब रश्चिर्म आरी-

व्यास्त्र कार्यक्षां क्ष्रिक कर्षत्र) मावर (क्षिराम) क्षात काविता) विभाग वित्याचानियूने ([डेश] विभए बार्भिव विज्ञाल्य सूतिभूने इत्रेमा) स्वभ्यपार रामंदर (द्रवा अलाएं बाल विवन कर्वे) में कर ([ouze] sistemed & xpin.) Prinair (cymra (55) क्रिकात हिस्कि किस के (हिस्त कार्य क्रिका काम्यो) भर्ता क्रियारेना दकर् जिमिन है। क्रिय एपन धार्मादल प्रम (अरेक्ट्रिक [नवरं]) तर स्विर (स्वावं मन्) केंगडिं गिर्विक्वं (प्रक्ष ट्रिक्मीमालक व अवसर MARY DOG (SIZY) CH (ON MA) +118200 क्रिमेर क्रिक्रिक अंत्र कर में कि रामक के स्वामित्र से क्षेत्र के क्ष्र राज्य दे साव, जबर देश आकारिक कारीम उप्तर्रतार्य 'मकाताकि'नामक mag 19 22 mes 1911 शाक्रमाय (शामका व्य) क कार्यका कार्य (मारे त मारे) त्मामामाई (म्बिली) अम्क छार (प्रकारित), यम् अनामार् (मम् अमे विकर्) सम्मिन्न (सम्पर्गान्) का राष्ट्र विकास

ynuisée (nena ynis muissen) Epmerdé (2) De medan) 4: (auntra) na malone वर्षाट्य के भेड्डिंड दुमाड, कार मिला के सम्बाह, लाम स्वाहा । मिला चार्डिक जाए आरमें बार्टिम अने मार्गि खंड महाकित्र (प्रकृत इद्देस) है किए म् मा (क्रांत्र) देवामन मा (देवामना क्रांत्र) वास-माक्तिवण : (आक माक्नि ट्रमामा कि कार्मिक (शहमां) निया: (निया) हिरामन्द्र (हिरामन्द्र) कान्हिं (कार्विम) वियमा: ह (त्रे) कामसमी प्रव् (काल (कर् के विषठ]) (काहर (शहनर) के मुकेरा: (वक्) क्षेत्रामलार (क्षेत्रक्षेत्र) नाग (पार कार्या) अग्रिमार् (अग्रिमारोन) धार्मिमाडीस अमा: बहुत्र: (अवादीकुतावा डर्गाटर) वे ((अर) अकर (मक्षिता क्रम्पर काकारायकांत्र) न्युकेक्रमरा कार्य-मैंगयर (क्युकिकार अस्तिमेंगयद्य) कः य वाक्रांत } (त्य लाक्षां मा करने) है के तिर त्यात्म व्यक्तिक मारमायां मेन विद्या में प्रवृक्ति बाकी उद स्ता देनरा ह रव मांग माना सम् नामक and 1 1 1 1 1

) कः अन् विभिनः (त्यान् कार्यिक भूकंष) आविधनीवाभिक-हित्रत् (त्रांबह हाका मन् क्यांक कारमारक्ष्यक) म्बमा (मार्ट वंमक रंग यह (किंबर] मीरं वंदम वंमक म मिल्म म महरदं आमल मार्क) मिनिन नारा-रक्षावर (अश्यापाम) द्वाक (अतिकादम कर्नाक) प्रयोश्टर् रिक्टा कर्ने है। लवानमन्द्रम् १ (सिक्न] नायके क्रम धर्म भाग भूने), कार्ये मिट्यारे ले र (निक अपूर्ण मिने ग्रंप मन मक्ष) मुकाल - मम्म क्र - मृत्र भीवर (म्वरीमार्नन त्यत्रक्ष क्षत्रम् मेर्मान नायने वर्ष भात करत्), म अंतिकन् त्याहिः रक्षमण् (म अ ट्यिनि में मात्राण् क्षमण्-मक्त) भंगर कामी आक्रेमाय दिमह (प्रायां टम्ने न क क नार पिम त प्राप्त इमें वर्म में म्मीवर् (मूमीवम) कृष्मादाकुर् (अक्षिमाद-पट्मका) मरड (वस्ता कार्व) भुकार कित्र द्यारक मार्डिक सं सर व कर्म नवर पावयू-अङ्बि उ भर् अकृष्डिन वादाव्या चर्मार्य द्वापक) Melli synce 1/9/ [man] march: a ord: (mone od mile alter)

) [mai] सरवादा: नाकाक्षांग्रंगात्-कान: (भक व्यक्तिंव लाडमारक्षेत्रक लाह सर्व क्षेत्रकार हाना) Acordon and was a scond on all a for a by बरामकातिहः (बरामक्षिकिकिविन्वाधितां]) क्युक्रमानार (क्युक्रमम् दिष्) अनुवाम् ह (अधिव बाखिएक) खिलके (धर कर्डिगाटि) ' उद्धः क्ष (मुरुएक [CN5]) श्वम्बेर्ड (जारमात्र) (क्य दुनारमां (श्वाय मार्व वेस्या र र द्वा) में किर्माल उटकार्वन, नम उ कत्र कं म न न न न BURLY SE OLIMAL GALAN STENDICALA द्रत्यक्ष स्प्य - ८५० व माद्रिक, लामका के किल्ली मार्गा M रक्षाए संग्राटम (अर्ड एक दे देव्य संग्रास-जीट्य) मानाजिक्छि- मांत (माववाडिय अद्यारि. कंटल अस्त) विदेवां (शहां देलां देलां कार्या) मिले -(बाह: (क्काडिसल) डाउम (मम्म [नवर]) ल्ड्सिड (प्रमेखाल) लक्ष्र्राक्ष्र्रम् (वक्ष्रिम्बर्स) (अभित्य डम्मेट्ट : किन्ति) मंद (द्या) भित्र न मक्तिक्र (मिल्यास्मिन मक्ति के मार्ग्यी) जित्नी अमारि जिल्लीकाल विमान कार्वाटाइ के कार्या

विद्रात्म रम्भिक क्षण्यातिक द्रिक्षण क्षण्यक्षण विद्रात्म क्षण्यक द्रिक्षण क्षण्यक विद्रात्म क्षण्यक विद्रात्म

💸 करमाद्धः (चार्किक) ध्वंपुर्तसम्मध्या (ध्वंपुर्तस्यक) नकः (नर्) त्यर मा (राज्या) व्यव्हः (व्यव्हर् बर्द) । रह (माराद्य) लाम्ब्रेस (लाक्रम थाव्या) स्थाप्त द (धरुकान) अकदमकृत्य (मिन विमालन कम) आसुर (समामक) क्रांपूर्व (क्रांपुरक्ष) सिर्माष्ट्र (बाउमेर्ड्य) लम्: केंग्र (लम्: माहद कार्यम) द्रमां (द्रमां हारम) अभाव (खिवाश कार्वाटाउँ "[oui]) मर भुमा (दुव. भट्टेस ट्याम्या) सः (टार्य) डेड्बः व्यक्त (व्यक्तित्व) क्रिंग्ड (लारं) लासम् वर्षेत्रं वेस्म (म्मिस्म गांग-कार ब्रा कार्ना) इत् (चर् रव्यूम्य) लामन्त (कार्यां कार्नाटि । चिन्दा नार्मालयं दुम्खान-हिंद के के वर्ष लक्ष्यानं वित्र पढ चाक्र मा लक्ष्य नह यभवार्षकेत्र कार्नेश्चालित हल्])॥ 28॥ ता व त्यात्य द कारात्र काम्यानं काक्य उ वक्त्रकर् रामाकारता कुनारातं केकवर्ष 'लाकप्यम् उ प्रमंग्रिकं

ma se one of represent a one mines, on staring to se क्रमानाम कारमाना नारमानामा मारमानाम के देव सक्षा मारमान . दुर टिकमा, लामका व दुर्माट्ट ।। oo: (धरउन) कत्माकि: (क्ताकि-मधी) आ (टम्दे) (यम्प्रस्टिशकाक्ष काप्तका ड्रांग) केकवाद्रास्त्र : भाष्ट्र (भाष्ट्र) रे समा (रिकाक है के) टेला क्वार्य (की कृरक व भार अर्पाय वर्ष मामाना) वयकार (मिन क्षित्रात्त) सामिण्यं हत्त (रम्बंद्रभात्री क्षिप्र भावत कविशाहित)॥ 5 011 कि १ कार्याः (र्मित्वे) क्षित्रः (क्षित्रमाणाशका) अक्षेत्रक्ष (अर्बाव तक्ष ठ्या) लक्ष : (लक्ष) र्र (इंड (पाटक) अविकामंड (अविकासामातिक) केक लायाका में आई (चार्क कं नार नमा में मापा) अविक: (अलम कर्निगाहिस (वान) अभी (दम्ये लकाप्तं) लकाप्ता (ब्रक्टमान्यं)गास्ट (कास. डड्रांड,)इन्ड (उड्र आरं समामाय) काडोक्ष, ared (one mi 222 2 24 ruls) 3 40 (421) अब्यान (क्रांच्यारम्ब) दुर ट्यमा (दुर ट्यमामात्) ट् (किंक) सम (ourses) देगर भठर (कारकार

अर् ता) केक बामादिवक (स्विकितक व वर्षाता लाक्ष्मणं अक्षानिकः) अस्याष्ट्रकं (म्युवास्यवं क्रिक् , द्रेत् चे (द्राप्) सस लाम्मार्ट (लामाय उक्ताप् लाजात), डाक (चत्रंत्र प्रशांत्य) अभ क्षाम (भुश्चित्रकुम्मस्य) २८ (९३. आर अमन गमक) क्राजित (काक अधुराहि) ॥ ३ त। निर्धास महित्यं दिन्त माहाविक वाक्रियात व्योगिन हिउनाम म्यूनिनिन क्रिया अंदान , पुरिक्रिक्स, लामक्सिव उद्गाहि। ord (aust) oral ser E and (& or w Coure se, Cula-इस्मालतेन)कनास (क्वक्यत्त,) मीमानाविष् (भी नामाभ खक्ता), छ द्वाक प्रकर्त कु एस (सम्माभ अवर्गकमारमन डेलान्डाल)काञ्चाल लान वर् (लारमाक-अस्त्र बस्म. [नवड]) अंदलवाम् (छित्र प्रत्यवात) मल्या भयत (मल्या भयम्भ) र्य (रेयलाक) अवाधिलाविलाहत्य) (क्रायत्र्य स्टिक्ड) व्यह (पर्यक्ष) मतानावण्ड (विशाप अटमन) अटड (नम्मा काब) 11 5911

नर् ट्यारक तकर मार्किक मारे नामक मारास्त भीयावार्षण कामक्ष्यायेव त ब्रिस्टिनरें कुल कामक गर्न भारत जमाराक कार्या कार्या वित्र , स्थानिक ग्रामक लायक्षेत्र हर्नार्टा [माया] शक्तमीयनं- मलताल- ममराठ भीवरं (हत्त्र) नीय लाग । हक्त क पूर्व व्यव हे जिली इरेट उ में नीड्य) अवीमः (अभिवाद) समम् (सामू अवमः (सन-महमास्त्रं स्यो काश्राम्येत.) वेद्वानुम्हणास्य व (स्रिकेश्व इंस्कारं म्रेमडकारं प्रामुक) वेदिनी-इक्टिश-११६७० (एक सम्भात कें में महारा प्रिक्त)" में यायवर (लाक्साधिका [नवर]) (मालाय-भागाम्बर्ट (टम्प्रक्षेत्र नेलवंडाव्ये युम्प्रव-ल्याना) 'वर मार्डिक सर्वासेश्ट (म्येडिक दे (अर्थ सी आम्याम) अम्म (अर्थान) न : (ज्यापान) प्रवादनी भेट एक (अववादन अर्थाय अर्थन अर्थनारि. Crava Guar 28 0 113 P. 11 त्र द त्याक मक्त्रमास चीक कवार वात्म न अवंस असे हि उ अवराय वर्ष या गाउँ व मार्गात (दिसात, चंडा , अस्तिष्याक, धाराक लामही व (575a) 1

[लयडेवं] अनुने अविव: (स्थानुक्तं त्सांभूको) मामान्द: क्रेक: (मान्यान मार्ट क्रेक) मान्येय(4) (यक्राएन क्ष्रमंग्रम) मेक्रकिएन वहनंत्र (मेक्र बटम अर्थि के प्र कर्यना) के क्या (म्योक क्वं) जा भागन (कालंब) काम्याप्त (काम्रमितं) कार्यमुने (व्युपा 200 11 (12 June 24) [सारा] भावने क्रिंगाक्रियां (भावने कवर्त्र डेक्ट्राम्ब [नवर]) मचल्ला (धामवस वर्ष माकाव) उकार्यः (मुर्केशके) लाखाद्यम्, (लाखमर् [नर्कल]) कर्टल्य (असम्बर्ग) क्रिकंक्या-उन्दीहिनिस वार (भन्नाव अ प्रवक्त निस्त इरेक) असी दिल्दी वन त्यान ता रेव (जर्स देमस नीम अस्म किम मुमासम मारं) लम्हः (विमान कार्न्टि)।। २०॥ में कारकार्य न मृ त्यारक स्मिक्त महम्म मर्था-Dalle wir gris Emmy calina wer gary भारत्र कर्या मान्य के का त्र विदे दिवं दे दिव कार्त कायव डम्नार । लास्माप्ट द-न्यीववंद्यावक लीजमा. क न्मार्था देव अव्यक्ष्मा का देव देव देव का वा का के 234162

(2. Lais) areas में बार्व : (मर्बरक्व) महित्य सिंह क मम्बे कार्य क्र नारे किए कार कार मान्य में में में के मार्थ के अप्रिक्त कर्मा हिन् महिता (पानप्रमेस दुवस सर्वेरी वत्रायन ने वर-अयहित कालिहास्य मित्रामेश्यम् माथ्ये अधिका, स्यामिः (वस्तीका व्यवीयन) व्यवार (द्व इरेट्ड) (प्रच बस्य मान्त्रिमा (मन्य देश वस्ताव क्राया क्राया) मर्ट (नक्यांक्राज) (त (द्रक क्षित्र) my क्र ((यर य कार्नेगा) असा (अक्ता) सखा (सख दर्ग) विक्रांति (क्रिंति इंदेर्ड)॥ २३॥ चड् टमारक पावक्ष कर्ट विक मार्ट स्व कर्ट विक व्यान्त्र व्या १ द्रव । के वस , चर्न प्राध्यापनं ध्रेमक्ष (रेषु भावा लायकेक्ष प्रदे नारम् अवित. प्टिल , लामकात्र, लामकान यंगारह। भाजा (दिवाका) क्यांत्रकायन्त्रका कीवं माम) (च्यामारं मन्यस्य अस्मार्थत) अंद्रको (में क्रं थरा) जिल्यातं : (मुरिक्षं) मुर्गरेनरासेम्रिंगायां (जीमार अमर्गाया हे आई हारम) उन्तरमात्रम) शित्वप (अस्तितिक हित्य) यंबार्ड (में बडे) क्वयर्म (य (प्रेरिकवयर्म्म) विक्षा भिकार् 2(4) ((mas sign sugines 2 25 2 5 x) 11 5511

नर्टलाक जीशकां मनमक्ष अक्रमात्रक ट्रामानंक शितित, जयु बाका दिएक प्रार्थ कार्यमा तक्षण, चय नाम ब जारायसार्व, स्वेतद्वेयात जालमा अप्रेर्माय दे टुर कक् मिरायम कंग्रें , दुर क्रिया, चवर स्मार्थ करं. मन्त्रेशम ७ लक्ष्मामनं वाराक्षित्रं , येतक, नक विनेत्राचित्र अवस लामक्र्य क्षेत्र क्षेत्रम-में उस म्हा अर एड दे , कार में हि , कार ही ने इस् में हर । ब्रिक्क अव्यक्त (मारा के आस्तिन नेसर्भ) र दं : (मार्किं) वर (त्या) मुर्मिष्यमेगर (वर्षामा) उत्तर (ल्पन्यमं (मान्य व्यत्य किटि) " मर्व (लांच दुर्ग) नक्र (भिवंदिकं) कै सम्बन्दितः वाक्षासिनिवि -रै सार्वका के पि: (ज्याना के हित्रिक्ष मा सुवा-इका क्याज्ञास्त्रं) यमकलक्ष्रिक व्यास (मेर कर्कम्मामव डाव क्रवंत कार्विगार्ट)॥ २७॥ लड़ द्यारक क्यांचान सामावात व के माना मान्त वाराक्ष वर्षप्रक (क्षक, चवर क्षेक लाअम अस्माताव डेरक्स्मसावमारिक , दुरस्मा, थम क्षार ररेमाटर। (पाक्यक्यम्यवामार् (पाक्र्यं क्यवंत्र्)मत्वं) र्टिन्दि करे-वितरेला (सिर्मा बनवान क्रेमलेन विशासिक करा) डाबुशक्षात्रसाहित (क्षार्कां ने का कार्यम (नवं हत्न) थाठता: (कन्न विवासन) -ल साम्याव्या (ल्यामकक्तं भाववंदित) प्रमूलविश-म्पड (केंच अधिम का क्रमक्रम [खिवा का कानिएए]) ॥ १८॥ त्तर त्यात्म देश्म व दम्मान वामाक्रायम्भद्रव पर भक्षणम्मात्य वार्क्षणात्वेच वार्वाकात्रवक्षण , संसक, ल बर साम केन्या के सामित के बामित के बामित है. स्मानम्भवक मार्वम्साम देनम्यामा १२६ , लस्ट्रिक, लयक्षां रहताहर। भाना (क्षित्राका) सबक्कमण्यं सी-सिंदि (यं कित्रापुर्णं करेत्री क्लंबाय्वं अव्यक्ष) गर ([नीर्कित] [प विश्वमार्गमत्]) हे बय- हत्य-म्मस्थिर लाश्वर (द्वमक्ष प्राम्य म्म-छ स कि लिए एटन) , ध्वार्डिनिष्ट ए एकः भीत्र-तीलाला-क्रीयर (में बहुमान के हिंदिक करिये क्रियात क्रिया मुख्याप्ता मिल्यां । इति कार्या । इति । वार्या मार् (महित्के Cus 23 mina) onsemblanos ayria (ana-सानिव विमाल कक्क)॥ 2011

नह त्याद्य. संबद्धार्यम् क्यमुक्त द्वारात्र कार्यका Devision yassin sit a owner on girang. धर्याद्य , चाहितंक, जबर दिवाम्म् तिंते से दि इ के भी अस्ति मार्थ के अस्ति कार्य के अस्ति के किए के स्थान ८७० (संसव, त्याक्रीयं सावना। प्यामुम्बद्धां ([मारा] मानम् क्रम करित्र वर्म-मूछ), हाक्र्य्भक-क्रम मिलाएड ([मारावं]शाह-ल्या सत्पावंश अगर इसरमंत्रं असँ अवे व्यवंग्रास -सालक्ष द्रामन - विमाम (दे व्यमीम [वर्णाम]) एरक्माडिमम्त्रामम्बानामान्या (अम्यकं एरकारि-प्त मलेगा व अञ्चलका अरेल) वैद्याव्याः (ब्रिडिक्रवे) क (क्ये) कर्या (बडमार्ममा) दीन्वः (कर्यः CALLEL BISH W 21/2 (26.5) 11 5 P.11 नर त्यातक मध्यां सावा महित्य महित मिहाक व ल्या कार के के कि के वास्त्र के वर्ष के निक निका निका दिलसामक प्रमान कांग्र के विवास के विवास कामारि अविति दे क्ष्म मकामार्ड मीट्रिंस, न्यद्भाव दर्गार्ट। ला (क्युर्क क्यं) (म थाउम (एम यनमामाय)

मिय: (अन्भरत्व) अमेलर्ज अधिववित्राक्तवः (०म्मा व ०म्मिय रम्प्य टड्ड) स्पेट्ड (स्पेस ड्रमंग) चितिव् व मह्दम् व (चित्रत्व कता हे एक कि इरेशा-हिन) वर्गापमक्त (त्यम्बार्यम् क्रम्) व्यक्तम् डाल (न म् चार्किक) । में बढार मार (भिं बलात कावरीय श्रुवित) (ए (एम्रे प्रक्रमम्मय) पश्चाद्भित (अवमन माल ड्रेमेर) मार्चेडड (अवस्त्र क्रान्नेम मुक्त) हिन्द ह: में (दीन्यम विनेश कर्निकिंद शामना-स्त कार्वः)॥ २१॥ नवे द्यार्व चलका : भिर्मिक हुड्यायमात्र वित्रत-का लादं हार्टे ल (इडडेंब महिस्वमाउद , पुरं क्रम, लयहीत हाक्का। मार्न्य अभारः (कार्न्य अभावं) काष्ट्रवास्त्र सर्वे (प्रवेश लायमध्यमम्बद्धक), भावभेवन्ताः (भावभे मार्वकावं) Q के (क्ष) अन्येषाक (यार्ग्यमक [त्वर]) (माजार्जाम्: (टम्मर्मन्सीन्) अन्तक्षिः विविका-में पर (लाक्षावं कावं (अद्भार्ममाम्म) डाव: (अर्काक्त) यापार्वर (राभवम) रापे वर्त हारि (लात्र मूलत त्माठा भारे (वर्ष्ट)।। २४।।

चत् त्यादन, चार्किक बार्य मेलाय व स्परित सम्बेत्यामानं. लाममान कर कर व एक लामना न्याहर तामास्त्र My Bla Read डिंदं (क्युरिक्व) म बेटिकाक अन्ति में किये थारेनेसप) भारक्षीयर (रेम्प्रीयमान्तिक) अकुलर् (विक्यि) प्रत (अंत्राकाष्ट) अमेर्टरंड (स्पृष्ट अलेड लक्टर विकार) अविकास विकार (विकिय) मला द्रहरू (रेप्रेट् ब्युट्र) में ते (ट्राइड) लामां में (पात्रक्रण- क्ष्याम् भावतः (लाम्का, त्यानवस्त्रा-लानुन) ति १९३ १९३ मानुन : (६ १९३ से व १९३ मान्-बान्स,) लाज (इत्राज सद्ग.) समाय (व्यक्तिस्त्र भाव भाक करनेपाट्ट)॥ २ मे॥ नरे एमारक जारम्भात उ मध्यरे प्रात्न वामावार वीत-उर्द स्थाक, वार्म हिरोरापुर्वाम्बंस कार्द्य दरे लिकिया च्युक्टिकं शाउँ त्रंत्ये किट्टिर्ग विष्ट क्षाहिक क्षाक्षक कार्यात कार्यात कार्यात कार्यात ्त्रात्य, चवर वार्येन शिक्षाम् वाम्यतं रजात्र प्रतावनः क देल उदि शांग दुक शार्थ में में मार्थ म मार्थ दे मिरं व अमेरते अस्परिट काप्रमात, जामद्वीरद स्थावने, ।

च्यामरांगः (मॅंकता. असर्ग्याचं) सम्बद् (सम्बद्धाद्य) गरे (मात्र,) अभियेते (अभिमें छः [नवर्]) नुके कर्य (कार्क्यकार्य) प्रिश्मिक् (क्यिन्त्र) , भीगार्कमा भीकर-पायक (त्यांसावं क्षेत्रांचा प्राप्ति [3]) मे म्परंत्रयं (य अ. क.) र दं : वट (मार्के कि एक) के प्रवं (या गार) सायत्यार (सायत्यम) ५: (कामार्टनं) । खान कामे (अम्मारं क्षेत्र अकेक)॥ २०॥ अर् त्यातक चार्डिक व प्रायमित्य के अकावत्र प्रदिक त्यवाद्याष्ट्र, त्याद्वांव त्यावर् । [मारा] कथा भी कवां यह क- पारा कंग्रं (तामकंग्रे कथा क-स्ल मह्यार्पन रेको बंश्राक) पानप्रकाम्यरमे (भावने वाालं कीडानिकडत), वर्ष: कप्रकाली पुक् (लास्ताटारम क्रामा: मीन) , माहक्ष्मं (लाख्यर्म) , न्या (म्य) मामुक् (मामक्स [नक्र]) में शामुक (मेमाठ्ठ) वसाव: (व्यर्केटकं [प्यं]) त्रें हरंड (डेक्समत्र) मः (धामात्त्वं) मिति (मित्रं) १ असे (द्वास १ विश्व कंट के)। ० >।। ना दे त्यादन ज्या के किये क्षेत्र में भारत वारे न देश -मून उ की हा उचराव वा दावा वर्ग नियं के अव ने न वर् द्वार्मात्यक , अव्यवस्त्र प्रद्वारम् , व्यवस्त्र व्यवस्त्र

र्टि छिट (र्या कि) सक्षान्ये के न्यादिक (र्यायार्थ ilea) " menamine Ritais (I mia hexa 29 2 2 i 3) " 120 (and 321 () mo(21: (2 do) annantus (nægi nannus i) 120 si (ज्यान केम कि) असमायपरंग्ड वक्षामामक्रम् (वस्ती-पत्ते । हित्र की व कार्य ह मतामी विसे में पण र प्रति है) प (पा) " प्रति वर डाइसकामुर्गमंड (JAL 2 (SERIA CNJ. 212 TMY) 11 05 11 न्द्रियाद्य म्येडिक के बार्र में मंग्रम में दिश, मानतः 182 के का के अध्यात न वर अवसार यिन्छत दि । स्टिना हे. विद्या । व्यास्त्र । व्यास्त्र । व्यास्त्र । क् इटकः (कार्क क्षेत्र) क्षेत्रकार (देक रेगा प्रवं हत) अ ट्यानिववाक ताहरम्मी डवार्षा यूथ मीत -इटह कि तिम्म का अ डेक अक्र महत्रीका ए व्यक्तिम् तील करती वृक्ष्यू भन्न) (म (अरे करती वृक्ष्यू भन) न्यार्क्न्याः (प्रम्यार्क्न्य म्यकानाः) मन्याक्-क्रिने क्रिये (बेयप्राय प्रमानं प्रमानं मार्यनं न्यान । विकास) क्षात्य हाः (सक्षत्रमं)॥००॥ नरे एमारक में रेटलम उ अन्य नम्मी अवृति व वाराव्यावर्तन कार्य त्यालक, चवर शास्त देकत्मात्यं लामस्वर्षत्य

म्य कर्या रेम कारल म्यालय दरहें , कलकें हि, लयकां ने

[(५)]) क्री क्रियाप्त क्षेत्र (में ने में) - प्रकृत क्रियाप्त) व्याप्त क्षेत्र मिल्ल) व्याप्त क्षेत्र क्ष

द्वित्तरस्य क्षाय क्रिक्षं मक्षिक देल्यम्य स्मृचित् प्रति र्षेत्रक, त्याकीचं क्षाक्का। एद स्थिक, त्याकीचं क्षाक्का। एद स्थाद्य, प्रवित्तिक व व्यक्ति द्यामस्थितं व्ययक्षिय-त्यादं व्ययवि (अम्बिसंत्य विष्णम क्ष्यंत्र क्ष्यंत्रितः)॥ व ४॥

उर्भायदम्बं हानं लाक्टबाक्ष्व हम्मं) विद्याव वाप्त्राम) भावप्रध्याम् श्रिम् कीवानं मान्यान् वाप्त्राम) भावप्रध्याम् श्रिम् कीवानं मान्यान् व्याप्त्राम) भावप्रध्याम् श्रिम् कीवानं मान्यान् विद्याप्ति (भावप्रध्याम क्ष्रिम क्ष्रिम् कीवानं मान्यान् विद्याप्ति (भावप्रध्याम क्ष्रिम् क्ष्रिम् क्ष्रिम् कार्यान्य

च्यार्ट्य क्षिक, लयक्षेत्व इड्रांगाइ। - वड्र ट्यार्ट्य क्षिट्टिंग व टार्ट्य लायकाट्यं टाराटी:-

विष्य कर्म कार्य ।।। ००॥ (भ्याप कर्म क्षांचा, कट्मांक, भारं क्रिय प्रिणाय दुस्त्या भिक्षेक्टिय) श्रीयार क्षेत्रक, क्ष्या वर्ष काष्याय ६ क्रिक्ट एत्र), विष्या (श्रिक्तक,) स्माप क्षियात (श्रिक्टिक्ट्रो (त्योंक क्षांचा १८ वेक्स क वाषांव) प्रभादकी (प्रिलाक क्षेत्रकेट्ट) (त्यांक क्षांच १८ वेक्स क वाषांव) प्रभादकी (प्रिलाक क्षेत्रकेट) विद्यागण्य प्रमाप दुलाहकु,) वाद्याश्रम कार्यकः चत्र त्यातक च्युक्टिक के, कान व । मर्द्राम्य व च्युक्तक करते व राज्य नवर निषष उ डेअक्ट्रियं खादाकीर्याद्रे विभवा । या मिर्दार्य काम्या वाम्या विभवा व दिमक्षत्रकाल म्राममार्ड विमनम् । विवासन दुर्वस्त्रक्षाक्ष्याद्वे (दुर्वदक्ष्मा, व्ययक्षां स्थावता। (मरा) (मामका देवं नाम्या प्रद्यातं (टपाली परमं दे किस व नाम ने परमं के की दे व दे अ लायने बनाम् ७ पूर्वभन्नत (ताबने नानिन पूर्व भून रेत्रि रामनंत्रक्म (चवर्]) (त (तारा) व्यक्ता-<u> १९०- मे स्मिल-कम्पति (स्मिकास्ते । १० वंसम । यर्द्रं,</u> डिमामार्स रेर्ड वरामसंस [लाह])ड्डा (चार्क क्षेत्र) मेल कि कि (प्रम मेलक) कर्मात (म्पिति किर्मानं वर्षातं क्रमतं प्रतिमित् पत्-हिंतं रस्या शह)॥ २०॥ चार त्यारक चार्क कर कर में में मार्टिन कर क में न र यासां त राज मा कारा कारा के वारा कारा ग्रीस्स-िट , संसक, काम खेरन त्यादनी। लक्ष हिर्मा (मिसे बड़ी (के माड़) अर्थ है (पर्) दिनाने (वारान क्रमत्न) माहि- प्रवंश (माहन

यद्यं वन) विद्याः रह्यः (न द द द्रातं सद्य) लाभ्यं लाः (चार क्रिंड) राह: (राहराय) हैनड वीयुर लाह. (अन्दर्ध - मिल्यकाल क्षिय अक्टिट (इ) गैरिट (८९८५०) त्युवासामाः (त्युवासम्बद्ध) अपन- यद्यायः (छिड्याम महत्रात) मिन र्डाइक-महीकर्मः (मिलन रेशिकाल । हा हत- मही पर्या-गरम्ब अहिड) अतर-(अक्टा) द्रें (द्रेंडाव रह्य).) बामक्रीयं (ब्रेमशुमान) स्नेगारि (क्षाम् श्रिक्ट्र)॥ वर्गा नद्रात्य मीनाक्ष्यं अवंत्यहित वर्षं मुवाय-TO SEE - ELLIGHTEN - LESS (ENS., " ONTH rgara se surgeno ouragan (sessas. न्तिकं शहरायां वीत्रित माध्य करार त्त्रात , नक् अक्ष्रं मिया क्षिम व्यात्रम अ.श. त्रामं द्वम् मार्गियम् १६ द्वामा व्यक्तिका कावा (विकाव) विकाद ट्यामीयम्- ट्याममार्थ (बिम्याद्न (पान्युक्ता (क्ष्यं मित्रं) मारात (यम मारम्य यम) काशकार्म (मिन्द्रिक (सद्द) न्त्री वास्त्र हिला मार्ट न सार (वास्त व द्वामकार्थ- चक्र द्यारक चार्ड क्यां दर प्रमान कार वर्ट वार्ट कर्न कर्न मायन वायाक्षा काल्याद्य क्षणक , क्षणक वर्ष कर्माद । हाता (श्रिक्सका) देमानिक: (लिक्क काछ) सम्मार्कता (अम्मार्थ्य) काममुत्रमा (लाबाम्यास्टकार्व) में द: कर्ता (रामश्चान आर्थार कार्या) प्रामाप (कपर्यक) केकारमधेमा सिमार (अर्फिन प्रिनं सक्रामहात) भव्यामन-मृतिविद्यामम् भूष: (शूर्व ७ भन्दाद्वर्थ मृत-विकास दिए न अर्थ) दसकः (दसकि दिने) विक्रीनः किए (मान कविमारहन कि १)॥ ४२॥ का दिलाएक कर्मक लालमा मिर्किक सक् शामक दर्भक यक्षात्रशादक , दुर त्यम, चवर दुक. सक्षारायं वास्त्रवाव ता मर्च विश्व द्राक्षेत्र स्वार्टि ल्लाक्ष् के लाइन कावरा। महा९ (पाद्यं अकी छाएम हात) दक्ः व्यूपाद्याः (1%: 3 शहराक्षां) ताष्ट्रेया । हिंद्र (सम्हेश्य) LANGE (LELMEN FIRE " [OSMARCA - 12 MM ONLS त्रियोग क्षा के क्षा का कार्य कार्य गाटक। [कार्यप्रमाति । क्षा क्षा कार्य विकार थिकारीम हिंद X चर्यंत काम्पे सक्ताना ने स्था थिए है. लाहा। कार चार्डाकं रमः में च च के क्रिस् लाये तक्र-टायत ने संस अर्प श्रम् श्रम् श्रम् अस्तिया कार्यकत्त्र तरे प्यतिम्बत की के दिव के एक एक एक एमा हिंदा के बादक थिरवार्त्यार वर्ष कार्बमाट्डिक। क्षिक लावान बीकवंद्रने-विवाद के उ 'अ' वास माकित विभन विकास युम्य सम्म इत। मेंबबार , यक्ष: कर्षेत्राक्षा: लक्षार्महरू क्रिक्ट , लागूर का: व कर्मा का मा निकार का उद्गात - का: + कर्मात् - ना माश्रकात महात्त्व विमान विमान विमान विमान विमान Bry- 12 sach 21 is 27 Ca 2mx 2 2000 - 73 44-AAL) 11 8011 नर त्यारक थ्रिकसंत्रीय वर् कालका मार्केक व सक्दारतं द्रिक्ष महीस्वयात्व , कुर क्या, लयक्ष व त्रावका। आबु मामा: (गिरंग्यम्) द्याव: (मुर्केशके) लावय य-टम्कुवर (तक् बारमं प्रमुप) है हैर (प्राम्म) । प्रधावwar (min repleted) Degle and in (mora: much कार्य) रैक्ष्यायाता (डिलायन) हेर्ट्ट : (वश्वं) रैक्ष्य देशे (रेन्स क्याममेट्यं सद्ग) शित्र प्रदेश (रेड्यानेक यह त्याला यहर्य वक्षात्म व्यवस्था यहितक वं क्षेत्राय . 36 RANDARATA SELARLAMENO BLOD. 1

Useful Factors

$$(a + b)^{2} = a^{2} + 2ab + b^{2}$$

$$(a - b)^{2} = a^{2} - 2ab + b^{2}$$

$$a^{3} - b^{3} = (a + b)(a - b)$$

$$a^{6} + b^{6} = (a + b)(a^{3} - ab + b^{2})$$

$$a^{5} - b^{5} = (a - b)(a^{3} + ab + b^{2})$$

$$a^{5} + b^{7} + c^{6} - 3abc = (a + b + c)(a^{2} + b^{3} + c^{2} - ab - bc - ca)$$

$$a^{5}(b - c) + b^{3}(c - a) + c^{6}(a - b) = -(a - b)(b - c)(c - a)$$

$$bc(b - c) + ca(c - a) + ab(a - b) = -(a - b)(b - c)(c - a)$$

$$a(b^{6} - c^{6}) + b(c^{2} - a^{3}) + c(a^{3} - b^{2}) = (a - b)(b - c)(c - a)$$

ROUTINE

Days	1st. Hour	3md. Hour	3rd. Hour	4th. Hour	5th. Hour	64h. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday			-				
Thursday				-			
Friday			704				
Esturday)		1					

ব্দসীম আকাশ শ্ন্য প্রসারি রাখে, হোথায় পৃথিবী মনে মনে তার অমরার ছবি আঁকে।

व्रवीखनाथ:

College your Sell MELLES ETER weekha 22 mm mas 3084 Out of Alkata Khatano 14 Merza Caren an Conty)

्ट्रेट जिसा, लिसक्षेत्व हुई ग्रेट्ट।

जर्ड प्रमुवंतु हुए कामा आह्रिकं टुई क्षूरकी बचा टड्डे

जर्ड प्रमुवंतु हुए कामा आह्रिकं दुई क्षूरकी बचा टड्डे

कामा (क्ष्मेर) म दुसम्माह (ट्रामुक हुई क्ष्मूर क्ष्मेर्य,
कामा च्य (च्रिक्यू (प्रमुक्त हुई ज्या हुई ग्रेट्टिया)। हुई।

सस्म च्य (च्रिक्यू (प्रमुक्त क्ष्मेर क्ष्मेर क्ष्मेर क्ष्मेर ग्रिक्टिया)

सम्म च्या क्ष्मेर (प्रमुक्त क्ष्मेर क्ष

मक् कि कामाली। मुद्दाल (म्यूक म्यूक म्यूक कार्य कार्य

त्यार्थ, लामक्षेत्रं त्याद्वान् । प्रविश्वां, वार्टेन माह्त्यादुरवंच व्यतिस अक्षा र कर्यतं र्येषुचेत्र त्यावंशायवं स्थान व त्याप्त्यंत अक्षा व

मार्थित (मार्थामकर्ष मान्व) विकास मार्थित । है व ॥

मार्थित क्षित क्षि

द्राय दिन क्षेत्रक, लामका व व्यवता। हिंग भूम लास्त्रम हुआमार हिंग मने मार्थ लाभुका. -मने यांच हुडक्ष्म सावयात्य है, हुडिक्समा, " न बर् हुममाय-लाभ मार्थ वासेव क्ष्म मार्थ है, नवर ह मार्थ लाममा-नइ त्या दिन वासेव क्ष्म मार्थ है मार्थ लाममा-

इर्षः (अक्टक्षं) नाडीबिमा (नाडी-भर् र्द्रेट्ड) मास् मर्गे मुका (ताद्वाग् मुका ड्रमंग) मा ट्यामा बच्छा-(यामायता दाल ता) केक अपे भी, (केक मान्) दाह (काला मार्ड () ! आ (दुर्ग) में में बता का ज. (व्यान्त्रे क्या दम्द्रक) व्यान्त्रक (अव्या) मार् मन्यानार् (तिवा पर्यकारी कार्रमते) हिलानियान (हिल्सन वास्तानिक) प्रकृत्रकी काला (भाष्ट्रिक्ट्यो भाग अर्डिटिट लिस्टे हिल्ड क्रियं अस्त्राया पट्ट अर्डेटिट)।। १०।। नर त्यातः म्बिकं त्यामनम् व केक्यम्बं वासकी-सिएम्पर्वेषक , स्वक, लप्ने वे त्रावका च्यार्वाड्यमाम् (च्यार्विनार्भक) द्वार्विनातिः (परेप्रधाष्ट्रसेल विषयान्य भिष्टित : (च्युकेटक दे) मा दुलमार (मादुलम दर्दा) मनान्त्रमई (मानक्र मई.) भीता (आय कार्यंत) दक्ष प्रदेश (दे । हे दि दे । हिट्ट) द्रियं शाया - अट्य (चीक्रिकं द्रियंस्य अम्म अट्य) ल अन् (आड्व डर्न्सार्ड्य), अर नव कारात्र (८०४ चतवास्य अपूर् सत्तव रहता.) वरकरवि-ए स्टार (त्याक्षकाश्वरत्य) (त्याद्व (क्षक्र कार्क्र) कार्यमाट्ट)॥ ३ ग।

लाक्का, । द्यारक्ष्यक कार्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक त्यानक क्ष्यक व्याप्तक क्ष्यक प्रमान क्ष्यक क क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यक क क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यक

किं - हत्रद्य- मीनासाक्ती- अर्जात्र (भाषा अश्वाभन व भी अवस्थित स्यम्भूरत्व वन्तु ए कर्न्स) धर्म निष-क्र अभा त्याक र त्या नियात (धार्म प्रवादा नर्भक ध्यसत्यं मन्यं अ त्राव्यम् एक व्यक्ति करं विक माता) विवेशमां माना (विवेशमं रामा) वर्ष (नायट्याने-काती मरकत (ट्या मनाविस् व अडक्षाना) जिस किउर् रेस (एमर डिसेक टमानि प्रेम्एर विम्न]) स्मार्डम वे मर (मीक्रक दे हम के टिम) उपति (कर्न म्थात CON 12 41 4 41 5 50 (5) 11 60 11 पर्दाक देनमाम दृढ यम्य नयादि यद्यमा हेमराम हत्त्वं कारिक बा द्र अव्यापति कार्टिक ट्रियां नित्र वार्ष वार्ष क्षेत्र व अपने जाराष्ट्रानिर्धमार्य (समक) नवर जाम्मार न्तरिक के दिल्ल के दिल्ल मिरिक्सारिक , वृहत्यका, वामक्षाव त्वादका।

And The continues of the second of the secon

राकाहिड्यात- मृक्स्यात्रिमा-लाख्यात्रितामास्मार ([nul] mjalet i 180 de a siet xxx a Elgina. मार्ग भारत विवेद मामन कामन मने म नाम् मार्ममाश्रामुकार् (माराव कर बारम कर केरें देत. minemy not eriscour) + Emmany Emmy-Guaras (Cinhaley, nois Con all sides) भावप्रार्शक मांच्छर (तासा भावप्रेक्ष मांच्छित्) मिरानेश-भूरभार्वितमात्रक् (विश्वेतम् भूक दक्षामानं नाम मेरनाहिक [नवड]) स्मादी-मानुबर (412-5 Maia ordrain,) Jacien: (355 ma) क्षा मरम में पर प्रमात (द्रा मंस प्रमात द्रा हे द्रा में animary its cure mount are sace) 11 ca 11 नर् एकारक अविद्रांत देशवं त अवय भाद्र व अमें मान भे व लर्ड र बामका न व त्म्या करें हिं बराकी-सिर्मिट्र (में असे, लामकार त्रावक)।

मैं बर्ट एए । मुक्स में ([भजा] में बेक वर्ष पाणां । मुक्स व में द्राया) द्रं : का मान्यमानं क्यानं (क्राके वास्रेमप्रस्थ दुवस प्रवंत्राप्त) भरत (भ्राप) का वाक्ष्रा आर्य माया म्या में कार्र म माया मार्थ में दे में देवा. (न्युवाक्काव मंबत्ता मान्त्री मन्त्र न्या प्र क्यांगुर्मित्रक. स्मिन् कर देन मूक दरेग) विवाश : (विवा ग कान्टिट्ट)॥ ८८॥ my caren appear a mapin a manina mas क्षांकिकानं वाल् में त टक्षंत्रीमें मध्य के वारा क्रिक्सि नियक , केलक, कामका के काटका CAMBRAGAIN ON BRAINDHE (AM)CHAP CAM-स्थि मान्नाव वामकाम लामनं अर्वन्तित्य) मावदम-अक्टा विविगिष्टि-मार्किनार् (भाषां मार्किनकाम नीर्याहरू देवसकाहिश्तां त्यादा मात्रेरहर कि मक्रम् - व्यक्ति महाश्व - महाश्व श्वामान (मक्रामेन व्यक्तिमान ष्टिवंप मार्थ मार्थ द क्वां व्यक्ति । व प्रमाणकार्थ : माला विमामक मिड्र (भारत कर मामान निवंदन विभारम भूरमा हक) न व्यक्तिमिक्नमं - द्यारंक - द्यारं (पारा Смырисуй अपरांत अविकाशय) " अ ना सामाप्तिन-

जम् टमाटक साम्माम त स्मिमाटम काराक्ष्याप्तिस्तर (माहा माम्माटह द्यामान माम्) विद्याति विमान विकास माम्मान द्वाति क्ष्यामान स्व विमान विकास माम्मान द्वाति क्ष्यामान स्व विमान विकास क्ष्यामान स्व विकास क्ष्यामान क्ष्याम

हर्रास्ट । त्यामाच क्रवस्त्रमात्रक्त क्रिक्स क्रम् क्रम् क्रिक्ष रठते क्षित्र चर्च स्वामाद्यं क्रम्स क्रमः स्प्रांत्रक

कारी मार्थन कार्य कार्य

्र मामानुशारंकं भूमकाल मानुन्व द्रम्मार काम्मेस (आवंत्तक क्षेत्रमेमायकं महाकत् लक्षानुत्वकं मान्मेसेस लक्षेत्रमान पानम्भाम-निव्व - स्प्रकारं ह्यालात सम्मलाक्तिका (कल्लक्षी कार्यक्र) भूमका अलाव DE CONTRACTOR AND CENTER AND IL CENTER AND IL CENTER निर्दे टियारिक सरम क लाके प्रिक नवर टिलामीमिप्न मनेम क अक्रम्याम देशाहित वाराक्षीमिल्मार्ड (स्वक) चंडे लार्ट नक्षान कमः मिला के दिवस महासमाद्व . देठ टकमा, लामकाव त्यादका। बकारनः (अकृष्णनं) यमक्तार (वमःम्लनं इतन)-क्रीनार्वकार्वावनेत्रेत्रिकार्य (६०: क्षाकाय ने भी. (अंश्रेश केल में बहा- डेके ही ने हिने हिने ल (आजामादिक) मूत्रमूकीतकपूक्- सुना भा-नी हाकिका-महिल आक्रीयुन् (क्रा क्रियम् पूर्क हर क्र मिकार्यायायां मा क्षितं वायम) इतिवत-क्रार्ट् (रेक्सिनिस्तिस्त क्रमारे) व्यक्ति (विवास करवे(वर्ट)॥ ७०॥ नर त्यारक का बाह्य अके विव प्रार्व में तवा-व्यु अवृतिव लामाया स्मामितियार्य । समक क आहे क (भ वमः म् (यव व्यक्ष वर्ष १८ व त्वार्ट्राष्ट्र, चर्च क्रांमिय क्रिक्स्मिस्यात्व ्रुटिसमा, लामका व सावया।

en (ne) entrigen culanganterials adaci (प्याम्याप्त हित्याकी विवेद्यं स्पे) गामक -अधिवक्षेत्रमं क्ष्मि (क्षाप्तक मैकक व मैन्यं वहाप ला ने में मान में से ले का के में का का में मान में) मास्तिमान: लामाणा करेंद्र (मही वेमर्थेस समारकः वितालान नक) मन्द्रक्र (क्यान्त कार्षक) जानक -याने अडिटम (व्याभूत्रे र्रायं भने श्रीत्र अड्राममन लम्मेर्यम क्लंब) ' एम् (यहा) प्यामान् महर्षे वर्षेत्रकारं (त्मामाम् मामान् हिन्तम वर्षेत्रं असिहादं रें भे) मार् न्या ने मार्थ (इन्याम भी मन में समस्ये असे भी भी सामित्राये मंत्र के स्थादिकांगः (न्यां श्र सकि विवं करने हा लु दं का : मिन के त कता दिते) कूलवार्गता (कार्यक्रम धर्मतप्रत्यक्षम [वरः]) राकाति। हित कर अन्य व साहित ह (नी शक्त काहिन हिउसे स स्थला ने मिक्र दं ने पिर्मेग्य बंगत) की मांग्ले ([मरा] मून ७ मूकी र्), मृत्ति (प्राम्य), नवानियाक्यानिका (नावाने हेक्यानिक), लमार्ट्डिक्ड बंस्ती क्सरी में त्यादि (मकी अपूर मिश्रित व्यमीमात्रेष काक्ष्रीय त्याद्वाकि करें (विक्र) भायत्रम् अमम्दर्गारत लाग्यर (मियत्रेम् अंत्यंग्राप्तं. Sichalatia overs out) " monta: (2/25/2) Ces (Cong) Epostes (Nina Renna) (A (ourse,) लयात (१९८३) मंब्रुक (मांग द्याति विस्ते कंगक)॥ ०१-०० चर्ति स्थारियाक वस्त्रस्य व वार्त्रस्य व मार्ट देशमालन लाउर अप्यत्यक त्येनक) लाक्षावं । हित्रां भारक मेंत्र कार्य व नकेंदर .. सेम इय असे मार्ड हेंग मेंगानं तहित्वर्थति स्थानमा अविविच्या निवर विकासिक उक्तिम अर्पू प्राम् (रामेशन क्षा मर् क्रम्र वम्डिन समामात दुरमें । चार्षः वर्षेत्रः (च्रिकंत्रः त्रकाम कर्षा) सर्वाब्र-सरमातमा (कर्मन् यस्यमानक) यत्माक्षे (स्व डाक्ष्रमं) मार्था । के (Rem elevile 1 [cross]) con (90. सक दाहिश्ने) प्रवेशक (प्रवेषे) में केश में सम किया-नाम् मर्ने में बाल्यार (में मने वेश में ममंत्र कर क कव्यानम्भ प्रवर्गनमावा) मान् कर् भन्नानि

(सार्यहर्तं थादिकाल अधिवंगानः) दंदः (तम् कड़िटाह वित्राक्षांना भागमेगाय लाक्षायेगातिकारत. 312 MULE 35/11/2]) 11 9811 चर् त्यातः जनक्रेनादिवं आहे वमसादिवं पाहन-द्वाराष्ट्रक संसक, धामहातं का दिस्स समित्रम् (प्रकंश ता दुन थार कार्जा (पर प्रवृत्) मिल्लाक. यत उन्हर्माणक सरमा मार्चन वास्त्र कार्याम क्षांत एकार्र नार नवं तक्षां, चर् मानं क्षांत. द्रिक्क् मक्षावमार्डिट, दुर्ट जामा, तामसाव स्ववता। रमक्ता (मिका) ब्रम्भद्दिताक्ष्मिकिटरायमान (लक्षा अमे म बेत्रा मार्प्त हिल्लं त्यायानं स्था) म्बिकटमार्याम्साम्सम् (म्बिक्कं देशमार्यं हिल) वसाई बीटमामिकमा ममाईट्या (बर्मम सर्वेडी:-िराम्में क.) राहुं वे टिम् (मृत्य मीमम्प्रमार) बिहित्यों (बिहिन) असी कुरको किए (४४-टिलंबर मिक्स करक्तास्य कि ने)।। उट !! चत्रातक महितक महें उ त्रामां उप्पत्र). प्रिक्तिक देवक , क्र मिस्काल वाजमाराव लामामा कार्या दे ता मार्थ कि न वर् ग्राम्म मार्थ

Exeria gang-Manusa, garan, andis. 3100 1 देर क्रफरर्टर (जीक्टक्ष वर प्रयाम्) पार्मिवार (गर्मेंगायं रिष) संबर्धक- त्यामी निर्माता दियं-कळे अंध्रापुर्मि (प्यात्मेमापुर्व द्वित्यात्मं कर्त्व-रामकर्क अमार्थेन जारिहारिक पटक्ष रेस्मीमधाने-सरं में अर्ममायम्) पत्रतः (विशेष कांब्रिटि) नवर (इस)कबीमार् (काबमार्त्त)काचार (काक व्यम्पद क्षत्राद्यकरेशान "[अंदे दुरा]) अनुने साहबंगाहिः (की छम्तक मूक्ष्मं ब्रमान इर्द्य) मिर्ना (मिन्छ) अप्रवाद्ये (मूर्रि छेडम अग्रम्बन [\$214]] CA (OUTHA) BOG (ONEMA) 119011 नर त्यारक कार्रेस रेस व मार्थक बार्र में यत करना लैंगरेमण्यं दुर्क्ष्य्म प्रियमात्रते, दुर्दासमा, इ क्रम्मत ७ मृत्रमतादिन जनाक्षातिर्भाषक , I MA, TES HALLERICA & ZUNING or war and to and of and to the इरवं: अस्पा (चार्क दक्षं क्षंत्राय) न्यू मंक का बन है. सर्कः (अंकत्रावस्त्रं कालक) मक्याद्मर-

मवाक्रियः (अक्षम लक्ष्म मव लक्ष्म) कार्ड-मर्ग-र्जन्या ने हिट्यः (१ कः पता देव क्या आहर). भूभाद्यात्रिक्तः (भूभः अभ्र अव्य भाग्नेत) , दर्:-भाविष्यतिः (धरः,भाविष्य), न्थीवृश्य-प्रीरम्बिः (122 1 m. 21 M. man Im, ach, 214) con (205) क्षेत्रमादिः (क्षेत्रमिष्ठ) नम्यावर्ष्ट्रमः (ह्रम्मादि-क्रम) निक: निक: नमित: (नरे अपूर्ण भीप नमने-अर्मेत्रमां) काहित्व (१९४५ डम्मा) हाव: (conter oux 2002) 114911 नर द्यारक जीकरक्षं कर्ते मांच क्रिवर्त्तमारिक ्रवारमाकि अमक्षानं कावना। (मारं : (चार्काक) रास्त (कंबरें मण) महावर्तरें (म) थान (अडावड: मूर्नामन दमे ता) भन्ना भूक्य-लक्षकंग (स्टा केंक्टिकाहिक प्रमानेक बात्रंग) कर्क त्या (कर्षण), भाद (अद्व) नत्य (क्यर क्य) दृ : ([र्या] वता), वसा (वारा र्यता) छ ((वात्रा) लारे वर्ष ([का मध्म के] समाव प्रक्र) ' कन्नवीकलिष्- ([भन्ड] कळ्नांच भारत काश्य त्यान्यात्यं स्थलंगर्यं

उद्गाटि)। त्रा।

नर त्या त्य न्येक्टिकं क्वंत्रेन्यं क्क्ष्या ग्राष्ट्र-विकार = कम्बुकावं प्राथित विम्यम्यक्त अत्र के लार्ड टड बाम्मा काकामुल, लामका न क महा-में के त्याहित लाम हिंद लामा, तम्हावर्तिय, नड् विलियने अमात्र भावा कीर्टत नवर प्रिके कार नम् अर में कार्य के किए के प्रमासिक (उ. स. ह. लालका वार्म त्यामी स्थावित्रम्य के टिवं हर्वक्त्रसिक्यात्वर् द्रायमा, लमहात सावता। चित्रविद्धाः (चित्रिक्टाच्यं)कत्वं (कवर्तमत्र) म लहाम धानक लवन रेव- बन्नियीन वामार द्विमाना. क न्त्रेशिक - अभ्या अ मुद्दी (क नका मा कुला मा-भारत कल्लियान के क्रमानं मुभक्तक किला न-कव्यी मामक उमार्व पुरेटि नवीम भन्न [नवर]) वटमान्यानिष-क्षिकानामन-ट्रमक् स्वरी-विष्यन-पका मिए (के सकटन दुव्हान्त की बाक्स के समस्त मेरप्रेसिम्माध्यं देवम् र्वत समामास्त) 490: (curer artece) 110011

र्वाप्त क्रांच के व्यक्त क्रांच्या । पद्यारक क्षेत्रक क्ष्रेम्स न्य विस्त्रक क्ष्रेम्स न्य क्ष्रेम्स क्ष्रेम क्ष्रेम्स क्ष्रेम्स क्ष्रेम्स क्ष्रेम क्ष्रे

न्त्रामान अव्योभ ने मं मेरिट्ट: (सामत्रत्वं में का मके अभिर्दं क्षेत्र में प्रमार्द महाद्वे में मंबार्ष वर्कन) श्रिक्षमण्याः (श्रिष्टाम् मजनमध्रभाम) । भ्रेष्टेगर टका माना मिला का निवास निवास निवास (माराक अवकातामुक मार्चाक्र कामकामरादन सम्बार् काम यदाम्त केर्ड्याट " नवारेम) कार् (चक्रक्रममस्य) विकामक आग्रम में भारे प्रकामक नीत कसत्रमूमत्म व अड्र तव झर्व) (हर् (मन्) माहड (त्यायमार्थ) मात्राम्यावन (द्रवेषम् रंग) वरा (वात्रा रेड्स्म) लम (द्रार्थाक) करा : (कार्यमारे) धर्म छात्र (जारूम बक्क प्रमाद्याप्य भार्ष) इरवं: (महित्मनं) क्रीमार्प्यः (अरमन्य क्रम्माननं) द्वारा (द्वारा) कारामार्थ (कार्य श्राद्धि वाद्वेर) ॥ व०॥ नर् त्यारक केशन कथा के कालमारिंग के कमरी के काक्या। दुलातां बन्नें रंगरं दुष्ये म पर्दां डे अभार रस्कर्क मस्काल केत्रम र्वत्न नर्व धात्र पुरं । अस्टा का भारत्यक व्यक्ष मानिक्रम

ए अस्प्रकार्वा लामें मुधार्यम क्रमामन क्रिंगन क्रिक लंशनार्केत द नमायमांना चनकार्यक्त कुनिक् नभा अवाविक्ष हे लाममं , व्यक्तिमक्त हा विक्ष कुलसाम्भवा गमवाविक्य कुल्लामं प्रमलम्बर्गमन-ये अ कुल मार हा के कि ह ने के अ कुल ह कर मन च र र स्क इकरमन्त्रमम् के किस्तम् का के क्रमहर्ष्य यात्रद्ध व्यक्तिरंगाक व्यक्तमं ममंदरंग। त्म काक्षरंगाक क्षत्र से दं त्मार्ट, बाहक कर सी दे। लामहित इस व कड़ा रमं , हरा केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्रा त्मिल्याक । यस्त्य मद्भि वाहक , (हर, अस मार्थ वार्य लामति वक्ष समाम्दर्भं कत्रमा रह्मारह। नाय (कर कर) द्यातं : (त्रीक्षितं) रेबक्करेर. पिलिककारंग: (ब्बक्कावियं। क्क्रम्मानं) द्रें वर् (त्या) सरमें के सब बंद मा तब (सरा में के सब प्रम् बार्निमारे) धार् : (मिर्डन करत्र) , द (किंड) धम The Mas (aumis gray by (m) " ajangar. ट्याई-मित्री-मक्नाधित्रहासार्यार्य प्रमुखा अव (अनिकं बाद नेयन केस मित्रकार्त सब्देश वितर टर के बाद्या दे-में से वार) लच (यद दृष्टका वं) (उठ : (का वंत्र बर्म) ॥ वे ॥

नद्र एकारक कार्किक सम्मेनएक देशका विवरंत त्या अक्षकं अठ तेमण के व बिमाय करां के महता सियम करते द्वेस्त्रेश, चद्र असमर्गितं कार्ष् टार्ट स्टि द्वारा द्वारा ह इव गानं त्याका पुत्र, चवरं क्यांबाकावं बाद हैनं व रिप्य-हिंदे बाराक्षामु एक पड़ के म्मम, लमका के कावन । ह्में अव: (ह्मेमर्क) राव: (अर्काक्ते) मर्मे रेक्ष (श्- डेक) थर्टमा (क्यांगाय (क) जार् नमर्लामुख-क मे मार् की र (टक्नेडिट क्लाहिट कामें कर्म ट्याहा) क छ १ (पर्यात क का) असा (अर्था) छे पूर्य क (अर्थिय) अत्युम्धान्त्र (अत्युक्ष नक्ष्य) दुरं-अभिवक्षा (अभिवादाल के द्वार का के तहा समम्बद्ध) छेत्रामित्वी (डेक्टीकृष्ड) अग्रस्टको (उपीम प्रस्क. मुला बार्सिमा) प्राप्त (प्राप्त करने)॥ १२॥ कं त्याक कित्याक सकारित काम मेंगरित दे दे असू मती समार्थित . वृद्धामा, लामसाव त्याह्य। डेट्स ([अमा] डेसक्तम) भू विद्ववर (प्राविष्ठ), थर्व: क्यकार्या पुकर (कार्या हारत क्रम : कृम) ? मार्क् न-के हि के ! (मार्क ने से म संग्री अपवंते) के अप्रीयर (रेजरीतकार्यक्षि) धामम् (का पिर्यामनक्ष्म)

विकास क्षेत्र कार्य सकार कार्या कार्

प्रके (द्रस्मम, जयकां काद्या। भ्राप्ताक, भर्द कुरु स्त किक् द्राप्तं द्रम् स्मान्यः भ्राप्ताक, भर्दे क् के कि विश्वास क्ष्रमानी स्प्रमेयक भिष्टा (भारक क्षर्यकं के कुरिएकं महानत्र प्रक्रि

orane garain man manda godan das anger. भिश्नंद्र के काश्वंक, कामका कारक। [भाराक] । निक-छछ-छार्खकारी-गामनिकि-भारतार्थः (अवस्त्रेश क्याक्सिमार, बीमादिक क्याने उ वर्गीअक् विन किनिम्मूप्रकः जिन्द्राव कर्ष) । विद्यत्वत त्या-गानित्याक्रम् क्षीः (विकालकारी क्रमारेष नप्ताकत-सानी (वंसामन कारां किला वस्त कार्नांद्र [कर]) तवनवानिक काडार द्वांचे जी भी आ : (भारान तवनव कार्डिशाना त्लोनु डक्रिने विकृषिण दरे एक्ट) वक्रमाताः (अक्टकनं) करो तीलान्यक्षुः (करेक्ति टार्य वेच्यतीत-राम्मा अड्यात) विभम्ति (व्यर्क व्याप किं(एट)। 901 नरे त्या क के उ बार्म नास्त्र वामाका निर्मन. यूनक देवक अन्धान काल्य। इरवं: (जीकरकवं) कक्ष: (कक्षान) रक्षेत्र वाबद्दन पाणारिकामकं ((कामिकंस म काम र प्रकं पायाने द्रमामन सम्म अर्थे मर्थावंदे का) प्रमाद (प्राद्धाः ungsais) 'na: (cossá) mmid (321. 24sa) भठकर (भर्मन) आडि।देनर् किस (मात्रमादिक)

पारमे - यस् कार्यका - यह पायमका मं पिर्याभागः (पायमे वाहे -हाअवहत्र काविवा ७ भागमभाद कर्म दिया नदीमसूत्र) 12: अवारे (1240 डम्टाह)॥ वन। वरे त्यारक नाबनेगामिं अधिक पिरामपी अभूरम् लामानाः व्ययप्रक स्थक, जबद कार्न-यम्प्रकेषक थि: मबन्यन भाव्यक्षाता. कर्ण्य माधायनंति भावी प्रतिमाम, लाम द्वीतं व्हा वका । राभारवर्षाके-मक-हिन्द-त्याचनाद-दिवाद्मनर् (रामा देर वाम्र (कामाम कर्न के के मन । हर्क क कर्म अकृषि भात्रात । दिका प्रत्यक्ष), अपिष्ठा वामित्यनान् (र दिया कुक्त पारा के कामने) । खिल में माष्ट्र (मारा राम्मर्भावा के द्वार्यक) , के न्यमर टम्ने वंडर् (पायाह

चित्रं क्षित्रकात्रं मात्राकं क्षित्रकं क्रिया तेत्र-(चित्रं क्षित्रकात्रं मात्राकं क्षित्रके क्षित्रं क्षित् क्षित्रं क्षित्र ्रेलक, लाम सांच कावका। राम्मारात समा व रामकर्ति वे बाराक्षी मुद्दिलद्व क्षेत्र व नार् द्याद्व म्युक्टिकं सँग व बर्धिस्व मागार्ट्ड महत्व समा) त्रिकंटि (मानं वृद्द्य, विक्रकं क्षेत्रदि) ॥ वेव ॥

लग्डु में - संभवाका - मांक: (चाक्रक के न मंभक्त के १६३) थिश प्रमा (थिश क्य में बार्य) (पाली में प्र (पाली मान्ते, राक्त) ग्रामा (विरम्भ का ममन्त्रे कार्नेनंपे) विश्व के : (तिक्रमक्) प्रकाति कि १ (इरेग्टि कि १) रे डि डू (यर्क्स वाक)] के कार्यवाको ६ (व्यक्त कार्याप्त्रं के ELENIA,) à (mas) MARS My (annie ongra अवने कनं) , प्रकारियनः अषः (जीकृर्कम् अरे मूक हा अ का चया : निर्मा निर्मा) भा अवर (निर्मा भीरत सिस्य कार्नेगरह)॥ व. १ ॥ न्द्र ट्याटक कामुक्ष हज्ञ कर्तिका मैं महरकां दुर्दका x RIANISTE 1 RS CAMA, -4 26 stains वार्निक्ष्यर्य स्वक, लयका लावका मह (मह) । बाह: (विकाल) मर्ग्यम (म्महामन स्त्र) वरक्षत्र (अत्राव क्रम्) देरमात्रा (युर्गमर्थिक) कक्षित (क्षिक में मार्ग) गर्मे द्वा

(म्लीय्या), मूक्तकविकावातारे (भूक्त क्र्यकारिकाः) क्ष्रिकेट में यह कि कार्या (रें के बे क मर्के प्रकें में कार्य में क (क्षिट्य), जिनम्कामर् (जिनम्का), प्रावर्षत्रः (जन्दिन देत्: [वर्]) ट्यामामियाम ए क्रिम द्राव अहाक) , चढाति (नरे अक्त बस्) व्यक्तिश्र (अराधन कार्वाउन) ,उमा अव (अत्रा द्रेर्नरे) क्षालंगः (त्यक क्ष्यम्) कर्मेश (र्याव महत्) अस्टिकेश चाहिकरा (चाहिरकवे) तेम देवामार्थार (म्राम् क्रमा कार्या भगवर्षमा ।। १२। न्द्रास्क केम् नेकावं काश्मरंग्रे , लामकातं Exists + (grid uny do content outlines in प्रदेश)। अभूत्य वस्ता अकृति देशमात्र भागार्थनाम-हाना व के करि द अरमत अमाम्बाहर जाम कात्या (का महकारम) हर महा भूगिन ना महत (क्रमी व अर्भे भ्रांचा प्राप्त कार्षेत्रकं मग्रामं) मह (मात्राकं) लम्क्रमन्तर दंशम्यम् (पक्रम्म लम्स्क्रं महम्मान

न् यर लामा [नरर]) लाई: (लाई। हाता) अर्थायहार.

कृ रा द्वा द्वा (कर्म क मक मान दाना के द्वार अधादमारक)

Ellisaminé (maem y 20 glo Ioini) ochicures (gas naryicularia Exist) दिरंग्रस्थियाड - में द्विक टब्स्बेशर (द्रिरंग्स्य रक्ष्यित्व महत्यात्म मायावं नकति त्य कार्याद्व व्यंगादम न्यं माना) तीर्वाद्यायमा (तीर्वाद्यायमा) पर्वाचमार्प (पन-यात्र माप्रामाना नंगाक्य रंग) " आवक्ष माम्मायाय द (THE MAY DALES GASINO [THE]) REWIND (REMAIN) स्टिंड: (अक्टिक्वं) वर (एम्र) स्पाहरेक (संग हिने क ट्राम.) हथाने (माड्रामर त्याका मार्डिटि)। १०- १० १। सिरे वार्त , तार्ति मार्टि मार्टि इंग्राप्त कार्त्र नर्षि सम्माद्या पत्रात्मकं मक् कारमं मुक् तिव शक्ष , काका यम, लामका के क्रेंग कर कावर हिम्दान । मिश्राके अभि में अ अकावस निर्दे (अकावमाष्ट्र) लियक्षेत्र इम्लेट्ट। नम्सम् । श्रिकारे व लियमा. अर्थिक दिवासन दर्भन मार्थित स्तिमार्ड १९८८मा, लयक्षीं कावना । हिंगुरमात्य लारे म पुरमार वामका द नामात्र करमता न्यानिक स । शिकारेश द अस्तरंत के द के स्तीयक क्यान्या । यात्या व , मार्ग्यक, क प्र में ते अक्रंड दरेटिए।

त्रवन-१९ बेंक में प्राम्थान् - सर सार्यावलरं (मायां द्रवम यरमात्र क्ष्रमात विष्टितां मिताम अर्थ कार्यांट) वनम्मानिक्षंतक विधार्यकात्र्य (भारान भार्यकात्र हरमार् के मने के का विस्म भिर्म नामक करके) काश्वतमें माश्रमा ([नरं मारा]।श्रेवमें ममस्यं) लार्ड्मा अरीते (लार्ड्यामकारत मुनका) अभिटन: (अकृत्यन [Crd]) टक्टान मीर्थ (अनमीर्थ) रर्भेसर (रर्भेस्य लक्ष्टरेस् कार्ताय) विस्मान (विश्मकस्त (माडा नार्द्वर्ट)। १ १ १। न के त्याकि चार्क का कर्मित्तं अका वश्याव व्यालांकि निवर् कत्रमम् व विश्वाम वामात्रीः प्रिक्त (क्ष्म) अम्मान काव्या । आकाम्यादिय-।वीतिर्विण- माध्रुतीकर् (यात्रा विक आकृष्डि व त्माप्रता प्राका मक मासू नी अर्थार विकेश. विट्लिखन कर्म अमाउन हे व्यादेश करमें), आश्राडाह्य भरेगानिवानि से वास्त् (भारा निन करमंत्र का का वाहिक प्रियम हाक्रि विश्व कर्मा लाक्ष के मति क किला कि क कार्य के कर कर के मान्य कार मान्य (भारा निव निव ने कार दान

शिश्य ट्याक्स मनंत्र व हिवदक व्यवक्ष करने लि द सं भा रक डार्के हि के उप में स्थाय मारांत त्मात्रांत लमके क ड्रांगार्ड) " म्यास्ट्रिय - क्वांड (क्य्टें ताप्डे. टावंटिक) एवं सु स्वे मेर्ड (राप्रावं सद्ये अवत मीर्थ वंश्रा छेर्वन इरेगाटि) न मिलाभंगा-नम्मधीन-हतामकायर (यात्रा मिथिय वस्तीमार्भव मन्त्रक्रम सर्भा श्वंद्र व वर्ग कल्पिव बान सक्त) न्यर (यात्रा) (माली मरमात्रांवेन-वक्षत्र-वाग्रवा (माली-भटने व हिंड क्यी दावरनेय कक्षरमायर पाभी बाछका का भाष-अक्ष [चिक्षाया]) जीवारिका-यम्य-मन्त्र-वक्षामः (त्रींश्वरं यम्य नेत मक्ष्मीरायं क्षाप्त्रे क्षे असे आमास्क्रेस) लाकार्विका- अवार्वेश्राय-अभवनित्राम्य म्वाधार्थः व्यायत- भार टिलास (धारा की नाबाब का केराय, अर्थ प्रिया का कत्याक अल लर्थ वंत्रामंत लाय कार्वतानं क्षण लाख्यां सर्क) ' प्लाम्पिकं (मारावं सक्राहाम चंक्यम् [नवरं]) यसमाधिकारं (गाप्रां मर्माप्र ममलाबासरे) वर (प्रद्.) यकाष्ट्रं (मंबता) रै सम्बक्ष्र में गर्द (व्यक्तिकं कर्रभाम) ट्या (कामानं) द्वाद (१६८४)

からの (かないの 2かな)1100-1611 चत्र म्हान कामत ह्यास म्लाम् द्रेश मानकृष का कार्य व वित्वंदश्य करममा द्वाराक च्या कर्ण में मिलं दे दे कत्र में यक त्यान के कि ्गाहिसक , हिठीर एकाटक कल न्याम बाजदा व न अप्रयाम सेल अर्थक लगार्थिन आर्ड की के रक् कर्मभारतम् वापाया निर्दिस्टिष्ट् ' धामाम् समा वस्तं क्ष्मे मार्षं महत्वव्य पार्वे मह्यात्रह, वर् वृत्रीम त्यात्क देक कर्ममात्मक अक्षर वर्तन (प्रवृ ' अडारकाके 'अमझाव का उरा) र्ज्या हर्ने म क प्रमाहित्य र (र्ज्य हर क मार्ग मारान. म्बर) मं काक्ष्मिक यमानेय टिमक में कु ६ (अवाक्षेत्र . लक्दिं करिन्द्रेमांद्र स्पष्टम माना मारा कार्नde) " nait autolinis (men naite के विभागे मिल के का भी मां के के (अ मा चित्र कारा) इक्रामिन व्यान त्वर्गत (इक्रामिन म्यान मन द्वरान एक्र रंज्य करंड) केंग्रेश (च्युकेटकं चिड्लंब]) 40 2 ms (40 xum) elle (onda (men Tran 1/2 (2(2) 11 4011

त्यत्रेतं काळ्यः। चवरं प्रतिपायमं श्रष्टावस्त्यात्रते (श्रष्ट्याकः) रिव्येच्यां क्ष्यं व्यामात्री प्रत्यात्रके (संस्त्रकः) लाप्त्योत्त्रम् प्रति (काष्ट्रम्मः) द्रकः भण्यः व च्यार्क्यं प्रतिपायमंत्र द्रम्पत्रम् च्यार्क्यं प्रतिपायमंत्र द्रम्पत्रम् च्यार्क्यं प्रतिपायमंत्रम् द्रम्पत्रम्

अर्व्यमर्ब्रमध्व-तिम्मागः ([पारा]डेक्यानव सार्म् मेल लर्मियरीयं) लायव्यव्यक्षिमेमार्ट-निमा १ (धार्यकानिक मर्जयम् मूक्क धर्मार उक्के थाह -म सम्बाहा काल्यमं इस्तीमं) म् न्या कार पर विषय दे क्षिमाडिकिक ([मारा] प्रमा महबावन विकित् Baymusia overge.) L'allega- 12-भन्न यति कि - (बाहि: (धात्राद मीडि प्रकर्षान नवीन अल्वाक अस्मा कर्य) नु एका भाव (० ८० व डे भारे पारम) न्यान निर्मा स्निम् (न्याभवार्ते प्रमाय प्राच्च मारा निकर प्रमे [नवर]) द्रेयत) वक्ष्माथकाइ (यक्ष्माका नेक्ष्र द्रेक.) । प्रिंग्ये प्रतिकाश्वर (व्यक्ष्मे क्ष्मिका क्षेत्र) क्षित्राध्या क्षा कामाहाराकाम्या है। ७ थक्रीकार्डिं) प्रित्र अटम्स (प्रित्र म्ट्रिंग)

CRICULZaina-BENZA-MACMRES (NISA 426 3 2 a a mia escuria y mentiona cure quiy कट्ड) विसालमा के व्यम्भ न वास्त्रम् (माराट उतिमा करियमा स्थानस व्यक्षित स्थान में ट्यंभा विभाग की) अर अला छार (शाया) मिक पर्यन शादी र्यमाप्त) देव वं सम्बन्धान (विसने -वाममा अलाववद् क्रिके व्यं [नवर राप्त]) नम्बर (प्रवेष्ट के) त्रिशा में कर्या मठ- नकी बर्भा- में मार्ग -क्यानाड: (अगंकर्मेश्राप्त में क्यान्त सप्तेम बर्भीव म्भा उ प्रमुख्यमानी स्विमाना) व्यक्ष -किन्द्राष्ट्रक (भारत्य टिंग किन किन्द्र करने) चित्रभेल ही पूर् ([गात्रा] चित्र विश्वत्रा भट्य के अव्य-ये वे मुद्रकः (भव्य के के के कार्य के कार्यका) न बिक टार्रेशतं : (जिंड] मीबानां) थी बाठे - मुदे-हिं कर् (लीवन वंभक भर्नि विराधक हथक वा नामभाज्ञकाम.) मामम व्यीत्रमालमा-मम्म-लाक्ष्वर ([गाप्र.] न्यांबाक्षतं (प्रान्त्री मं देवांविन हिस्यादा (mu हत) महिकाद्याक (व्यक्तिकं QNSM- वार्ष के त वक,) व्याप्तार (प्रवृत्त) (म

(OMM 4.) 31 d. (EBMED) PANT (HJ. B. 12 Ric. 立か立)11 1- 1- かの11 ल मीत समार त्याक महाहित व कर्मक्ष्मं व्यक्ता-वप्रतिषक संवय, चवर र तावव्यव उ रेके रेगानं अभिना वप्रत्यक , क्रमा, कामका व विद्यान त्याद. नीकृतकन ककार्यन् अकार्यम्भारक प्रकारमाके चित्र कर्म वार्षित्रे वित्र कार्यातं व प्रमुख्य व Congement gamentes egolom, onthis विवीप त्यात्म उक्षेत्रितं महम्बर्गर्या ्वडारवार्क 'नवर् देवसात विश्वस्त करवका केन क्रमानं वर्षं के क्ष्मिम क्रम्क्री प्रमाण त्याहरंक, लप्रकेषं नवरं हळेत्याद्व बेळे सहक. त श्री हत्रक मार्ड क कार्य व कार्या निर्मा ८५ देशक, नवर विकास विवे मत्त्रवर्ष्यर्भ ्रा दर्भाकि वास करे कार्य हर्द्र । भाकान्ट्योधेन-विजित्ति - क्लव्ल-मर्लाम्यात् (भरा थिश लाके वह तमक कथांवा रे अ अरखां में का. कामकाममें द्रक विकास करें) ' मिनन- द्रीनक -(भोकिकातार् टमाजाडिमात्रक्र - अवनकार्डिमात्र

(मार्या का हुन ट्यमास्त्रात् मक राष्ट्रेस क्षा रहिन क में करते (अमन्त्रायक पद्मतेत व्यक् करते) यातत्त्रमर लक्षेत्र कि कार्यम्पर (मार् में में ब्राय के क्षेत्र क स्रिकेट्य क्रिकं भाग लाहबंद करवं) याशी पड [आरा] अकाववरे) भाक्तिम-मूमाड्यिकीशस्त्र न (मलक राष्ट्रमे बुखिक कार्न मध्यक मार्चित श्रिमार्श्व व मान्यप्ति लातेत्र (भारा निव्दुव क्रिप-करान क्षेत्र कामार्य (प्रव मक्ष्म वर्गाह) काटको के - त्याने काने एक प्रका परे द्वार (विवर् भारा) जिएक अक्रम बक्र कर क्रिक एक का किया ए कास्तरवं देवे लक्ष्य विधानक लम्मक्त) न्युममक्त ह्यातात (अक्टिक् अव वर्षे वर में व्यावित) में द्या : (त्य वान माम्या) मंबाह (क्या कट वंड)॥ ११ - १८ ।। नम् त्य अक्षा द्यारक ' कका प्रवासन । ने भरूप रि , किस्त हेब लाए डाडि, नहंसत कार्या कार्या क्र नात्मव देउन ज्यात , त्रकां त्यापा प्रकार उद्गारि । बाका में कुल माड बारिक , देव, मार्बाद वं ल्याल. -त्रव ्याका ममा अमदीव चर् हिंग त्यारक नी किएक में में बार्च ते हैं नवर मायान व के व बक्तर राम्ब कामानी स्ट्रिक मार्ड म् अस , लाम के र व क

अस्ताहिस बीम ७ देश क्राममा महिंगानि हे दे नहे -असी वया दार्ट , दे कि समा, लयका वं वर्गारह। प्रिक्र मिर्हा प्रमिश्वाकी (मारा प्रिक्र अप्रेमिर्द् १९८० के ला आवं लमर बंद में ब्र) ना बार्य का निमं यागवर चव्तिही (चावाका काममानिव दुक्षीत. वर्ष्य भरकारमं) काकाममा कामरका के व विकास ्रित अभा करि सामाना निरम क सर्दक कारिक क कत्व) ट्लामी क्रिंग संग्विता : (क्रिक्ट म्यार्क्स) आ अधिकोम्मी (टमरे रामाहान्य) नी गर (मामक रहेक)।। गणा नारे ट्यारक मिक ए क्यांमें मी व कार्यक्षा मिस् म म क्षिक का का मिन का का का अमारिषिको केत्र्या-क्रियुन्मक्षरं (मारावं त्म्वेट लभी अकृति पिक वस्तीलतेन ७ कास्तीए), त्याला जा-न्तर्क्तं निभी समार् (त्तामा के नाम निम न मन - अवस्त्र अग्र अग्र कट्व [वर्]) त्यर् नित्रमार्थक -मार् की कर (मात्रा मार् में व कर मी कार्य करका मार्गिक TINCT) " From (= 1 Ecos a) minister- 120-वर्षार (में सकताला द्वार या मार्टिक) लय र मंगा ह-(जार्थ कार करने)॥ 2811

ना कु दिसादक, में म न अमा । मूद्र न मंद्रास च बर प्रारम्भ मांच भार त हैं दम् के बारा करा मुद्द्रिक में में क क , का महिंद का करा । मात्राव्याक्त कार्यकार्थ - कत्यक्षि : ([पारा] विविधेत्रभूर थातुका राष्ट्र मानव) मानवि में रहत् क्राजित . अधीपा (मिरा ने पुरंदे हते समं के दिन का अध्याष्ट्राहकरने मान्यन) में राव: (क्षिकिक [एम]) व्यक्त (प्रमा) विकार विकासमा काम (निभेन वसर्क मर्थनान वस विवन कार्याय) नामा में वाम्य वस्तार (जीन करने कर्बांद्र टमने कामारम टडकें) गमार्ग (विश्वा , चर प्रतिवं मान्यता पात करवंगार)।। अदा नरे दिला का बिला धर्म क्रम कृति व किर्यान नामान्ती. अरिलामें अक , सेलक , चवर , मी बाबा के लव बंबर र क लाम्पर पर र के में - नम्स मार्थ कार्य द टर के नवर त्राचार इमका नर भरत रमार्क मार् Soini , energy, on the Real ! ला है: एक मर्गे वास्ता दिन का मर्गे हैं। (मारा के प्राप्त), एक मंग्रेस, निक व रामानंत द्रवस सर्व । हा स्व शर्मारह) यदिश्य हिं यर्गेवा (मया मार्यामस्य सन्वां राह्त रदंतक.) " नवादम्यां ने न्याह्म वं राष्ट्री हेत वं राष्ट्री हैत वं राष्ट्री हैं अभितामका (महामाक व कार्याक कां में। हु

रेयतिविक्रम सर्वेमर्रायात मराव रम्बंद व्येत्रित conce) and franchorand ([mxi] count. HEY'S REMAINITION A POLLOW & GAMER WES [326]) विटेयक प्रहर्वीर (मिथिय कलएरक जमकिन्ने कृष्टिनाम कर्न) कर्माने रेज्यम् (कर्ममाराम् रेज्यम-का विशे काल), इरवः (जीक्रक्षं) भा स्तीर व्यामा ्यो क्ला बनाम क्रम्प मित्र वामीन वित्य थ्रिये (योगक ड्रूस)॥ १ त। कर ट्याल की कृष्कन वारी उ इस्तान काराका विद्या. and tong, was game and end a dame. वेलारमण बन्तीकल बनानाय देशकर्यम्यक व्यक्तिकानित राज् कालिक " अम्बास कालका T ल्याडिश रमामार्थम् में ने जिस अमृतकारि: (भाराव कार्ड निम्मू र क्योन अरेवाहिक वित्र भूभ प्रमूल [पारा]) ने निया (रेन्सिय भागीतियं) भागा अभावित्यं देव (क्या (व् अप्ति अप्ति अप्त (पाटा वार) मुमानाक यानामा के के के क ह के विशान : ([न वर मांते] मान के नियमियानि कार क का अपने हक का विकासन कटवं) कामाद्वः (म्बर्डिक्वं [प्पर्]) दुष्याम् मना

बोनामेका (हेन्डाक नामिका) विवयाहि (विटम्बक्ता Source dig (265) 11 9 311 -14 carca gama sach aroun garringson. गामक दुर्ववर्तमक त्यान काम्रिस्तर्व वार्ट्डिक, न्द्र कार्य पार्रकां दुर अस्त्रस्था उट , दुर कार ा नदीरवं तथा हु। त्य दलात्मक् का इस्तेरामक - वक्ष हक्षित ज्ञान्यामक . यमान क्ष्या प्राचन वाम्यार्मम हक्ष्य हत्त्वा क्ष्या मान्यां ट्यायकत्त्रे लावस इत्त्रप्रमण्युक्तं हक्त्य ट्यायकर्मायक ज्या विवर् भारा]) अतुर्भम मसबं भू मात्रिवाब (काव-ट्रिकामार्थक्ष मार्थिक मार्थिक हे (कार्य में कार्य मूर्तर वण द्वान त्याडिण विकामिण त्याणमात्र त्यांडाला-भव्यान्य अवगविष्यं भीत्रेत्र) वादि [पायावं] सामिताम) लंकानुसा (अक्ट्रा) आडेव: (ध्रेमार्स) त्रिडिया (त्यादिला) मार्का (क्यादिला) व्याप्रादिसा ह (मास्याश्वां) मेरिट (मैक र्ड्मा) स्थान्यां कार्या (विकालाकाम निविद्य कर्क) मुहिबिए (म्विटिंग) विद्यास (भूयम्बाल हिचिछ उ हक्ष्यकाल निष्ठ) त्मात्राक्षं : (त्म्मिन्यक्षातं) त्व कर्मकत्मायक कुर

(Han whe cure sin sight ound a sin) प्तान्यान मार्गान मुद्याल वर्ष : ([मारा] प्रावरम्य आवत्रतेर से अ कार्रे क्यान्य व कार्यस्त्र) माने प्रात-तिहराम् जिसे देशे देश: (काकर्त) व अवस्था खेला र्या अस्ति [नवर्]) कल्ल्ल्य विसवा मृत्या ह (मन्द्रीयवं विश्ववंस्त अम्ब्रमामावा) भर्यक्रम (त्रप्रक प्याक) भर भाग (भावित कार्य) अमहार (१० (१०) दे से सानी (देसासेव हर्यावाह) जानामाद ([अर्ग] काडीबिश्रुक), मार्विभूता (म्रिविभूता), यम्रीने (धर्म) , मूल्याते (यून्ध) नक्ष्यम), म्राम्न अभिक्र भन १ कथ- अकां ब्रा (विवर] मार्य मका कर्म र प्यापाम. वालि भार्त्रक , भूके , धन ७ हकन वामिण वसनी पंचाव यकारं करंब " [मर्बंस मारा]) वाक्प्रमवसतर्मिय-वक्टन ह (जाक्नेन प्रान्तिक प्रपादकाल धूरीन धड) इत्दः (क्रिक्निक) कि (अर्थ) ध्याम (ध्यम्भम) भरा (कामान) क्राप (१६८३) अमर (भर्ममा) के केवार (अक्षानिं रहेक)।। २४ ->०>॥-न मिल जनमात्मात्म इम्मीयम्पर्म त्यायम व दावा-में अध्यक् अभ्यादिक , दुस्ता, जबर वारे स समाधान-संस् द्यापत कार्यमा प्यत्रीमय संस द्रमात्रानं

क्रवस्त्रम काम्यात्र भारत्र क्रियम वाम्यान । हिन्दिस क्षा का राम में भारत मारा मारा में महा सामा के च बर् दक्षितं, लक् मांचा टक्समित्य टम्मिन्यकी व enternation much sign esting sand allery sini coccasi, madia depicara भावक्ष आधारित आहेल में झालाहितं काराका मिरिय-व्यक का का विष् तियाप्ति मध्या कत्र श्रायक्त-मेल लंता मर्गिष्यं क्ष्यार्य दे एका व , लायका न कर हिंदूर ट्यार्क द्रम्यूमाल व काववर्गताय ्रहारवाडि थलक्षानं कार्यात दर्भव । आसी-अकर्ध- हृदंबर्य-विक्यम् कार्ययु - जीभू कार्टिता : (मात्रा माछ बढा बम्यामार्य मेर्ट माछ बढ़ म्हार्य प्रिमा विश्वरमं कामनारम् कामं क्षेत्रं त काश्य [जन्मारा] श्राट्स काम पूर्तक-अम्छ-पान्त त्याकी - वाक्षाडिम्बर्गः वदाक्ष वकाः (त्रिमित्र दिन्द्र भारतेन असु पूर्व बाक्षा-अमृत्य मानिष्वतीविष्यं द प्राचकाम् वक्षा) लियादं (अकिकां [प्य]) करामा : (कराम बार्च) विसमाहे (विस्मानकार त्याका वार्याक)।। 2021। अरे एमाटक क्रामावन उ जीकृषकरेगभन जमाना निर्देश. रियक (स्थम, रामका कार्या।

मा (८म) द्याः (मामं) मक्य-राम्पिः (म्हासंस सामंग्रह-हाना) विचार्योचण-विलाल-ग्रतः स्नांतर् (निकिय मंबर्गामप्तं दक्षा दिख्माम डाब्नुमप्ता) न्यात्रका. (विक कविया) भूमिमाछ (भूमिक कांबरकर) , म्यानिमा: के दिला त्यान मा स्था (क्षेत्रिक त्या स्थावा के दिया डेर्मात) श्रद्धा (श्राद्धां) सम्पूर्म स्वित्वारं (क्याल्ब में अव्यक्ष करक) है प्रारं प्रमान (क्ष्रिं गानं चड्र ट्याट्य नेवकुणरम्बं त्रप्तः व केवंत्रं चवर कार्यावं वैध्यः कार्वतादः)॥२००॥ क्रिक्टा उ राति व जाया का निर्दिण मूलक 'क्रान के वा की न नक् कमार्थन मुख्यम् सम हेन समन व्यापम हेनामं क्रिनवानं हेर्क्यम्यक क्रामिकानित्य दिव किर्दिक धानद्वान का जना

मा (एम) यभी (मभी मामतीक: (यमतीकारहर्व)
विश्वाको कात्राम (यम्मल मांचुन्न प्रमुग्नाहर्व)
विश्वाको कात्राम (यम्मल मांचुन्न प्रमुग्नाहर्व)
विश्वाको कात्राम (यम्भल मांचुन्न प्रमुग्नाहर्व)
विश्वाको कात्राम (यम्भल प्रमुग्नाहर्व)
विश्वाको (यम्भल प्रमुग्नाहरूव)

उरक्त्मितामाद्यकं , दुरक्तिका, लायक्षेत्र इंद्रेशह । नम् त्यात्व काक्क्य माक्षां प्रामक्ष्य लालका स्थादाव. (सेल्ह्रा) (ब्रव्येत्व । कुर्व (.ब्रिश्च कार्यकाद क्ष्री)॥>०८॥ (सेल्ह्रा) (ब्रव्येत्व । कुर्व (.ब्रिश्च कार्यकाह क्ष्री)॥>०८॥ (सेल्ह्रा) (ब्रव्येत्व (क्ष्यक सत्ये) (ब्रिशिक्षित प्रि

हिन्नी नाजा नक न कर मक न भड़ वार्ष्ट्र (भारान भार्यकर स्था व लासक्षान्त्रं विभागति वित्राम् के का क्षी ला ला मिल् (मारा के का क्षी के हात्सन गाने ला डाट्रेंट्र) ' । एडिका के हिन र (पाड़ेक हाल हा ने सारा हिन्दि बार्य गर्द) , ना का ब्रह्माय विभे - वक्षत-गाराम के (कार्य से विक्रिय श्रीतिय वस्ति स्था): मारा कल टालं गर्भका विक्टी काल्यी विषय-क्षिकं (माराति के के संबुद्धि में मं वित्रक (मारा-अन्ते त्वरह) व्हांबे कायर (चीक्रकं [कर्मक] न्तार (दलाक) अर्थ (कलता करते) 1120 व । कारत्य- भाल्यांच- धाकाश्यक ([नवर] त्रावावांव. हिड्याल श्वंदिन बक्ष तिवं स्तार कलार्वं मत्राल के के मंग्रिक विद्यामां वितक हिंद मारान भटका. (मा हा आय (हार) यांत्र हाय र (मार्का क्षेत्र] लमारेद्रमाक) श्रेटड (बल्या कार्ने)॥ २००॥

लयकी व ठड्डांटि। काम काम द्र टड्डेंस्टल विभक्त ठडकंत कार्याद्वे यात्रं कारात्रे प्रमुख्य क्रेस्ट क्रिक प्रकृति क यात्रं कारात्रे प्रमुख्य क्रेस्ट क्रिक प्रकृति क व्याद्वे कारात्रे क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक्ट व्याद्वे कारात्रे क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक्ट व्याद्वे कारात्रे क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक व्याद्वे कारात्रे क्रिक क्रिक

बन्नी-वन्न छत्र (अक्ष्म) अप्रकारमान विदेश (अन्न प्रमार हिल्ला के आने का त्या के का प्रमान के क्ष्म (प्रमान के आने मार्थ के आने का त्या के का प्रमान के क्ष्म (का प्रमान के आने मार्थ के अप्रमान के अप्रमान के किया (का प्रमान के आने मार्थ के अप्रमान के अप्रमान के किया (का प्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के किया (का प्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के किया (का प्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के किया (का प्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के किया (का प्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के किया (का अप्रमान के अप्रम के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रम के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रम के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्रमान के अप्र

क्ष्रक्रमी तमा द्वे (द्विसमा, क्षमक्षेत्र स्थिक, क्षमित्र चढं धाम क्षमा क्षमक्ष्रिक. चढं क्षमक्षमा व शासिव वासकी मुद्दिल में मक. चढं क्षमक्षमा व शासिव वासकी मुद्दिल में मक.

medina: ([mul] anémy a orina) " da-मन्द्रतिक्रिभेषः (भाराक क्रिमे काकि समब्दामारक हिंद्राकं करके) में में : में में कि कि के : लाह मा : सम्भा समाय: ([मार्य] में क्षा व्यक्ति व्यक्तिमं मात ७ वामकारम समात), कस्मिम्मामिकारवा -गम्माः (मात्रा सर्वे। मिल्य भ्रात्मार्वे भारमं भारम सालार्व) कामकिनामिछ म्हामब हाक (भाड: (जिंड) कप्टिल्बं ख्रामेल यापनंत धामतंत्रं यानं मार्थ का का का कार्य के में में है के निया -क्यवार्थक-कृषेत्वती-कृषापि-कात्रकृत-ककावित्यय-विशा: (मारा क बिलिन ममरम हैं का कियान कर्माद मूत्रे कारम जिमाम, कर की , अर्थ के है , मूरे त्यों अक्षि मामाना (ल बक्षाय ति वं वित्राम [वन् माया]) बाक्कानाः (स्वाक्षकं) अतंत्रम्बाकृष्टि (हिडकेल िक संदेश) कें कें निष्टित्य के आगं Curan वार) यः ट्यम्बर्धमवामः (मुक्टिकं त्रि (AMOIN) 7: (MING) BES (1803) 50-40 (12 ml 2 24 4) 11 204 - 20 p. 11 कार्या मार्ग न में कृत्य कार्य (कार्य कार्य) संग्रे में केर कामत्याम द्रमाय द्रावं वरमा द्रमानं कामारावं द्रम्मः हे कर्मा द्रवित्याम क्ष्मारावं महावर्ष्यस्य स्माराव्ये र्यम्पिक १९ सम्म, नार् हिस्से ९ १८ व्यक्तकार्याप्टर्स् म्टिक स्थान अम्बर्धः , दुक्तरम, किप्तक्षेत्रम् । हिलानंद्रमादम् केर्डरम्ब महिक द्रम्म आस्ति इप्रक्रिक (भावित्यक, नर्ड श्रमक ० व्यम्भारम्ब व्यमाद्रवे

यद् ध्यादक न्मुकेटकरे कल्बानु व कंकावश्यादक Bundang Jahanany (mand news. Artiza win Bioges & concret wind manch open. Bind extured out no Arting exame commune , again over an - Europe of extures, or as applicate animes. A society of as Agundares and a animes. ल्याव मार्न्यमका बहुमात बर्गाट्ट) नमतामंद्रवाहरं-हें समात (मारा विविध का दिवन्ममिटरंड देसन् रंग्रेडर [चवर मारा]) वर्गामेगाटमध्यमानु (भाषा निभिन्न टलाकन्प्रम् धनुष् अनम्) Confid: (The stain) or my und ([ent m.] or mined) मा अवाक : (भाषा भूगाव) म वर्गान (वर्गान EMM Zim) 11 200 11 न समार्थिक (कार्नाव मार्क) मर्गमक मक्कि (मद्ग्र के कर्ल) रेडि (न देक्स) अंबाधिया (वर्ष्य मेर्क) काल्य (क्रम्बर्क) विवंदि (तिवृड इत्रेटम) उपा (उरमात) मा मका (त्रे प्रका क्रिक्ट प्रकार्ड प्रकार) वर् मक् मूर्वाटक्राकि निम्म हिला (बाराय काक) का अ प्रका-यसेट्र प्रियमिष्ठ हर्मा) अ. ५ (अप्रमाय) शिविता लाभीत (श्रिकात मन् म कर्त्राह्य)।।>> (भारिक्ट्य) दग त्यं जार अदम न निमं मिन क्या न्या क्या निमं का (माम्मान् (मवावं म्ह्य क्ष्य म्ह्य) न म्हिनाम-पामक् िया दिए (अवसम्माउड की व स्मार

(अक्षेश्व कांत्रमाने ट्रम्म)।। २०।।
(श्वाट्म) म्यः (य्यः) मानेक क्यातः
(श्वाट्म) म्यः (य्यः) मानेक क्यातः
(श्वाट्म) म्यः (य्यः) मानेक क्यातः
(श्वाट्म) म्यः (य्वः) मानेक क्यातः
(श्वाट्म) क्यात्रम्य व्याप्तः व्याप्तः
व्याप्तः व्याप्तः (व्याप्तः व्याप्तः व्यापः व्यापः व्याप्तः व्यापः व्यापः व्याप्तः व्याप्तः व्यापः व्याप्तः व्यापः व्यापः व्यापः

लग (लप्रदे) मांजानुने (मांजानुने) (मार्थिकांग, (क्षिवमान) रेप्टने (र्मात्त्वां भाष्यकां)प्रमाहेक: यः क्षः (भाष्या व क्ष्य) सामग्रह द्रमामवः (सामग्राम करिंगा) के कता (चिक् किंस) अन्योग्रिश (अन्यश्व) ल्यादिन्तः १ (ल्यादिन् रम्या) प्रकार प्रमंत्र ल्यार (जा जा का जा के द जा पत्र मर भारत का जि का न स काक्रिय)।। उग लाउं (लाम) बडाय: लाम (लाहरीय दर्गात) प्रयाद्धः कावीष्डः (प्रताकाविग्रतिष्ठ) ध्रावभार्यः (अवसारतम् अतमाम्) ७० व्यक्त माहि । (क्या केटक के टमद क्षेत्र मामक दक) विकास (विका-बारा) त्यह ए (त्यक्त कार्या) भेरा (रेक्श कार्याह) रते लास (मादन) में बडें (में बडें) मार् मुनं रायर (मार्वक्त क्रम) अरडमा (अरडमा), उर्धार्थ (क्याम) ने हैं भी नं : (पे में कि नमी) है की. (१ के हाजा) सें द: (अववाव) वर क्षाव (वाक्र-MM 454)11211 चड्ड द्या एक जिक्र अ अपे व दे श्री की में में में मारे एक इंटिंग मार्थ वानंतिक स्थान् च वर प्रियातिका कार्य च्युकेक व न-

हार का अप्रदेश - चर्न में मेड्ड में विस-मिश्रिवति । सामारं के प्रत्यक्त - चर्न में मेड्ड में विस-मिश्रिवति ।

na: (crisa) musu: (12mm [mun]) sia: (अर्थक) छनात् विकामार्थ (छने या निव कर्तत कानित रेक्टा कानितिह , [अवनर]) करमं (इस-अया) कामचंद (र्माटा) देत्र (मुबाबटा) ल्यानिती था। (लातम्तवं रेक्ष कार्टाटि) मूर्प (यसक्षाता) मामक-अव्व (मामक्ष्मव्यक्ष) विटिरमात (तिर कार्यक देवरा कार्यकार) न (त्राक्षीर (कार्य कटांच मार्डाल)) सत्रापु वर (सरायमंट) ाठिश्याम (ठेडी ने इरेट्ड रेक्ट कार्नेटि)।। ७।। न्तर त्यारक इस्वांग मूर्य काक बर्दे न देव्हा , सिक्क मार्थ में तिसे दिल्ए ने मुख्य त में मिने मार्गार्ग स्ट्रमित्र के स्ट्रम् दे अवस्त्रा स्ट्रम धारमक डेक्साम यहर की कुर्क्त छने का जिन विश्व देव्यास्य नक्षि देवतारेत विश्व-अिविश्व का समर्थे देशामा-निवर्णमां गासक लाय है। वे त्यावयो । मा मा इमका (तारा इमना) हार्व वर्ग नव अमेर्न्य

स्था (न्युरेक्कं अपुराम्यं प्रमाण्यं मारम्यः आद्यका पाक कार्यंगिट्ट) मा मा (द्रम मक्ष्य ब्रम्म) मार् (क्सर्ड) के काम (स्मारम्यार) उपमार् प्राट्ट (न्युक्रमाद्राकाविक लग्न माद्र) प्रवं र में नाह (न क्यारवंद अप् क्रांत्रा) मा (ता) लाग-में क त्यात (काक्य बात) सकत्ती में अअसर्क था-मारे के हा (कार में इंडर में के य व्यास्त्र कर कंग मित्रियात कार्नाट्ड) आ. (अव् त्याष्ट्रयनात्र) कभर (क्सिक) त्महम्भर क्रोनर (मिधुमूक) वंत्र का कार्य हे ।। ह।। चर ट्यारक में कार गमक लय सेरं । दे अरमरं यक्षा हे न नारम् भक्त भराष्ट्र भाविष्ठ नार दर्राम दे के अमकाव इस । नम्दन - क्लाइन टिंग्स माम मूक्स वाकार कार्या निष्मंद्रात् लाम्यान करबंगा र टिम्स्य नीकृष्य के ने कित्र वं का विश्वा ७ जान कथाय की केन करवार - अरेक्ट्स हेल मार्यनं अक्ष र्स देश हे अरम न व स्टाह माहा का हि उठकां दुक. लाम रादि के अभाद गमामकात्त्र. मिक दर्भाट्या

मरम्त (मम्मेष)त्रमाह में : (ज्यमस्योधाने तिकत्रे) मर डकर (श्रीमाहित्य ८म), त्व (लाममनं) लागा। म्याः हि (चव् मेटावं) दिः दिः (लाभ्य- छप्रंग्रम् श्रें) इंद्र (च ब्याद्) मांबारंप्: (प्रकार्त्) मारा प्रति (द्विमं] समका पात करवंत), रेडि (अर्काल) एउत्र वह (ट्यूरे मर्भ-व्यारे) त्याक्ताविताः (त्याक्त वत्यन्) अनामः (छन्मभूरदे) आप्रदेश (अप्रदेश) , अवस्ति करा (darague da) 2580 (152) willywest लास १ (का चार मासीम च के वि का अधिक (कीर्वत करने गार्टर)।। ए।। नर त्यात्क जीकृत्कन अनेनानिन अन्य अश्रीक वर्तित्व दिया 'नव अकासवर्तित्व ्य हारवाहि , लमक्षेत्रं हावता। म्येशकार्त्यः (मिक्रिक्यं) अटि. (थिन दिनः विकट्न) बारमणी- सम्बन्धारिः (बारमणी उ क्षाड्यमत महाक.) 84वर्कः (२५ मंग्रुके) अन्तुवार (अन्तुवाबन्य :) प्रक्था न वव परिव (अप्या क्षित्रकार्य अस्वतं र मंत्रा)

मात्रायारं वडडार ([यदंसल] वर्गायक्यारम् म्यूष्टियकात) केट (अर्थ- कार्य मार्थ) इर लाम (नर् दक्ष्मान्य सद्गानकदिक काट्य) चिक्ता - व्यक्त (चक्त काह करम्बंद) देकरेटि: यमेरने (लापक तकावं के विव द्रमंदिक) मकार सम्पर (जिस्टि अत्में] मकार सम्मा) न दि हराड (अस्वलं इरेट लाखंगा)।। ७।। नर स्माल अप्रमंद्रकं अश्वर संस महेडि उ में हरवर्ष मार्टि रामाम्पा (दुरा 3, चर्त महत्रवाड़, ल्यक्रम अभे व रूप। राम् (म्परांव) संवार (संवा) हिं सप् - हिंकप् । (लयक्षान्त्रम्ट्रवंड लयक्षानं) न महक्रः (नवीन वन्त्र) ट्रम्मानंसक्रार्के ०६ (द्रम्माद्वं सक्राह्म्य. डे अमी छ), मीर् (मिस्य) कपुकिण डि ((त्यावर्त्त अव्यक्त अव्यक्त अव्यक्तार्थ) न्मिन (भाडार) करमार (मिर्म), मीना (भीमा) जगटमादिनी (मगटन टमार्कमनी), न्तात् (द्रमंद्रा) ममसक्साव्य ([द्रमाना लाकासमादार) मंग (मंग)काम्यसमाहका

(जिन्य प्राचन कार्नेनी [न्बर्])कीर्ड : (कीर्ड) विन्या हिला देशनी (विन्य भावती) कारे (ट्यर) रकः (व्यक्तिक) लिख, (चर् स्वाटिय) रूकर (क्सिक) स्पा: कस (स्थान क्याम डम्ट लार्बंग ;) 11 व 11 चड्-त्याद्य. चार्डिकं सल सर्वि अवमर्गिष्ट व महावस्त्राह् अर्थेय १६५७ न्यर अडम्बार लाय से उंद्र में रेड ولا رسامة (ومع رم اساء) ع: عروم: و (टअर्. छ प्काम.) " अर ह प्यामाम् थातः (त्यर्. (त्याका निवान), ar ((त्ये) त्यम नी: (त्यम-(माडा), म:ह महाबसा (अर मार्स्), भाष 440-4-4. (CNJ. #49-1871X) " XL (CNJ) क्ट ख्राम्भी. (भ्राम्स्स्) " भः १ माष्ट्रेम : (पर में अपंत केस चिष्ठी) भाष (CNS) शामणी: (श्रिक्ष्णरिकाता - मंत्रांबा) न्युण प्लार्का करियाः (न्धक्षक्ष) ताश्वानात (श्राकार्ट्टर) मक्स कथार (म्ब्रास्ट्रास्ट्र माल्म). लाड कार्यणार)।। ५।।

चार् त्यारक क्रियान मर्के क क्रिया कर्ने ट्रियं अहर (लामान , न म- न मात- क्रियं महिमाटड , स्नाम, चित्र महिक के अनुवर्ष कामार क्रियां -लेके वि सामा क ममेर ने अमार्य कर समारक (2 m) CALLEL, ON BLA EXINCE! चीर कमा (चीर्कं) व्यक्षमानाप (म्यानं दर्द) वृग्यम् व्रम्भेशन छ-नीत्मार्भमार् (क्षुवीव्र-निक मी (मार्थमंगानिन) , कश्र-का - (आर्थ-क्रमार्थ (क्रम, क्र प्रधाप व क्रम रद्दि) लखकंडमप्रत-लाविका रहार्भमानार (अष्टकं क्रामिक वाविकाव व हेर्वाश्वियं विभागा-गार्डम्बार् रकार कर-लद-मन्मार्ड (मामा, माड, मूभ, रस, लद उ त्य रवेट) के न्यामिष्ठा मुकामण् (कर्णमण लभ नानिन) प्रवरभेन छा मेरण मिं : (४७ म (भारतक्ष व कर्ष्यम्त्री) मार कामानाडी (यगर्द्य न्यानुक अर्थां) भमनार (हर्द्याद्य) 3 x 4 18 (18 2 2 ms sigle (18 2) 11 3 11 - व व - Caller वर्गत महायत् प्रटार , मक्रावाष्ट , ल्यक्षेत् काटक.।

स्तिमं कृष्टिंग्यम् अविद्यं काक्ष्य् । स्तिमं क्षित्राम् अविद्यं काक्ष्य् । क्षित्राम् क्षित्राम् काक्ष्यं काक्ष्यं काक्ष्यं क्षित्राम् कृष्टिंग्यं काक्ष्यं काक्ष्यं काक्ष्यं क्षित्रामं विद्यां काक्ष्यं काक्ष्यं काक्ष्यं क्षित्रामं विद्यां काक्ष्यं काक्ष्यं क्षितं क्ष्यं क्षित्रामं विद्यां काक्ष्यं काक्ष्यं क्षितं क्ष्यं क्षित्रामं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्षयं

भेजिंदः (वीकृत्यन) वर्जी करेतः (वर्जी कितिरद्रे) (मारवर्षमात्रकार्ड: ((margard angar दे) आस्त्रकः (पा स्थापनं कास्त्रम्) ग्रम्स्यामात्ते यव: (धामसदास प्राध्यव । मुक्त देंग) व बारमार मवार (बाम देवमवर्द्ध) कार्कि केंद्र : (वरीन वार्क्स अंवन् रेंग [चवर्]) विवर्षित: (वर्गम गर्की र्रंशक्ते) यमह (यमर) म्म्यर्क्टर (व्याप्त मृत्र्य)।। > 11 नारे त्यारक क्रिकार क्रिकार नामक क्रम बार्च। अरं अरं डिस् मंदं काह तमारत भी भी विवन (र्जू र्नेत्न दिक ध्रमका इमा नम्त म्लीकित त्याल वर्त् भाष्यं व्याच्चात्वं मार्थं त्याल वर्त् मार्थं लाकस्त का सीमान कार्ड नामनीमा मिक्कन नार्का. ने बंदम् के मा न बर क्यान शक्त ने कंप हम किं. में मर्बाद्य काल काल मान्यात निस्क रिलांग देस. ध्यक्षात्व स्वाड रहेता सँ कार्यः (क्षे क्षे) मा (ता [वर्]) राण्याम्य (बरम्यही नीयत्मादाव का: इत) नीत्मार्वनाती-द्रव-क्षात्रका विक तीरमार्श्वत-द्वानिव धानाव שות) שנפן (נחות בו מנץ מוצע) יפש פנין

(अद्र वर्षे साम्रे) मत्रमवरके १ (लाउद्याववं माम्र ०) ल्यम्य: (यम् अवं ल्यम्य) १० वम्: (लाउ वन्यम्) कार (किंगल) प्रदा ध्रमः (मर्थता मात्र कर्षणा-(FA) 112511 च द ट्या त्य का अदमंब का व का का व , का व क, अमकाव । जारून अमड्डिन कार्निक प्रधार्यन रिक् कीक्रक वन्त्रम आकरण्य व्याविक प्रिक्ष दरेला। रतः (चीकृष्णनं) छताः (प्रायमं) व्यष्ठः (कराद्व) माना (भाषा नीयानामा)। विवर् प्रभा खाताक (ब्रमाउत्र प्रथम्भक्त प्रमेत कर्वमहितत, [लाव न्त्रीकाककर]) करवं (उरसे) कार्ट: (maga-सिंव) कत्रमञ्जू काम (माम् मार्ग लाडा my ing) sa (mexi!) muse (cus, cues) न्त्री वार्ष कामार पुक्रमार्था : (न्यी वार्ष म्यक्रमन . म्मिन नामिड) हा : सूप : (टमरे इस्कार्म) न मम् : (भाग नार्ड अपर्य इरेममा)।। > ७॥ यर त्यारक व्याचित्व व्याधिक) सम् प्रार्थक क्षारं। कार्म विस्तु विस्त लाम्टरम विकारिक विकार के मा कार्य कार्य कर्यानिक म

authai smean u so mi authai augasta. · लाहक, लामका व महत्र के हें ग्रह । अर्था (अभावा) अभावादियः (अक्ट्रिक्)भावके वत्त्राप्रभावित (नावने नित्र क्रमानेश्रे)क्रि (काः क्रत) क्राविश्विष् (अविशिष्ठ) थावाम् विश् (निकामूर्वि) मुद्रेर (मर्भन शहेंगा) मर काट्रमेस्या र (प्रत्यं करें वंत्र कार्याहरी.) ल मार् थानं मार् (धाम काम मम्मी) मिलिया (मात कामेंगा) (वाद्याप (वाद्यवणव:)विम्भी (विम्भी हरेगा) त्वाट भ (कामा र रम्माहरात्र)।। > 811 नारे ट्याटक दााहिकार, मामक लमकांस । मार्नामना चक्र कि का अब बस बार्ग मित रम्ला हेड लायकां वर्गा चर्राय त्रिक्रिक लाभ बंश्या बाल्या. त्य देश मार् कुक लामका में महिन के हमें गरि लिया सामा (लम दिन मान्या) मी का क्रां (क्री बादा عرف ما اللاء ف (الملاح عامنا) علاء: (المالا معم) वयः (हिड) धमनान्त्रेन (धमा ममरीय माड) म मानह (कारिक रम्या), महा (मर्या) भर्षाक्रियी-मस्त्रितकारे: (भागितीव देवस मर्गात (मादाव्यं) धर्म प्रवः(मम्) लकार्यमीर (लामन कार मनाक) देवरान । कर् (2021 ACA (A) 11 > Q11

भड़े क्ष्मारक, काश्व में तका, पासक लयहें ते हें गंदर , द्यापत व कुमारमंत तर कृत्रांत्व मात्राः त्यत्ता व्यक्ष्यण इंग क्यान द्रत्यंत्र तक स्न्यांत्र । हिंद नद्रांत्र. निर्दाल कर्षिल देक लामनां रंग । चर्षा स्टारंब आहितीय काछ निका नवर स्मिक हिटक स्थानाय मां विकार - पकत्र कर्त अवंत देश राकामानं ित्र छित्र मक दावा के निर्दिष दरेशादा। भडावण: (वडावण्डे) हावि: (मूर्प) डेक: (ठेक), हा: (हा) भीडत: यह (भूभीडत), डू: (भाभनी) प्रविष्या (प्रविष्या), मधानः (वाम्) हलतः (हकत), आर्य: (आर्य गिक) भूकी मः (कार्यमेन), क्यू निर्दे : (अलड) महीव: (महीव [नर]) रक: (महक) ट्यायम: वि (ट्यायम् व मार्ड)।। १७।। नर त्याक 'प्राता- माडिबसुमा' अन्दान । नर्दि इविश्रकृति व्यास देलपात अवर् और्क्स अवर दिसत्तितं अप्रमेश्यं मानावकते से स न कर रिर्म । उत्र । उत्र माल निरिये वरेगार लांड (वर्) चारक: (चारक) महीवं: (अ महीवं) 1 of a 2 to : (1 & 4 d 12) " mug d 2: (m m n a.)"

चांद्रिट्ट्य)॥ २१॥ वर्ष्यात्र (हरूप व काम्यक्ष्य प्रमें) मलेमार प्रमानिक्षय प्रमें।) व्यामानिक्षय प्रमें।) स्प्यः प्रमानिक्षय प्रमें।) व्यामानिक्षय प्रमें।) स्प्यः प्रमानिक्षय प्रमें।) व्यामानिक्षय प्रमें।) स्प्यः प्रमानिक्षय (हरूप व काम्यक्षय प्रमें।) स्प्यः प्रमानिक्षयः (हरूप व काम्यक्षयः प्रमें।) स्प्यः प्रमानिक्षयः (हरूप व काम्यक्षयः प्रमें।) स्प्यः प्रमानिक्षयः (क्ष्यः व काम्यक्षयः (विद्यान्यः) प्रमानिक्षयः (क्ष्यः व काम्यक्षयः (विद्यान्यः) प्रमानिक्षयः (क्ष्यः) । व व व व काम्यक्षयः (विद्यान्यः)

कि रेड गाइ। क्षि क्षित स्मि क्षिक्टिर प्रमुख्य का क्षिमंत्र, रेड गेटि कि क्षित का क्षित का मुख्य प्रमुंत क रेड गेटि कि कार्य का क्षित का मुख्य प्रमुंत का क्षित में के क्षिय का मुख्य प्रमुंत का क्षित का मुख्य प्रमुंत का क्षित का मुख्य प्रमुंत का क्षित का मुख्य के कि कि मुख्य के कि कि मुख्य के कि कि मुख्य के कि कि मुख्य के मुख्य के कि मुख

कृष्णिते: (अकृष्णव छतेनानि) भूम्याए (कार्ड मून इरेल) वधा पिकामए (मक्षी अकृषियं) कृष्टिकेषकर् (रिक्षेष्ठतेनयक्ष) प्रतः (विद्याप्त) क्रिल् (इन्ते त्यक्र क्ष्याक , क्रम्माड , क्ष्यक्रीं । क्षित्र क्ष्य बस् (द्रम्मात्म) कार्य क्ष्यं) ।। २ म ।।

(द्रम्मात्म (क्ष्यात्म (क्ष्या) च्या : (चर्र) क्रम्माः मा : मा :

(व्या : (क्ष्मात्म (क्ष्या)) व्या (व्या व्यव्या) क्ष्मां : मा :

क्षित्र क्ष्यात्म (क्ष्या) व्या (क्ष्या व्यव्या) क्ष्मां क्ष्याः ।

क्ष्यें मार्टि) ' क्षाभाई क्ष्मां (क्ष्याव्यें व क्ष्मां व क्ष्यां ।

एक कर्न क्रिक्त में क्रिक्त कर्म विकार कर । विकार क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्रिक क्रिक

प्रमार्थे कर है (क्ष्रप्रस् मार् भामित कर) द्राद्र के विषय (क्ष्रकार) क्ष्रास् के क्ष्रिय (क्ष्रकार) क्ष्रास् के क्ष्रिय (क्ष्रकार क्ष्रिय क्ष्रिय

यह मार्टि। जम् मार्टिकाक कार्यात कार्यात के का कार्यक लग्ने प्रस्थात कार्यात हम् कार्यात हम । जम् एमार्ट्स , नार्याम, लम्ब्राम । स्माय प्रस् हम् हम् (हार्यात) कर्टि (हम्माह्य)॥ २५॥ (हम्द्रियात (चर्टी) में मार्च्यंत्र : (में मार्ग्स कर्वंत्रमम्)

अटमें कुक: (मरे क्रीकृष) वृक्षा निहंग हिव हिते:
(वृक्षा वि नि ने नि ने नि के क्रिके) कर्म ने मारे (अवम्प नि क्रिके) मुक्त ने मारे क्रा के क्रिके) मुक्त ने मारे (अवम्प नि क्रिके) मुक्त ने मारे क्रा के क्रिके) मुक्त ने मारे क्रा के क्रिके । अवि क्रिके मारे क्रिके । अवि क्रा क्रिके मारे क्रिके । अवि क्रा क्रिके मारे क्रिके । अवि क्रा क्रिके मारे क्रिके । वि क्रिके क्रिके मारे क्रिके । वि क्रिके क्रिके मारे क्रिके । वि क्रिके क्रिके । वि क्रिके क्रिके । वि क्रिके क्रिके । वि क्रिके क्रिके क्रिके वि क्रिके क्रिके वि क्रिके क्रिके वि क्रिके व

देश. लामस्य इसं । चक्राय चक्ष्रं मार्डक विवाद मर्दे दि याता यात्रकर्ण भागां सरल. भूत्रीय देशे भारहत । गम्म (माम्) मार्मकार (मार्मकारक) न्यम : (हताय ३) हिंग: लाक्ष (हिंभ रतं) विषेत्र: एवर (लाज विषेत्र इरेटन) विश्व: (बाक्रनेड) धारुषः (हजान १'न) रहत्यमा (प्रामं त्यमत) हीकामकृतेम वाल (मळा-८२० कातक एवं नाम जार वर्ष में में के कार्र मिना है (Thy my a yell) on haire (on hice win लाइने करने) के खि: ([ग्राम] की खि) करानवार बनान् (अक्न ट्राटक्स्) विश्वपीक् रेजी (निर्मन्ता द्वारत कार्नात) के कंक्ष्य (के कं कि के किकसादिरंक. 'सहत कार्य- केंक कृष्टिरंक]) कांसादि (करनं [नवर]) मरं विकार (मात्रानं विवार) इन्दें लागे : लागे : लागे दर रिस लागे दर न न only orde sin) as m (CN) & min (The men) Au: (stru ara) 112 > 11 नर त्यारक काछि, छने , किया उ प्रत्य निक विक विद्यान ति विर्याद , प्रामक नाम हो के दे कार । THE OUT FOLK BLUNGEN O BLUNG EASTER'S

चार्य द्वामात् व क्यायनं साहमक विकास । हिंदीनं लादा कर्तावर साप्र के दिन यान कार ने प्रतिक भागक विलाक । क्लीम नार्द की विस् विस्त्र वामक्तादन उ भित्र का क्षा के ना के हिंद आहे हमें का से का स ड्म- नम्दान १ म व कार्य नकर कार्य व कर्मक क्म कड़ स्का अरिंस किटबास ड्रांगर्टा करीट्यः (ट्यकेकिया) अप्र अमि (मामाविक) लाम्मर (अक्षा) अम्म (क्षिक्ककर् विका) वकी-में भागार (जेक्या कार्राष्ठ) डं (बं : लंबी मार् (मी कें किं के कत्म परम्) त्म्र्यक मान (त्म्बेरा अभि) अस्तर erapusa: (erapason) and (asterna) a करमुद्रमः अर (वन्यान्यं अर्द्र) भीने द्रात । इ (भाम करन्त्र) ॥ २२॥ त्व द्र त्यारक , बिर्मिक, पात्रक लाय क्षीयं। लाक्षात्रक, लामार्वं लालात्व बार्व्य वस्त्र वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य हक लयक्षेत्र हम । नक्ष्य भवताह लामार्वन कार्यक कार्यके कार्याहरूक वात्रार्थं त्यां केवण -

मेल्याम करल दुन क्षत्रकाव इन्सट्ट

المستعدد عليه عليه عليه على عملة جدي] याण (ट्रमक् :) द्रमर (द्रमा) लामादं : (च्यक्टकं) रण्: र (रमर नरर), नव: (देश) कृष्टा श्रवात: (प्रधूतान ल्यार) व रेमर (वेत्रा) कमन्त्र (म्यमात्र) व प्रकृत् (अभ) व (हरा)कामनी म (ममम्मम मार)। द्रिमाट्स (द्रिवस्थां) भार्ति (द्रिस) त्राचामार विकार्धः म (त्यमकानि मर्दे), नमा (नेत्रा) क्रिकेमका लामुलाया (त्रतंत्रहाक) ' (व (वामानं) गंपर्गेत (मग्रम्यन) किए (किएए) अनु एक (अनु इरेश) शायकः (शायक इते ति (१) ॥ २०॥ यहे ट्यास निक्षां अस्त्र मिन्हमें अस्त्रान । नी मानाब आमाना माला महत्व मनी वाटको काराब निकार हम्साइ। प्रवा : (कल्ल) खन्न्र्यण (खन्न्र्रम्मीनार्यम्) प्रव : व्याच्य : (१९८० स्टबम कर्म मा) लात्म (मगरव:) गामाविकायाम (माम्स व विकाद) उठाम (विश्वार काबंग्यह्य) ममहाद (लय देव) स्त्री से बेश का र्या : (न्ध्राम्यम्पत्रक्) क्रमाम् : क्रिक्क (अम्रक अ भावमुछ) बूब मी निताद: (भूब मी खिनी) वित्वमा (तमानं त्रायम करवे म)॥ र छ।।

73 Calles, donathe one diene, and die ्र्रेश्याः। अभूतः वसुषः कललिकान्त्रस्य पूर्वती-क्षान कारणानाम् वर्षणा हेशाय मार्था हेर् हिंग-दित , अक्र क्रथां , काश्रम द्वार , अमं क रहे पा मा (मारा हेर्ड) केवयमेरे आर्ड (आलमेर पारमाप्त) कारमारे अान्त : (कामकारवनं दुरंशात) रेश्वियमातः (दित्रकारतं कामडंबन) " (पाककादि: प्रक्राष्ट: ((पाक-(१वं हिराम-) रिल्मिटिड: (अठीव रिल्मे देन्स्के लामा म्य करम्ब देखार), मठा: वाद्वार (वाहन क्याद रहेट्ट) लाउपह: (लाकक्ष्र) " । हैं वर लारे (भायव भनार्भ) कटम्लादकृष्टि: (कम्लार्मार्भाव कृत्व (धम्मर्थ) लाम (नवर) लाममामार् (मनुमम्दर्द) Rig : (BB. Q. [HIMY IN]) " CUID SUCK! : (का किक्ष का का मर्वसे में का का मा (में मर्वे क. तेंच्याचं टमर चाक्या) खारंगेंं (थरंगेंक. इक्क) ॥ र ४॥ लड़ त्यात. मेंबच्यं काकण्य कात्मारमाशुत्र के दिन. उठ्याल मुकु देव मार (उट , मान लाम में ब 京されてと「 [wan: (a dany;) \$ 2 240)16 (7240)

० प्रमान वंत्र मार्थ दिन कर्षेत्र : प्रमे : (० प्रमित 'क्र ' भीया व मृन्यम्बं वे हांबा क लायके व) बरव : हुमा : (धारम देश बाकिये) मार्ड (बिनाक करपन) गरी (यह) रेयर (यक्ष) माठ (वार्याय हाड) वम्य (यत), किंड (किंड) की सूत्रीटिंड: (यूत्रवयमार) पकः (नक्षात) उम्माडिमें : (म्यामार उर्धे न-यलम् के प्रे क्षित् (न) प्रक्रम ने रिवे के) कार्य है : (क्षाक् बानिया) निम्हत: (निर्म कर्बकारहर)॥ २०॥ " उं ट्रिया (क. तिक्या ता स्तु ना सक वा मक्षेत्र इंड मेरह। र्भिट्ट वस्त : विदि नत्त अवत विदिव्याकाममान अस्ति- इंग क्रमत्त्र चड् लमकां इंग । नर्दा च्छाम्यम्यक दम टार्रे म चेत्रर्भेटरं नाक्षंत्र, वता दरेत हेशा शिक नत्र वर्षा अंतर माराम प्रभाव बलाक निर्व विकास इस मारे। कार्य - व्याप्तक वस्त्रम्यरे विविधाना प्रिक्ष रम् भन्त अल्ड अल्ड-नल्याय छापूम वच्चाकष्ष निष्ठाभिक्न । भूजबर् व्यक्त विश्वित व्याज्यम्भवने काठका ।

(a+8) = a + 2ab + b

ROUTINE

	Days	1st. Hour	3nd. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
	Monday							
	Tuesday							
9ier	Wednesday			-				
	Thursday	1)
	Friday							
	Saturday							1

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প**ড়ে** "

—ববীন্দ্ৰনাপ

中华田山中田

THIS STUBIN Cekha 22 mm 3003/ noof 9 Khatano Khatano mes wito ~ ~ 6 न्त्रीत्याहरू नीयमृत्य अनुभ अ मभा म्याद E more-23.24 sul Contol) कार करेंगा (क मार्ग करात कार्य करात मार्ग करात. (४ क्लाइमलात मास् बढाम ! [वाम]) गामकाबार (क्यायुरं हर्य) मानेश्वर कार्येक्ष दं दा (भनंद्य के वा कर्तिक) मान्र (माना)।किमान (विद्यान कानिएड), नः ([ब्राम] लाभारम) श्रीयम् भ भृष्टि भ (सीयम म भृष्ट्र म) स्में (श्वमी क्षे) रा (रामं) वाकार मार्थ (यरे की बन सम्में कालीड का अन् कार) अछा सरार (कार् क्षत्रभार) विकार देनाई (विका देना) र विजय (विजयन कार्येशम), कृष्ण्यने पाविकमा : (अक्क (अटम विस्ता) (ताकी । (ताकी मर्त) कर्मकार (कर्मीक) ने यर (मने साम) आह: (वार्याश्वाहत्मम) ॥ 29 ॥ अर्थारक (विक्रमें गामक लममें कादका । वर्षन बी बन आकित किशा मुक्र रहेत्व , अहे झाम विकत्स-A RIANIN GO. MMBIS NO EXXICE क्व (त्राद्या) (त्याराज्य : (त्याणा क्या) वर्षः न्द्रा: (धर्यानि), द्रमण्यः (प्रमकाधी [वर]) (याकारि अवद्रमायवा: (त्याकारिअवद्रमार्थ)) वतः (चर्) केंकिंगः (केंब्राष्ट्र) मंद्रकाः (दिन्छामन)

बकतकात्रपर् (अकर ट्यालम् पाषा), प्रकार्यपर् (अकत लिश्व एका) यममान्त्र (म्मानक्ष) वपत्तक्ष् (यसमुम्मव,) २० के के क ((प्यं, चा के कि के स्थि) हिराष्ट्र (हिट्यत त्रमान कार्यट्टट्ट) ॥ र म। चर् त्याल त्विष्य यासक लयक्षेत्रं त्यावन । एक अरम्ब त्यामार विवत्य कार्य मति त्याम्बं राजा मीकृष्कवं काल विदित्त विदित्त कार्य गर्द. लमकारवंत भवात रहे व्हर । जिल्लीमध्वम्यकरेषः (वीकृष्णनं विजित्न तीमा सम्भणातः) Guana (कार्याहिका) काहित (कार नक) मंगाकी (भूताहमा) बाला (वर्ष्ट्) अमदम्भाजा वामि (। निम र्रेट्ड माश्यात) क लायव: (मार्मारम) बेस्मार व्यक्त). (रिक्ष भेडक्क्सरक लासमा) खेला (स्वा रह्मा) मार्ल (120 मार्जराय) अवैधामहास (अर्ज म्या-(तत्म) गक्रक्ट (इस्राक्ष्यां के का) के बंदे o

र्वास्त्र) लामवा (दुलामीय ड्रांग्राह्य)॥ रग्ना लाम्यक्त (एस) ' लाम (ममाप्त) र्रांट (चद्र याहेय (ट्राञ्चां) लामभं (धाणुंग्रामात्र) ' केक्द (क्रीक्सास मार्डकार) मार् नद्रात त्याक , जनसाव । लग्न श हाइस् उस मामार हेरकुव प्राणं निकृत इस्टि न इ मामक्षेत्र उत्। नर्दा ता मुर्के क विंद् अवातात्व इस कार्या गरियार अकार रिया है कार देवा में विति द्रायार मामार के बन इवलां दुक वायदी से मार्ट रहुय। विभिन्न छने अ डीएम ([धिरि] विभिन्न छने मानिय सत्यमार्डि पड्डं) अध्यक्ति मा विश्वति (अर्ड मान्ति वित्र) मक्त-प्रकारमीति (अकानव म्यामक माधाय), भगमिला लाखकी एड (त्रर्वाडातामक) न्त्र्रमात्रिणाएए (मूल्य न की न कि ला व [चवर्]) विश्वाहिता के टिलेट व (अक्र त्यादक हिंद उत्तेत वाक्र करवंत (करें]) में वेष्य (चार्किं क्ष्यं मध्या) सवीमार (मणी) मुक्कीतर (पूर्वीनतंत्र) के १ (१६७) विभाव (सिमाय हर्नगढि) 110011 यह त्याल वाकामा काका संभे अम्डाव कावता । नार्काक यहा मैनद्याप्तं स्टरंतस्थितं काछ (विश्वित छन्मडीरव 'रेक्सि वाकामीन ररक (अर्थाप (परवर्ष किरी निमित्र छन मडी व अकृष्टिकाल

कामका विकास का प्राया प्रकी मूनवी मार्न कर म प्रिमें र्यु गार्ट - न मुसंस.) शिर्म देस लामकार्यं maily sail इति: (जीक्क) भव (८४) वताव (वत्रमुक्क) दिक्ष (अय-परितं) क्षाप्रामराइड (सम्प्रत्य) " महागढ़: (द्रायं) मभास्त्रावर (अक्टर्यन चिवर्]) आनेतः (कार्यम-मारमन) मात्राभक्षां ए ह (भ्रात क्षेत्र कि विग)प्रिक्र हराव (आक्रिकार्य कविमाहित्यत), उत्र वर (उद्याचारे) त्यार् (वादापन) मूममंतर् (अपम यक्त) विष्टिष् (धन्निक दर्यार्ट)॥७३॥ तर् त्यात्व , लर्ज्य, यामक लयहां व इंगार्ट। व्यक्तिम् मार्थाई का अस्ति व्यक्तिस्पर्दे म्यम्ति व व्यक्त दे व गरं दे के वाम दूरन मने दे रे । जलादि (जलावकाट्य) मेश्रमकार (क्यांश्वर में इम्दे) 3- MURAL (MURA) SIA: (THE CAR) गिरिकार्काट्राष्ट्र (पाड़क कार्केट) लाभुक (नपाए) नामाक्ष्मान: (क्रियम्नोनाकमाहर [वर्]) अस्मार (एममाना) वक्षाचि (वक्ष: म्हल [म्राम्य]) डेर्लाक्यन-पण्ये (क्रिय (विश्वासव] स्टियं कर्त्रे वा १ हर) द्यान्तर

(कार) मीडिमिस्टें : काल (मीडिक मार्क बन्दे) न करेगारे (यक्ष करियाता)। 10211 सारायुक्त का केल्या त्यात हिस्सांग कानं क्या हिस्सं Cular Exer of orthis Evilor Cular-हिर्माण नामाहिर नवर दकः मृत्य व वाकाविक रीत-चाडिहां करें ने हिट्ट लामर इंद्रेंगरह। धारास्त्र दंग छ अल्लास सर (स्था स्था दे कि स्रोत. AMELY & MED) ERM (TECON) ONE JAME (व्यक्षेत्रकार) कार्यक (प्रकृत) वर्षत्व (हार्ष्ट्रमाव क्षिटि [नवरं]) सम्भाग (समीमार्यकं) सँभा मध्यपानिक है: भार्वर (भूभमध्यकिमा एक भार्व) acin: (QISICHA GELHA) & (& & MA) विनाभ-भडाउ: ह (विनाभनानि ७ भिर्द्य गृहिनाड बाब्टिट)।। ७७१। नाई त्यादन व्याद्वाक नामक नामका यज्ञात्क अल्यां लिएडिंड चक्रांच्यं मन्त्री दिव 92. लखडीरंब इंग । च स्थि , सर, आद शिवं सम्मासर त सार्व्यमलाएं नवंद मर्यायः , अत् अस्तावा.

रॅमममाद्रकारि व द्वारममाद्रेव (वर्षा पड़ TE IZNAME MAN SINCE 1 outer sénica: (orsa i supérseà) outeris: (our dusque) communa (comment) scales so (ourse win) 3 यंभर (संभात्य) दुर्थ : त्या (श्रास्त गातं) शाह . (क्यरीमं), कः (क्रवण) द्रधवादती रेच वंगा (त्याव का प्रवंश) व लक्ष : (लक्ष) युर्ग त -ल्याः (अमृत्या) अर्थनः (अर्थ) म्मार्म (म्लाटम ह wanted you (the danted (हक्षा अमामर्ग) । क्षा नितः (देवनानि) द्रन्दर २४1: (र्डेस वें इक्षतं प्रातं नितः) " में प्राध्यकं (में संब बाका,) लर्मेख्ट गमा (लर्मिक्ट्र) [नवरं]) क्रम रामकेल: (रामकरी) त्यारमा देव (कारमाठ्य) जी भारी (कव्यूलाय) नवभन्नत्वत (नवभन्नत्वव) भन्ता (मर्म) भागाः (मम्बास्) अर्मले विभाः (अप्रक्षे विभाः) पर्व्य (प्रकृत) स्वत्यम् (स्वर्ग्यमा (स्वर्ग्यमा । no ([ogin] arsis) tolyad (eafyad), में हि: (युन्हि) प्रकारन्यामा १ (प्रमुप्र क्रित्वं यां न्यास) ' लाज्यः (कात्रुयत्) मण (म्याव)

oussitzenje (acha mi empji) oussé (anneza) 2 of 1. (conta select) 3 dis 6 (overin & mis susa) organis targ (Endusquani Eng stas) " मः (तित्र) आद्या (आई कार्ष्य प्रकार) हळाड (PITTE WIN OND AY DEAY) YOUN HOUND (अप्रथम् वे जिन कार्य करत्य) में क्रिक (क्रे. अवंदर) त्मक्रानित (अस्मार्य क्षानं विष्णत करतेत) म: (1213) एक के (एक मार्च का ह) का मर्गाह (क्कार्य कारतम् करवंत्र) में द्र (नव के साबद्र) वंत्रपुर्वित्य (वंत्रपुर्मान्यं महाका) सामागात (कल टिश्व का हवने क टबंग) " है।हर (ट्याम ३) टपन भयः (यादाच अस्तर) दाका न (दाका न[किशा]) कृ हि ((क्लाक्स ७) भन्ना: (पादाव क्रा) मूब: म दि लाह (युन मार्) मधीयांग्येन्य (म्प्रांच शुमान अपूज्य लीका) क्वाहित हि (धान त्याचा नारे), ट्या स्थात: अर्थ म (यारा न मधात 3) र वाटक (िकाल क्या गार्) मार निष्यंताः (श्रिक्रियंता [waderyyy]) now (Risia) muranti (म्ययम) हसाद (हस्त करवत्र), नवः (वर्)

चार् क्षायमारं क्षायाहर्मा विकास द्वासम् । स्थायक भक्ष रेक: (मुर्केक [व्यस्प्रमुभऽक]) वासके (उभ्य कक्षेत्र)। व8-वव।। लायका कार्या कर इंद्राह्य। व्यक्तमान त्ममन अरवाद्यवं पारं , यवाह क्रिक्षाह में एक तथारत अस कि विद्वात के कार्य देशका काकक दिराहर के पान मकरम भी में हरेता। (१) (स्मेर्ज भूम। (१) मानामण Cay of Lat. 1 (0) was now cay of Lat 1 (8) must dat 1 (६) बाकामा व्यक्त वर्षन (क) अमामका व्यक्त वर्षन। (4) अन्यमाका ट्या वर्ष में अर्थ । (4) अर्था भवा त्या वर्ष में न्या। (३) व्याभी मुख्य ।(३०) मकालावाभी मुख्य ।(३)) जाईक. भवा लाभी में द्वा। (>१) भवाममानः वामी में हर। (20) out 2 de 1 (28) out 2 de 1 (26) , \$ 4, 200 is. Course of 221 (20) 134, Course of 21 (20) 134, Course Lan (20) 15/2, Course Lan (20) 15/2, [WISH Tal 1 (50) sus) west if Bd. 1 (50) mixual gamater 1 (55) AMAMOLYTE 1 (50) DIAMOLYTEL 1 (58) 4 544/2 (41/04 4 31-1 (50) xenxuar 431 दुसमा । विभिन्नविधि लयक्षेत्र स्पेश्विट मक्का, 1

नववत्रः (नवीत लक्ष्णाने) स्टिः हेच अतिः (स्त्रभद्रम माय) । अदिव: यव मेंद्रका: (द्राममर्ग मंद्र [१६६]) अर्थ हेन मूलन्तिः (अर्थन्त्रभूम मूम्मा अन्नम्तिकाना) रक्षित (म्ये किं) मैं ति लात्ये (क्या दुर्जात्य कान्याहित)॥ ७१॥ ना के त्यारक नक दलका हिमा दिना का प्रमान का कर। CARCE BOME @ GALMING TENSOM BARN EN'S ख्यातं चर् लाय हा इं अव् दर्भ । चर्षि स्था अप्रदे मिर् व विकास करिया दिएक मार्ड वेदिक के करें कर्टाल ने वर्ट वर्ड के अर्ड अर्ड अर्ड के बार्ड मार्ट कर दिवाम हरे पार्ट। CALCUMATINA (CALCUMATING &) CALANTELES: इव (टमामाम् वं गान), द्वावकामार (दुमायक-अरम्बं) युके छाष्ट्र: द्रव (विके हा क्रवं गानं [वर्ड]) पाकासपुर्य (पाकास्तुक) हिरास्त्राका छ : दुक (180) कुन गाम) के का रा (गार डिकं) प्रेम्प (प्रमी) के अने अविविधिति । अपूर् (रेके । प्रीकिष्टि अधर्था वर्षाति)।। ७०।। न द त्यादक माइएरे. यात्मा अमा अमरी व सावका।

कुलारानं मान् अम्मिक्रमंग्रे में ल मामा हम् विमाला अम्मा देश लयद्वी व उप्रमाहरू। त्त्री के के ह ना भी की है। (नी के के हिन के भी है) मेहा-खाना इन (अंक्राक्रकान कार्न) सहैं ने (सहैं ने) 'स्प्रेसी इब (शक्तबंगार) प्रमुख्या (प्रमुख्य [नर]) भन्न रेव (भन्नाव गाम) व्यवस्वती (ट्याकवान्त्रिका-कार्न)॥ क भ ॥ चत्र त्यात्व देवहत्त्री सार्यालक त्यक्षावं त्याद्ये। कारं न - नर्या से सम्माना क त्या मेरी न कर अम्र - नई डेल आत्र नर्पं कर्या अवस्था विस्थित आईर्प, क्ली उन छ। नवर् भावत छ। स्व म र्स मर्थात । त्या (वर्ष) के करा (चार्डिक के) लख्या: (ला अंडिमासा) लाउँ समा (लिड्यपुरंग) काम्ना: इस (लाम्म स्मिन्न) (कार्ज्य लिक्ष्यपुरंग) सम्बेद्य द्रव (कार्ज्यो ने पारं) क्ष्रायी. (वम्बार्ड किव्ययाना नेबर्) अम्प्री देव (३ म्याव वं प्यतं) त्रै म्यास्त्रका. (त्रे म्य त्रका किर्डे वज्या क् 5 m] # [[[[]]]] | 8011 नर्राक भारत्येः वयत्मालका जमकानं काटना।

र्क वर् द्वारमण यस गार असं असं स्था द्वाराम इतं बारा रेप्रेटम चर् लामका न रंग । चर्टा के लामुना ला का व्यवक्षा मिल द्र का कार्य व व व व द्र द्र का का कार्य हु। त्रवायात्र में एत द्वाराप्त 'वर्मिय द्वारा त व नंगात-भवं वहीं मृत्य हे अधात इतेपार्ड वहरू भर्वत धात्भवन । क्रम भार्वर्षेत्र विश्व क्राय क्राय मार्ट गार्ट । इर्दः (क्रार्डिकं) बादीवत्री (क्रांभी मप्) (क्रमलांवे-में ता (क्षितंत्र मक्त काल काल कार्य मार्ट कार्य) न विरक्षका (राष्ट्रका) मामान्य देव (कांत्र) मार्पनं यान) केहं का (काहत पात कार्काट) र क्रिक्स र्म (हिंद्रका वा वं कार्य) कार्य (इन्हां) देशक वा (इमरेन प्रेम) देखमा (देखमा चिन्द्र) व्यक्ता रेव (व्यक्तान मायं) विज्ञाभिका (विज्ञामिका) ध्रत्र व्याप्ति वृत्तरीय)॥४>॥ नरे त्यात्क त्वर्वराधे इयरमान्या व्यमक्षार काडका भीत् मान्त्रिः वंत्राममानं त्रमंत्रमम्भू बणा इरेग्राह, जमार्का यह अवन हेन मान उ हेनापरम्ब अस्तर क्रिय कर कर वाडा इंड त्य पड़ का प्रदेश हते। चर्राय सम्रेट: का दिनमप्त (सरामा दे से का काण्मारिय) हिन अन्मर काहाअने बाहरे किए विएक न प के अभन

हर्गारहत । लाबावं विरायश रम ममर्त वमक्रां द्रमार इर्गार्ड किया द्रिया स्टिए देव बचा में न CANKIN 12 mines games oxince ene gestia माने लाय अमित का ला क स्टिश्व विदिश्य प्रेमेट्ड। (प (ग्राया) केक भ (चार्क कं) युर्व हे कार (मेट लाह्मात) विकान (कावमात हर्ना) प्रकाल (के के मार्बर) नवाद (नवेमडकार्व) जागार विव्हता (जागाव्हाः विष्य) कार्यार लायाने (स्थाना कार्या) लामें (न्थु केका) वंतनाष्ट्र (कायम एए का वंड "[एमर्]) श्यमादिकामार् (भूयमा अकृष्टिन) सभार (सभा) बिहिन्द् (बिहिन)॥४२॥ लम्स 'व्यवारं, मासक क्रामकी का व्यापका न इसमार् त्थामर् , डेब्रामी उ मक्तरिड- यह हारि-सम्मन । र्याचे स्टिक्ट र्य र्योकात्रक । चन्द्रा मुलान वत मको वर्मन जामंत्र म मका नरमन (32 12 5 5 5 61 62 1 अत्मे कृष: (त्मरे अकृष्क) भाषीत् (त्मर्गत)

माछिक् कु ् (अछिक्का), अछि भूनिन

[196]) The Wight as (The se ago Bair) मया यह (मर्यात्र) वयतीहः (वयती मर्भव भारत) वित्रमात (विशास करवंड "[एपर]) र्यात्मारं (Extar) 245 (82) 118011 चड् ट्याडकत त्रमवारं प्राथक ब्रमायका व दर्गाटर। प्रस्त म्लाव्यम बत्रवीमहार्यम् धलाक्ना । उ(व: (नार्किक) असाक्षीत (आम अस दर्दत) का दानं प्रमं ध- विस्तानि स्तानि (श्रिण प्रमण धानं अने प्रकारत अर्वन क् कुलादि विस्त्रम ज्या) न्तिने अविवास (वित्रक्षेत्राम) विमेनामन रहनी वाडिं इर्रेण) हाडि (त्या हा वारेट्डर्ट), भामिका: (वनहर्ने लयवं वर्षाने) भामि (ट्यावितमन-मस्य) क्रमाप (विकासिक सक्तः मृति) ज्यानिका (द्राया करिया) जद्रयो भीक - मूर्यमात - कामनार्यः (जारान बर्मीमधीक अवने अ धू अपक्रमी कानिक काम भावां को विवाद : (मार्टा के कार्नाट)॥ 88॥ त्र द्राटक, त्यांत्रं प्राथक वंश्वाय द्वाव का वता. 1 तक्ष नक्षिक्र कार्य में मुन्तु मार् व दाव क्रें में के TEXE ON EXPLE

मास्य (एम्साय) महावाम् : (पहांबाम्) कें मैस-भिष्टः (म्बायन रामा) म्ला द्यार्थः (ममन्त प्रम [नवर]) अववक्षाक्ष्यः लाम (अवक्ष्य लय् व देवां) केकर (मुक्किक) सेमगे ह (स्मध्य करन ([रार्]) मेला वयर (मेला तय) व्यक्तिमें (000 fa))118 @11 नर त्यात्म (त्यांगरं गायक द्रमायक्षी व कावता। अभूत्म महाकातिव छाव वनवनिकारवव अने इनेगार । राव्यक्त्रामा (अक्कक्का वियक मामकार्यक) er: 300: (cod 200 End) 53.301: (25013 विदेश) हा: इसके: (त्ये वस्तीमते) यामू तीम: (रथकारम लक्षामिक इद्या) भाष्ट्रः (अवन-मर्भन् अद्र) अस्तर म्यं अम्बः (दिश्वन उ र्वे व मार्च) (लाम् वा: (लाम प्रवे) (वान इ ones. (माहार माह कार्म) वरवात्र नातः हे (म्बीके किं विकार विमाश्य स्थार) माराबंद स्वास (कार्डिक वे वेष क्षिटिंट ' [कार्म]) तिम-रेत्: (भारत्यायव्य) कल्कः (अन्य Course gray 2/2 2415)11 8 PII

वर त्यात्व देश्ती प्रापक बंभायक्षां कावका। न मर्पा अवस्थितिक अभावास म्बाब्य्य कार्यक अअंत्रेश्व नवर् भमक्ष ममक्षित हाराहाम हें व माणाद्यव कर उर्देगाद (मायकार्य (मायवार्यम्) आमार् (oriver) प्रथम (विश्वास काकिट्ड) मृत्यामामार (हिनिक-ल्या) में में सार (चकार स्मिन दम्दे) के (लाममान) ही: य (त्यात इम्मार्) कर्त्रामा (कर्त्रमार्यक) के जिला (अरे काम वाकार्य) कर्मण (कर्राय) क्रा क्रांकि (हिट्ड) भ: (८४) बद: (अर्व (इर्क महिन)) स: (CNg) सर: व (धन्) रिके अर्पु वे (राष्ट्र लामंब्रम् मकरम) वर किस्म बार ला ति में (मार्डक मां हाना हालद्रक दार साम ड्रांड) क: अव: (क्याआंत्रां भिन्ताह्य) व वाट्य ([वादा] बारिया ।। 8911 चर् द्यारक , ममार्ड, पातक बनाय है। व काठवा। नम्त भर्म मर्म मर्म मार्टिशा द्वार में मामन धुनंत्त लाम्बर्ध स इंद्रांट्ड । सेंब्रंट लार्क कंत्रायक रहा द्वाया।

四至公司(四年出人)至南山(四五五十二日十二(四十) WIET: (WIE), Am on on (Atms oras [20]) यार्टिसर वर्ष (यार्ट्सर ३) व्यवह: (व्यवह), उउ दक्त-सम्मार (द्राराच कप्रमाध्यवं स्मान्त्र) कार्याशहर (१९८३ व प्राट्यें) विकाशतं (विकाश्यं शवंत्र रतं) त्र (त्यात्र) अपुरामारंग तायं (द्रियासं] अपुराव ला दिया (अव अटमानम नार्य)॥ १६ ।। च द्र त्यारक , व्यारम् व, यामक व्ययक्षीतं । च म्टि इक का सरल लाह्य कु. अनुवास्त्र द्याल करे सकारमंत रश्ये भन्यालाकं प्रतिकृति देव लामकावं र्युलाह। इं यह (चर्काल) इरवं : (क्याक्रकं) वर्षान् -वर्तराष्ट्र (छापून अने वर्तन माड्ड) विश्वासम्बद्धन-भूत्रभात्रामी (विभन्त व देवाकान (रक् देरभूत्राहित) भारी अल्ले (भारी अ अक) छप्छने वर्षात: (स्वाका-इक्षे हे हम्बन्यामां) जैयः (जैयंगरं) प्राथ अन्यां (त्या न्यां) व म्यांचव प्रवाद) (मान्यव लगाहकार (थ्रम कत्रक मारका अकुंगाह्य)।।हन।।

न्त्रीम कि एका खेल

लमें बान्द्र का ना ना का है। (म्प्रां दर्यका हैं लादेत्रं तान लक्षेत्र व द्वारामागुरम दिश्मानं करंद) क्षुत्मानामक-।विदायर्छ विवास्युवः (भात्राव वसन के में प्राथित रीय व विमें दियं क्या दे के गरं वियान-मूक) न्यीयमनं- हाहित्य प्- भीक्याक्रह न्याः (कर्षेत्र ७ के के मात्रा ले क करात ग्राय कर कार भारत)" प्र: (८४२) न त्र विकास नाम नः (अधित अविकास नाम) (ता (कारमाक) अमा है - सामाय: कास. (स्थ. जा. त अरम क र्यात्रा स्थाप केंद्र है। इस ६०॥ भवकात्रवाष्ट्रभाष्ट्रवाद्यामः केत्रः (गाराव अल्डिटिं अल्डियमिषे भक्केडेल्य में अस विवास कर्त) " १क. अमारत- अष्ट- अख्यात्री मत्य : (मार्रे मैं सत्तात्य हता व नमधात्रं मन् डरंग कर्य) व इसे कु के कुर्य का मिट दाव का था: (प्यामी में का वि स्तिवं शानं पेंट लाउवं वक्षत रीश आद्रेंगाट) भः (त्ये) वत्रविक्षत्रकः (जीयात् व्यक्षत्रकः) (ता (outeres) मा है यात्रीय: जारे (130, मार्मामां मारा अमान कड़न)॥ सम् ७३॥ विका त्रवा - क्र अ त्याल हार्थ - त्वाविट विक : (विवि

(20)- रेवर पंता (वना क क्रिकाम व लाम्बंप सकाना कर्षत), भीगरमानिकातमार्क कामिनर्ध-मर्पाण-प्रिय-केल व्याह्म : (। मान काम व अधियाम मां में मर्गानक शिम्बर्स आवेदवाकु व कार्ड गार्ड्य) मनारकाम-कारमार्थ-।मिर्वाक्तमानः (प्रामन कीलाकामतन मीकिमां मेटलं मलमबम अवादित डम्राटि) यः (एपरे) व त्राव अम्मनः (भी भाग व्या अम्मन) एम (कामारक) माड्ये गामार : कार (प्रथ मार्म नाम नाम न दान्य अदार कक्त)॥ ७२॥ (अमरमामा द्वारा के का क्या मिंह: (अमंद्रम र्रेश्माहित थिए बार्स क्या म्या राष्ट्र व्यक्ति व्यक्तिया करवन), टारे में नम्डान - ट्लाक आन - आर्नि-वार्षण : (टिलाक लाम तप के किया प्राती. यह प्रत का कार्य हा. गार्या वलमा क (वन), निवाकास मूर्य-विश (आजवात्त्र-वस्य: (।श्रीत अव्या वि स व वक-वर्षक् बन्दरा कर्षत) यः (१०१) वत्रावक्षतन्तः (Surve Bleed way) Car (anoma,) AUR! स्त्रातः कास (य्रा वार वात्रातं रात्रो. निर्मात करूत)॥ ७७॥

प्रायंत ([1712] प्राय मडकारंत) द्राय साय दंगक -कर्महरेममावक: (इस ० मान्नारमक मर् नकर कर्म व बरमार्वं वियाम कर्नितिय) विवस्ता कार्यहाक - जेक दक शावक: (त्रिम शान वक्षेत्रा-रिक्रिया एक सेन शिक्स्पर्य में है. कर्वेप) भी नी समीत्रां वाका त्याव का स्थान दा : (यिह) कीर् नीत व भीना हांगे शिंग (अपस्वात्री वस सर्वात्र धानकात करत्र) भः (धरे) वसुविधनक्तः (अभार बर्गान्यम्पत्र) (का (कामाल) आहर्म दामाद: लामि (श्रीर आम्बारमंड राम समाय कंत्र) 11 68 11 के के बाम कायु- भार्ने- बाह्य कार्य कात्र का ! (। हार्य-के के किथा व काम कार्य के मा में का में का किया के ल्यान्य कार्य क्षान्य कार्य कार्य कार्य कार्य माने क. करवर), उउपाणा कारियर - उउपारी - ट्यायर : (।श्रेप श्रेंग के के स्थानु मके छिट कार्न राज्यां. न्यान्य के दिवं मन्यान (क व्यान नाम करंत्र) त्यामकीय- कार्य-कीरेंच- विम्बाहि उ हम्पूत : (प्रारुष् टिया नीय कार क की विश्वित दिला कर E. O.C. P. एट्टा वं-पारं । में अ. ? मीएम शर्व) "

प्रः (अरे) बनु त्या अनस्यः (जी भारः निर्मानमान) CA (OLENER) MILEN LIME: OLE (LER OLL -असित साम करात मन्त्र)।। ६६।। धामरकाय-राज्याता-सम्मासक-सरवाम: (।तान AN BRIME DIGINES) " SINIET - 201- SAM-वयान्यात्र - वया : (। हात नीक । हाहन स्थ. ३ टब्स-हाना (कारि कल त्वन ३ हिड कार्क के करवंड) (गामिकार् त्यारकार-डावर्क-गक्षतः (गिरे Cata cary and or one con paris congruey à. चार्. टाइममें (प्रवं में हथा शवंत्र) 'य: (CAS) वस्ति अनल्म : (अभाम् अवस्ति) (ध (oruna) माइले सामाय: ठास (13थ. ज्या रं जाता से राम) अभात कक्त)। ६७। में मार्त- ब्राह्माहित्स-पाई - टान्ट: (तित्र वेक श्रियवंदा स्थान्य करं का मान्यादि यक्ष) ' त्यमचारा - देश द्राष्ट्रमारा - देशि-उति : (गिते क्षिश्मक बासकाविव कार्यान उत्तानं ज्यानानं त्रित्व प्रम्प रह इन)

इ. चाक्काबंस (चांब्र्व चर् का: मिता चन: (वर [ग्राप्त]) ड्राब्टलन: (यल: (ड्राब्-इस्टिंग् अट्य अअंग्ल) " स: (CNS) वल्लामा निष्यम अल्यामा) (म (ल्पास्टिक) म्या हुने स्थापन : कास (१५७ - अपर-भरभाव माभा अभाग कक्त)॥ ८१।। थ: इ (भिनि) धातन (१३) धार्यकन (भागारेक-शका) म्मत्य वाल । त्रिक्ष वार्ति- पूर्व (यक्षी-प्रहार्वे रेण्ट्रीय) धार्मकार्ये वे वे दें (जी बाकाब आने ब मारक) प्रव्सवी (अ) ह क्षित) , अधः (अरे जीयात ब्रिक्स मात) विन्- १६ व: (१६८३. सकतु. र्यून्स) २० (१८६८) त्याभ भारत (वृत्रायत) वार्यकारां नां-नाम् अवाषाम- स्वतः (नीका वावं अवं अवं कावं कारान्य विक्रमाम् अस्म व ट्रम्बारं) में माक (मिन कार्य)।। दिन।। 515 Warden and y

न्त्री नार्य का खेक.

केंद्रे माक - थाक्ष्या थै - अन्दर्शन - प्लांबता (त्राकांब प्लांब -कारे के के माप्ति में वर्ष के प्राप्ति भी के कि मावयाक वार्ष मक्ष-भाव प्रामु त्म् बता (म्परां त्म्बंद द्वी प्रमेक अदमन (म्बिंक की किए विकासन करते) वस्तिल-सूत्र-सर्व-वाक् लार्थ-सार्थका (भित्रे भीकात् उत्यान मार्ग मर्थकान कात्युं विषयं मणाप्त कट्नित), काशिका ([अरे] की बार्यका) यहा ? (लासाक) लाजा आरं अमेरा यो मेर लामें (अनुनं व्याप्त्राच्या पामा पात ककत)। ७०।। क्लेंग्रिय-कार्ड-शिल-हिन् अटे आदिका (र्मेश्राव बिहिन अरे वयत कृक्षिण जारे अवासका भेव कारिक मिला करन), कृष्ण्य कृष्यं कारी - भूत्र -में का वाडिका (। तान की के कस्म यह स्वरंत व कीलादियादमं बरा अरेज में दिलारीय मंभेला) कुका-।मेका-मन्यार्थ-अध्यक्ष-वार्षिका (।धीर्म न्धिरके । युक्त अभाषा किये थे भे म्रिटिंड के लायास्या करवंत) वास्त्र (त्यत्र म्यास्त्र) ELSIS (OLEMAS) OLISTALE AM LINEL OR (श्रेम आर अस्मिव साम दात्र करूप)॥००॥

(मुस्याम्-येत्-अत्याम्-कादि-प्रमार (ग्राप् मारं (आमयला हाना भन्नवातिक की दिव भग्डव कर्नम), हळ हमतार्वाद्यम् ट्या माना भीड विश्वत (यारा व में आत्य प्रम हत् हिन्द्र दुर्वाय न वर् कर्षावं व ENSIEMEN ORDING RESTREEMEN ON CHAMES MICH) काडियर- वसूचील-काम जाय वार्षिका (भीते निक धालंक धार्मिकंत का आर्थिश ताली करवेल एवं काममहाल दवने कर्वत) मार्वका ([पर] न्यांक्रा) हरा ((कासारक) लाकामार्ममा निर्मा लक्ष (श्रेर व्यवस्थात्मं द्रामी सात्र करंड)।। ता ।। मा (६म) बंसा (मकी त्ये) विश्ववार - तम्बदाह. बालका लाभ (विश्वबन्धा मैनक्समप्रकेष्ट्र बालका इरेशा ७) क्लानवा - ट्रियमार्थ- प्रकार (क्रथ ७ नव त्म्याद्र प्रकाद शवा) मठमा र (म्राव व्यान त्यत [नक्]) भा (त्यत्रे नक्षीरम्बी) भीता-ग्राम् भी संग ह (में मी प्रवा व क्रिम भी या वा व) त्यः (ग्राया- लिक्स) लाइका र लाह (दिवस्त-ल्याम्या श्राप्त) व्यक्ति ([प्य] न्यांक्ति) ह्या ? (annua) and out an - 21 20 th at (13. Asi लादलाभवं दात्रा दात कक्त)॥ ७ ६॥

अदिन के द्राभी साथ कके प्र)।। त्वा।
(लाकादक) लाकामार अमेर प्राची द्रा तक्षे (मांन नाद(त्यका) ' के कुक्स ([र्रिप्र] म्युक्स) कर्रा के (व्यक्त नाद(त्यका) ' के कुक्स ([र्रिप्र] म्युक्स) कर्रा के (व्यक्त प्रकार का (व्यक्त प्राची क्षा क्षेत्र का क्षेत्र का (व्यक्त क्षेत्र क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र क्षेत्र का क्ष

स्य कक्ष्य)॥ ०८॥

अलास्त्रस्य क्ष्य (क्षांनं नामस्त्रमं स्या)

(क्षित्रं त्र व्याप्तक्षा) मद्र्यं (क्षास्तक्षा) क्षाक्रमार्थः

(क्षित्रं त्र क्षां विका । म्रियं (क्षास्तक्षा) क्षाक्रमार्थः

(क्षित्रकं क्षेत्रं विका क्षां क्षां

त्यम् कत्या करे का अ - नम् नमामि आकेषा (भिने त्यम, कला, भूतक, धक्क ७ महमदम्बि आदिक डाय-प्रस्ता), अधर्व-रूर्व-राम्लादि-डाब-ड्यमेन्डिवा (गिति क्राम् रम् व बाह्य सम्म हा बह्यरे वानक्षा) क्क-दान्य-दणांचे- वृष्ट्र- मखनानि-दार्थेका (भिनि अक्टिन नम्मक्षिकतं नक्षान्ताति भाष्रे करत्त), बार्वका ([ठारे] की बार्वका) प्रश् (लासास) काले सार सम्मास का है (गारं वाद्वरभाव दाभा दात कक्त ।। ७ द।। रा (गिति) अनाई- कृष्णविष्यरंगाम प्रदेखारिबाधक-देन निभमादि डाव वृद्धादिका (अभिकास नी कृत्भे व विवय (येषु तिवह व प्रक्रांच विविधः दिन ७ हामनामि डायमध्य भाग भी हैं हा देत), यप्रात्र क्र मां निर्मायमार्थिका ([वर्] नत्यक चारिक्रमम् द्रवे मामाव भन्नकाव वय:ofine gown In) into an ([Cay] न्त्रीया क्षिता) सद्भ (का सारक) का की मार मस-राश्चीत कस (अग्न वार ब्राज्ञ राज्ञ पात ककत)।। ७७॥

येग हेंग्रह) केक छिमायी- व्युमार्गेढरं (स्क्रिकंत इंग्रह (नेष्ट्रेस्स) व्योक्षितः (स्प्रे मान्। व क्रिकंत [इंग्रह स्थिति विशेषक मार्थि]

हिराय)।। त्रि। ध्या काम्ह (प्रथ्ना द्रम्मः भार्चि (क्रम्म क्रम्म काम्यम् भार्चि (क्रम्म क्रम्म क्रम्मम् भार्चि क्रम्म क्रम्मम् भार्चि क्रम्म क्रम्म क्रम्मम् भार्चि क्रम्म क्रम्म क्रम्मम् जी के उत्राभदा का विमा मर्भ आक्रम (प्रवासता (मारा कारहर्मात्र मामलाभन क्रांत्र क्रांत्र अभिमामाभीनं प्रमानं क्यमंत्र अकामण हर्गाह) मान्निमाम सामकाद्या पिरि. (MANNINGO ENJANUN UN UN MENENDIN MENA. डे-लट्डल कर्ष्मिट्टत) न्योकी बन्नत्याद्र लाख (क्याना व्यव्यामान्य मार्टि माराच द्वात Existe [- 3 so]) Then ware faile (न्ध्रें में मत्र हों प्यात्राची वं ववं वा कर सरदिव माराव कथाल ड्रेगार्ट) प्लाइस्ट्रीयार्टेड शाक, (जाएगाब्रमण्यामेव्यत्त एपं शास्त्रं (अन्तर्मक) **अक्रा**प्रसीयार अने (अन्यर्भिया-विवर्ष) मलरम्या हिन : जर्म मर्सः (वरे. असटल यप्)कमार (अहममास रह्म) 112011

angrew and

लन (लप्रेंच) यावा (यदिवाह का) मृन्त्रंस (यांचा) यकायन (याकामर्थातं) क्षेत् (क्रममीहरक) करवं (युक्ट्रि) लामांग (श्रांत्र) कार्यंग) लायंग्री (लाय्य थांबुटक कार्बेटक) लामाक्रोत (मान क्यांबुटक माम्रियम भ [7 45]) To: E (Ty Fre ?) migaris (migla) उद्ध (द्विक्ष विशेष्ट्र अरेश भागत कार्ब छ कारिए बार्व करायेगाहित्यते]।। ।।। किंग्स् केंग्रिक किंदि कर (रह कर !) बद (रह), मम्यतीतिकता कर (० मम्बर्गामन का कर!) अम्छनेमान- निकशक्त (त अम्छनेस्य वस्तानिक लायन !) कक्री सम्बन्ध मर्बना वन (द कक्री-मारेव बापक सर्वाम् र - अर्थवं नामित् !) त्रामण -Сима ((में में मं - इंड ;) " अ! श्रें म- मामं (८ क्यानंबय-मामवं ।) वंबमामवं (८ मामवंबवं !) उगक्तत्रका (2 अगक्ततका!) वर ([amia] यम्मेक रहेर)।। ।।। कुर्व (८ अकां) मुबंधालम्बुकंतर (ध्यरम्भामप्यवर्ष) यं की व के प्रवंश (क्षांका के र व क्षेत्र के के करक) विवाशकात) भन्द (भन्ति) नाम बी अकार्य १ (मिनिस्ते) आडीन्दीन् (त्म अदीर्ने) साह (न्डाड कन)।।३॥

mu (5. 24;) Mg. (@ [Mg. 44) " MM- 44. मकद्य-देव-क्रेंड्रे (ए लम् उक् नकद व राजायत -वानिक छम्। बिजालक!) नवम्य-कमयल-मप-२ न-६ ने ने (८४ नवीत पत्रभाती कथ्रम्भारत्व गर्वतालक इन्ते-मेराय (ला. द्वां) ' १ वंप- थपथ- पत- थप हतं- लवंप (क्रियम्मार्थ अपृष्ठ धरमाप्तं कात्रमं) व्यवनं -इस्ते (१ लावस्तामित्रमः [काकार्य]) थंत धर (लाड्रमत थन में उद्धे)॥ डा। अ की श (८ अक!) मण्डू त-कल-मन्द्रीय १ (पाराय न्भ्नेप्रात प्रताष्य कात्रेम्डः), छन्महीकर् (त्राप्त अप्वान के साधित्यात्र) व श्रेवा क्रंत्रपूर् युंबर (तिम लर्भे सम्प्त साहक रहं साटम कुरं (तिति त्मावर्तत्वावरं दिन्येक) र र्वत्रेवर् िवड लिम के के बिक के लिम के के के प्र कर कि हिन न िएरे]) डाबुद दिन (योक्टक के शिव करें)।। व।। of Calle , Redamistan, (Charm) ordale ड्यु ग्रेट । ८०६८५ नक्षकान नवम्त्र माना. विटिने का कार्स बाको के हित इसे प्रकट्या न इ

द्रक्त लयक्षां मम् द्रम्गार । सर्मे व भव कार्यात प्रमान नक्षम याम्ने । सम्मे व भविष भीव द्राव क्षं र्थात भवे । लयकां प्रमे आदि । चर् त्याकाक मकें प्रमे ।

कीकं (र एक !) कमालाभी-कात-कर्म्मात-विदान-वर्ग-या संप्रे (विभिन्न का निक्षी न कल ना मन प्रमाण निकान -वक इक्साकमंत्रका) वस्ती-काम्ती-ममं ० (थिरी (माभानंता के स कार्त्ती मार्तिन ममंच कर्तन) न सि विकस्य भार्षेक्र (प्लायक्त भावे कम्बरे माराय द्याल्य), विकास विवास-लप्रवीप्रिक्र (धिरी विवायण्यां भार्यक्ष्म), हलतादा व. क् तथर (मात्रान मान के के वन ने मान दिस्त कारक (लाहा लाइ किट [नवर]) हार्स ने पर (मून्यांक. (अर्थे लायकां काल्यां देश्ये विशि त्यु]) यंत्र (व्यक्षणं) प्याव्यक् (प्याव्यक्षं) 1834 (MY 44) 11 19-411 चर ट्यारक , बाक्षामस , लपक्षांब स्थावना । नम्य देकः त्मबंभे मही अव अदंभी कार रिवारं अधारम का वर्ष रूप।

चिक् कार्यत्वत] आर्व (द्यामि!) प्रताकानि -बार्बमान-। मिमनमार् (भारान-मूभ मानार्व मध-भाग (क धनं करवं [वक्र]) धन माथी-मक्षावे-अभियानाई (शित क्रिमाळनं क्रिमानम क म्यान्त ममारकान देवम अस लास्कानं कार्नेगटर न [dig]) an (auni [cry]) Biro (Biranis) 215 (A12 24)11 PIL यम ब्रें भागवं स्में में ब्रें में प्रिया माने मिने की के इन्दर्भ) गाने (गामनं) भाष्ट (मानाद ! िवाहा]) बना काम (क्या दर्गह) मर(लारक) विध्यतक्षा-(क्ष्य (विध्यक्ष वक्षाय) भ्यामे (अक्ष क्रवां क्षेत्राक्ष्रां) (व (क्षेत्र अभाव) मिक्रामंद (खिक्रांच केरतं क्षाप्ति प्रांत्र)।। अ।। छन्सानुमान : ([मिन्न] छन्स्य मार्थ मान भार) न जेगार त्यममान म्मा है। (जेनल त्यममान क्रम धानुक्तानिय पिक्), विद्वान वन मासी- क्र-बल्फारिक्जी: (वित्नारकन अवस मार्थनी सम्त्री नार् माराक कार्ये व (मा का मक्तार्य क स्वय) ड्रम्भरिए-म्यावनीः मानामिमाकी (ड्रमम्बिए

रेलाइप्रवाकियं लक्ष्यक्ष)मा (त्य्रं) म्हांबाह्या क्रिय (क्यांक का) इंद (न इ के सावता) करंद क्या: (करंद क्यांकरक) विजयां (विज्ञास कार्ने (एटिन)॥२०॥ था (भिनि) धातमारेण: (धनमा भाषी) बन्न अरेन: (अल्यमन्त्रकः) महं : (अमड) यम् वन्त्रकर्मः (अम्बर्गाम निवर्) मिर्दिः (विश्वक्ष) अर् अर्रः ह (अयंत (असमत्र हाया) व्यविद व्याम (व्यव मीर्कार) यमन हिसाल (समी देव शहरा) कार्यय (व्याप्त मार्ट) रेर (नरे) धरेगाए (क्याक्त) समाव (विसास करवत), भा (अप्रे नी वाचा) कार वाम (क्यर नाथी क्या)।। विवाद्य हुवं ((पावत्त्र शृं व्यो क्रिक क्रिक) कर्ता । (१ वाट प्रचे द्रिक क्रिक क्रिक क्रिक हुव) '११ वं (११ व १९व) ' क्रिक (११ व व त्या) चार्ची (स्थां वा) १८ वं क्रिक वं के वं के वं के (लक्टबं) लक्षंट क्ष्यंट क्ष्यंट (लक्षं क्षिणमम्बद्ध) लचंड (व्यक्ष्यमं) कं दंशम् (व्यक्ष कर्म न्यास्ट्रियत) ॥ २ ६॥ नाई (स्मारक, ह, नवरं, ब, नड, मैं द्रीत साम लाभरवंब. विभागतित त्रीमन , में क्या कि कार्य रह गाहि। नीन्द्रित (त्मोकिक मीडिन मिर्दे । अस (नरे हे रुकारात) उठकरमें (उक्वानिकारिक) कीर कीरक

(माड द्यें के कारण) कार्यमें कार : (१९७ के मामार) लाबाद (तिकत्दे) हा : जारेंब : (डेक क्लिममूट कावा) बाहिर (बाह) बाहित बार (विश्वप्त कार्नेटाह)॥ > ७॥ चेत्राक्षि १७, चवरं , चे, चड लक्ष ब्रिंश व ख्यामरडे , शिअनं, पालक क्षित्रका का उद्गादि । ला (लायक) मार्च क्ष : लाख (मार्च प्रक) डेड्डीम (डेड्डीन इरेमा [ग्रामप]) (मनर्पा: भेलाभी (निक भेश्रवी उ भेश्राव्य) भारिभ नार (क्षेत्रमें प्र) लमकर (माठक ध्रुम [नरही) (भ Tag (My my da. (& Min) (नावाहा व महिक) में प्र: (व्यवस्य) वैसा (मित-प्रकार्त) यत्ने (मारी उ उक्त) अभी मरे नि (आठे कबारे गाहित्यत)॥ 58॥ ची शका कार्य त्यत्र] om के मारि (र्व अर्थ मार्न !) (कालमू-ती सप-जमान-प्रमाभं छात्रः ([क्रिम] कमन-नानि नवीन रमम उ जमत्त्र मं मार्ग रमप्रकार्ड पूक) प्रशासः (अक्तिमं) भरीय-श्व-क्रान्-हा-कत्का-विभ्रतार् (हत्त्र, रीन्न, क्रम भूका, कर्न, हळा उ दिवालियान गाम अञ्चन [वर्]) भर ×्ञ-

यावय- यवत- वं माशिनके ० (अमें में अमार्वे ने गानं लाकु रायांत्र) भीयात्रा (भीयावाव्यं) वन (क्षद्म कर)।। २०।। नर त्याद्य (हासामम, लयही में त्याद्या । लाक्ताकाः (बीलाक्तहत्वक किलिः (किलि) मध्यात (त्याड यतं रें डो क्रानं किट) ममाः (त्य कीर्वित) अरेम : भूटेम : (उनेका अ भूमे वि रिम्पूर) विश्वताबी-क्रम्बर्भ-मडि : (ब्रक्षाटिक मात्री गरनेक हिड के स वर्मकार्वि वार्मार में मार मक्स (क) (१८ आव!) भारत्य (की र कर्ष्ट्र)।। २७।। आहे वाग्रेसी (बाग्रेसिक) मः अपूर्वाहः (अष्ट्रिक) आहे: (९६०) भन्मक - भन्दा: (दमन्त्राम दम उ मन्मकाक्रमन [नक्]) अवंताः वंताः (अभ व धनवान्तिका) संसर (अवस वाक्षेत्र मुभकतं) सवः (जीवाक्षेत्र (छ) लाइं (केट्राम) समार (समार कर्न्सार्क प्राप्त)।। २४।। चत्र त्यातक (अ, चवर त्यं, चर, वाभवतितं वियाता-(इक , हो अन्न कि काम हिन का है। विकार । विकार । विकार । मार्च (र मार्च !) मार (म्प्रांच) नी म बारिखाः (न्ध्रमेकः) लिंद (लिंद) मैंब्यु-ख्रमं: (सेंब्युक्यु-

यहर) मीदी-विअव्यम् (मीकी बक्त पाठम कर्निंग) ((416) (() 340 () 340 () लर : (सत्र कार्नामहत्त्र) के (द्रायां के किंग्ड. (शिंह कब)॥३६॥ न द्र दसारक, हिमंगा हाह, पातक हिनका बरे र्रेश हर। तल हैं सी सवामुका : , नम्ब न्यान पटि अरं भी मुवानिषा: - नर्मेश ति टाम मेर्क , करें : , यह हि गंब देश बंहर। आ क्रमाह्म अह (सुन । हुन मार्ड किं मार्ड anno 1801.) outre (to g) sugglars (suggl) (आअर्मनार् (आअर्थाम्युम्प्रं) वेव: (सम्बार्क) दिवा (भाडेन) वस्त जन्मण् आर्थ (वैस व अनु त्व) सर (त्याता) प यावात (विकाम कर्निमा)॥ २० ॥ चर त्यात्क कर्ने छाड़ , मासक प्रिचकारा, डड्नार्ड । , स्थित्वार्ग , - एक्टिन , राप स्वन्य, त्र स्व कित् अन्ता तथा उत्त न इ. यह सर्वासन. द्रमानं सम्बंदि इसे। [स्तरक यस्त्रय] श्वं (८.३वः) प्रत्य-

नीवक्रेशाल-मालान-मक्राल-मन्नान-मनीन-विमाम लाल (महीन समक्री व अभवन. मका ना सरमन मार्ग अवस्ति विचारम लास्तायक) प्रवंश-के द्वातं (चा वा का के दिव वहा के के का ति) श्चेंड (शुंक्ता) दिल्लावियामम्बर्गा (एनमारिमास स्कृष्टिन) विनं व (विवं अकावा) त्यात्रम कामन्यमा ९ (मी क्रक् में का कामने मी व्याचारक) त्य (क्षात कं)।। र ।।। नर् त्याद्य , ब्राज्यास, लम्भावं त्याद्या उद्धिका आ कासा (रम्द्र मांबासा) द्रिका कास (द्रिकाश्वर. हिला इक्षेम् ७) दिल दिल (आणिकि) प्रभी है: (मन्त्रीमरम्बं मार्ड) व्यक्षरं (चर्) भारत (ब्यारात) का मड़ा (काम्यत भूक्क) द्रकार (द्रवंत्रकाष्ट्र) (म (कामारक) ग्रामण्या (ग्रामण्या) कर् (म्रम) वानि (अभात कर्वत)।। २३।। न दे त्याक कर्मा है माधक हिन्दकावा दर्गाह । , योकार् , चर् अहिए सहस्तः अडाज्य स्माममं, ज के अ त्यास इसे । कुछ कार्या मा जवर (कर् अवं अ व विकास कार्ने में कर वहारित.

क्रम्य मर्भ मर्ग कर्ने राम न्या ना का का का का का (म म म म) विम (विति) (म (कारमं) कारमं (ते म) यर हेट्टिस (हैसे कार्यनाम्हित्य) वे कार्य (एमपड़े) के (क्यामन सम) प्रवेशकंड (मक्ता) Co ((काराज) वक्राम् (यो (वक्र व वर्षम) लिमा मान (साम करकेटि देखा कर्ने गर्ट)॥ रहा। चर् एमाएक (अधिक-ग्रह, प्राप्तक श्चिकाक) सावक। 'श्यातमण् नर्दाल 'दम आममण् नवर कर व्य क , विद्यां का क्रिंग , निर्मा , वर दि व का -क्ट्यो ने ने मान । बिरायद कार्याने (ता नवर , (०, चर् विस अक्र अर देव दिव दुवान दुरं। मान (क्षाम) समाम्बरमारम (क्षान्त्रं कार्याम १कत रेट्रमा) चाहिकाई (क्यांकासाक) मे के दे दे दे (मार्भ कार्वाव कमा हरमूक र्रेटम) मामकावा: (श्रामकाश्रा) वर्षश्रम्भा : (अभुग श्रम्भागम्) मण्डल (अर्था) इति विक्रम्पीया-वर्षा (outre Bangarage [44]) 20 ज्यान मामारिक (कर्ष व मन्ति म भाक् में अध्यक)

कामरह (कर्लान) , ए जार्बन्याकिए (अकर ३ टिकि तम्) काई: (अवंत अवंत. 12一)112011 नार त्या तः । कि भी छ। है अरामक हिन काकी स्थादकी। । प्रकलम्बामित्रे ने में प्राप्त । भक्त । अक् लाधिए नर्माम विकास कर्मात वर्षः चार कि कि जिला अरम द हिंगा लग (लम्डेंस) व्यक्तरमाम (व्यक्तरम्म)-ति.) अंद्रम् (त्यांश्वर्षकि) न्यां गत्न. (नार्। व निकास) रेसमा (रेसाकर्ष) दलप्रवाप् (अमिट) - नाअर-पार्ष्यिश्वाचानि (नाअर उपार्ष-स्थान्त्र) न्यत्रास्त्र (मियत्रास्त्र) ज्यानं महार (अने क्यार्शिहित्स)।। 2811 ००: (लम्बन) (को (ना सासा उ नी के के) रेकिए मुक्तिंग अखिला (है। क्रांच द्रका-रियं (क्रानंद डर्ज़ा) कर मान् क्रियंत्री. (लारी उ अवाक भागम कार्ड कार्ड मेट्रशुर्मेकराम्बर्ड (मेट्रशुर्मेकर्न-यसक) डाड्ड डेडिड र मनद : (डाड्ट वर्ष करते गमन कर्मित्रत्र)॥ २०॥

द्वाराम क्ष्मे क्ष्मेर स्रमहर्मा माराह प्रकृष्टम हिन्दि वार्रभारक न्वरंक्ष) आयत (आयत्रव) वक्षः (अशादिक) मार्गः (त्रम लारे व्यं परम् मार्व) रान्ः (न्धरेक [नरं]) असम् क्रियः (त्रिश्मि) यम भी (यभी मार्न मार्ड) मार्थ का (न्वी गर्था) विषयान (डेअरबमन कवित्यन) ॥ १७॥ नामिया- वरे (किंगुमात्म] नामिया ७ अर्थ्याचे) हित्यारमा अस्तिकारम् ([गमराम कार्ममा न मार्कान डिटरान- विवास काम्य करं मारक के के अरमाधी कामा. हत्यमाविधाएं डेलादमक [वंश्डेल्एं]) भारम (अगटक [अक्टरम]) म्रामी-म्रामी (म्राम्की अ अवस) आविराम विधामित्री अपू छार् (अन्तर्कात्रा-कार्व इरेमाहित्यत)॥२१॥ मानी-वृत्त ह (मानी मू भी उ कृष्ण) अर्काटम् (यर्गम् [वर्]) क्याबी (प्रभी क्यू वा)पार्डका (त्रधारमी) अखबर (इरे गाहिरत), उमा (जमत) अपा. (मांबाका) नामकां (प्यामक्ष्र जिन्दी) मुख्ये. (क्षेत्रक) भीषात् (भीषवत) प्रकाममात्र (काकाममून) थर्गरह (मूर्नु शायमा अं सम् मान्ने नार्ग्य)।।राम्य कर्मर क्षिम्न कार्यम मान्यम

मन्त्रं नामंत्री सार (स्तिक्त म्यं मामक पूर्ण उ त्री ये क्षेत्र के के प्रीत कर । हिंद कर्ति । यबाद (लाउस) समस्म (समम) छाद (ध्रेट-शियात) केकः (मार्किक) लाखनं (थर्गा र्याया िमर्) वरे: (मर्भन्न) अभूत्र: सत (अभूत्र ्रेम) स्मीर (बिलेनी एक) बद्धा धनपर (बक्रन क्षिण व्यामित्यत्र)। २०।। ध्वती भावका भार्य (ध्वती अ त्वर्य अर्थ कार्यमा लाइस) हिल्हारं व (हिल्हिं क्यु ग्रें के अधिर क्रम्र (अविवि क्रमाड कर्नेत्मन , [असन]) नामिल (नामिला) कृषानिक् छार (जीक्षेकर्क न क्षेत्राम्छ) बर्मी ६ (बर्मी हि) ल्याक्रिर बर्रिटर (व्यक्त्रेन्य्य अप्रते कार्य गार्ट त्यन)॥ ००० रिलंगः ([लवः अवं] दृ तितं) डावं मेर (डार्क अप) erigin) Eastir (Easis) Lessa (Jana R. 2752) वहैं (मर्ममात) के किस भागे मार्म हाता-वित्रां) लक्षरे (वाण्य्य) के क (प्रचारिकां [काहा]) ार (क्षिरं) न क्रमर मान् (न कार आंग्रेट लक्षर oumiles,) than (the ongo the sin sin

करमाङि -वर काका (वाडा क्रवन कार्ड मा) कात्राह: (क्राक्रिक मत्ती) ना खंडा (मार्ज) ही का ([प्रायं ता मंत्र यात शक्ता] हातं) कार्य हात्रात्रा (काळ्च क्यान कार्य द missa) gorgin (grein nyin) oramons ([Lana] menter,) orms (golden sign, [बारा क्रियम]) अका (महाम् मकता) क्रिकार (लोड कवलड:) अदान (रामा कार्यमन)॥ ७२॥ हात्रकातार्ति वृत् (यरेक्त राम त्यार्त्य प्रकार रहे (न) किएबी (कलरे) हाम : (जीकुक) क्रांड (बार्स श्वांत) द्वारा लास (द्वारात कार्या कार्या मार्यात्मा अवर्षतं लाखात्व) वार् ला कु ड डिंग (स्मेड ना कु दिया में यह वाम्र मन elen) an 1800 Des (mand en sen. डे छ स्थान कविश्यम)।। ७७॥ लायह (चर्माराम) मुल्या (ख्रीयाद्यात) अत्वाद्य. राट्न (म्या कान्नुक संदल सात्र) माद्रिक (आद्रक रर्दा कार्या । में का दा का दान का का का मान हरेला) ज्ञा की हिः (त्रिश मानी प्रतेश हो वो) इतं : (त्रशिक्तं) काकाकार्त (अन्त्र मेर्ड) बहार केंद्र (काबल करिया) इसही (रामाह रामाह) सम विद्रालार

(त्यासन करं, अंस्स क्यान कर्रायत) 110811 acin: ([क्राप्ट] स्थाना क स्थार्क किंग) हिल: (nama) siasia, (sia mangy 12 acri) vinang Tes on ye (sienzug Xx mish 2x = [346]) बहुंया बेलवन्त्रा १ (चिक्तिं मक्तान] तर्मम्य उ केस प्रवाबं महित) वनंसापार (जीनंस्व सम्प्राप्तं) वदारादि (राम्यूक [हार्याक नामित्र])॥ ७०॥ लगा (जसर) मार्च: (मकाम) भूरके सकार मार्सका-रू (अकं भा मामी भूभी अ रूपारक विकास कार्य त देखां) देहतू: (बामित्मन), अमाहिडाजान् लाया क्रारं (कामना दुक्रण जमोधमम्बायम् :) सक्त कं य ल बस्य बेंबर (मज्यत्य प्रमान कर्माव व्यावं भाद)।। ७७।। लिक्च ह] धरं : लग अंग्रमं : य (शरं य अंग्रमं माराई रहेक पा किय विश्वतं]) हारा: चव (पूरे कार बरे) माधार धामार (भाषा भूव रहेक), डावं: (डाकं) मेंबरमाः (दुन्द्रांवं) कान कर (कालाई कार्केस) ' में म: (में मंग्रेंग) हिंद्दं त्रवद्यारं (म्डल्की जा ना रहे रहेक)।। ७१।।

वन्त्राया मात्र ([लपडे वं] मार्ड क्षेत्र वर्तमा व च्यां या से मार्ग प्राय अप कार्य गा १ विद्य (हर्वा वार्य) छि (रोक्यायां) भाष्यायां (त्यायायां थरं) मादि (मिर्ट्य) नाहित: ([प्रध्वं मरप्वं] लामका अवंता) बद : (सर्व मण्य) लिसारम कास् (लर्थिक हारत) अत्वी: श्रामने (आला श्राम कर्तना) 1: 1200 1200 (consulta ar ounces ar,) ्रिक्टिर (चर्र शम्मा) हिला : (दृक्तनं) यात् : (अल्ला मर्ग) व्यक्त अमंद (यवस कार्नेन (प्राप्तता) ७० (जिल्ला) केंग्रास) कि ए (क्लान कर्म मान करा) देशामासीसार (अधीलने छेप्ट्याल कर्वत) एवर (द्रायां मार्ड) में माराम थाया: व्यामी (विसे म [क्रिय] म्म: (मिक्र) म्मार (मिंगका कि) व्यवित (बानियत), अन्य (अरेक्श्व) भार्त हान त (अर्थी-श्यामार)क्याः (विवाद) हित्र (इसं [किट पर]) नार्: किन्ने से (नार्ना हास अक्त) मार्ना : (जामानं १९४. अर्बेड (व. टांग कावंता) टानंगिवरं अवव्या (द्राश्चावात्र में क महा का वार रहक)।। 8011

Bin. Hin an (consis on ourse) Inca oco. (on m. smusy) tesin: 32 (tinking) & inding (थरं अंधरं [क्षं ड्रांड]) छेख (छेवश्वांर) टम च र (ममद्र) मामा: र्रो : (राम रमे) ' वर (० साद्य)) हे के बंद : (क (ह्या के दि राज) यहार : (अस " [लाव]) खिला: बद् (खिला रानं हमाद) ' किं (अ दलाह प्रापंत भरती) अवासकाः (वामक्रामक मार्म कारिक) समाः (अम शाकृषि मार्मेस सर-(आर्थ प्राकतिर) भक् (माहि दाम) वय (लाभाष) थर्टा: क्ट्र (थरंटा ने क [नवर]) लाए (म (लण (म) लक विश्वमा: (में दिरे विश्वम पाम), उ प्रम (2151 mmia [242154]) @ 43 (284) 1182-8511 मा कार (कारा मन कर कर्ता) ट्या ह टिला: डि (कास्मान कुटरमं साहा) बरन माह ([त्य काप्रावं व] यन रहंत्य) वरम्र द्भाः व्यानः ([اع الاماع عدم ماه ما بعاما [اعالامم]) - मार्थित (मार्मित प्रभक) वाम्य (वाम्पर्य) अ मूर) हार् (अर्न कर्म्स्य), रेक्ट (वर्ष्य) ग्रर: (अरे) विदिछ : (अर्बी रूछ इरेन)।। 8011

लव: (लप्रदेवं) लाम. शास्त्र साम् दि (भ्रांका लक (अवन कांब्डि) समागाः (समम्बक) रामः (this) muded (directed 5xxx) " xxx: ([axx] यशासन) महिला: (यस अरकार के अर में: (रामित लानितन , [आर]) प्र: (अक्ष) विधर्तः देव (विश्वतियं गाम) छार कार (स्त्रीय क्षास्त्र मार्मात्मन)॥ १८॥ 22 (purus) 35 44; = (21 (21 212 (21 5 24)) रक्षः (इकः)' कर्त्वा (इस्टिकं)' तक्षावर्त्त्र (वक्र व लक्ष) माल्य (माजमाय [नक्र]) सेमर (मेम) विद्यार (नरं) मेल लक्ष्मार (मेल लक्ष्म) (व (वामान) ७ उपनाति (Cua Cua प्रम प्रम वर्ण €) एउउ (122 र 118 GI मर्मा (जीनाचा) क्रमजन पात्र (क्रमजन क्रमणा बा डिटक कू भवा श्लेष (१ प्रकारमान कू भवर !) यानियाति धान्त अन्तानि ([क्षि] आमन्द्र । के देशक म्मार अमंदन) अरुवार भारते में (तिम Cra रेस कार्य) में अं ए (क्षेत्र क्षे) 118 PIL तावर (त्यात) ठाडेपूर (चारक) कामा । मारे (त्या. (अअरे कब्रिंग) हुण्: अअग्र : (नव-मण्डक)

ein: (tin) mused (nongo 27 x) " car (cuz. () ang xé m 3 6 06 (m) de a me a m 3 2 4 14 उत्राह्म)क् प्रमूती (क् प्रमण)क्ताप (विभागन)।। ४१।। [त्र अक्रिक :] वर (व्याम) क्रममान (त्यान क्रमारं) थरंद्राल (बर्ने प्रमाधाद्य) के मान्नानाः (पक्क मन्त्रा) लगाः (यह स्मिश्व) मनम्मा-क्ट्रायर (मन्त्रभूतन , गठभूतन) म्यू अक्टर प्रकाम: (७७, मूभ), मुनभूत्र- नतारे (मनक्ष अनारे) केल्य (वरे) मबाचीर (मगरि क्लंटन) रेर (क्लान) अशीमार (अशीमार्तक) पूचक: (अध्याक) आन (नी प्रदे) मास्टिंत (श्रिक क्षंत्री कार्य (क्षित्रम्य क्षं)॥ १०॥ मामिला (मामिला) जार (बामित्यम) , राव (वीर्य!) लयंग (यह नामाना [म्रान]) वन (कामान) माने पम (ट्र पमरि) अअंति (अअं) त्मोन्तर् रूजान (केल्यानां क्रिक्ट क्रीन एक काम साम्य कार्वगाष्ट्रत), जाति (अरे पण अरेर) अप्रवः (अअभाष:) आमा: (अहे कूममण इवेटण) मार्वरवर्ग (त्या त्यक्षणां) त्यारं (यरप्यं)॥१९।। (कोकी (क्कान) अविष् (बार्यन [राक्ष्ण])

स्मा (कार्ष) वाति (अरे प्रमार करं) मानिलंसक-भावत्यं (भाषवायं शासमाव) ईवापि (मासम wighing "[dig]) arous (con syla) wary (अर्थ नर), रेडि (रेया ठारेगा) मः (अक्र) ० क विष्यामा : लहेंद (याम् श्रांच पत हें मिपनं द्या छेता अ २५ (यत)।। ७०॥ त्या (वरवाट्य) बाह्य (त्युवेद्य) पेल वासक (त्येल कामक) रेडि (यर बाला के कामा (यर से व बार्या रामुक) लक्ष र (जाना) लाम मड (क्या परंगा-15(44) 2: (a) \$ 40) es um mes (carris ner aver,) \$ 20 9 Be (24 a your langed , serve लकार , या बामक काम इत्या - चर लाम निभारत श्रिक कारक भन्न मी बाद्य हिस्ता के क के का कारण क वा प्रस् छ ह ब्रु ता व प्रमुखा कि मार्टिन , धरे द्रभ कार-वंश्व ((त लाला, धाम्मा) धाममात्रामें मः लाह्यते (मासार विव हित्य में मार्गा पारम्य)। दाः।। चान्या ([वन्न] चान्या) विमंत्री (विमंत्री रहांक) (अमी-क्षि) (क् माना उ मीक्क त्म) वार्द्रमंद (डर्मना करिए मानित्तन, [अमरुन]) कृष्:

(व्योक्त) क्रियं (क्रांमिय) आप (क्रांस्ट्र) न नान्तर विकास (राज्यान विश्व) तम अल्पास (للنور ما مع علادن) عن ([قارع] كمع مع ما ال حجم इंटि (यर कार्यमा) निवस्त्र (निविष्य्य) धन्माः (जीशकी अउद्दर्भ (अ अक्रम धरके) निकेष्ट् (अग्रेश कार्येगा स्मा) हलत् विष्ट् (हक्त इरेत ट्रिये जिंगकमत्क) अनुनू दनवा (क्रिक्नांत (वक्रममा), आठक्रिकः: (आठक्रिक क्रडमी-में का) ' लाम दिएक: (काम दिलाक्ष्य) [न्यांका]) उद्भम्डी (उद्मम कार्नमा)। भेठ-क्रादिजविष्टिन (राम) ७ (का प्रमारकार्व) कर्न ७)१९ (कर्म माम द्वारंग) वाव मही (वायरे कार्य कर्ष ए) वर्भ (वंन भाव) ज्ञि (ज्ञि) मा जाती र (विकाद कार्न m हतान)। एक ।। प्रवर (पर्याम) ग्रांच (ग्राच्येशन) वर्षमात (हामरा आकित्म) मरमा (मरमा) मृभ्येषी: भावेषा (मुक्राकी-तामी मार्का) जामका (मकात लामिया) (लाकार (लाक इत्रेड) भा कार्टना (त्या श्री क्षा) का मवा (काम्य नेट्ट), द्राष्ट्र (तं सक्त) लाहरका (राम्यादिन)। ६८।

वर क्रका (खाडा करम् कर्त में में) समाम् (क्रिस क्रि uly i suga) ing en es la (Timper a ayer) क्रीक्ष (बीव रत्रमा) श्रित्वा ([क्रम स्प्रीत] कर्षात्र. अर्थन) नीयर (जिनिष्) विभिष्ट १ विभिष् जारवर) नी युर् (प्रवं) कृत्यु नमा किने क्षा १ (क्राक्त्रवं नामक क्राक्) आमर्ल (हेमार्ड इरेट्सन)।। एए।। क्लेक्ट्रा (कूक्तन) कुक: (अकुक्र) अन (डेक के के मार्का) मामिष: (कार्यमा दिसम (कार्व)) याद्वा (भारत) रित्यान्त्रं (मित्राम्पट् ने) कामत (लभन कार्यन) , जायर (जमनरे) कृष्ण (बारिया) ख्य कामका (टमभाम कामिमा) के स्वास्थ्रकार (कुन्तिकार) क्माद (हासियत)॥ २०॥ प्रकार (प्रका) वित्र हु: क्यर (वित्र स कावत कि १), भा (कूल्यका) अर् (अंत्राहक) धार (राजितित) अक: धाने वहे: (अकरि बामने-वातका) र मण्डात (भाजमा भारेत्वरहता), Стара: (में बद्यामप्) करण (बाह: धारम्य) प्रवाह? त्व भीका: (क्रांत्रादिमारक निषय ने कार्क मा नर्ने मा 14 miles) 11 6 9 11

(विक्रम्): (प्रतिम्)। ८०। कार्याट्ड्र) भः (छात्र) मीत्र मेंग्रांगं (मित्र मेंग्रांगं) वर्षे: (राजें चाम्प्राप्तक) लामकः (जम्मार्यः (विश्रम्प्राप्तक) मः पकः (रा चक्षि) सामेंवः (प्रतिम्प्राप्तकः)

हित्र)॥ ६०॥ (प्रिंत्रभावंत्रवेद) केम्भ (भावंत्रके) भिता (प्राप्तमायंत्रवंत) क्रिम् (प्रिंत्रवेत्व (प्रावंत्रवेत्व व्याप्तः (वर्त्त सम्प्रेत्व अहत) क्रावंत्रवेत्व (प्रावंत्रवेत्व व्याप्त : (वर्त्त सम्प्रेत्व अहत) क्रावंत्रवेत्व (प्रावंत्रवेत्व व्याप्त : (वर्त्त सम्प्रेत्व अहत) क्रावंत्रवेत्व (प्रावंत्रवेत्व) व्याप्त सम्प्रेत्व) क्रावंत्रवेत्व) क्रावंत्रवेत्व । व्याप्त सम्प्रेत्व) क्रावंत्रवेत्व) क्रावंत्रवेत्व ।

यः (काम्यक) के काह (क्यम्य कार्ट्य !) ।

विका (क्षित्र क्षेत्र विकार क्षेत्र क्षेत्र विकार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विकार क्षेत्र क्षेत्र विकार क्षेत्र क्षेत्र विकार क्षेत्र क्षेत्र विकार विकार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत

ना (क्षान) व्याप्त (गिरियन) , मः (छिनि) व्याप 22 (-2 आरामे) क्रम् की आरण (बरम CMICEL द्याभीटण्ड्य), जर्भाद्र ([र्का विश्वत] डाराव (22g- m3) nash ousi (na haza ugin ous ्रिक्तवा वितित्तन]) - अपः (देति) उर ७रेनः (musia asyx) y aning (owysoceter)110211 जितिया वाने त्या न पक: ८०९ (छात्र भिष्ठ वका) र व्यापाछि (म लारमर कारा र्दास) श्रुक्तिंत (श्रुक्तं मार्ट [ज्यि]) का त्यों अव (जारगरम प्रे नन त्ये) कृतिमाक्तरे (अहर माक्तिमार) मामिकान र कानार (Tilg ord Corollia) and Las (or extern) 32 (22) mes i (27 in awala) 110511 वृक्षमा (बार्टमा) आरमान्छ (पूरे विनवानं वानिता) Co (Quaring a Cir) ush (oughin) sont may a d (सर्व मण्टायं भारत) ब्रभारवमर (बाम्भनेरवम-वाती) क्रम त्यमः (तमकात्रभूक) कृषः (वीक्षाक) म्योष्ट्रा (आक्षायमा) क्व (NB4) MINGO ([4M)4 1746] अशासमा कार्तित)। ७७११

वृद्धा (किरियाकर्क) मार्थिः (समाप्ति इद्या) कृतः (अक्ति) ७१९ (उँ।३१८४) व्यानिया (वामीकार कार्ग) वात्रक्षेष्ठ (वात्रक्षात क्रित्र व [त्र 1 (2 1]) (a (sains) 20: (22) cumus' (अलेड प्राष्ट्र के क्या [यर]) ये या (में वर्ष) त्र मान्यामिका वास (भवस्त्र मस्कार इडेक)॥ ७४॥ कें (महिक) किसावति (जैमाव लाइति) लबरे (214 CM 4) " (a (COISMA) Squ: (22 à) WH ि विष (लाम कि वन), बुक्तमा (किरिया) राक्त रेडि डेड: (काका 'अक्ष अमित्र) जारम (क्रीडेक) सम्पर्याउं (लाम्ना मडकार्य) हार कार (किरियाक कामित्र)॥ ७०॥ मध्यः (म्प्रानं) मस्त्र वर् (प्रवृश्चिनं कमा) जिट्य (इ में सम्पद्ध)) स्माद्य (विस्तव क्षेत्राह्य) 5 is (312) m 3420) (CH\$ 3420 13) >4 7 24 ([and] CNJ 3/2) 26 22 21 (24 Side मैक्सर्व (टिन्यू]) विं (व्यक्ष) हमा (हमा): कार (तक्त) कुक्र (यामांग) लाम (लामड्य) असीर (भीवादारक) व्यव्योष्ट (अस्तित्र)।। एए।।

लर्क (१११) रेक र माम् भित्र से अर्थ से अर्था हिक्सा है। عبر (ایجند) و منفدنده (مفاع تصد) معد (محمد) פוארסצישינסן. (את גענתם שן: אנותנים) מול (कारणाक [मेरवंग्रहत साम]) रेप (रवंप कवं) न मी. (याची) CA (outrid) अमे मार य (अम-मुस्तामार गर्र । [लक्षत्र]) के देला : (के लका का) हम Mary. (minue my ergin) org. (oug. क्षा पर कार् - व्यक्षेत् क्रमार मार्म माना. लाईक गास्ट्रक , कर, लाम्ब हिंगा कवाद्रिया न ed, orged Exp. Esta Para 2 - Cong. - Right क्षारे देख्या त्यावर क्षार्थ क्षार्थ कर्मा के क र दिला का माने के मान के का माने के का का का माने source course ourse cay, organ चंत्रे कंत । (त अने मात्र, िया + इ + अने न्यार) कार्यात ला - मत्मा लाख तर - क नामं , म्मान, - मान्यामान देश तारं, - ज्यामाक ्ट्रा: - के में के के प्रकाषि है का मान 2 (1 1 1 0 , more 2 1 2 1) 11 1 1 1 1 [ववंगुमर] यमम् मर्कर्रमानं (यमाठं

गिर ह लक्षापं कर्णाद प्रिकेशिष्ट भाषाने । प्राः (प्रित्यिक प्रमाकां । प्रिं कर्ण — (प्राणित क्षामाना) कर्मा (पर्) विच्नमं (गिरित क्षामाना) कर्मा (पर्) विच्नमं क्षिण्यमं केश्वित्यमें) भाषामुक्षाप्त क्षिण्यमं केश्वित्यमें अभाषामुक्षाप्त क्षिण्यमं केश्वित्यमें अभावाद्य प्रकेशियाद (गिर्म द्वारित प्रमामान) , व्याज्यम् (गिर्म द्वारित प्रमामान) , व्याज्यम् (गिर्म द्वारित प्रमामान) , व्याज्यम् (गिर्म द्वारित प्रमामान) ,

ति। में लक्षे, कम्पर कर्यान्य थिए करा; क्रम्पर में: रमके. بمفتنع الاير مسوسة متعس المريد व्यामुन् दंश्यामान्दं दक्षे , मेंदं : यह , व्यम्प सर्भावत् चर् सिमाल मिना कर्या कर्ड)।। वर्गा वर (वास) कार्यम (चर्) धास्त्रम् (सर्मिसमा) विचार (विच क) आग्रासीय (आग्र अवि goveria) maja (tre to) sie (7 26 थ्य- ल्यात्या) असम् (असम् प क्षे) " जाता (ग्रहाद्व) ट्याडार्झड़: (प्यांक्शाह र्रा गृह लाय - भीवबमय मीकिक) (व (वातान) यम: (यमा-देव ठंडुना) रामत्तर: (कार्युन. तावा ' काम्यर्व यामर्भमधावा) मार (इदेखन)॥ 90॥ ला (नर् लेशासार्य) सर्वसल्यः (सर्वसल्य) ला कार (मिंडेंबे) अपि - स्नाह - साह - साह) नमान (मान- कार्नगहित्यम) कम (क्षत्रक्रें) Lavino Lyino (Lou xous Exta) 2: (सर्वसम्म) शकार (जीसमात्क) डे-अमिरिम (डेलरम्म कविट्यत)।। 9311

भारत (८४ स्थाप्त ;) हैं (र्टेश) टमानित : माम में ब्रेड (, (, कामूर्त क्रियं मर्मे रहें , जाह , लक्षेत्र अध्यक मेत्रावकं क्षेत्र के का का का का का का का न्युरिक्षं मक्ष्रिविष्ये थेये) टाम- मर्ने अटलं (ट्याक्यमतिरवं महीशिवं दुत्यात्न), काम्प्रद्रदं -राज्यां विश्व अमी अव दिल्ली) । व्यक्त (नर) प्रिंग्रिंग् (माध्यरिक लाम्प्रेरिवं - लामत्त्र डिक्काबी (क) स्थ- (मिश- (स्थ- (स्थ- स्वर्धर) のかんをはる一多」をかれる。) としかりんらいれる. रियाम (कार्य केंद्र क्षेत्र (म्यून करका) (म्यून प्राप्त कर्य है। (म्यून प्राप्त प्राप्त) ट्राटिन) (प्रकार राग्य),) ग्रेम्स्य अमें ग्रेम (न्युवाक्षक अप्रअंतुष्ट्रं) दक्षा (एष्ट्र मडकार्व) लास (अमेशकारम) भारत (स्रायम कार्या) सम्बद: (म्यानकः) (अराभवत्त) कर (बरिमारक) our (ग्रेसिन)॥१७॥ नकार- क्रिका: (ब्रिके नक्ष्रिक- एक:) रार (लासका) लाग्रस्त्रवादमा (लाग्रस्त्रवात. TANK) of OWE: (CON Y ENGIN, " [ONA])

उसे रेखि: बहु: लाइड (लाश ने में रेखि काम ने बायक राप्ता) लामस्यात् (लाम स्प्रं लाम् रा म लाममा (म्यून कर्मा)।। 9811 [लक्षित] मन्त्रिकः (मन्त्रिकं निका) क्षातुः. यार्ने का रिडिट (स्थाडिक व मार्ने क्यार (30xx 000 [206]) x20: 00xx (x20-23,) To anyle: Lawe: (comesa. चिम्यार्मारम्ब आर्ट्ड) स्मित्र) En (oursis) Del elmys (93x 22mys)11de11 रकामंड ([लयस्व] खाद्या) त्म्याः (क्यायाव) कर्तलामां (कार्त कार्त कार्ति) भा (कू क्रवा) शहर (अक्करम) अम्बीर (बाल्यत), मुका (वर मुका) है। (क्षामानं प्रकार,) माद्य (मान्या कार्यावट्य ता [ound]) वस्ता: (वर्न म्यांकान) क्यर वीका. (इस अबीका कार्या) क्रा वद (इ क्रा वस्ते)॥ १७॥ रावः (जीक् के) छार (क् सम्प्राटम) व्यार (कार्याम), लामाकर (लामार्षं मरमः) प्रयाम करम्प्यरं (ब्राप्त) व अम्मिन) र कार्यः (कर्ण रक्ष), जमामे (उभाम) व: (वाक्तरवं) भीका वल: (भीविषक:) मृत्रव: (र्के रेंथे (०) मन्त्राम् (रम्पे कर्ने (वाह)।। वर्षा

वर्ना (व्यास्त्र) लागाः भाषाः (चत्र भाष्यां) प्रांत्र (manus) An (ound) Ha: (noten) andi (अमाध्व अंग) 'आमरे। (में स्पर्धा) वमा केर् (वार्म कार्ति) म: (वीर्क) कद्मान्य-भूतकाविष्: लर्ट (काम लक्त व में प्रक्रमें के र्यु ने हिट्या) 11 व मा िश्रित । बिमार्म (विमान क्षांत्र) काळा प्रकृ (प्रिक. वर्ष) क्राक्टामी (स्थुवर्रम्) क्राप्ट (वासित्र), रेम् ¿ insoc (gar ong wir ounty Ca) " man: (र्यान) भारि (टम मकत) अछाडिशानि (अछाडिश العَلَيْ مُلِودً]) دم: (ه الله عام) عبدة 116611 (2, 8 Expres derent) due 102 (६८ (ग्रष्ट) लग्मः (दूराक) कमार रेखः (लार सर हिन्द [डमं 'बर्द]) अमेर (लामका) भेरू -सर्थात: याः (आक्रं अन्य प्रक्रमाख्यान्ती डर्न्ड) मन (ट्रामात्त) लम्मा: ।म्ट्राट: (याम लकरात करंत्र) लान नव (रमभारात्र) ममस्ति (मक्तरिव भार्व) भव्यात् (भक्त धकाव भक्त मिस्यव)।। १०।। ((कामार) श्रीम: (में कर) गाम हिं साई (यात ए क्य) रेडि दे मा (नस्तम्म महित्र)

रेस्यां (ध्रुपा) त्रामि (में क्ष्में कता) दुर्माट (शियात) डांबं: (क्यरिक) अपात्रित (अपधार्विक) लाश्वासिक: (लाक्ष्मणं विस्नास्य स्व) बारं लाउ. (मरियादक बानियम)। 6511 र्टाम (८. र्टाम ;) (० (कामान) वयतामान (अल्वं लागं समिता) वर्षः (ल्लाक) विमाः (विश्व) वद्दि (वद्राप्त क्रियंग्टर '[क्षेत्र])लमाः (नरं) आकृषा: (अवत्रेत वर्षेत्रे कवारक) कतारवन् (अवाद्य) कि (अअक्य विमें) के हिंद (क्राप्त ?) र अख्याह (मिन दम अकाम कर्वाड भारत्रा)॥४२॥ रिका (श्रुद्वा) वर क्रेंडा (बाग्रा क्रान्ता) लामालेखा (लामसमम्बाट्यं) उभा (मिक्रफ्यं) भू कछ: (प्रधारम) अमृतार् कार्यका- कृष्ट पार् (माना हार लामें में में में में मार) आर्थिया समार पराव (भाविकाशिककाल क्षेत्र क्षित्र)।। ७७।) व्ययत (चर् समर्ति) में द्या: नवा (भेराय त्याम्ना) वार्य (बालितत), विकासमार (०-विकासमार!) डार्ड: (क्याक्रिक) मनः एकत-क्यादीयार (रेक एकप व राजकि विषं) त्वाश्यानं (त्वाश्य वं श्या)

Land (countrie gerie) agonsa (agon विविद्धार्थित)। 1-811 चिक्क वानित्य - will] विटक्षक वानादि (बाकार्य. राभीत लामा वं लामाति) म लामा (त्वामम कार्यमा [[gaaa:]) unys. (my xya 221. [ourur]) तिमार्नेष: ह कामी (तिमक्रतेय कार्नेगारहन [कार्य]) नी पर (नी यूरे) भागि (टमआत मरेटिंहि) सर्मिनेस (८४ प्रक्रमात !) पुर (द्राप्त) देन त्यार 5217 ([33] GISAN DIY 44)11 POIL भर्दाः (भर्द्रभाम) आरं (शमीतम), रुष्क (दर रुष्कः) मार्श्व वरहत - माक्रिया ए दिन है ([onema] मार्श्वाहतय नाक्ष्म माउ) अन्याम (विभार विभार) आर्म : (तिम अभूमी इकेट) अर्थ प्रिकार आकृष्ठ) (अपूर्यां के प्रांत अपूर्ण) वट्टम (वर्ष माण्या) ध्यार (यात कार्यत)। ५७।। यः वदः (धर्ममण्य) वार काना (त्यः क्ष्मणं वीगंक गालिया आर्था) दाखे: अत् (महाखे दर्भा) मर: (aciasa) & Consy of althir (& Court orand & y of रामात्रेट मानान्रेटन) अकत्न (अकत्न) दोरवर्ड !

यक्षा (द्रारामा वक्षात्र वक्षात्र) अवं (क्षित्रावं) मार्भात्रत (क्यारं अप्रह्माटन) ययत् (में हो कार्ड प्राप्तिय) 11 में 111 महमान : (महमान) उद्गार आर्थेट : (महिनान व्याप्तास्य) केकर (अविकार्य) प्रमाद (श्रीत्य) हैंस (हिंहा) साम्भुम्स्य (राम्भुमं वर्ष) वर्षिद्वादि (राष्ट्र पा अव्य) उटली रहा म (उट लेस कार्य) ॥ १००॥ ad (कावण व) कें लांग (एंग्र करवंग्र) कुंबई (एंकिएकं यह लार्) महार (अर्र कर), त्वर (भिर्) त्व (द्यापान) कराम्य (कत्म्य) म्याम् म (त्याम मरागमम भा रंग वटन) मः लांद (राक्ष्मां चर कर् विट्याड): रहारि कत्वार्ष (अक्रिनेयनेरक दान श्वेष र [र्यात]) विका: (वक्राव्याव) अधर छात्रका (अअन दर्दा)। प्रभाग [लप्छनं सर्मम्य] लस्मा (मीक्रकनं) सर: (बार्सार) मित्रिक : लाम (सिरम्ब मार्थित) , दंगा भी केंद्र: (ouig रूप मार् प्रमुक्तार) रे (ट्याप्टर) ट्राम : र (ट्यार द्याप रचे (यमा) र केड दुक्री (यह अभ्रंभ.) इम्म (अम्रिक द्वामुक)

(व तर संस्थित (श्विशकार] (अद अप्तर्मेश्वर हन) माकर्य (मुखं लकर्य) ब्रब्स (लाबन कार्यप्य)॥ कुन।। [अनडहं] करिया (अरिया) कृष्ट् (अर्था) ज्ञान (वानित्तत), बरो (रश विश्वणातक!) एवान् (धालान) RE (purus) RIMA: (RIMAMA:) NEL 34 (NAVY) Curgo (curso) ouing (ourtar) ou (any) प्रमें (लग्रित) लग्गाः (नवं बहुन) च्युनेश्वर्थ (मण्य-ने आ सक्तात (पंच कर) [कानगटक]) वकः हैवः कार् (अ द्वार्य करम वर्ग कार्यां कार्यावह र [कार्य]) त (धालका क) दृति (अहून) मामिनार (कार्यना) मनामि (पान करिय)॥ २०॥ र् १९ ९ केर (नवं क्य काम्मा) भर (क्ये) सार्द्या (निरंग) इसे (इसे हिंड) आदिन् (भ्रादम) टर्भ हिल्मे ह (वक्ट्रिये हिन्यू मन क) नवा (अने व कार्यमा) भार (निकास) कुलार्य (कुलार्य) यमस्या (साम कार्यमा) जाहि: (भी मार्श अकृतिम मार्ड) लाममंद (म्याडिम्म) हामुबा (अम्राप्त कार्य (बर) ॥ भेरा मील ([बरकाट्य] द्यायहा) काका (अर्थका)

म्पद्धा (धाम्य धाम्य) लर्गामं (क्रम्मम्मास्य) प्रायत्वां (पात्रवां मार्व) प्रात्में कर त्यत्र (लागात्म न हल) भूय: (वाव वाव) मरभा (मरभा) श्रीकार् वित्रक्रे. (त्रीया अनामक्ष्यक्ष्य) श्रामान्यम् क्ष्राम (क्ट्राम, लाक्स ल क्षेत्रका का का विवाद : (का केरक्ष) इके अन्यान (येम क्षायां सर्वे) लियही aun. (लात कार्यात) वृष्टित प्रधाम (वृष्टियार कट्यत आरे)॥ भणा अमा: (अरे) मूक्तर: (भूमनी की ना की न) भा उत्करक-भारी (त्यक्ष त्य प्रवर्षि) इत्य-द्रामेष- नीता-। मेक प्रेक: अमूर्यर (अम्लाम नी माकम । मेक प्रक-चाल हाडा आड़े में रह मा [मेरत्]) यशाया (यशामान्त) यग्रव्या (यम्दाव की कि) कार्या (विकास कार्याहर) भा (बारा) का छ (भी अपे) विवय विविधित (विवय-दित्त विश्व [नक्]) किंगां लाहा लाहा (प्रवंश र्डांग) प्रमाय करतं वर्ष (= रिश्मिल्वं] (तटाव ब्रहाभकतक ररेणार्क)॥ १८॥ काशियाम्ने मं में हैं हैं। (क्रिंग्यां मां सम हला कियाने म म्मार्स डिर्म्स), मिलार्धन अड:

(युर्णिटमाउकारि) केंकः (म्रकेत्र) विक्रमास्मारतं (विवरंशन मिल्बे द्रिट्म) सिनेर (स्वरकार रहना) क्रमेर् (अमेकाम अटके में) क्रम : देन कर्या (एमन ल्या अंत ह्यांगाहर्या)॥ अव। लग (लग्रक्ष) सः (शित्र) माम् ल्यारं मार्थ : (मंत्रय व मर्मिनं तिन अदि) विवन : (विवन हित्त) अमनीत धानार (विक अप्रहवंगतिन विकटि नवन कवित्यन), ((अरे यर हवं सन् [क्या]) स्का: (क्रेक्षाहत) लार क्षा (कार्य कीष कार्य की न मं साम) उर् (अत्रात्म) धार्मिनं हु: (बरामिनं म कर्नाड कर्नाड) लक्ष्य ([नस्य] मिर्माहित्य)॥ भणा तेर विटिंग मा यहिं के र (कि मा वे विकर यह कि काम) धासमा (धारमादिमाक) दिश्वा (छात्र कार्न्ग) भठनठ: त्य (श्रम्म त्याम व्याम) माठ्य (क्रियंवाम) गाक्ताः पीमहिताः मः (गाक्तणमा अपीमहिता ल्यास्या) औद्रेश लक्षकर (स्त्र द्वादन क्रीक्षणा ह्यात [183]) (अंधम (१५ (अंगमम ;) है। बाह लाक ं थ्याश्वीय ([लामका] त्यामक लास सत्य मार्थि देल्हा Mist Cancerna : 734 ([courie] onguir and (अक्षान) सावर (अक्षत दम्लाह)॥ २१॥

Useful Factors

$$(a+b)^{a} = a^{a} + 2ab + b^{a}$$

$$(a-b)^{a} = a^{a} - 2ab + b^{a}$$

$$a^{a} - b^{a} = (a+b)(a-b)$$

$$a^{a} + b^{a} = (a+b)(a^{a} - ab + b^{a})$$

$$a^{a} - b^{a} = (a-b)(a^{a} + ab + b^{a})$$

$$a^{a} + b^{a} + c^{a} - 3abc = (a+b+c)(a^{a} + b^{a} + c^{a} - ab - bc - ca$$

$$a^{a} + b^{a} + c^{a} - 3abc = (a+b+c)(a^{a} + b^{a} + c^{a} - ab - bc - ca$$

$$a^{a} + b^{a} + c^{a} - a^{a} + c^{a} +$$

ROUTINE

Days	let. Hour	2md. Hour	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday		= = 3	5. 1	F			,
Tuesday							-0.
Wednesday							
Thursday							
Priday							
Baturday							

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদ। ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প**ড়ে**

- ববীন্দ্রনাপ



म् विश्वम्युम्यार्थि DITT 3 BAYTAM Mekha 20 mu more, 2019 arong - 39 Out of 19 Khatas Khatano. - 16 मः लगंड बान्यमम्बर्धाः (म्यानानं समस्व म्मिन कर कार्य में मार्स) में अवसम्मार मुला-मीरिताह : (मार्ड वीत्र सर्वाक्त्रीयार्व मने हे) नवार रेडियार: काळोळांब: (हिम्पाय रेवंबवार व काद-पूत्र प्रमुक्ताभरे) वित्रमाछ (त्माका भारे (छट्ट) न Rd CA RIWS ([129] J\$213, OURIS CYRUS) Rd (८४), रेर विनमह नीनक्षानकक्षावाजातीजा (चर् नीयाम्डम्यूट रे बिनामकीय क्रीमान क्रथ-(साम्मात-कदं के आक्षेत्र बाक्षोत्राचा नामुक) करें यात्र्या काम (द्रक. गुण्यर्गे कमर्गे त्र कार्ड में र क्षात) यह में हं सार (क्षांति क्रामा कामात्य) क्षिम् (अम् श्वाराह)॥ १०॥ च्युटिक्स अराव विन्द- सर्व - चीत्राक प्रवास्त्य (मार्थ न्युक्टिशित्ववं सारस्त्रीत्राधं द्रत्ववंत्रत. My My & M Cunsuly Dada Crais mitter. मयवस्त्र) महिल्लामानामक्ति । दिल (sign you again water consulty wais BACKER ENGINESS) " = 12/2/2×12/16 (म्यामार भीवासाम्यामान ममार्ट्य त्रायम द्रमेव

(आव्यमाति द्य्य)॥ ३२॥ यंभाः भएः (लिक्षायम मूस्) युव्याद लये (सक्षायम्यायसम्य) चतः (चरः) लिक्षायम-भुगानिक्यासक (पदः शक्ति व लिख्ति) सक्षायम्प द्रमादि) ' प्याव्यम् भुष्यानिक थाद्यः (मुद्यम्पुष्यः द्रमादि) ' प्याव्यम् भुष्यानिक थाद्यः (मुद्यम्पुष्यः दर्गादि (चिंडरे]) म्युवनेयमतिक वेवद्यः (म्युवनेयम-

जिनम्भक्षात्याकर्त्य-अत्मादाई (म्प्रु क्रिनेकत्त्रं म्भक्षमकद्भाम काल्यां इत्रेहित) बाद्यायाः (र्दार लगाम्मा) मंमावार बंगोदानार (सात व इस्रीम (बनाविमामपूर्वन) निक्रवमनेकुए (निक (हिमंदिन थर),) के स्थाराबराबाई (मामंबर क्रियां अने व क्रिंग (इप न इसे प) मी भेरा (क्यांचाराक चिन्द्र मित्र]) काम बार है (क्रमंग है बार) स्ट त्वेत्रवृदेभ: वस्टेम: (त्वेत् ७ वस्मानतं मार्ड) चेश्र लात्र श्राप्त (चार्य लाश्रिम भाचा कर्यता) ज्याना द्याक व सद (जी यो के व प्रमात मार्व स इर्मा) । सर्वे से आधि प्रवर् (न्या प्रमास स्वास सर्वि क्षेत्राच्याच्याच्य [निहरें]) मार्थितं (यार्मनेकर्क सामार्कान मार्थित हम्तात्त्र " चर्नाल) मीक्कर्ट (मीक्कर्स [क्यास]) भावाभि (भावते कार्व)॥ ।। धम (धनहर)धमुनामाः (कमनवपन) श्वः (की कुक) मन मुनी- त्वर्न की ना - अवी ते : (अव मुनं , टबर् उ की ने कारपा मानियूने), व्यक्तितामा मरें। ([वर्षे निमानिस भी नाम भानमार्क) प्रामिष्ठ :

(वंग्रामनेकर्व) क्या ममाद (कर्मम ममंदर्) मनाद (ज्यमेर्) प्रमृदिष्टे : (अलाम्) त्यः त्यः (विन मिन) मदमारेक: (मामयम) अखारेय: (अखारममूर-हाल) (अबा माम: (अबा माम इरेमा) हेर्ल : मर् (कार्ट्या कीर्) माद्र (माद कार्याम् वर)॥ र।। (साहर (कर कर) नायाद्य: (श्वात्रव् वाक) कारांगा) अनुमारेभ: (वार्यान कथन) अनारेभ: (अन्धेक वाका) दिस्मानद्यः (विकश्च क्राप्त) अदमात्वः (अवन्तवं कार) मुश्रमार्थ : ६ (भूवहर) , वितारेष : (लाकार्ड) धानमानकः (त्मानम्मक वाना), स्वरित्यान (त्यर त्यरं) यद्भः (यस अन्धरं अमध्यानमञ्ज) कार्याखः (३४), त्रिंशे : ([नरः] इन्ड डेक्ना विष्) , ज्याम (के: (का कड़), व्यत्म (क्य क्य) धारिकः (धार्मित्रीत्र बाक्तु) विक्ताः (विकारकाक्तु) न लाटन (स्तर स्तर) अमंदिन : (अस्तान्य कामा) (धर्मामारी बाका) वर्षः (किनवाका) न orch. (अप्र अप्र) County (में: P (विशे स्मित हार)) (आर कार्य: (लामनाका) , मार्कार निमार्य: ह (स्कि मर्डक मिलानाका), रर्धमाकि मृहकारकाः ह

(अविस्त्रमनेक विवे काक) " कार्या दाय- हास्तु: (अर्थानकरमात्रम्तक बाका), धारम (क्ये क्ये का इसमारः (चिन्द्र] इममारात्म्य एक्ट्र एक्ट्र ना) हिन्यकाद्यः (हिन्यकायाः [व]) सत्र नाम-विविधः (अम्भारताय " अस्तरास्तित्य मार्था) इमडः (र्धात्रक र्गमाख) रमार्कभार्बो (रमार्क्ष ए न्यो कृष्ण्क) हामसामात्रः (इल्मिन्स्लिन)। ७-७॥ [लायक] एनंबारे द्यरं मृत (काटबंद प्रचाद, हुम क्षितवर कांत्रां के ने कार्य कार्य) अनुस्य मा मु- च बार (राउड़ के-गर्न् थिक्ट,) मर्काए दल्युर्यमार (द्रव्योनंबस, (वित्यपड़) निकु वात्र (त्माअत क्वि डिपाण रहेता) प्रमेम के तर् (धर्च प्रक्रेम (क) श्राप्तः (बनाएक) धर ब्हार्य (बार्यत्र)॥ १॥ बरिए (त्र विश्वतम्त !) प्रश्वास्त (डेडवीरम्य धर्या) रेपर किए (रेश क्या वस ! विश्वास कामीयन)) दिन भटा: (मूर्य ट्रिंट्सरवर्) दिल्पाड् (दिल्पाड, विमापन ELYCHE]) De: OLG (COUSIN OUZILE & [सर्वे अलंब वालितत]) भारताछाः (धनामतमार्थन विकरे इवेट । विमयन बामितन]) वेटम क

(देशन का विर्मालन कियान) जिल्ला अवा-अया: (यान्य अक्षय (प्यक्षर्) मे रहे (काउर्दे) लारा (लारा) लाझव: शवं: (र्म्यूज्यां प्रिया विस्तर 出出に出出」) ないく 座る王 (女なし とう) 五年し(がしばい) मर्मा (एक अप के निर्माल कि लिये]) महि (वादा इतेरवता), खबान ए अभाग: E (amm) नवः (marie कर्माराय) मुक्त: (Const , विमानव बान (सर्व]) । बुल्का (बास कार्यमा) (बला: स्थाई (कारमितारक राज) दें डिके १ ([मित्र] दिस्ते करें। [सर्व प्रम् स वासि स्मित्र]) (म (arma) विश्व म (tilled gast and " [ous]) or wis dem ous (कार्यक के कुर व कार्याट) 11 2-11 [बयदाव बायस्यय] ल (व र् बर्मभाग्र) वय नवर (कासम्ब देव त्वार) वताए (वत्व भूवक) वि भूभार्ड (अवरोन देवा कामाण्टा [धर्धकेन नामानम]) उवद् वयमात (orana वयमा समेटक [amil]) विनेर्य म सामा (विनेव्या अ साम कार्यमा) न्या व (इंग्रांस कार्य (क) ' है में : र्गा करड़ (out रामान । विकायह: वक्षाया श्रीया) समाजा

((TO MONE A BULL) BUS OND (OLDERIAS) 246 ट्रा प्रमुख (इने कात कार्निता)।। अ।। क्षित्र (क्षत्रके) वाटमान्नकाः (व्यादावन द्राम्नका) त्व (अरे) (आबा: (आववानवान) बढे ् ज्व: (सर्मात्यव सम्माण) अवित्रम् (वित्राम्य भाष्ठ) क्ष्र) ६ (त्वाका तेवा) जिन्ताहर (त्यान्या कर्षात्त्र भ [अन्छ]) प्रः (अर्थकान) वर् (वारा) निक्रवी (Силан कार्या) त्यांत्री व्यक्ति (थि: लाद्य कार्याप काब्रित)॥ २०॥ [क्राय] लामा: (नक्षम) में को क: (नक्षार राज्य) MELOS FOUNTALE) (MARIE BILLI AND IN) कहा लात (दरे दान दिया) व्यक्ती विपर्द (तर द्यम कार्डेस कार्व प्रम [नवर]) कार्माद (ज्या अकता) वृत् (अञ्च) प्रस्तिका ९ (त्रायम): यर) यह गायह (देव श्रीय) का मार्च्य (का म-2 वर्ग कार्यम)॥ 2711 मार्व ([जभन] मकात) ७९ वित्रकेड (जारा मुकेत. वित्र) लारे: १ (१ मान कार्य कार्य) वेरम : (भवत) स्टिकार (श्रियां सत्व स्राम्भेवीत्यमत्र)

अप्रमेत (त्रम्य कार्यम "[ona]) तक: (तक ध्य) कारण (इ.चान) वेज्यहः कारहेश्वर (वन्हार हाराम ल्यार्ग) लम्बार कर्ड (लम्बार सिटकन कर्ड) लिसाहरे (यक कार्या मिट्या)॥ >२॥ लाय: (लाव न कथा) लाजव: लाक्वित (यार्षा करणा मार्ग) QN2 (प्रश्ने) अँ यं वस्त (सम्मिन वस्त) सत्ताम् मर (काककी क्रिक्तित) छ । क्रिक्ट डिमा (जिनि अप्राप्त मिल्डिस्से के बारिय दर्त) अभाव ह (अअव वरंग क 22) 41.220: pr(0202 (ALC) congi) 3-01-46 (डेकी वरिक्न)। लिखीत ए हर्ने : (लिखित काब्रित [245]) com a 20 (Carena a 20) on con e in y (यूक कार्यमा दिश्यमा [अत्रेक्तम]) त्याहिए (त्यर (अर) कार (व्यास) (वर् (वर् निक्री) आर (लाअव (७४. (७४,) मानु ([प्राप्याव] मानु १९) मेड्रीका (मड्रा कर्नमा) ममल्य : (अपान्य कार्व (लेव)।। 20 - 2811 वर्दे : ([ज्यम] धर्म प्रमाम) हेरके : (हेककर्ल) कत्र (ब्याय) ठमम (ठाम) अव्य (श्रिकान) ज्वार ([नक्] ज्वार करनेत करनेत करनेत करनेत)

जात् (वादानिताक) मर्गत् नामत् (निका ७ वाडे-यक्षात रायुंता) रक्ता (कार्रेडकवं) माञ्च लारान (मार्क हि नर्ममा) अव्यय (अकला व दिक) करा देवर (क्राविक इतेलात)।। उटा। क्लानि (कात्राव्य कात्राव्य भार्य) वसा (वादाव) अपूर (अपूर्णाय) अहिंद्रायकाहे में में (प्याव्याप्त). मक) अदूद (व्येमाहित), उठ: (अनुन) कृष: (अक्रिक) उर् (अर्ब मले न त्व) व्यानिनं (व्यानिनं न कार्नेग) मर्यात् समीत् (भ्रष्टक्यर्नेव सक्तरक) म्बाब्धर (जिलावर कार्तित) ॥ 2511 कृष: (अकृष) अ धारेम (उंत्रात्न) प्रत्यं - पार (त्यर व माइव माइव) प्रकार (देववीय) क्रमान्य (क्रिंग्रेश मियान के बक्षा करित न [जमत]) भः (मर्थमात) अवर मिर्यादिकर् मीआ (९३ मुटनं क्रिक्) क लागे की नक मक्त पर सामां) के का (कार्ड,) ट्यालाम (ट्यालगायकमन्त्र) न्यमा थार (न्यामादिए पिए कानीतन)।। २१।। ब: (colsian) बमार (बम विव्य) बमार केंग्र. (TI MEY & MEN 13 COLL ELEGISE) " CA (OLINIA)

म्प्रसाहकाः अवाः (मैत्राजेन्। मन्त्र देने मानेताह) Exx.: (or exx [cmany;]) his (cerail) सब्मा (मर्वापे) कालावता : (कलावत्त वात्रका) The (orenes) & show (short ship sel) 11.20-11 न्य : (यह [and]) म्बाषुकर्स (corence कर्य) wrong (andary AD) Ine (319) with (पारेटि) १ रिट (यह मिला) म: (जिमे) पर्वूड र देवें (में कार्य थायात थायात । स्वरं मार्ड्ड (मछन हाम ए कावस कावंति) बाटम निवावंड: (इल एवं डिंग्याक वान कान त्वर)।। उने।। धाराने (पर्यामान) उर् (बन दिनदिन) आर (राम्याम), काश्रम, मार्थ (नरं भाव मार्थ) ख्यान (world) अट्यावक: मर्जा (अट्यावक 201 ([010-72]) Terring 05 013 421 (Ain 23 या कार्य) दिया (andra अव्य) वाय (ama) न प्रश्ने (बानग्रामा कार्यवरा)॥२०॥ इक्ष (चर्डाल) काटम् (अद्) चारणाव्यः: (म्युर्क) लाश्याः सामादः (मर्द्रवंग्राप्वं मकरियं. अधिक) कुलियं (कुला अप्रकार्त) समुद्राह (अक्ट)

लामगाउँ (लामगाउँ यात्र) ममधात (मब्य) u: eisis & (cur-eisy eisin- [305]) DiBoir-नकर (अटक कर्मनका न निकार) अक्ने ह (विष्यं शहरे) रेपावंश-। हव- धनाय (रिलावंश अव मायन अम्म अक्षात्म) नमामेश्वा (व्यानम् अपन-लूर्यक) यात्मारककृत् (मिक मर्भना हिनाथी) उनम् त् (उनकार्यमर्क) प्रथमन्त् (भावते कार्ता) में भारति व (में मराय कार्य वर्ष) ठेट्क: धम्मीट् (देट्काकेट इवस्त्र)॥ २०॥ लम (लप्टेन) हाडं : (च्युकेक) स्वयात्वया : (व्य-भन्त) अर्थिः (हर्वास्त) देवसार्व्याः रें हैं। (रेंद्र विश्वेष अर्थ कि ति शिंग) काः (अप्राप्तिक) अक्ष्यान्टर (नक्ष्य श्वंबाव थ्या) डेरकः (हरम्ब द्रांधा) उउत्राप्ता (कारायन मालाक माम देखान्ने भरकार्य) बद्भी ? कटारे (वर्मीकार करवेट आसिया)।। 2211 लांद मृथ: (मर् मुकेक [ब्द्रमात्र]) हिंदी माम (र नाम ह) राहान (राहान) , महान (वासान) ? क्के पटल (क्कें पटल) ' डिडी इटस (दर इटस)

emis (emis) असी पु (मर्स्या) के का प्राक्र. (कळा प्रता क) । हरी माल (त्र माल) क्या बेरक (ज्ञाने क्), ब्रम्प (भ्रम्प), ब्रम्प (भ्रम्प), डिरी. हिसि (४. हिसि) मंत्राम (मंग्रम) म्याप (काम) संबात (संबात) वरात (वरात) रहिडी. मार्ज (व्यामार्ज), जाने (जाने), विभाने (विभाने), स्वाल (क्वाल), कान्याल (कान्याल), क्लीक्टिंग (36 my 125 Cir) " [\$ 31 - willer (CI - WILL)" 5612. (इहार्य) व कार्य (क्राम्य) कार्य (कार्य) (मादाकार्व (भाराकार्व), रेल्क्स (रेल्क्स) हिंदी टलाएन ((क टलाएन)) टलागुन (टलान) विद्यान (लियान) "मर्नेष (मर्नेष)" हन्म्याम् (हन्म्यानक) यम्पर (मर्गा), र्या (यर्काल) त्यम्म (स्प्रिक् भार्क) मबाई (स्थे अप्निं) गामचाउं (पास द्रिकार्य प्रस्क) थाः समाज्ञान्छ-(टिश्रमेटक धार्यम कर्षिट्तिन)॥२७-२८॥ क्रा (वरकारत) व्रेक्ट : मनुकाशन् धार्म (विभ्का मन कर्ष समाक के कि का का) द्राष्ट्रश्चमार (द्रक्रमण्यान्य) (क्रममाश्चम

((अप्रम्यक नारिएक), क्षः (अक्षि) मः (ल्प्यात्यात्य) हावंत्र (१ वंत्र दि १ वंत्र १ वं याताह: (अर्रवंगरम् अर्ह) अल्हार प्रमृ ([outhors] anescay sizinces), for (- 3 4 or grayeans;) BARE (BACE) कार्टिशाद (कार्ट्येड्र अस्ते) प्रामेर्यमः अध्यक (अवृष्ठ इत्रेमण्य), वेपानी (प्रकार) जाह: (जाराना) जिए त्वर्र मामान् (जंत्रान वर्मी कारी इरेल) लग (इत्याव) ध्वारील: (रित विकास) विकास (कामिए मारिस)। रहा। [विभार] प्रवास : (व्यासन्) तु द्वालवे क्ष्रें सर्वे -नी भूगामः (डेसः अर्थार क्षत्र का भागातन त्रादं व चार्किक विश्व वर्गनदि गमाक्त धरें व देव पाहित्) ' दर्भां - पत्- १म- यात्र-भयाः (४ अन्वर्ष्ट्र हक्षत्र भवक्षत्रम् क सम्दरमा विश्वाव्यक), डेक्स्म- अवन-बायस्तं : (शेअ क्ष्टिंत व अंधर द्वेत क्ष्यंत) पराममामकरवाः (पडाटम नरीन इति माम भड़ मंत) लाग वकारं : (नव न्युक्टाकं) वा न्वर

(माम्याम) यहामं : (वकार्मेक डड्म) ॥ दला। वष्मना: (वाष्मनामुका) गर्भामा: (मन्त्रकृषि) गर्नाकी अर: (विका विका नर्नाकी अर) (विवय: (विवयर) त्रताः (त्रमक्षणं) इतः (चीक्रकं) त्रोक्षरं (अयर्ड): (आस्त्राय) " मामंग (प्रमुखाद्राका) अन्ति कियुद्धाः (अने अपृत्व आत्राने भूकि) अर्थः (तिक तिक धक्रमण) अभिने के छा: रेप (एमर अभिनेत काविए कविए चिवर्]) किश्वमा (किश्वाकाना) सिरहा: रेव (एम त्मर्म कार्ए कार्ए) मयकावर् (१ क्रा (वर भवि) भावि : (हर् दिक ररेख) उ० (क्रीकृष्टक) भावताद्वित (लक्षेत्र करक्रांग्टित)।।२१-२४।। अ: रामा : ह जाम (अक्षिष) उर्द्रवना भ : (ठारा दन (अट्य बलीव्ड इरेगा) प्रवाम्मानित (धम्डमान) मानेना (रम्भाना)कष्ट्रमतः भावनात्मः (क्ष्यंत उ लक्ष्यात । क्ष्रं माना) वा : क्ष्र्यं (व्यक्ष्यं अरी के देवना प्रमारमा आर (बार्यास्त्र)॥ रूरे। noi: (contay;) nd (colsa) Kind (consi) भवट्यः (वृत्रेर्धाकत्र) वृक्षाः मृ (वृष्टि लाड कार्डमार) धर्वर मक्कानंद (दिय क कार मक

इक्संटि), ब्राम (निक्टी ब्रमास्तर) व: (कामार्टन) बरमा: (बरममन्) मेर्नु छा: (मेर्नाट् केर्नुनाट्ड) वर (mass) The (Trad all) IND (MALDE) 110011 aa: (लयदेवं) दर्गणा: (र्यमण्य) केफ्टरेंग्राष्टु. विश्वता: (अक्रिक् द्वित त्रियमण: काछ। विश्वता) छा: (एप्र त्वरंभन्ता) मलेंगर (मलेमरकार्त) केंक्रवः विमेश (नाकिएक निकट देर्दा र्मा कार्या) कमार (कमना:) बनवट्याम्भी: इ हरू: (उतार अत्यव काडिमभी कार्यता)॥७०॥ [क्यर] मामार्डपाक् कि सात - धन्ते - कि भी - कार्य का : (क्रेट्राम नामाक्रम थाकृष्टि अनद्युक प्रमेर ड मिक्रीकां ब्रियाहिक), अप्रमुख्यामाः (जिल जिल मुलान अञ्चलामिनी) मान: (विज्ञान) रभाका दिम्भाग्य थयं : (ब्राय व का दिम्भी के इरेगारिय)॥७२॥ [वस्ते] अकारमां: (शस व राष्ट्र आर्य) हयरहारे (हार्ने) द्याहिकी साबेडी ट्यारेने (तव अ मृ हा र्किय उ अधियी (अपने) भारतीन (दिवहा. ग्रिन्ड (६८०) अम्मा के का निवादिता: (अम् त

मम्मान अवाद वायता) ज्याहिर् दर्व : (ज्यहेर्भारम अधिगाहिय)।। ००।। [वरकाट्य] त्युर्वसर वार ([100] त्युर्यस्य ल-साट्ट) सम्बं लामड ं (स्नुरं क्नुरंक श्राप्ट १ प्रित) लर्बेवर त्यों भीवर (बर्मां लर्बेडमरे यभीण) विष्वह (अलाम क्रिंडिहित्येय [विष्]) . दर्ने काविक प्रमासक व द (मात्रा व किस असक वादि (माई। मुहाना बार्केट डर्मगाहम (चित्रका) ति (अव्यक्त) वीक्षड़ (मर्नन कर्यमा) तक न (ट्रा देवा) इ एड (इक्) र सलते: (याद या कार्नुप्रकृत्यत) 110811 [परकारिय] पर (नस्त) वर्ष म (लग हिनमा) यर (भाराक) प्राथिति: (अभागते) म प्रायुक्त (अप्रदुक या श्राविधारिता), जारम मना न (वस्त प्रभा हित्यतमा), भः (धिर्मि) विमाधवृद्धवास् म (पामक्षेत्र विचास क्षेत्र श्वंत्र पात्र) 'लाभ. विभाम: क (भक्ष विभाग हिममा), थः हि (भारा) nord: 4 (mas alazinad sing [ound]) उर्मित (अस्व भावेशप दिसमा), यर (थारा) धाराबिहिव: (बीक्टफ्न) मूर्य न (इस्नामक इंग्नार)॥ ७०॥

x: ([esala] =] = (afu mino mino (वर्नाट्रास मात्र कार्बात कार्वात) सिद्धः (वन्त्रा. with the) mug (my co mulas) " mino mino ([= x x x] myse myse) nelvi (one axi. निकारे । विकार मा (अवस्थान कार्वेष मामितन) Tino Fire ([mais] mesin mesin) काने छि: (ममझल कामिन्ना) अर अपट (य म कराय शर्व विहित्य [नवर]) वर रामंद रामंद (समाप्त कार्य कार्य कार्य) सेंगः (संप्रचारं). अभाव (अध्य कार्वाक्टियम)॥७७॥ क (अस्तित्व: (देनत्ववास्ति क अहि) कार्ट्स दे : (छक्ति म) विषि-। भिय-मूमर्पियः (द्वार ७। भियम्म (प्यामन) = मूरीट्यं: ([अक्] म्मिवसमर्) भाग भाग (भरम भरम) मुक्ति-मृति-मिति-भीति: (अवि म्डा, अनेमा भीव), अक्षवर्षः (अक्षवर्षेन [3]) में- बाद्यः (दुवस हारो नांवा) साहवः विक्रि न्देम) अर्थे (डांश्स्क)क अरभे (डांबाटक प्रभा क्बंत । हातु) द्रवंदाकाम् अव द्रे द्र (क्बाम्युटांत स दक्षाह अकाम्म वर्ष)। भिष्मकक्री पृथि:

कार्डक आरम्पिक सम्प्र क्षेत्राम्]) विष्टू त्व (क्षेत्र च लवराम अल्लाक सम्प्र क्षेत्राम्]) विष्टू त्व (क्षेत्र (मृद्रामा ७ सम्म्रे मृद्धि भाव महिमार्ग्य विनर्

(3-24) sej)110 to 11 Smissing [car]) Sis (manica) in: Began is (yegania) nomen-imas (nomenia, mascaria nostria sej [cars]) nen (nopen) (mascaria nostria sej [cars]) nen (nopen) mo) reis (erregacionos gria) nemy missina (sying i missin) 'Econton: manis (manis munis [1713] Intrisc (nen sian sian) sayus munis

(क्राक्ष प्रत्य कार्य कार्य) ॥ ००॥ भागा [विवरं]) इसवे ((क्राम्म के विवरं) क्रांत्र के कार्य के कार के कार्य के

वेद्युरं (ग्राप्रकं क्रिये भारत) में रवर ं (रवर् म्लान), म्लीलर् (तीला मूलन), म्रामर् (राम) में सब) ' में बागरं (बमाए का टम्बंद में सब) " ये दाव (दावा में मंत्र) में मीय (त्रदाव में मंत्र) स्टाम् (त्यम म्यं), म्यम् (त्यम म्यं), म्राण्ड (र्का म्यन) महकार (इकामन स्यन) में के बार (स्था में से के) कि में मिया (सिय यम्. मेलके । [ाराय]) स्टिकं (लाखाखाद्य) में दंगमं ([345] CREDIUCY & MAJOSIA ([My]) BLO IN: (धालतारक वन्ता किंद)॥ 80॥ [12/2] Thuis (Thuis) Lis (on o your मूकाउ ् (धार्मातम्म), मितार किमारक (दिना अम्बरं क्या काराने क्या हार कारा के (रिक राम (मार्काल) बनाडार (बन मार्ड इरेट) निमार्ड समाउं (भूत्राहिष्ट्र भाजाकार्ग), समसार भराउं (मक्रिका सडि) ' प्रवाद द विराद द (त्यादुकां दी छ नारी), असानी - कृषादु (र्षे मर्न व अर्डा का का) मिराम्त काम का का माने ला हाड इ (ovenin auginthe mand [(my]) Bis In: (कालकार्य वन्त्रा कर्व)॥ ४३॥

अभारतं (त्र अभवत्र) उकारतं प्रतिरं (उक्किमानतः, इवर्व ! [आलाने]) बसार्यः निकार्व (दिवराज-इ क्षावं प्रमार (नवर]) कास्यादं (प्णवस्य स्वरं) स्की वर (कार्षिक), भूमारव: मिमामर् (। भरवन क्रक), अलारं (अम्ड) विशास (विशास [3]) म बाद्धः (अम्बर्गान्) देमार्व विद्यातं (न कार भर्यार्व) अवीत् (म्मिन्ने), प्रार्मः (अभ्यारक दस्ता कर्ष)॥ 8211 [मित्र] मार्डकुर (अवस एक) मार्सा (मारमार) यार्जु र (मॅमराप्) म् खिमान् - माट्जुर (में खरेत-ज्यात्कामकाय) ' सेंबापूर्व शक्र हा (सेंबार्य. मार्का कार्यक्त), व्यमक्ताविकेट (प्रत्मातिक हिटल के लिका हवं) में दिवा : (में तिक लिका) भाइकि (उसकारम्क) , वार्षा: वार्मक (वनवार भटने व भट्डा व्याव बनामी [वर्]) भट्डा: भटिके (अमेप्सर्व कर्य- लाहास्मेप ' [रम्र]) खार रेस: (जानमार्क मन्त्रा कार्व)।। १७।। [मारा] में कुर्या (में में कुर लिसा के मार्च न ; (भाविक), अतात्री-माविकः (अतवर्णनं (हदतकानी),

क दारकः वार्यं (यरमानमा क्रियं कर्ता) विवार श्रिमेट्यर (प्रवायमाप्ति । द्विष्टियर कार्य) " विवार (बिस्मिस्मित्रं) इत्याम्कः स्टम्मिनरं (स्टरंक यिगवंत्रकाष्ट्र) मठायार (त्यप्रवर्णम्) योध्यर (अवंशास्त्र [नवर]) अलातः।विद्यः (विद्य-BRISHME) " Ca (MUNING [QWM]) PIGOS न्यः (हाई त्यान वस्ता कार्य) ॥ १४॥ लिया (लिया ।) य : (लास्पर्य) में प्रिकं (अवस-(mainz Cr [mrai]) sm: Diais o (जिल खित्र वृत्त्व हास्तेकार्ग) भूतीताः मृत्रः (देउस भीताकादिन मृखिक्डा), भनान वानंगड ० (अमलतिन प्रदेशनं विष्] विताकी : अवडः (जिल्लाक् भामक), प्राप्ति (प्रक्रमाडीक) उबड् (कालमातक) अपा (अर्था) व्यासामग्रम : (मर्भर). अमः (अवि [3]) प्रश्नभाषः (अभाष करिएडि)॥ १९। प्रिक्स: (एकडाम्प) गृह (नर्सेस) से बाधाः (क्षेत्र कार्कात कार्य) समग्रवामानाता : (वर्षण सरमं रेकि लाति) रेप्तः (क्रिस्पानंत रहना)

<u> त्याने (द्राप्रां देवनुर्नेमध्य) सामुलक्रे (सममर्थिक)</u> वर कामुम्प्रक्रिक नंत (व्रामं कामुमर्गिष काम्राह लाम देन छात्रं में । हिस्मेर्याः (लिस्सिम्स्मारं) हर त्याकनंदः (द्राधातक त्याभात त्याभाव) माला-मवा: लयंतर् : (कामामिक इंद्रेशंद लयं पर्य ्च समात- क्षित्र । (चे अंश्राहित्य)। १०॥ [यक्षः] ल्लवार विकेत्र राम (मिक्टिक वं सत्ता) अवयर नाम (भिष आक तान्त्र कार्या) लामें नाम (तामं मार्न) प्राह (भर्याव करवंत्र [विश्व कर्त्य]) कर्ड (व्यक्तिह) जार राष्ट्र (अमून्वर्थ कत्वत) रोष्ट (वर्ष्य) वका (विट कार्करंग्ड) वें दं : त्रका : (वंद प्रवग्मप) त्तर (नरे कार्क्रक)स्वाह (सव करवंत) के (क सम्मां: (मार्डिक के प्रिक्र कर्ममाम्) द्रार (-13 काल) दिवार रमड: (एकमरनेय काल उत्भारकारं) किकार (व्राप्टरं) लाकान-किक्षि (out a censia) or 1 2 4 8: (or 2 2 4 y eleca अर्थित) अर्थिया (त्युर्केटक्व अर्घ) सर्भावं तर : ((अया कार्ता, समय कर्नाव समाराय)1184-80-11

लग (मप्रें) रांचाक्र मा (चीक् करमेला चीकाक्र) 2126 (515,) orus, (oursin) trype: gour खिवा (रामुम्प्याम् त्मकारं) मम् (मम्बाम) विकास (विकास कार्बेस) स्तीनल दें (कार्य-कार्बं याने प्रमारकामके कि (यक्षान का मान्यान (लारमन मन) ज्यामादिः यर (यभागत्वं भारक) ड अभिने बी ही: (त्यामा ज्या उ अष्ट्रमिनी हिना) विषयि (अक्षण कार्वाण थावस करित्न)॥४०॥ करमक्रम्म भाषामान अवसी वे मात्रः (भूभक् करमी-मन भाषकतामं हमी देखम माहिक (तम मात्र) । भावेष- मूचान पूर्ण : (धावेष हुने, धार्ण पन प्रा मक्ष्रां करें वार्या (प्रताह नवने , कार्यम दाकाहारी त कर्य - लड्ड मर्टिंग दें थे। किया । मार (CA ARIL) + (MECH) NONE: (NONE काड्याहर) वर (टम्पे) अव्यक्तिर (अप्र . टकाल- नामक) बहेकर् का मार (बहेक का कड़ा वस्य क्षिणार्यम)।। ६०।

साम्रि: (क्याममा का द्वामानक) न्यान्त हैं। (न्यान्त-ज्लात हुने), पार्य-प्रावेष- प्रीका-मानिक्यार्थ प्रत्या: (त्रिंशविष्ट नक्या नार्वक्य मात्रक हर) लात्या मञ्जाम्य क्रम्य । (क्राम्पन नमाह नवनं , धम्यकद्रीकत), ट्यानिए: विकेश्रोत: ([जरर] टक्निक अर्थत वान्धान क्षेत्रीहालमा का का का कि मनवारी का ना रेकु: (मस्त) म: (रम बस्) में रव लर्डः (ने द-अर्के र्रेमा) (मत्यी प्रवासी (कर्न्ड अर्क्ची विष् ल्यारि (मन) रेख्न रेंद्र (रेख्न क्राम्स न सद्ते) ल्या कि (सिमिस उमे) ग्रा (स्वादा) रेय (नम्ता) ७६ (कर्म) अवित्मर्थं (निम क्रिंग. उत्यव धाडिन विड), कर्वकार्न (कर्वकार्न-नावक) ०९ (८०६) मुबहेकर् बार्बार (भूम्भ) वरेक अक्षुष्ठ कहिर्मन)॥ १२॥ कु: (अत्वाक) म्ह्या: (लासमान के कि म्बमां) मुका (मक्षव) भा व (क्या आहे वर कि कार्य : (यार् म छाद्र भाग ता मक्त श्रुवा) अकार्य छ. (राष्ट्र देखां में वे सर्वे व सक्वाद्व) मार्के (ग्रामुक इस) मा (आंक्या) टार (आई.) आमेक्याई.

मानुकार क्षार (मुर्क मार्ड मानु कति कर्ता. हित्तत)।। एर।। प्रामित : प्रामित : (मामित उमक्रामित्रित), म्भीनभाव-भाभी छक्त-माबिक्त-माछ - नवरं-लाइट्ट: (अवस्थार कर्त्य विषय पार्वटक्य प्रानंत्र लयकं , महिंह), ब्रिस् लया ह (ब्रह्मा छ धनाह -धरे भक्तकावा) भूष दायम्ग ६ (भूषव दावना-यरकारं) मा तर्दर (मारा न में दरं) भा (क्षीं श्रेष्टी) सिरम्बार् (सिम्बरम्ब काल्याक्व) जार (त्ये) अनमं छरिकार विकर्ष (अनमं छरिका करंप- कार्ड ह- में दुन : "अल- प्यार्त्तानक क्यादिव-रिकः । अम्मे (क्यमियन, शहर द्वा, मर्गा अ (पार्वश्र अमेरियं आकि सकि गई (त किए) कृति काली-मनाराः (अक्वस्य काम्मनपूक रर्गा) नवावर् मर्मार्था (कर्व अर्थ अर्थ) विसाम् विश्व (अवस्थात कर्ष), उपा (जीश्रांषा) रेप्र (अक्टारा) भीकृष्वं: अस्मे विमामः (रारे मीकृ-विमाभ) वाहिं : (अअड कार् मार्येत्रे)॥ ४८॥

क्युंबक्त (क्युंबक्त) अनुन्त्रकंत (12 कर्न हिल्क) इन्छ (न मृ स्टा) द्रमान्यायारं मठ मठ अकर्ष (दं मार हि दिवस दलकां) केवर (समित कांग्रेप्त) स्मिनी (जिंग) रकः (जीक्क) मुकार विशिक्षरं (अमे विवेत युम्प कार्तम) सर्कः (कार्यन्त वार्यामसरकार्य) अवंद मसम् (अवंत लामस क्रमामम् के) उद पति (इस) त्या (त्वाचस क्षतिंग क्रांक्य)॥ ६६॥ एडू (र्याप्त प्रार्थ) अस जीती (धर्णकार्य प्रकृति वित्रि डिका) अम-अप्रकाति (अरम मूक्षामिक) न रे लाड्य-मेमर् ह (मां लावं ता रेड्नि एका) के (बाउरा) भिल्लामार (बायादि) सर्व-भारतं (धर्मभात्रकारतः) विष्णव (धर्मण्य one enganin) scricered (Curaly COINT) 11 @ WII [अदेसल जी नका] नकित्यम् अविकि: अर्थ्लं: (परम् नेपार कर्त त वाड्रते के भक्षार्तः) मक्षार्तः (लक्षामभूत्रभावा) मन्त्रमामानि (मन्त्रमा . भामक) कालकानि (कामामा) नड्डकानि (नड्डक-रम्र ७) हतः (अक्ष कर्षिणहित्य)। ८१।

आ (स्थिकाका) िर्यमे दिः ६: मेदिः (प्रम्मास स्कारकः) भावमाद्वः . (मावंशक) कमा (चंडर) पाम्म माम्यः (भावं-(क्षित्व भी सम्मात्ता) जामाप्ति काम (क्षेत्र त्वाम-मग्रम्य , [नवर्]) थानाक्तिः (भुजकार्वः) मर्दः (मब्हाना) मब्बीलका: १ (मब्बीब्र मर्नेट अक्ष कार्न्यत])। ८५। लम (लमडेबं) मा बाका (त्मरे नीवाका) काला लर्गालुन (मात्र ७ लर्गात्र) लक्नेक्षि-मिह्मा (वक्तर्भ म्मायमा अन्विता) वकार्यरी (त्रीवक्षत) न्यू हिला (नमरे उ मछादि हिन. विगाम), न्यी प्रमृत्यम् छाता (ततारे विकृत्यम हत्यन कार शिक्ष के हिंद कान) ' से करा हरें का (हिन्कार म कर्शिविम् व विमाम), मानिनी (भागा-भावेशात), माद्रम्हा (इएड नीमाक्यन. श्वर) वामामात्मात मुकान्तर् (गामास क्षित्रामा में मिम्प्रायं प्रंतिमा) लक्ष्यमं क्ष्यमंत्रा (रने दि कव्या बाम. बार्ष) एउर्मिती (नित्नाष्ट्यते विकास), वक्ततीवी (मिनी वक्षत), जास्त्र- वक्षा (ब्रांश कास्त्र भ्यंत),

यक् मूध-हिक्स (क-लममृत्र क्रम्मवालं पालमा [745]) MERICETULION: (MENNEM GERTY ल्याक्य श्वंत्र अक्ता)'हाड़ ((पाटा मार्टा लाभिट्यम)॥ दर्गा [चर्चा अ व्हला (च] का का (चर्डाका-) है ये वे वे यत्राहिक (ह्लांबे प्रयाद्या क्या दिवं लामक्रें) यं बयत्राप् (भवता बयत्राह्य) विक्रीमयाक्षरमा (हम्मायाक्त) काकी-के अप-क्षेपा है कि कि कार (१ मात्राव के का प करें प जात्वमार) जाताम्यानान लाअ (आमा मंद्रीनस्यर्धेट) (प्रावनंद (क्षे किय) " भएका अंदानि (अदक क्ष्यं), विविधान रायान (पाप्तकां अ उत्ते) धार्याः (ल्लेब्रांगकमर्तर) एका (वबर्) सम्बीरमे (र्ज्यमाम). देखि (वरे) बंबे हें सप् हतं (बंबे। प्रकाश) वित्वा (क्षांत्र) अहिला) बटल (प्लाटा-मार्म्साहित्यम)।। त०।। मा ([लग्रेंब] क्षेत्रमा) मेमालापसे बाहि: (अभावा व लयक्षेत्र) श्रमीष्ट : (भरामारम्ब भार्व) िक्र काण्यकार (टक्र काणां) प्रमाक्त्र (लावास्प्र विष्क) रेक्चलीय (मार्काकं साम प्राप्त प्राप्त) लाहिल-प्राप्ताः ecres (रेजिमाव शर्वांग लकरात्र श्रद्धात्र)॥ १०।

उस्यी-हाडकी-डाउ: (त्माथ-इस्त्रीकार्वक्ष हाडक-(בשות) בשתושואפו (בשתושות מודתו) केकाविरामात कात्र (अक्कंत त्यान दरंग. काटम) बराज्याम् हकः (प्रमंत्रक्त हकं ब स्रितं-भेत्य) द्रका (क्रिके अर्थात्य) द्रमेश्य mys (जेसा की इर्ग करियत)।। पर।। [विद्यारत] अम्पाः (अम्प्रार्ट) वाः (स्प्र) हत्यात्र्यकाः (हत्यात्रात्रहेड) अवस्टिकाश्च-प्पालाया - रेस - रक्तिमें ति द्याः (त्राप्तं द्रवातं लास्त द्वकारिंश (यामवर्षात्रं पॅमसेम हल्ला प्रमार्थित मार्थिक क्षार्थिक) मार्थिमारी: लासन (हमाना नर्गाति मान्का माह काइमादिन)॥ ५७॥ लामबादि थाए (ि।एक] लामंत्र कात्र दुनार्श्व उद्याप) वयनाम्डमार्बेका (वेद्यवं लाममाख्यां द्र आकृता) " (प्रेर आधुमें कामांग (प्रेर प्रक हिंग) आ दरकामानी (जीयलादन) उपरकाताम्भन्त-में देश (तथां (काश) इस सर्वारं में में के कि कि विकारं त्र कार्यका देमें में अभा र (अना.) (कार्य-मा र (बार्य-मा-

स्वीत्य)। त्रा । (आक कार्य) मरमामने (प्रमेक्य

स्माहित्य)॥ लढा। ट्याह्र भारतं रत्य (ज्याह्र भारतं क्ष्म (यथ ट्याह खा, क्यं) माधानं (माह्य भारतं क्ष्म हास् रा) ' लाव्या आर्थ (लाव्या-पासी) स्थम्भे भावकं लाग्य द्याह था। (क्येम्स्यान) सक्ष्मिश (प्रस् लाग्य (लपद्यं) मा (क्येम्स्यान) मक्ष्यमे (प्रस्यं

श्रामार्च) विश्वास्तः (ज्ञामार्मे) व्यव्य क्रमादिक (विचित्र अवकाव क्रमादिक) त्यारतामः त्यांत्व ([मह ३] दराजमान्य में इंदरि दे दे असे वात्रांत्र वद्र क्षेत्र (क्याम]) बसुड : (बसुड :) Becs: (Englas) NEI (NOW [JAMIN]) or: वारिका: (टमरे-देमात्रमध्यम्) त्मवाड (ट्राका काक्छ) , एड (ठेपात्रमात्रकमर्त) जाडा: (अरे भक्त केमात इरेट) क्टान-भूम् क (कटलान क्रमेर मानादि में मानावितात में न कार्न में विदं (किंच वार्न मान्) उत्रे केंद्र मरे-आक स्त- कता दि (विडिन अकू काक आक मूत उ भवादि) ब्रिक्टी (ब्राज्यवीत्र) देवन्यः (のかなるにはいしませ)1100-0011 अर्थका) भारे आकार्ज (भागार्गायं नाक्रं. लर्थित (स्पर्या स्था-गाम्मार्ग.) वर प्रवश् (स्था स्था थ्या) त्रमूढ (त्रम् तर्मा) साम्यातः (राम्याप्तं दे । या) मर्माविष्ट् (भारतक ठेकारमाम् कर् मर्कान क नार (यम) न अवं व व्यक्त (वामन मिस् कार्न) खाद: आकार (काद: श्रमीय लाटक न

क्रा.) ह्याकुट (धार्य में एए त्ये)।। वंगा त्या (सावा) कि: इत्वार्य (द्वाराममामकत्र कर् ध्यती) नाविक्यादि अशायकतानि (माविक्य -अहि स्य व अरे लास्त्य) वैत्रारंगः (वैवर्गातं) माने द्वामान (मामार्य त्यार्व व्या) द्यारम् (केट) प्रमुखं है। या) यह कार्यमास (मजारमार्थ केरिल-यह कार्य के वार्य हिएस) 11 62 11 इ८वं : स्प्र (क्रीम्डलास) सामासुर (विद्यमकेश्वक) (क एक कर्रात (निम निम कर्प [28?]) अधाउएं। (भिष्या क्रि है अप एक कामूर्य दंग्यु-या-तिन्तु त कर्षे याक) क्ष्मक्ष नाम भारक (भवन भार-भक्षात्र) विकंति (दुरमार राष्ट्र कार्कार) सेंग्रः (कार्कार) र्ड: ००: (१०४०:) बतार (मधन कर्यट्ट maraa)11 9211 छड: (अम्डन) भूच वित्माक तार्मुका (भूच दर्भतन् वश द्वमाश्वा) च्यान्यं (च्यान्यं) मगर्व-ज्ञम्भार्गावृत् (भिन् सा- अकृति भार्यमार्थं दावा भावेरवास वा इरेमा) सुन्ता क निक्रिन - अर्ग-द्वारीया (स्टर्स अ व मन्त्र अप स्थलप व

ला हे द्वार प्रय । युक्त कार्ता) में कार्ट (में के के के (तर्म) गर्छ। (मार्म) द्रियासना किया (द्रम मी-ड्रेंग करलका अर्थिक आधार्यम) 110011 यः (लाद्यक्षं: (न्युक्तर्यक्षंत्र) मेंगृडं (मिर्द्यवदक्) ध्वेताः हत- हर्क्टमार्वकर (करिष्ट्रमान्ति हर्मक) यहामी (ए।ग्रंग) येव महास्त्र मावक कः (वेच त्र्यं लाकाक्षांत) टाम त्वर्ने - त्वर्ने - वित्रमाल्य - ट्याक्ष्य: (लार्निय दिल दाय उ वर्मीकाने न दिल कर निमेल कार्यमा) लाको बेट्ला: मार्स् (प्रिशः वरमाप्त्रं भारे) मूचन (र्बहर्ष) त्मा-प्रमार् धान (एपर-आयांग दुकार्य रद्ध्य)॥ वशा उने विकास लाम्ड (मार्वाच्यमंत्र अद्मर्ग केट (मिर्याद्व अटक] त्म मन्द्र (मार्वाच्याम द्रिक्त स. बाय (करं भी में स्त्र लक्ष में मक्ष में में में में रेन रेन दे करा है। देर मक दर्भा , जिन ट्यालम न (क) देरालेंड स्मार्क् माम में सद्या त रामकार प्र मामर्मित्रक थ भे द्विमें क इंद्रांग) करा : इंच (क्याप्तं प्रांग) विगतामा: (विश्वमित्रते) एक मात्र मिंडा:

कार्यम (एक म्हार्स अर माम वामिक मान्यमान देवे माप 'व्यामिन अभ - जामाराष्ट्रं लय. ल्या अक्षेत्र म्यात व्यक्षात्र कार्ने मार्टिया)॥ वढा। राने: ([जमन] व्योक्ष) अस्य मश्रीन (भरहवसन रक्ष) प्रका: यवनंद : (जेंकांबान्स होंबा लयहें व) 'एंबा (जिन्हे] या को शिवा) च मर ते हैं : (on a प्रिंग) किहार (द्राप्राक्तिक) में तर ध्रमंद : (इस द्रमार्थ भरकारक) जनाडिक बन्द (उरवन निकरे करी वनभएंग) भरामे (डेलार्यु र्येश्वर)॥ १७॥ प्रम (धरत्य) रावें: (क्षीकृष्) एक (श्रे वर भर्ता) म्लार (भावकार) अवास (भरवायावन निकार) व्वती विश्वतः (वर्नी स्वतिश्वाना) माः सुपुन्त (हिन्तरेक सिन करनेमा) भागः (इस) भागार्थका (लात कद्वार्मा) भेगक मेग्रार मेग्रार (भेगक लेगक मेममर्गेड) लंग्ड तं ब्रिंग कार्याप्य [वहर]) कक्षि (तिश कम: मृत्य) ना म वरिंद: (या मार्थे) स्थातिः (स्थाने बाम्मिकाने मिति) मा स्पत्र (तम स्पत्र) व्यक्ष (हिन) विमा (सर्व भासाकाका) जाटमे (विसे) मास्यमास (मार्सन -

(elega) me (spir) coanna (coanga Tonkisa) muying my en existing my 11 ddin म: (जिन) बाभ निया मजीतार (निर्णात क्या । महरूतारोत) सवार (स्वेह्नारोत) मर्भात्युको (अयुना कार्य अर्था अर्थ न इसेट्स) सार्द : क्षात् (मधन रहेल न्याम्य र [कान]) यर मार्चे (न (अर्भामाव मात्रवा भिष्टि) सकादि (वर्भमार) द्वत् मट्यु ७ मर दे : (वर्नी व मट्यु क स्वनिक्षाना) क्किनेन्द्र (किटिन मारा) अभाग विमेदा : (१४० १५०) में रहत हिंदि) हा: भा: (ट्राप्ट (क्र्यू प्रमादक) न्मु जें (मडें) लक्ष्यें वत्र में विष्यात है मारायंग्राद्व) लार्डन (लाउवाप थाड्रां) स्मात् ० अ सं क्री (प्रथा प्रथा अभाय के अ अ अ अ एक) अद्रेग्य (अरवल कवार्रमा) यार धायतं (अरारिनरक हात्रमा श्रेकंग) हमारे हमारे (इत्वं हित हारिष कार्यत)। १४॥ न्त्रित्वर् भार्तिक विवास्य म्यूर निया मार्थन ए या यक - किला लिच्छे : (स्वरंगा प्रं में प्रांगा मिन वार्य माना मात्राव लाम में शक्ताराया, वपताया,

उसे ' १ के म लाम बाबा हु, ' प्यम व शर्म बेमें कर मार्गिन-कल विश्वत्वत्र इरे पार) विद्यालकाम मुन्ती-द्व-गार्क - मुन्नी (। क्रिन त्वेत्र मार्थन वाप्यकान वान व्यानी, भन माहि व में मावा (लाहा आर् हिर्म [नक्]) दमाना करेगिड विष्यागढ विषया अः (यात्र वाय-वारिलाहिड रमत्रपूस्त हकत , धाक्री वर्ष , धार विद्व दर्भार्ट) क्यारेय-अमन नामा म्वारि वर्षा-प्रश्मिष्डः-प्रवेषान दान्य-हत्ना व मृतः (। किन वन-उपने एड अविश्वयमानिक बादकारिक कार्डिक्य लिने विश्वां क्ष्म मां प्रमार मने मने मने म हरकार. ने भारत त्याति हिला कार्ड कार्ड कार्ड कार्ड कार्ड कताक्ष - विधारेड - ट्रायकाति: (वर्भीव कतकानि-हाना महाशिमानेन जाकर्त व मर्गमकान कानीए. हिट्यत), प्र: (टलपे) कृष्ण: (जीकृष्ण) क्यापि: (लाकाल्या) वत्राताः (वनमात्रान्व मार्य) (अक्षा (क्षा क्षा) कार्या) कार्या (क्षा कार्या) 1194 - 6011 काकी (माहि: (कीक्कव दी। क्षेत्रभ) बन्दबंधाना (त्मममा) उन्हांत (उन्हांपाद)द्रमान्त्री. (त्राम भ रंतुंगा) खिकं-आदि: (मब्म. कामकं-नारी) वर् नी कातात्र - प्रकृतात्रात्यः (वर् नीकारिक्य

लयेत्व सर्व हावावस्त्रीमावा) हार (विश्वतित्त) यरं सिकेशे (मारा मात्य सिक कार्ता) निव्यंत-मार्वारक्त्री (क्रिक्षवर्वाक सम मानामान हेरकर-भारत विश्व) दिवास (खिंबास कर्र्बरोशहंस)॥ १०॥ तर त्यात्म , ध्यम्बं-यात्म, गामच हमः त्यावक। खारेकामय- रिजाद: (खारेटाकर लामवर संग. भेता क्रिक्र क्रिक्ट क्रिक (व्यवत् कार्यमा [व्यव]) द्रारे में बही- वे (वा स्वय-हताम (स्वर्भात्ते माना कि की मुझ अ क्षमम्तर) र अंगे बिट्याका (रैंक ठंड्र विस्थ कार्य गा उद् बिव्याका-मक्ष्रमणिः (क्षाविव्यमाभक म्भ्रेग्रेश) देम्बिमन् (देम्बिम हिट्ड) हिना- नानव-नीनकाडिन्डकार्ड्यान समादिकः (हिडा कुलाडा (त्रा, वर्ण प्रदेश, भीता ३ द्रायम अप आग तिया -स्तिवं सार्वत) अत्रात (अनुकाय लाक्ष्रेत्र,) त्लाकार् (30 gest 2\$ 50.) MATICE: (ATLINE 2) 11 AFII त्यारदं: (नार्किक) लामसारित (लामसरसंस) आवृदेकात (वर्षाकात) मथा ((वंत्रमते व)

र्रे या गाम मार्ज (में टंगाज्य ही यं ग्रेम के म राम मार्ग यानि [-१वर]) र्यानाय-स्तिज्यानिल (द्रप्रार्थनीम्भ पश्चमेल डेड्नेना) कर्नामाया मेठवार (क्नाम्मीवस्त व्यवस्त्रे प्रकार्ष) अल्यामिति (द्राप्ति वर्षात्र) भवि : (हारिषक् इवेट्ड) अभवन छाडि : (अभवाभियन-बक्त) त्यारोकेका (केम्बर) इंगर (चष्र) शवशाय: (हाकमारे) डेस् भी ह (डेस्स रहेगा) प्रमा (इस्डिटि) लिसार (व्याप्तां] युक्ति हे सामित इस्ते)।। एए।। रेशकः (क्यान्तर्वाश) हार्वाहः (प्राव्तः (त्रावत (manyà) 25 (200 [36]) Blown (Thrund) मार्का ह: (था, परम्ब मार्क) र बाड (र ब डम्ड) र्व १० (यक्षेत्र) ससरकरेल्ड (प्रकार- वणम्मा) व्यरम् (वेनक्षंत्र) भावे अवाक (amana कार्यात्र)। 68 11 (नार्शि (त्नार्श्वनीएपनी) व्यवणी (आकमात्रा) 22 क्षीर (2) अया कार्कां) वर टबकर (श्रायं वांब्रेस्य) ताओ: (दाशीमान्य) अठंब भेरे (त्ममाय बार्मना) लिक्यां (लिक्यां अध्व) लिक्टिश (स्मादिकामुम) त्ये भेटिन (वेद्य मेर्ट्स) व्यानुमार (व्यानुमा वर्षक) ननम (वात्राम्बा द्रेशमन)॥ ५ ए॥

सील्य मन-वर्गाः (में का एक काष्ट्रके प्लाकारिका) यम्बर्गार्थ नामा : (यान मन्त्री मन) जगविर्यम्मः (ज्ञानं हळम्भी म्य्यीमने) प्रवेती-- रस्माद (यूडाने के (यूज़ने क किन अवर्त मदमाद (ध्रुमी व किनि अवर्त) डेनिक प्रदमा : (कन्दर्न-खाखनं डेक्स्ट्रक्) मन्यम्सद्गाः (मन्यद्धायने), » जारिक करामा: (। निश्चीम वसम [नवर]) अभवनमा: (हिं अडारमन डेमम्बर-प्रकारन) प्रमाप प्रमाप (अहि गृह क्रेडि) थर्: (ममानि क्रेसिन) ॥ ५ ७॥ उठ (लिया :) केटक हिन्दाल (मीक्केंस रित्) पंत्राह (मध्यक्षात) दुरमाद (द्रारी ड्रांस) व्यवमार्व- हतामार् (व्यवमा) व्यमारेव) वामाप्वास (मन्यस्व दुर्कायर) में यहा लाहि (समें बाद हिन्ति दर्ग [वर्कम] । खिछ-क्रभूदाविकाना: (रामक्य क्यूद्रवाहित विकास), प्रांत्कारह: (त्रवंत हलका दिल्ली) । स्थित (त्रवन्नाव निका) विन्य प्रमण्छर् (विन्यानम-मनुष्ठ) की वनर्ष (बीवत) जीक्यर (जिक्न [इने-प्राहिन])॥ ५ 911 वर (आरा:) करक (अविकस्त) तिन् स्ति (१९ व मे त्यामा) कारे विष्य, (१३१९ र स्ताउ)

द्रमंति (द्रमं रम्ट्र) त्रमंति । त्रमान (त्राम मंबर्गान्य) में मार्ड (में मक्ष्य) में में लामारे (दरमें डेब्राह्य) कंबाह- खिलाह- हिंदा- कंबलायी (बीड़ा, विवेद अहिडाक्ष में तिकवादि) निजीता (प्राधित रंग्न विष्]) वर - त्याकी- महंत्रह: (त्यरंथत रक्षाकुराप) ज्ञाप्ट्याद्यः (ज्ञाप्तेत रक्ष्याक्रमाप्ते अधिक) विचारि ह (विचिर्क इत्रेम्मार्टिन)।। ए ए ।। -च्यानंगान्त्क-क्षिवानियाम (ब्राक्षेत्रामर्भव रेडिशंस हेकाद्र स्वश्नि) अम्ब्य कार्य कार्य न्यंस-नेद्या (द्रव्याम् काष्ट्रकाल शकांत्र नापक नायमारं) अल्या- मार्टिय अव्यादार् (अल्या मेर कार्टिय शहरे।) प्रमाणकार (कार्य स्वास्त्र) केराव्य (स्विटक्टें) र्याम्बिल (भूभक्वल) अवाड (कार्ड इरेग्लिक)॥जना नगड्याम् ए- बत्रकी मार् (नग्यां विव धड्यां म लाडार्स्ट्रा ट्यासर्गेमन्। गर्य) बर्ग्य (स्म-हा। ग्रें) विकास मुकारी (विकास क कार व्याप) यदा (यत कार्य-गे) (न्मारं : (मिडिएक) ने हा (में है) रेश्यमत्रा (अम्यम्भयम् सम्बर्गम्) है। याबोना (अक्षानं अ खादीरत्यां) यद्त्रात्रकारात्र्य (क्ष्र्यं

म्रिंड इरेमाड) रेह (उसाक) भागाड (अविड

त्यामिकात्र : (त्याभीयते) अरिट्न : (क्षेक्टकने) वत्र-क्रमार (भूभक्षम) मर्लर् मर्लर् (दमार्थिम दमार्थम)। त्रियम: प्रायं वावर (व्या मां मां मार्थ कार्य) मार्थ क्रा रे (क्रार्स कार्नेम कार्नेम), जनू मार्नेमनर (क्रारेस (अप्वत) त्रामंद त्रामंद (लात्राप् कर्नुता कर्नुता) उपरेव्मर्-म्नेज-वर्मी-तिमापर (धिवर्] देन्यान क्षितं सर्भिरंभर्ष म्पीक बरंभी विवास) सामर कारर (बारकार कार्न मा कार्न मा) मारे (प्रिक पिक) अपक रे जिस्ती (अक रे जिस्त) व्यक्तिर अश्र में (प्रश्वित-डात भावे भू के कार्यादिता निरुत्त कार्यार् अरे अम्बद्धं अर्बरवं मर्बं आक्रम्दि रमना कर् वर्मी क्यानिक व्याचारत कर्तिक त्यायन दे मिन्दे र व गरं वक राज्यंत (आवन क्रिक इरेट्ड्ट्र) ॥ भेगा जीनाविकामानं विलामत्मपूर्म (अनिनं कराम-मृष्डिका बारे) अर्थ्य के नामा (प्रव्य अर्थ कार्डिये) अ: (अर्थ) प्रमा (एक्स) धार्म: धारवर (धार्म त दर्भा दिस्त), मह धामानंता-

(कार्य कहामानामाह: (धालन सकत बंत्राप्तामान के करा अक्ष वार्य गाति वावा) अर्डिन मक्षवनवः ध्यान (सर्वाट्यं समाम्हार्य विक इर्रमाड) व्यासे (छिनि) CNLY (CNEW OLD & & MALE) IINS II म: (जीकृष्क) वाहिकामा: (जीवाकीक) विद्याप्त प्राप्त-रामिकाम्य त्या त्यकार (मूमहत्यन भेयर राम भम धम् एवं भर्किकिर स्महत (राष्ट्रमें) भक्ष (राक्स) मानिर्छि (धवाम (अवस मूम अमू अम कर्न्सारियन) ट्याम- मुद्रुलार (तितित ट्यामम् नाहतामलेत) वद्राक्ष वृत्त- त्थापड्ड- भ्रिजा मृष्-सन् - अकनायभादार (स्महन्त्रांशियेत नरेंद्रित देमात रामार्थित कालक विस्विभ्रम् व्यवसादम (२०) अइर्न (जानुन भूभ धनु खन कर्नन नारे)। भेष। (लार्ते: ट्राय द्वाला : ([लाय देत] ट्राये का (क्षिक्रम)) स्थित (प्याक्य-वस्त्री गर्यक्) प्या-क्यर (देग्लेंग. कार्या देन) देवर (काम देन कार्या कार्या कार्या), टान करेंग : (अस्मिन्द्रमाना काम्बर । हिनी 'तेकारि माधार्यम् रक आका हाना) टमान्क्ति: (यमीवर्ष अष्टि cm' गरित अव्ह) त्या-क्रम ((क्रम्भेरक) त्याकुम व् मिटिरी (त्माकूट्य व्यातम्त क्वित्र)॥ 28"

मिल्ट्ये (कीयलाया व कीयलयक्षकांत्राच) कायमार (उन इरेल) भराधनड (प्रमायक), जावक-वानवर् (त्रांचनकः) " क्रान् कान् (क्राम्म्बर क्रिते) दर् (my Exper,) Lies: Mas (Ris- Ma " [CARR MARIS]) इ हर लाइड (इड बाह्र) यिष्ट इंच (विश्व कार्र) लाज (अमेरिक) ल्यामारी (पात कार्यमा) में मेटिए। (हम्म कवित कर्निक) हारि (सपरम्) मिर्निका (श्रव्येश्वक) क्रामा (प्रामं में में) (प्रामंति) (तिबीक्रम विकर्ते) मिन्नित्र (स्वहत्त) प्रश्तिमाही. (कामान् कार्नेता) गार्किताम् (मलय लाहान्) सामक : (पाट कार्नुमार्ग्य)।। ग्रा (वर भिव्यं (स्मा चीर्यमारा व भिवा क्यामारावां) र्शेष्यः (मैत्र च्युक्टिकं) सत्यारं (समंबर्धेकः-यहिए) ट्याई त्र-र्वेत्राप् (ट्याई त्र-र्वे यन) लायकार (धानक गावि) वभवाक (त्रत्र (वस्तक तथाया) डिडेसंदि। (आडुकेक शर्वाक शर्वाक) सेन-रेक. अरः अद्भः (अपते अत्यात अपत्यां अपत्यां ।) त्यात्य (त्यान्यत्यक्) सम्मान्द्रम् (सम्मान-यरकार्व) ययमछ (क्षात्रम करू क्ष्यंग्रह्स्य)॥ १७॥

मकी धर्मना धर्म (मस्मार्क मक्ताकारत) क्लीब्ला : (क्रीक्टकं) जाजादि- (मारके: (मिण अक्रि अक्रम ट्लारकरं आर्थ)। मिननर् (। प्रियन) खावर्ष् (खाड:-कारप्रक आगंद्र) लागार (र्द्रनाह्य) ' क्रिय (। कि) आष्ठ अत् (आष्ठ: कातीत) उप (प्रिमातन) वर्षिवर कारमाख्यं (डिअवकारम मीक्रके विनंद-प्रायु के सा है सर का हिंद इस) आ मंद्र पर ([mis] भक्ताकातीन । मिन दिन्) भर्भूषि- मर्मापा उन्र (डेडव्याता मिननमनि अत्थार्पन्ते प्रकार इम्)॥ २१॥ ज्य (ज्य देव) जर्मात् (भूरे) अवतमातः (भिन अरवलकांश) अप्राहत्य त्यानायः प्रवस्तप्र रेव (त्यक्ष ल सार्धाय क्रिंत्र क्रांस्टि यर्गे कर्ता [स्टिल क्यांत्रीं मध्यत्य (प्रदेशत]) क्यात: (म्मेकि [प्रमायकामां]) ट्यामाट्य (त्या-नायान [पाश्य काम्रे पा-मर्दिक यर्गव कार्का]) वयनाम्म (किटान क्वाइमारियय)॥ अम्। ल्ला (मीकेक [पानामां मिता]) तमान्यमं (FINE SISS) SARRE SARRE (SAR SALICIES) (वर् : (नक्ष्रमूठा माडी), क्क मंत्री : (हिंद्रअम् न

माजी-), नर्माक्ती: (ट्यम्बर्भा), मुखी: (अल्लोक्सी-(यूरे) मं अरंब कुका: (लाएक कर्त करिंदा मात्र) " याभिती: (यह यान-कार्येती माडी) देलमर्गः (अवस्ती आब्दी) व्यक्तर्य: (अय-पाद्म cu) रकार (र्क) वरम्वार (ररमवर्ग) कतार (क.) मार्थ त्रह सकत्वारक (भारत्रक) (क.) मार्थ त्रामम् सामक्ष्य (मेंगेरे त्रम्य निरमा (खर्यम कवार्या) जर्मकार (वर्म-धन्दि) आतंत्रामात्र (कार्व क्षेत्र नाप अवाइता E(37)11 22 - >0011 वस्त्रयमनं (चीर्डिक्न पापरायं थण) द्रेरे केंट्र-मामका कार (हि एवं छेर्म्मा मियकान)। मिन्डार (स्पर्वा । सह) में प्र: (यां वार्व) लाख्य : लाख (क्राम्य क्रिकेट) जामें (जीक्रक) मनामी-ल्यात्रा ६ में यः (स्वरं यान् लार्यावततं द्रमें इंद्रिंग) कर्म (मक्षत्र) येडड परि (येडपकार्य) न नेक्ट्र (रेक्ट्रक इर्राममा), ज्या (ज्यम) र्यक: (14 वा न्युपण महाकाव) वर लाड (ठार्ग्क समित्तन)॥ >>>॥

माय: (ट्यूमार) अन्ते (अर्थकाय) विद्याला द (विचास कंग्य) व्यक्तः (वर्ममप्) अमः विवसी (द्वा अप क्षेत्रक) कर्ड ((क्षा क्षेत्र) कर्ड (क्षा क्षेत्र) लास (कार्याह [नकड]) नात (नम्) Curan: (ट्यालस्त्र) (पाद्यार द्वार रेका : सांदु (पा-(साउड्ड दुर्व में बाद काइ गार्ट)1120511 [aave] selm, (cr. sex en size;) miley. मबार (व्यासका दुन्द्रमं आख्यादि शामां) गेंडर माठड (रिटर माउ) स्था (ध्रमुक्ट्रेस) लाग (ICS) ALUED: (ALUERIAL) MUSCAL (шण्ड र्युन्थ.) अवक्ताल (अध्यम रें व र्युट्स) (पाटमडात (cur. प्राप्टरमं थमा) र्यः (र्यमंग्रं) 1100011 (EJEWOTEWEL) 120011 [any] 20; (red my) 200 (2/5 2/2) कत्य (काकत् न कावंग्र) कार (श्राप्त्य) 2 to (cr af 3 to ;) sic (arrai) si Bacello (# ge & sour) sugar: (861/20 25, 545) 255 नाह ([व्यक्ष] मेर्ड लाम) वाय- एकाग्य : (वाय-(BIOLEY) 4: (OLEMATA) मिप्तर वंस (यीवप देस्त 44)1130811

बद्रेययंत (बारम्यमेक्स) क्यासैत (बार्य्यास्त्र) ल्यासाह्यः (रेंड्र- विषयां गाम्य) व्यवत्त्रम् (न्यायमार्ग्यात्राचा) देर्यः (यावं यावं) केवामार्गादेशवं : (यर लग्मड नकाम कार्ड [नवर]) हिशास गंग (स्पार क्षामा) व्यक्षक कं : (इाव कार्य गा लाक्ष्र कार्तिं) महात्रकः (लाक वयरिवर् आह्ट) केक: (च्यक) मामाह: (मरहवंसल्व. र्रा हिराय वर्ष मं) त्रिकास रंद (त्रिक कर्ष) अवटार्ट (मयम कार्यम)॥२००॥ लिए (अर्थ) मन्तर्य (चाकिरकन मक्त मरहवं गम् क) मर्भरं न्ति है। के कि अर्थ (बाक अर्थ प्रकार अर्थ राउट्ट कार्बरी कार्बास) उटबं : (सुकेटक्वं) साम-सावं: (मरहवं अपने वं सार्वे अप) होत्रा त्रमुनाः लाम् (इरब-वर्षां अभ्य-बार्सा-कामास्यर्यकि राप्त (अमराद्य) क्रिक्ट् यर्क्प्य (क्षात्रक् augu ergin) organis one sandes (सिर्काक अम् राम राम निकास विकास विकास विकास) विभानार विमा : (विभानिक मुर्द MJ 54 (MS44) 11 20 011

करमाम (कार्य करी) मकत्वी समात (प्रमाण क उ यमरियं अर्घ) द्रांत (न्या के का का) मेरड. (प्टूर) भीटि (अर्ग त्यात्र) क्यात्री. ((योग्र मार्टिश.) ला अमं (ला अमं अप्रव.) (क्रिकास्त (आस्क्रायम मूर्क) व्यवनी श्राप (अक्षायर भन्न कर्वत्वत्र)॥३००॥ (पार्टिपटला: (क्युपार्टिपटिक्रें) (पासमार (स्म्यर्य) माध्वावकंत्रवाकाः (ग्रायादवं विकेट्टाल देलमा सेट र्यमाहिय [नवर]) MI ZURE: (TING REDELINALS) 18150-उदम्पाम: (उपराष् धार्मामराये) शक्तकी: [1251 44.] ONO. 45 2 411 8 01. 25 NIE COL " [प्परं] ज्याद्रकात्रीः (म्यांकाक्तकिष्ट प्यान-अर्थनार्ते) उद्यक्तान - विष्ट्रपार्थि - प्रश्विपार्टिश : (छिए छ। यान मर्ना निक्दर्य (किंक द्राम हावी मन्त्र विक्र त्यक नी हार डे कि ररेंग) निमानिक छ वन १ (निम सिंध केर्टर) सद्यार : (कार्राय करवं मार्टिय ।। २० ५ ।।

ल्ये ज्यापूर्व (ला में ज्या काक्ष्माप्त काक्ष्म) = में क्रम. (अँ (वं) क्षायार (राष्ट्र साप्तं सरम्) वलक्षक कृष्टि: (अक्व भ्रम् कृष्टिं [वक्]) दावा नत- वानिष्- वन्ना श्रिष्टि भूषा (दायानामाह वयस्ति लका मृत कार्य परम् अरम्) सक्षेत्रः (यवन के किंक) लक्षार पार्ट : (लक्षार ш. ?) गमा (Cristor) अन्ताप्रमेश्यी-(organic organist se sis) " Constantino (उध्याम्पारम्बं वर्षमः) में : लाम (में मंद्रामं) इर्व: प्रमृत् : (मुर्केकिव प्रस्पार) व्या लाहि (Cus से a के का प्रमास की प्रका उद्गांभड़ प) 1100 M निरि ठ ग जमां वा व सर्व अ- मीका अ र अवाक्त (मारा मुक्टिम (मटारं आर अस्म रमंद-अकेल क्यांकालाका प्रकार म्य बंद्र) न्या के माम रामकार्य प्रति (विकार सार् - messe - exem- your work to me a collen-कर्बिमाटिय) मीक्यक्यामंग्रि (मीमर

धीर ट्यामार्ग मार्ड मारान देते रहेगार [32,]) Eganeuragade (Disinunag. Cummys sa a ord 25. (50 mora, Drem इंद्रेश्टि) व त्याक्रिकीक्षाम् कार्य (क्षीरामक्रwhere [cus]) escar (escar à ल देल् अंति) कार्यार कार्यग्रम् : (कार्यार -(आसुनं द्वासार) व्याम (मानासूत्र) क्षेत्रविष्मा डिर्म: (डेनाविष्म- प्रदेखक) भर्म: orund (my- dignora 2 244) 112 9 11

विष्य प्रत

[ागुरु] मांद (मक्षाका (प्र) प्रमंत्रमुकेटि (भिन्न- क्रिंग-उपन करा) अमभा (भिन्न मनी भाना) क्या विज्ञातक रहानाए (लाट्यक सकावं ताकार त्या त्यांत्र कार्युंग) यन्त्रामुकिनाः (अत्राम्य में प्रिकेट (स्मीमर्द्य में लाभव सिनंवरमं हिल्ला न वर्षका) कार वासा कि (अविवासात्य निवर (इम्र त्या अविधान), पूर्ण अन्त (निक्ष्र) करती. लानिष्ट् (कनतीय लामन आ क्षेत् भन्ताद्) आ सरामा के (ट्याटक मार्नमा) मिर्यट्य सामट्यार्ट (ट्या-ममुख्य (राज्यकान् सक्तास्य र्वक्) में यः (में प्रवारं) मर्थरं धन (तिम मृत्य आप्रिया) दुक्तवढ् (त्यावन श्विमाहत्यत) वर् (त्यते) यात्र मृद्द (चीराम्यत-ह अत्व) ब्रावाचि (मायंत्रे कावं (छाट)।। ।।। लाम (लयत्रें) या बालामं (बालामं) यरपर muel (Ses. ownin) & Cay (& minica) on ita-ट्विनिकार् लाखी विकास (अपत ट्विनिकास डेक्परीक कार्यमा) मानात् (कृष्णानेतक) जात्र तथपारे (उत्राह्ण (भवारं) यिने ब्रेट लाम (प्रत्यान में ब्र) प्रकाष्ट्रिक-

खिकार (स्थिव स्कित्रमें का) मात्राक्ष कार लाज (क्षिकेश (क क्षित्रक)।।२।। De (ce De) (Les) I sique anue (mineria Fact one), ore बाल (ट्र बर्टा) वर (वें हि) शक्षर समाह (जीवाक्ष्यं प्रकार माउ) वार् आकी (द्रामं प्रकर आत्र्य कर्षिण) व्यर्ग (मक्नाह) कि दम केवार्य (क्षांत्रा श्रिति) के के का हिराप्त (मार्किक के हिकन [७]) अदमानि (शिकातक) आमृति (मुनापू) ल पड कानि (ल पड़ क प्रमूत्र) बरेले : प्रेर (बरेक्मप्रदूर यहिं) लामनं (पर्मा लाम) ' (म (लामनं) मैं (व्य (भेक्कम्मम) मत्रमार (मकां कम्द्र) हिंकशावरम भागार (हिन्मी में इरेटन)।।७।। मा (िस्पे किस्से) उत्पार्काः (अव्यक्षेत्रं) सिटिका : (लाटनार्मातं) रेव क्यार अंगर सम्मान माना (क्रमान क्रामा) वस् । मान मार्थ भागिते वास मन्द्र देन कार्य हिट्टू) "अवार (त्रे) दासिकार मद्रा (त्रांबाक्ष प्रकार्ष) द्रम्भाप (त्याक) देव-सर्व) लगास्य (आक्षा कर्वत्व) ।। ।।

वायत (चत्र समारंग्द्र) रे तमा जाइका (र्थाव त्यांच्या) (with lower) solower (yex) yex नीताविकर्ताहर् (नीतावकर्त नामक) प्राक्षणक्ष १ (माद्रण-क्ष्य) ज्याहरमा (मार्स्य कार्नियम)॥ १॥ जी ना विका (क्षीन का क) जाने (त्यर प्रकत) उपमान (एमका प्रवा) बन्नाक द्वामा - मन्त्र - मृश्यात्मक (म्रथ वस्त्रावा वान्व म्मा प्रथम न्वन भावस्थार) नेमकं नेमकं (नेमकं नेमणं तात) लयं (म्लाइक्रिक) लिलापु के किए (अप्य कार्स ने। क्रान ह (म्रमक्रम सें मात्र) हित्रिक (हिमाहिक) विश्वीर (मेरिकेक) माक्त सम्बद्ध (काकामं व्यक्त वित्य) व्यक्तमं (यर म्या में वर्ष) बहा में बार्क (बन कराज्यारिक) दर (त्यव काकाकावाद) मकत्र्मार ब्रमभार (ज्या उ कर्षांच प्रकर) गमा (अवन कर्मण [नक्]) लम्मार् (ज्यादिन निकरे) जायू न कीरिया: ह गामा (वासून बीरिया अमान कर्ममा) काव फाजमाद्ध छ कू कुर्राट्म (भाक्ष क रक्ष न का कि का-अभावा) क्षात्रकार्य (क्षत्रकान तिकतः) भूतः (भूतनाए) ed news (Sights new Za)) undied (andy कार्डनार्टिय)। १ - 1 या ई लाम (श्रुकात) वालार (कस्तीत वें अभी के म्मिक ' लाम क्राइम्प्रमं शका) के लायु में (बरममेंटने) लामुन (लामनम जैन्स) ब्राज्यित्र (ब्राज्यम् प्रमाद) मुल्यम् (विषय कर्मित्र) भा (विक्] ब्रायम्)) छाडि: (छात्राद्धन द्वाना) जाति (अभयत त्याना वर्ष) ला टार्न (खाद्ये माट्य) र्मक र्मेशक कामानंत (अंग्रं केंग्रक स्राथम क्वांत्राहित्यम)॥।।। ए रा (वर्काट्य) भा (च्यारामारा) क्यार (के अक्य (ताश्रक्त) तम (चर्ड) आयममर्के वामर्व (मुश र्रेट्ट अदि (कार) उस सर्वा ना वर अरंपारामर (क्ष्रकंटकं दुलग्रं स्वामर्गितं) क्रिंत क्रिंत (क्षक क्षक अर्भ) भारत है (विकिन्न भारत कार्म) muly (ngeta) mainyin oragine (mainya दिलाला विकासम् करा) वह छा: मत्ते (बामन -वालकमारेव निक्षे अभी कर्मात्म)।। २०॥ [अमड्य] दारिय: (क्याम) (अम्बानमाक्रामित्ता-वर्षाम्रोतः (काम्याना अखानं देसदा देवर्ता

मात्र) भाष्ट्याम्लयती गळा प्रवार्क्य सम्पूर्तः (धार्शन नवीन त्रिक माण् बस्पान सम्पर्मन) रकम-यर्क्षकं । वित्रकार्यभ-मात्रा - विद्वते : (कनम्कावं दियक वं हमा हम्यादिक व्यात्मवय भाग व लामक्षाक. यान्य नाता.) रमानुताः केकार्याः (मार्केक सर्वे कवं. टमका काव्रित जाराका) (छाकु ((छान्य ममार) आमत (अमारत) ति विकार (देशायमान करवेतात)॥ >>- > १॥ MA (MYRA) mal (mal) MAR: (MALIA) CO.21: (क्राराध्मिक)क्रमार (ममक्रि) गार्विक्रमानि (मानिक्त), विविधाति (विविध) भातकारि व्यातारि क्तानि (भातक ७ वंभाना अकृषि प्रश् क्रममृद्), भीगृश्यार्-कर्वत्कतिकाष्ठ कार्यकाः (भीगृश्यार् कर्ष्यकारी , अमृष्ट्रकारी), बरेकार (विचित्र वरेकxñx.) " wæreny (mærenix [725]) ouell.-प्रकृषानारिकानि ६ (भूष भन्न धन् क हि) ६ रही (मात काइंगार्टिया)॥ > ७- > 811 (छ (छाराया) भर्ष भागत-मर्गिष्ठः (भर्ष भागत्म व भाईश्राम बाकगारि श्राका) रूपतु: रामग्रु: (अग्र यामा कार्य न वर कार्यंत यामा समाय मा। समा (काल्यमं इस् प्रकारंग)

हिसे में भी केर (कार्य व साय क्रिया माराज्य में के) लाहतर (लाहताराह) अनु (अनुकास) ए भ्रि (जारान) विच्यात : (विकास कार्याम)। १६।। मारेमः (क्लामन) जायुत्त-बाजनामितिः (लायुत्त उ रोअपरार्तिका) (अव्वा: (व न (व (व्राप्ताद स्मिन कवित्न भकत्व) मिनिष्ठ : प्रिटेन : (भाषानिष (Exauga Mea) Cullessin (cul-selx (es 22) dy: (dydin) Culmind (Culminin) no : (असन कार्नेगाहित्यन)॥ ३७॥ कारीकिका (कारका) असमा (तिमानी) छर्पायमा (छप्राधाकाका) व्टिक्टलाव (चार्ड टकार वेकार-Сма) वर भव्ड (वर्ममित एक) । मुहेवड (प्यात्र) क्षावादारं (भावादाव प्रवर्द) क्षित्रांभात्र (ट्यवर्न कार्न त्यम)॥ २९॥ मायुर्वेला (मश्रीमार्ष्व मार्व) मा (च्यांबा) वर (राम्म) लामारी (लामार्यमंत्र्य) १ कामायुकार (E नातानं) लाखरा (लाटबार् म कार्बना) प्लाधरं प चुढं (प्पारमध्यावं) केकं नमोशि (मार्किकं माड) अलाडी (देशक्तात मार्ना) है लंड प्रवेटर

(लाक्समं लायपायम् कार्याय)॥३०॥ क्रिये भी ति (समय क्रामक) के के : (व्यक्ति) ony (our orged cuity) oran u evan ownquy) ery, my (mora yelf. my u ergin) Q: मानुकेष्य: असर (अप्रवंगतिव अभ्येत) भरं मेरे र (यमकं म्यादं मात्र कार्यकाकं थ्या) मर्मेपारं (मर्मेपारं) के लाम संबं : १ (क्राय व वा मार्वावायं) संवेष. (अस्त कार्वाचत्र), जमा (जस्त्र) मामा: (कुडामर) वादिनाः (ऋषाहित्य) भाजा वालिन । विविध- डभागि (माठावं सटे हिस्स (हाण) अस (नवड]) सायुगा-एवं - व स्वादीनि orm (श्राम प्रण wread a बस्मार्) र्रायुक्त (लक्ष्म) मर्ने: (व्यिक्षात्मं अवस्ति) ११३०॥ व्य (रमभारत) मार्थाः मेरवामाः (व (द्राप्तांवा मात त रापक (अमक्षेत्र मेर्क) हिंदैन महिंद. (- आर दिला का माने माने माने हात : (विचाया दि) curcusin (cur- cersors 22) say own (cry अरम्) में : (में महाम) अन्यमं मारि वया. (वस्त्र) मा. चाका लाखा. (चांचाका क) प्रांत साथ-(त्यानामा म प्रधेष कांक्टिय)॥र्गा

व्यामार (मक्षाकामीत स्नात्व हत्न) सभीहर्भः भवा (यन्ना अर्च अर्दि मार्ग) के का अं मार्थार (न्युक्टिक के ला भं- भर मने के अध्यक्ष के वा का का निकार का निकार के (लर्येष क्षावित्र स्का) साक्षा (सामसालप्रमेशक) रे सवयो। (रे समका हाजा) रे कारं (मुरेकाक) & CSI @ MILLY (CHANGING COLD) NAIL) ON MILL (लास्त्र कार्यात्य [नर्द])लाभी (न्यंत्रास्य क्रंबंद) दमा ला स - व व्यक्त (रे स क स्था व स स्था वास कास. न्यार्केटकं देवार्यालक) है के। (एक प्रकृता) दे अन्ति (क्रिक कर्म रश्मात रशमात्र) में रर मात (र्राप्ट समय कर्यावय)।। 5>-5511 [क्राकेरक दे सामायां गरायकार्य] (व रामाः (केंग्राप) केंग्रांब-वार्तेय-आज कां अध्याप्तां: (हमान 'वामें या सान त प्रथम हाडि पर्म (नवर)) प्रिलास- माम- विकादिकार्त्रेत: (हर्षत्रम्तिव भाद-बकाप केकी ' आमा त बिक्याति कार्ज म कार्ज में,) क् (ब्रामं) लर्भ : (लर्म समय कर्षात्र)।15011 [तर्यात्त । मात्र] अद्भाषात् क्रिक्ट (अद्भेष क्रिंत) यामानु (क्रिंतमप क्रक्रिंग.)

Curous ह सामार ह (curony व राज्यम्दर) उउद्भूषो (बिडिन कार्यकं) अभाष्मक (धारम-क्षात्र भूषक) आस्वात एए पृत्विं (निराम क्राने त्या के कि के अरम व हिए है कि आं क कार्क विहित्य प [यर्]) भू द्वार्था तक भट्गा भट्गा मेर (भाराय मसार्थ र ए भर्भाक मुक्ता र कमम भानिए हिन न [वरेक्य]) जा ७० (धीनम प्रावाका व) भगत (प्रम्य क्षिता विवरं मारावा]) इक्षावाद्य: (इक्षानात) व्यक्षक क्षत्रक: (व्कार् क्रम्पत्रक) ब्रेमकार्थ (ब्रिसमप्रक्त) लाजने हें। (लाजन कर्नेट कार्य) डेव्कर्रामाः (प्रम उ कर्मम्सन डेखानन-भूविया) खाला थीं (जीक त्याव अराम कि कि निर्देष -भावताताषुत्रमाः (छ्राव प्रभाव वर्ग देरमक मम्मम्या मिल्ल कालेलार) हिर्दा-कार्यः भ्रम् क म्याः (वामात्म वादं कार्यं कार्यं व्यक्तिक्ष कार्यः (स्माना दिवं कार्य) मामव-हत्रताः (भारात्मक मध्य वाका भिर्ति विक् माराजा]) रेकार्वार त्रवहा: (टेका त्रवार मंग्र

कार्टि , [नरेसल])काछाहित (काठनए) Fall: (noughtest "[expain]) crish: (certa conul [205]) on wait: (espai) प्रायानाः र्वतः ह (प्रायाना स्मारक [प्रायाना कांचेता १ क्वं माराका. न) वक्षायाः (प्रम स्वरं-सिम् क्षेत्रक सिम्क मामप्रमा । देवमा: ता: (टमरे ठेरकारेण दिन्मनेटक [११]) रून: (L'air) mogri (Monoriay no ante) ७ उसाषु: वव्यकात् ह (अरे अरे भाषा सिन्न बर्मापुरक) लाउनमें हैं (लाउनमें भीत्र) रें (कमार) भवाई अरं : (स्थम प्रेटेश) त्यार् त्यात्रक्ष (त्यात्रम कार्न्या कार्न्या) महालिए (यह-मध्य) भ्रम्यु १ (भ्रते कार्ये कार्ये) अक्यारी (न्त्रिक्त अटमन दिल) विग्रामः (देखे-खियात कार्का- कार्काट्य " [नद्ध ल]) Cuit राद अपु ं ह काल (ट्यान अपु का होगा " अवर् भाषाया]) भूभाम (मूक्ष भूभ) क्रिया (क्यममर्बेर) र्याप गंह (रिट मर्ना

मार्काहर) म्यान (न्य [क्यममस्य]) भ्राप (is sta) (manaa: (Transassinas) संख्यार (असरिस) लायनेये (अमृत्यं लाम्माद्र । [ग्राया]) अमल्यारकर (न्यक्टकव मल्यिव यम वर्ष साश्व " [नदंशल]) अटमहर्ष्यत (म्या दावयात्री) भाषेषायकामार् सम् १६ (भाषे-शक्य सम्य [मन्त्र कार्य मा प्रवर्गाता]) र्राष्ट्र: (ये अ व में बेशां) में प्र: (कार्यात) द्यां रावंत्रः (द्याल्य विगीत् कार्त्ता) पतिव-जान- अत-गारिजामुदात् (मधीन देळ मत्प लाकालमञ्च म्राविष्ठ कार्वावर्ट), बामिला-मण्डाम (अल्पेश भाडीन मण्डाम वना) अर्थकं (अर्थकं) सम्युवः (मेश्वंव द्यंग) शिवण: (क्षावण श्रेटण्ट), जात (वर्षकाभ) ज्यवंगर् (जिर क्याप्त मिन्न कर्ना ‡ नवर्]) सिमः (अवालव) में पः (अवसाव) सक्षामस्क (सस्क सस्क लामाव कार्यमे)

क्युट्रामेश्वरं (युट्रामिश्वरं लाष्ट्रम्याम्) र्टमकार १ लाखा (बर्मालवसम्प्र) रेक्टी रिन्धि कार्वण) मः अत् : (त्यर् न्युर्क) सर्वार (24 cary spaints (44) 11 58 - 5411 [लपदेव] लाए के के: (त्यू, मुक्क) टाठडं खिल्याता. (अव्यक्त सामार्मा) त्याराम भव: (त्यार्भन. खार असर अनुना) विता (ज्याद्वार) माद्वः (मिन्स्रभीर्व) मिनिन: (सम्मानन) का: मा: ह (अरे (ब्रिंगरेटक) मानुति: (भानुसन् केमाम-मर्भेग होंबा) भारे गासाम (भारे या चात करंग्रा-हिलन)॥ ७०॥ [उरमात] रार्वः (अर्थः) श्रीरस्थार्थतः (अरह-हाना भार्ष्य [3]) कत्रत्यः (क्लिन्यस्था) था: म्रीन्में (स्थियत्वं मित्रिकावं मेर्क) बर्गाम वारात्म (बरमान्ति वाम क्षात्रंग) द्वार (द्वाराय करनेगारियत [-१४०]) कः Q: E (Culoudy à शंबात) (एडिंगामास (तार्त कबारेगारित्तत)॥७२॥

[ब्रिकार्य] चिमाः (धिमाम्) द्रमंत्रं (द्रमंत्रं सम रांड्रेंग.) । यथां (रैका जाय जैव्य) ९ क्षां : (व्यहतां) हार्ड पहा: (वार्ड मार कार्ड गार्य) मामा: (प्यामान) म्याक्षेवर (देकार्यमात्व) देखा (त्यादम कार्ग) निर्वा: ह (निर्व दरेन), आर (आर!) क्रमान (क्रमान) भवार (स्वम्मार्भक) डेर्ब: अम:-भूषिः (भामात्मम् पूर्वामिन भूमिण) श्रीमणा न धवाल (अग्रवास दरेनमा)॥ ७२॥ Culou: ([abosta] Culony) & musullingo-ट्या एट मार (मीकरक व में मनतम काल मने न हिउसम्बर्भ का की) सवार (र्दिन गर्भक) अमर मरं अबर (श्रमंड आहेत) केस्यरं समः (प्रथरेश -मनेर (क) प्रमाखार्वत-के समक्तंः (सपन व्यक्तिर्माल मृष्ठ कत्रम भक्तान भर्बड) अर्ड्ड (न् नकार्यं) बलामण्: (अम्लप्रामायम्) व कं छ : (मस्ति) सिन्छ : (मर्मा सिक्ति हिम्म)॥७७॥ यमार्थिः (वनस्वयं भार्ष) । अर्थो (रथर) डाइ: (च्रक्क) त्याद्भ: (त्यानमाप्तं हांचा) मिन भाष् नामिनार (।मन मिन भाष् भारे के लामिन)

बरेमार (स्थिवरममपुरक) बरमामं (स्टिस्क श्रमर्थात्र) खावका (खावका क्षांत्रंग [नवर]) ता: था: १ (८भई दिय अपूर्वा) म्यान्ध्व (म्यान्ध्व) प्रियम् (स्टायम कार्यम) ब्रामियम (योगम -रकारंग्य) तार्यक (त्रमाद) तामसर (अभन कार्नेगाहित्सन)॥ ७८॥ य: ब्रामा शंकार (ब्राध्यकं न्यायकं मार्थकं रा लाविद्धः (लावकाद्यापुनं शावा) रेकार (रेकार्क) र्रड (र्टाड) महाका (अव्यादमा) अवायनं सिक् (ट्यामामान द्वान्त्रभूट्र)।क्ष ग्रं (केट्यामुल्य) (युर्नेश) (श्रिक: कार्यमा) सेटाडार मन्द स्वित्र मार्क मार्क में अस्ति अकर्म : ह समर (वेजाता तर्र में अप गार्व मार्व) कार्या मुंबर (निक धार्मित्) अचक ९ (मधन करवं मा-हित्तन) 11001 *अधिवाडिमें : Ca (लियरे के ने त्राचा वार सम्भाषा कार्या) में में अर्थित- यह मा (र्यक काम्यामक कर्क) म्य सामा मुस्तां (मायसामा मिसा) के वर् (लिना के) ' डिडिका: (डिजेंच) माम 6 लानायुक्ट (मकार्याक) रहेड़: (ट्रास्य कार्यामहायत्र)। ००।।

Useful Factors

$$(a+b)^3 = a^2 + 2ab + b^2$$

$$(a-b)^* = a^2 - 2ab + b^2$$

$$a^3 - b^2 = (a+b)(a-b)$$

$$a^3 + b^3 = (a+b)(a^2 - ab + b^2)$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^2 + b^2 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^2(b-c) + b^2(c-a) + c^2(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$bc(b-c) + ca(c-a) + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^2 - c^2) + b(c^2 - a^2) + c(a^2 - b^2) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

ROUTINE

Days	1st. Hour	2od. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday				9			
Thursday	-						
Friday							
Baturday							

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা পড়ে "

— दवीखना 🗸

なでくるです

2 Com y y more STAR 3 SOLLARIN Julekha EUR 2 YAUN TUCK JUST of 19 Khatas Khatanoभारता । व्यक्त । व्य च्याची (भगवन्त्री या में दिन 3008 (35 m sent (Comps) त्राम्त्रमः (यग्नाम) सर त्याने क्रमान्तिते (अस मा अप अ खान द अ (बत्त न कार्ब (क) केटिय माने। (खरमन्दर्ग) वदमायाण: (मानामानेन) त्यावकाति (ट्रिट्न) का अभा अन्य (ट्रिप अक्स) मामार्चिति (विविषे) आर्थिक्षाने (भूडवर्ष डमा वह), मेमनाम (देमनाठ वस), मनामि ह (लयकान [नवड]) अमंगळ्या दिकासीस (सम्म मान का उ वाष्ट्र मानी विकास कृति) कार्य कार्य (एमर्प कार्यमार्ग्य) " काम (वरममेसरे) येथा (लामाल मार्ड) मान्डी: श्रेडडे (मक्ट्रिन मान्डे. (Baiy sign (201) 110000 P11 मूक्त्याकाः (मूक्त्वाक्रम्) > अन् (अन्याम) इक्ट्राकी : केंग्र (इक्ट्राकी कामर कार् प्र वान अहव अताराम कार्या) के कि अह (त्युक्टिक के रिल्य) क्षेत्र का असा : (क्राम अर्थ का असत् इंद्रेश) र्रिक गित्रिक्तिकामः (द्राक्तिक्स उ कार् क में किए हैं गानि कार्य है। में दे अवा : (उत्याभन कार्यम)॥७०॥ नतः वाधा (क्याप्तार्वावा) के द्राव्य मायदा

(त्रीक क्षा मार्ट (बार प्रायं क्या) कार रेट त्रास्त्र, (XET THE BATIL (BLE BATH (&) समा (स्वार निक्टी) सरवास व (स्वामायन भनेत्व) क्वि क्विष्ठ (क्यान त्यान दिन) निरम्प्रांष्ठ (मियान्ने कार्यान)॥ 80॥ मि म: (अनिक्धाराकाक) जामित (सारित) जात, भवार हू (ठाराएक अकर्माकरे) निमन्ति (निमन्ते कार्या) त्यार (जारादा) त्यावस्त्रीकार्यः (कानतन् रायश्य मध्यादतम् कता) वर्षाना (धर्ममंद्रक हाना) श्र ग्रायक्री १ (तिक गृदक्री) न्तित्यातारम्बाटक) अव्यात्रम् (लारम्बर न्यंत्र किर्गिटियम)॥ 8>॥ ००: (लम्बन) ब्रायम् (ख्यानी) वेश्वे (ज्या) भवावन (विषय) ज्या (वर्ष) व्यमार (क्यमा-माधी) भागष्ट : (मिक क्षा अपूर्क) ०३८ में मा- वैज्ञात- मिं में में में हा : (१ रमारमं में ये वर्त भम् ३ व्यामे के विव महित) लाक्षेत् (मिसस्य कार्यमहित्य)॥ 82॥ [जाउन] बाल्या (बल्यावी) बरेमा (धर्मां लन हारा) लाइवा : (लाउंगत्र कंग्रंप [मकात]) वन. (CXMA) TAMBOLODAN: (OULTANIAN SALA) क्राम्यक (देश वागरक) मार्का के के 1 (मुश्कारन देलद्यलम क्यार्यमा) ट्यानमार्थ (ट्यानस्य वना) देवादीवडः (देभरवणम कर्नरमम्)॥४७॥ ला (म्यान्यानात्वन) राम्प्रि (प्राम्प्रि हारम) काराध् (व्यान व्यान त्यान न्याता (याताला) लयाया (कार्यक चाठकर) वं अं : ([नवर] यस ग-डाटम) यूट्यो (भूयक्ष) (श्वार (डमरबमन कित्यम। [आर्ग]) मुख्यामा: (मुख्य अहि) इत्तः (अश्वकत्वाधकारम [यवर्]) वरेयः (बामनेवासकार्य) वसपाकर्त (वसटपटवन राज्यन् हाटम दिनाद्यमन कार्यमार्क्ट (पन्)। 8811 [जभम] वननीकिविका (त्लेकिकनीविकानमभाना)भूखड-र्यम (में कर - र्यम) केंग्री (हेंग्री) मार्डिसम्पर्मात (आवे त्यलियं एक) रेप अला (रिक्शिक्रीकर्क) विकानिय (अन्मा दर्ग) मर्वाहरीका (अर्वाहरी: प्यां भारत खिल्ला) महार (गमम्मा) विकातिश- अव्य- प्रवं - विकासका: (वास्प्रायक-

यन ' भिष्याती 'एववंसन् व वें अभूषि) (तामोर् ((लाम) वस) आहे।हारक्त (आहेरकमत कार्नगाहिस्पत्र)॥१८॥ ton (Quain nach) which (court age in minh कार्ष न का (त्याहरी व महिव व मी.) बिरिश्व- वियय-भाम में कि: (विविध बाब्दिम भारत) विविध वेदिः (उठमालेक्डम्ड) करकवर्ष भूषाडिकि: (अर्थर मिलश्या यदामुक) मिल्युक्टि: (से आ केत) में मेरेप्य: (काउटकामन) , विलट्डिक्टि: (अध अन्नमपृश्वामा) ल्ला: (आवेल्न) म्मती: (अनुवानमपूर) त्यार भूव: (अकत्यव प्रधाति) प्रमानिकाभव (विकार्षकान डिलर्ड) निष्टिश (म्राभन कार्न्माहित्यन)॥ 8७॥ टिर्भ (द्रायाना अकत्य) एवस्य (त्राय्य कर्निक लाइस थाइट्य) मा (क्ये) ममार (ममा:) (लकारि (जिंकालेके) द्विति विश्व अपूर्य एक्सारि (कार्य (रंगवमतिक वरम्याव प्रक्रमसंद) प्रथाय आध्य न्यम बहुकान (प्रथम क्रिक्न-लके (यार्मिर्प व अमनति मार्व मार्व बद्य-मर्गर) धाल्यात (विविध विश्वक [ववर्]) प्रमुखनातुन-है वा: (इडम अन्याशिवं ब्रम्म) वैसे खाडिया: १

(carata caugaranta) ouigeaunio ([2 2). a (बार्ट्रीका वा] लाब्दलम्य क्लंड्रमाह्यम्)॥ 89॥ ला (लप्रदेवं) मारे मारे (म्नावं म्रापं) मर मर (cr cr 2. R) Brio (Bir) adad (abritin) चरमान्तः (वरममन्त्र) द्राम् त्य (द्राम् क्याप) काका (लक्सका ड्यंग) दंगार्थी (दंगार्थी) ज्ये (ज्यादिम् क) जर् जर् (स्मे अक्त वस्) यूयः (बावयाय) मादी (मात्र कार्बिमा हित्र) 11861 ज्यान-राष्ट्री (बरान्यरी) ८०७ा: (छाराराय प्रकारक) कार्यन (प्रभाकत्य) नामार (निवंडन) धन प्रार (धन प्रा) , निमाइनी (निमाइनी) वार्वेडर (क्यांड कर्मर क्यारिक्स) व्यायार (र्माया) यह का लंब (देव स मादेव काम्ये के शिक्ष के वाम्या? - क्याबिलाय) , बदमक्यानि (माम्बन काष्टान), लके। सेसर वंगर वास्त (नवर सके वारित व्य) भावित्यम् गेषि मा (भावित्यम् क कार्गाहित्यन) ॥ हरे॥ किर्मास है केमारंग: कि (कार्क के वयरिय त बन्माम्) सर्विका: लास् (मार्बे के वर्षात्र व) त्र्य प्रवाह्म । (त्र्रा के हिंचा), वाका क्रिवारताः

(mar 12 acers) niñosa: (mánsya) nyó (कार्याचे द हमर (भमक (कार्य क्यारे वान क्या) मम्रमक माता वाक् - पृक्षका निष्: (देर्भक सर: वाकर क देखि याचा सक्यानक) में प्र: (तामक) लामप्रवादः (यव लामप्रमां निवरं वार्यो) मिर्वातः (मिर्वात्तं) मेर्द्रः (मेरानान निर्व ला मर मार्ग] (कार्य : (कार्य डर्म में) वस (जरकारत) मूल: (तिवंडवं) मूजूबिटवं (जावत कार्यमार्ट्यम [लमह]) ब्राट् वह ए (काराल न लयात्) प्र लक्षार् (पालकार्ट वार्वप्रभाद्र)॥८०॥ आवंत्रमार (काव: कामीत (कावत रर्नाव) मामंडनामात (नद्र माक्ष) देवरिवारन) इमर (देवरि) ग्रह लक्ष (विस्त्रां म्यूद्रां हिं [वारा नद्रंभ]-) बट्टा: (धर्म प्रमेट्सब्) मर्थनी (भावित्रा प्रकाभाटक) MARJOS (MAJO [385]) Na: (NAL) MINES (MINES) WEAR (SEAR) 11 6211 थ प्रामित (क्षाप्त (क्षाप्त कारत) नामिताताता-डामक्रांप्य (बाक्राया क व्यवांक्रामा ह ब्राकारंक) क्कादीयार (ज्ञीक्कक्रकि विवर]) भागरन

(पायमक्रामाद्ध) मार्के : लाम् १ (न्युर्ग्याताक) लकाक्ष्रा (maise tilg) mard (meginen) " se ome (ame) वाकर्माकाः (मिलेसमें माक्सान्ते) मास्यः (माम रिकामर रेक)रिकार (अक्रिक कि कि के अपन दिन : (DIOCEINA WCHAI [MA) COINCA]) MOST (भाग्नः (अवत्रे प्रम चिक्]) जम्बक्तार (कल्पात) कला: (क्यानियाम) ट्यादिया ह लाभी र (क्लाहिक ने मूर्य के प्रमं इर्माहिन)।। वरा (७ (नीरक्ष प्रावास अक्षि भक्त विद्यात]) अभावति : (धीक्ष हत्य) मिंह अधान त्राविताः (अकृष्णन) वाकुत्माः (पूत्रकालन) भिष्-अस्ता (धर्व राम्यम्) , जन्याक् मूर्वा-बिला डि: (जरीम बाक्यामृड बिलू-ममूर), उर्क्षिक्ड. विविश्व-कृषाविमदेव: (जित्रेय क्षित्रक कृषमाक्ष्य विक्षान) , जलाम नुसामिते : (जपी म जाम नुरुक लाम्य प्रेथायं पांग [चवर]) वर्षाममोर्भे वादिः विज मर्दे : (जाति): ह (जिमे भर काम कम लिशिक काला लाहासक सर्व द (कार) साम्म माया) नकालिंग हा हिनार (नक्ति सरमं का हिनारक)

मर्टाअसीमार क् में मर (ट्याअसमें म) काक्रमार प्रदेशक (कार्यक वात्र मान कार्यमा-हित्तन)।। ७७॥ to (against instante (व (व्नेश्वां अकत्य) कें केंग भी केंग लाहका ((हाअप , आत उ लाहसाय अंग) मामप्रक्रिः (मामान-कर्क) प्रषाद्वतः वीमगारितः (देउ मालापुन व बीक्सपिश्चा) (आवेडा: (आवेड इरेपा) भनाकिकात्मे (अर्वक्षेत्रमूट्र) भना (भीतन्यया-माला) त्यः वताः (मिन कमगत्वं भार्ष) त्यकार् (वास्ट निक्र]) र्ये: (म्येक) ल्यां स्थांतार (बरेगनिकाव प्राची) विकास : (विकास कर्त्या-हित्यत ।। ८८॥ मग्यक्ता (मश्रीसाम्बं मार्ड) अन्तर्वी (स्वादा) अवड्डी-क्रामा किंद्र वानना (हज्जामान सराक. हारव मृथिकिमाम कविमा), धर्गतमम् लेपनाः (कर्निकाक्ष क्रमंग्रीन वर्ष) अश्मनार क्रकामतम् पुरि लाएमा (हर्षि अमार्ड क्षाकिक वे म माम का किल (क्यार में) कतान-

र्ने प्रांत्र (प्रांत्र) मार्न नामंद (वासं वां कां कां कां कां) थिए (आंग) मार्डिक किला त्यू (देखु- किला मुर्गायक) लामत (आधे वेक कार्य गार्ट (CNSSA)) हि (CNSSA) यम् हाकार स्ट्रा (टिमहामामामिगरनेष व्यक्तकार) भकेला (भक्ता) भवक अब (भवकरें) मनवनी (भजन In)11 6611 मः केंकः (मार्थक) त्रायार (रेंच दर्दि) भनाम-म्भव: (भवा(अव म्भवावा) । प्राप्तकार् (।प्राप्तक), लगाः यंगार - यत्रा- यंग्यवांगं (न्यांगा न युभ भ (भवं का हिं क्ष धर्वीया) भियतं (भात कर्म्म) कार्डा मिल ट्राय किएमें (अपर केशक न मम्मन द्यवनेमायक) जेटला व (जे के कार्न गाहित्य) " हि (त्राइड्) सरवार (सरम् ग्राक्टमार्) देव-कार्या अव (डेएक्केनरे) अचना श्रिट्ट : (अय-भारतन कार्य रत्)॥ ६०॥ ला (लम्बें) ब्राथमा (त्रीमामा) यराम्बार (मभीमार्ने न महिं) जूनमी (जूनमीर) टकामार्गे पूर् (किस्य करार्यावं वरा) के कामरा (कामर कराम

कार्ड () सामक्रमा (सामक्रम [द्रायात्न]) लातान

(रामित्यन त्म) भा रेम्र (करे क्रमी) मार्थिकार विता (म्यांका की विद्यंतक) क्रममर् (लास्म) त्याभा रं म लाख ([Cary] Corest Tan, any wing y, [[mal]) 226 व्याभ (मात) म । भिना (भाम करत्म मा)।। १९।। मा (क्रांतास) अरं (परंसक) त्रेत्रक्री हरं (त्येत्र-क्षेत्र (अवन कर्ममा) क्षेत्र (महत्र हर्मा) धार (राम्यत्र , [त कित्रे ! प्रार्थ]) ममश्रीमृद्ध -असाम् (क्षानाका क वर्षा मम्मान क म्या) लाकार (यरे कक्षी उ व्यक्षी काना) क्वर (ममन्द्र) मालमार (बान्ध्रमध्रिसमाध्य)ध्रम् १ (ध्रम्) अम्बर्भ (() and) 11 ap 11 डण: (ध्यत्रक्) मा (टमरे) भानिका (भानिका) उछ- मम्बर्ट (नकि विमेश मार्गे, जम्पर वास्तिन-बिट्न (वन मर्ग) श्री कुकल्मन (चीक्टकन ढ्काबानिके) प्रख्यमात्र (अत् ग्रमूत) निक्ष् (ट्यामटन [नवर्]) बनायुगा मछर् अभी (त्यादिनी-ट्रिवीव अपड [अन्न क्षेत्र ने ने विकास (अकारन) बिगा का का का) कूसरेमा पत्ने (कूसभी क विकार धार्त्र कार्र (तत)।। दश।

Terme ([ma: 44] Issuring) outer, (orta) मत्मानकार (त्मानमार्भन महिक) मात्री: मामान, (यात्र सात्रायम्) काश्मित (काश्य कंतर्मा) सम्बाह: मल्यीह: (अयवर् उ क्यामत्वं प्रादेव विजिन) अपृष्टि: भाकि १ (विश्व कर भरते य प्राप्ते (छात्रत) areas (कर्माहित्तत) 115011 जूनभार (जूनभी) अतु र वाकार (अतु नरेगा) माखामं ं (शम्मं पाटम) मा शमका (प्रमं शमका) मूबलाय (मूबदान निकार) यर: (त्माभरत) त्मान-क् मु ् धालाप (कार्यक्त्रम भविष्म नामित्रम [वर्] निर्विका: पति ह (उाम्र निरिका धार्मने काइलाम)।। ७०।। अम (अन्दर्ग) मा अत्मे (त्रे) द्रम्मी आमडा (व्यभ जिन्नामां निकाद निकात ने प्रमार वर धन् (त्ये मकत धन्) मत्थ (जीग्रवादक) ममप्रें (ट्रिकारेट्यर) , क्रिक्स मिन्द्रिया ह (3214 UM & ACIA MIGA MALL ONALY & EMY (उक्) लाएन (अमनवः) लर्मकार (व्राधानं मन्यनंत्र) मामा-द्रालाः (मात्रका उ तित्वमं) हाडः अहर (एकि नामिगाहित)। ७२॥

क्रमान्ती (क्रमम्द्रमी) ज्यभाः (ज्यभी मिक्टे इंद्र) वर (अय लय) द्याध्यायनं (व्याध्यक्ष्य) मुद्रा (यम्भा । समा वसमा बिल का बाद्र (क्या का का ल्यां मेलागाप्यं स्था [द्या]) के मर्-कार्ये (अमक् केमक् आयमर्दि) लक्षेत्र (माञ्च कार्नमाहित्यत्र)॥ ७७॥ अभ (अम्डन) करिया (करिया) विभाभार (विभाभार) वार्म वार (वार्यात कार्म वार्यात्र त्य), प्रमूड: (ourse of I) Par (ourse estain) mind (लांधव र्य) आलायार (आलायानं) अव: (RIMIN INTILE " [MY]) CR (ONNIA) HAIS (वर्ष्ट्र) ट्लाकुर् (ट्लान तम् न्य) व्यासम् (व्यासाम कर)॥ ७८॥ अस (बिम्मान्स)धार (बिनित्तन) अस (उति) लबंग्रे अख्यार (वयत्रात्) व्याद्वा (अब्बाहा ररेमा) मृत्र श्रुष्ठा धार्म (ग्रमर्क) निक्रि वर्षाक्त), ज्यावर (समात्तरे) व्यवसारि (एक्स्म कार्यत), अनु ९ दिनि (अन मिन [orare Tres.] and y ser) " MI [Cary]

सरिया) प्राचमनर (मास्माभिष) धात १ (धात) म्स्म ५८५ (अभात कर्मित्र)॥ ७०॥ म लास (हिमामा ३) इन्हर (इन्हाइट) वर काम्रों (कात्रा कायनंत्रकेष्य) (काय्यायतं (काय्यकेष्य) लाकार ह (स्राज्य शक्ता) मांबास : नारे (मांक्रक सिकटि कार्यम) किता (क्षारक) मेरा (वस्त्रवस्ते) उद्वार्षार् (डिक बार्षा) वार्वद्रम्य (कालत्र क्रित्तत्र)॥उउ॥ उठ: (अम्हन) अमानिभानि: (मभीनानेन मार्च) वाका (क्यांकाका) अमवासी (एसवामन) मेबार देव (स्वा त्वापानं राश त्यंत [द्रम्य द.र परं सत]) क्रिंटे अ प्यर (म्यर के के वा वा मुक्) वा के ((अत्र कार्ववाव स्ता) प्रमुद्या (अद्रम्का प्रभा रहेमा) मटमण्ड (अकाविण्डात्य) कृत्रंत्व-भीशानि-विवाबि-त्मार् (इनाव अधामन ट्यांडिंड त्यती व डेभर्व) डेवार्वट्यम (डेव्यक्य करित्र)। ७१। क्रमः (जीश्रवाव) क्षम्य (पार्कर्त) नामका (नामिषा) न प्रत्य (वास्म) विमान्या (विमान्या [20]) भूत्र : भार्या : ह (प्रभार्य अ भार्य) प्रभार्य नर् (गणामात) जार (जार) मभी वार : (मभी भरे) जेभाविमा (डेअरबमन कार्यन)॥ ७७॥

ट्रिक्स त्रिर्यमण्डः द्रम्याम्य द्रम् भूक्ष्मा क्रिक्स्य द्रम्याम्य । क्ष्म्य प्रम्य (द्रम्य क्रिक्स्य द्रम्य (भवंक) व्यम्भा (व्यम्बि महित) अवस्त्रे की (अवस्त्रे की) ्राक्तः (म्याका व वर्षा सम्प्राप्त्य) क्रमार (म्याकारम) अत् ((अरे अते) अविविद्यम (अविद्यमत कर्म्गिटित्न)॥७३॥ अपार्म्य विसे कु (अपार्ग ध्रमक् क सत्त) " वस्तुन. मर्मिके १ (अशिक्ष व्यवस्थित अभी मामिके) न त्रकार्त्य (मार्केशक र मार्था) वाहर्मित्र (भरमेक) " तिनानि। भेमन तमे १ (कीए मि भिन दला दल व की के [वर]) बास्ता (अवासामक्त) त्यम् सेर (नमन-वाका मेक) " न्यात्र (का किरक के) है का निष्ठं (इअवामी के) उद्याप १ (त्ये व्यन) स्टेम पिक् कार्य ह (भावाधिक इतेरम ७) वर्तेरम (वर्तेनमारम) assid ourse (and Expuse) 11 do 11 मबाताः (इर्मीमने) ब्रान-कबतानिके (किंग-इर्टमक् अमावालके) अवृत्मातर् (डेउम म्मात) निक्रः (ठाहरी भर्) छिलयमके यः (वित्रावित्व असुरवामाचे] मञ्जवाति), डमर्थः (डम्बीमर्थ ित्रिं समदं का नायान के]) अने सी मन्त्र (मर्स [नवर]) शक्तान: (शकाक्तान) नाम वर mades of the Come of the Come

लर्ष देश [किंग क्टबाटनं का मात्राम्] कल-क्षित्मत समाव भाग) साक्रवासाः (क्ष्रींगक्रा-अकाल प्रकथ) केकाबालक र (मिक्टिक के केशबालक) one of our (any event) over and (over) मम्दे : (इस्टबार कार्यमाहत्त्र)॥ १३॥ छा: (जाराया) आहम् (धारमप्तारह) क्षणमून-हित्र (अहरकन हित्र वास्त्र) आमारमंडी: (आसाप्त कार्वा कार्वा) माभी डि: (प्राविधा: (प्राप्ती-गतिव (मवा नाड कार्नमा) पृष्ठाः (वृष्टिमरकार्व) भनाकुरत्ने (भर्वे प्रमृत्र) विभन्नम् : (विकास कविमाहित्तन)।। १२॥ जूनभी-सम्बद्धी टर्म (जूनभी उक्सम्बन्धी) ७ ३ छ या म - ए मन १ (मीकृ क उ की न चान दूकानाने थे अत्र का क्षेत्र) मूक्त (अराजियमातः) भागवी क्षापा (अम्बर्भ व हाना) बुक्तरें (बुक्त विकारि) ट्यम्पामामण् : (ट्यम्ने कार्यात्मन)॥१९॥ उड: (अमद्रव) (७ (जूमभी उ क्समम्मूर्ग) क्रमाः (क्रवंगलं) रम्भाः पार्यकाः कार्ने (इस्मा ७ प्रामीनर्सक) ट्यामम्बा (एकत

क्वारेमा) अव्यक्तिः (क्रिके कि) भागते : मन (मिन-मार्थन याहिक) ट्यमा- त्याचार्मार् (भिन भेन्यती न के अप ब द्वाटक वं कर्य) करमें डे (एम म्रिस्स) 114811 णान (जिल्लात) शेष्टे का मुनापीमार (निक व्यक्तिक रान्ध्रतापिक) धानामा-भावतिसान (भन्नान अटल अमारक लाम्स्यमम क बिल) ट्यान्सारी (त्राम विवं साव दि) विद्याः (व्रे पत्रा व समस्य भीत प्रति। अनं १ (अनेकाल वर्षेत्र) गुणियातकाली: किनि: (अवस्थन अभागभूतक विकाप) धार्माप (१३ एव लाभित)।। १०।। दिश्यामा छल्टा कुन व्याहमा (ट्यान्स उ व्याहमन कार्वमा) उपर (उएकाता) दार्वामा : (मार्याकार) १ वं प्राञ्च कर क्यांति (१ वं प काटल मे दिला में क र्मा) ज्ञा : (छात्राक) जामू न- हार्विष् (हार्वि छामू न) वाना रहाने (वारकार्त्र कार्बीक कार्योक) कार (द्वाराय) जरमरणार् (मार्वेष्टर्भ कार्वेश नामित्र)॥ वडा। त्याक त्यात्याः (अर्थात्र त्याक्त क कि त्याप्त) किन्यत् नीताः mile gran

टलाक्टलटला: (वीकार् टलक् न हटल न) भा (मूम्रिका) भागवती विलय भीमा क्लियूपी (भाग्रकातीना विका नी नार्क्य पूर्ती) इवनमारिकनामाए (इक्कामी स्मात्वं) स्मह्णक्षित्रक्रावित्रे (हिल्सम हलकार-रानेत्व विभामिष्र) , इस्मिन कुर् (इस्का अमून) रग्रक्तरम्पारिष्ठ (धार्रम्भव तीरा वापा क्रिक) लय 6 (काश्रमां) दुरमें में मेरी (दुरमें कार्यां) ma रमाठ (असोमं हात थ मंग्रेड इंद्राट्ट) 11 वर्गा अरिक्त अर्थयार्थन अर्थ का मानामा (कार च्चा दिल्या प्रतिवं नाम नाम में नियं विषयं में में मानान के लाट्याका में व्यक्त क्ष्य क्षेत्र) व्यक्तियामात्राम -Enger 18tg. [askxarge ajsin warnenmy मार्थ देसराम कार्यार्ट्स), व्यानिसामाण (मीमार श्रीय (मामासी वं मानिक मार्य के मारिक करिय के मारिक [नक्]) व्यक्तिमार दिवंदिय (व्यक्तिमार दिल्लाकार । वरं या लारेसर (उट मधरातं केकान रहतार) मायुक्त-भी नाम् ए कारा (जीताविन्ती नाम् कामक रारे थात्यं लाभ्य) सम्बिश्याम् : (स्त्रा अपिका विल्लाविष्मः प्रमेः (विल्ला प्रमे) ध्या (यश्वाता) 2 you and (angrand 2 2 4 2) 11 5011

अक विल्लाके अर्ल

[1273] ON MA-12 BELLING CAME (Sandon a क्षे अरम मे अधिक न मारमाधी (बन्दाम् अर्क) स्तारक (स्तामकाट्य) के रिमानद्वनार (र्यमां द्र अरमीया) में ह्या (रें क्षेत्र मार्ड) ला हरेंदा नम्माजीव-कन्नामक्न्यून् (भम्माव जीवन्त्रक्रम् मुन्द्र मार्चा कार्कमा कार्यमाहित्य), मानीमनार् (यश्वाप्तिक अर्घक) कार् (अर्) भासार (म्युवाका ८क [नवर । गारे]) (पार्व: (curanta मरिक) म डायार (महामार्बर) विश्व-छति-कमारमाकनर (अतिमार्थनं कतारकोनाम मान्य कत्रिमा) भिष्णप्राचा (त्रिर्मीया मिलाया कर्क) मवार व्यामीम (मने यत्वार्व लामुल येत्रंग) यह मार्वह (िर्यम्पर्यं] नामिड यर्ट्यम), व्यथ (2 वर् अन्तर) निर्दे (Curaca) का के के के (कू त्यू हे भार्ष इरे गाहित्यन , [र्थरे]) कुकर (बीक्करक) भावानि (भावन कार्टिहि)॥।।। लम (लमदेव) रावः (माक्टक्न)। मुखा (। मुखा) च्छा भवा (त्रकाम) । युवासमार्था : क्रमें : (भिर्म ने कार्या न कार्या पर्व भारत । साधित दर्मा) कि येरे - यरे मर्से मर्से : (इत्रापादं । प्रमायमार्गादं) बार्ड: सत्यर (बार्ड रहाना में महानं) गामिन. (आगमन किल्म [वर्]) मध्कण द्वं : विताकना-नांग (क्युक्टक ने तेन्द्र ने देश कवत लामाने) मिठाममाः (बस्माहत रहता) सरामियवशक्ताः (निभिन डिक कामिताले कार्ष) श्री डिका : (श्री मर्न) वर् कामान (क्रमालन निकति हेमार्ड इरे त्वेत)।। र। [अन्तुन] अयाविताम (तिकानिक विभाषाया) अध-विति र टामना विश्वामने : (मिन्टक मा मान देर-नार्त कार्यन (मार्क कमात्री) नश्मणीय वार्ते -राभा नाभा ना किन दे निकर ने भी में भी व नामर रामा उ रेट्रिशकं र्यम्प्रं लामल रामक) में के-इंड ल ल डे म - रेडियाम अर्द - बालुम : (रेडाम दार्थ) सामस् पत्का यांत्र व शक्षाप्) (म्यामिका-टनाक-।विश्व- लाभवृष्यभाष्ट्रन: (कानिक वार्षे शिक के के कि प्लाक्सर्टर में डाअप्राप्त व प्लाब-र्दियं अत्य) लानमें : (लासम्य कर्ष्ट्रिय)।। ०।। (a (क्रमकत्र काष्ट्र) (प्राथकाल्य (प्राथकात्रक महत्) 1 1 201: (181 72 \$ \$ (2) (1813) nmans

(noucoun) nempies & sonjois son mas (cupies न्त्राष्ट्र त लार्क मार्थ रकार्क) अभीतिकः : (सक्षात्र करम्प्र कार्यत्यन (विषर् व्रासाका व)) मेर्सीयवा: (वर्त्रेक. र्यंग) रक्षिर्पार्वकाविक - स्याह्याः (निक्षिर्पात्र थरा (यन त हित्व दरका पर्मा) । में वा : (काराप कवित्यत)॥ १॥ इव (रातं) लाम सेव: (में मीर्केक:) । हार्याः न्य: (लाराना (१ सिकाह]) समत नार (नार्या दे-CL(X) CMCa (min elents), culan: ([] ! Le (याक मकत) उपीक्ष में हुं ! (हारा व प्रति व म्या लामरायुष ् चिलवर्षां लामा]) किं विद्यं मंद (तर्मेंस्त) शाहितेति (१९९८ कार्क (० ८५ ने कार्का) (श्रि कांत्र) ' Симыба (ग्रम्मर्मेंस्त्र) मुम्ह लक्सार (लक्सार) मार्थकात: मार्व: (मर्व्यमार्थक muse) six & m: (six = 1 & 2 x) semma: ([2 min] g on 1 2 2 5 2 2 2 1 1 6 11 इक्षेत्र : (मुर्कमम्बर (अर १ व्य) (मान्केवामां भागां (उधाराम्मान्य) माडाक्षेत्रं (हिंद्रेस मर्मेट) ट्रिक हत्या व व (ट्रिक का क ट्रिक वार्ष),

(कारामुक्तु : ((काम क्र अ क्रम्मिम (चिक्रे)) खिव-देक्वानि ह (राभास्य क्या क्रम्द्राहित्य) यर ले से मेर (द्रिलेस कार्ना) सकारमा दिन. (यकास्य द्रमण्यक्त) द्राप्तः (द्राप्त इर्यात्म)॥०० िरकार्य] यः त्राल (न्युक्तित) विकार क्षेत्र (उनमारे व वक्ताहमर्क) आक्राने - क्राक्सिं: (धन्द्रानिवकात्रभूवक बन्दना), समात्रभीन ह (काळाळ्या ७ भागानीता)। भीवामानिक भरेत: (वित्रामामिक पृष्टिवाड) वामाम ज्या धनाम जात (निवर् ने भायम तमा भा व वक्ता वामामा वाकिसरेटक) अद्याव ट्याकति: (कुलामुकक दुन्धे-प्रिक्त मांबा) मसी बार (मसी बन कार्ब में) मार्थाह: (अप्रवंगरम्ब मार्ठ) वि द्यमा ([महामादार] अरक्ष करकेगाहित्यत)॥ १॥ [acula] dialue (dellaca xoma) ममान (विविद्यामिन] मार्क मार्न) तम्बारिः ((व्यक्ताते) कम-कम-बद्धः (सम सम बंद) भू विश्वामात्र वार्षः (भूषे भूक्षित्र ते अने किन), उउनी नारिक्ष-भर्गतः (विचित्र नी नाम्नक

छेर्कार्यम्म), मानिष्ट: द्वानियात्ताः (अद् वाद्र श्वान), इरकाद्यारिय: (इर्वजनिक डेक व्य), हिनिकतकर्तः ([अर्] मुिक्तामा रम दाना) त्यातः (अर त्यानम्बामकेषु) के तक (च्यकिक के प्रकाद) अभ भामें : (मारं , Cona , न र भारत) तिकाकि (भार्यक्न) गुज्यू जिल्ला १ (विशान कारिपाधिय)। ए। [क्षेत्र] अस्त (अधमत्मार्देव (वन क्षेत्र) उत्तर्म ने विष्: (नीमन्ध्रम्याकात्व मिर्दिन) छेदकन नाम देन: (डेर्ट्रीनित इस नाममाना) नाम द्याकार (नार मकत त्यातक) त्यानार्यार विवार (कामायम बक्ष कार्मा भक्ताक) भक्षामान (त्यात्राट्य) गिर्वमांत (दुल्यम्य क्षांत्राप्य) ॥३॥ कि के अधितार (मे प्रमा श्वास के अखिलाय कांब्रत) ए बिहमता: क्राचिद: (श्राके श्रामिष्रे कमाविष्तरे) र्लाभेष्टम (अभाविष देशियात्रभएकं) क्रमणः (क्रमणः) शूथक् शूथक् (रिमक रिमाद्दारिक) ज्यास्याः (१५४-१४. स्था-भर्गात्रक) करमांग्द : (अपन्य माना) प्रयायभाग

(यमें व्यक्त) महोस्यार (महोर्डिसरं) लिक्सनंत्रं (मटिमक, दुर्वनारेय कार्बमाहिट्यय)112011 लाटक (क्या टकान) मिल्रेन: (मिल्रेन कार्य) हातिकारि र्षा (स्ति व देवव प्यानमात्र medin tol) our (cox cox) min; (स्रीर्वा) 'अरं (एम एम) वान वरं (में म रेवो) भट्ड (क्य क्य वा) म्प्रिय वाम हिन्द क्षकाडि-परिं (रेशिहर त अंसरिक्षियं शहेदार मानी भेल-रावप्रमेश्व काट्रमं) मात्री (कार्य कर कर वर्मनि । विद्यार (ब्राटम के के मट्न मृत्र क्लीमन) अर्ब (लए क्ष्र क्ष्र का) र्जामक्षाक्ष्र (भभा-लक्षिकं लका दिवं रंज मका या दम् लेपे [नवड]) धमर् (धमन स्मर् कर) मार्म अवामानि (विविध के अभन्न) अग्रम्भिन (अपनि कार्यमा-हिटलन)11 >> -> २।। इट दं (तार एडर एडर) त्यां वापुत्री: केपा: रूआ: (टम्में कार्न कर्न में ने क कार) ने टक (टक्स टक्स) विश्विधानि (अत्राविषे) भीषानि (अत्रीष्ट [वर]) किहि (क्य क्य मा) बर्मायूबनेयर (बामबर्गन

वत्या) त्यावतामार्थः (त्रवत्र कंग्र्यंग्रिटिया)॥ २०॥ लाए। (कर कर) न्याह कांग्र (न्याप्निहरं द अविभागकाल) ह्यू विभाग (उठ आतक वार्ष व मय - चत्रं सत शांबुक्तकाव) वात्राधारं किराध (याटाउं तक) प्लाहि (िवरी त्यर कर का) रूक्ता (क्षित्) क्यादि सीनाणा (क्यादि भीभागमृद्ध) विक्वावती १ (क्विविष्म व [वयने क बारे भा हि सन])॥ > 8॥ च्याना - यतामदः (ज्यामनः भारत्या अर्ग महोर्म) टण्डाः (भूत्रीक कमाविष्ममेरक) धरमक्षा (अकृष) वारभावतात्रक्रमंति (वक्ष्वत ७ धत्रकान) मर्: (यात कावित्यत) क कृ त्किअने- श्रमियातमा: (जीक्टल में मान्य मान्य हिटल कार्यक्ष्म का रवमार) Ca (क्या बुरंभप्) लाहा चंत्रंग (क्ष्यमात्त त्याराच-रकाइ ध्यूट्यार्थरे) जाति (देक व आहि दान) भीठमः (अर्ने क्षिमिटिल्य) , द्रक्रमा न (त्याख्यणवः मार्थ कर्वन मार्च)॥ उद्या मजुराकि हत्यांत - प्रदुष्ठिः (अकामद्रात्नेत नप्रकाम हत्यावर्ष) रकापरास्ताः (चीर्षव में मरकार

भिक टिम्मेरेसी र (मेर्यामांस्म (सार्यामान्) हे नर (लाक्ष्यकार्क) त्रिक्षेत्र (मात्र कार्केता) म्बाक्षास्त्रात (भिक अञ्चल्टा) व प्रही अलि (वस्त कार्ता व) लकाकुकार (मांडेकिय परम्मा) । समाव ([मक्यम्] लात कार्षा कार्मा), प्राप्त (प्राप्ता) (अधमार्थः (COSTAND) XLyn (one mi Lyn Compa द्राम कारे रम्म भारक)॥ ३७॥ हाबर (चर् समारं) द्वाया-क्षाइट : (द्वायम्बारं ट्याबेड) प्र: बक्त न: (बक्त नापन प्र) प्रधार य त्रिकर (महामं लाममां) द्वाय वर्ष र ममर (द्वा का वर्ष नमकावं कार्नेण)आत्र (विक्रित), ब्रह्मावतील (८ चण्डियं लक्ष्म्यं।) उत्पन्नं (उत्पन्नं)) देवक- मता: (देवका के दाहरत) नी गठ- दिना वकर (अभाग मान कार्याय) मिर् भए (प्रमासन देखा कार्डिट्र)।। 5911 वि : (अपने) के किए । (जीयल प्रशंगाता ने) क्षाप्रार्थकं : (न का व लाप्रत्यलं) कृषः (न्त्रेक का) निवाद्याक विदिश्यक काव का म (जिल मन्तिविक्य महायसम् द्राम्क) प्रकात

(अधामर्गरेक) मराधामिष-बीम्भावृष्टि: मिकन (म्मू अम्म द्वारामाधिक मृष्टिभावक्ष अमृषः सवार कावा लाह्य क. कार्या) प्रधामक सामुंबं (श्रीमं सर्द्रमाम्र कं अटमर्ट. (मस्य कार्नुगाहित्यय)॥ २०॥ धार (धनत्व) माण (भाषा जीगत्मापा) ममर्म मन्त-विवर्षे (पर्प्रमंत ७ विवर्षि मार्ड) आमार्ष (प्रभाष) टर्ण मूर्ण (भूयम्गमाक) मुमुखेरवारा । (प्रमार्थिक त्यमीन अर्थेड) निरमाड (डेमरमान कवारे भा) सन्ताक्षात्रकात्रहमा (स्तर्क उलक्र-बावाम निम बद्ध प्रिक कविमा) त्वी (डायादिक ढेल्या) प्रभाभी भार्षक १ (भार्षका - कर्म् मार्थिक) भवर्क (भवर्क) भनर (भन) प्रकर (प्रक) ला आमेर (अपन कवार्यमाहित्यम)॥ २०॥ उठ: (वड: अन) मिनमार्स (मिनयर्स) निमान् (तिक सिक मृद्य) लए (लमन कर्म्स) प्रस्मारीका (द्राधिनी दिन मार्च) मूबर्ममा (भरम्बार्ममा-मुख्य) ह्यारी (धाका परमामा) बहे १ (मर्मामा), बन्द् (बन्दाम) कृष्ट् (धिवर्] अकृष्टक) निता विता (प्रमायम) नामाप्रयहमं (नामार्ग्य) व्यामुनं

(ourinaqu) dine (dine dine) amjurid (अग्र क्वार्माह्त्य)॥२०॥ ला (लाउन)मा (क्यार्मामा) जार (द्राराहिमा) आरोहित (अर्थ क्षेत्रका) बढालामार (क्षारास्क स्त्रिमान (का) (सवत्त (स्थाम) के सर्मेश (यमें श्रीया) कियार (व्राप्तांत) अक्टल निर्मातंत (अक्टल मिला व मिलान कता [अपर]) निकास मेर हासवा (निम्पूर भाषा काष्ट्रिक)॥ १२॥ थ्य (धनक्र) त्राप्तिक विका (प्रश्वनामिक-रित्रा) आ (साका) माडी (शमत शमति) रामान (क्छाभोरम)धारम (बानितन), वर्भाः (प्रवर्भ-मर्न :) बमबिश्यतिः (बाम प्रमनेत्रण्) अगाउँ डाक् (मार्डमारे) लाम (म र्ट्म: (muni में मार्कि) मका (माराह्य) लामको हर (महाद्याम सम्ये) मिए ७३ (मिर्कात) स्वामार्ड (मिका मात्रेट मार्य), डवाहः (काममा) कार्रः टेम् : (करिकारण धारमात्र श्रम) अय (यमात) आमाजात, (अधालक) विविधिष्-क्रामः (क्रिकाम् गर्क-लनेटन) वायमार्डः (वायने कार्यमा) उर्विद्यूर (ठारावरे का वक्ष कार्य ।। 2211

पाटलं राम देवकाकृता रेश्वांका कास (क्यांकाकाक) द्रम लालांकाम्। कि समें देशका (श्विरंकार क्यांके क्यांका कर् (न्द्र म्यार्थ) जामकामन्य द्वाल्यमांगरं (व्यु द्वानं किन्नेमात्म अभूव्यम) नात्मी (नम्नीतः) मनीष्डः (सभागान्य मार्व) मासिक के के मध्य के नेवा (मासिक. क त्या अवटम हराता प्रवादिक रम्में) नमाह-भाववंद्रमार (अक्र अर्भवं वस्त्रीवं व्यक्तिमारवं रमामा विभाद्य) हकान (अस्माद्य कर्म्यार्टित्य)॥ २७॥ थाना (न्याता) दरमार्कका (दर्भिन मान नके वप वयन भावेकात भूवक) अभानि इन्द्राति शकामा (अकाम कर्न्येक रलम एमलम कार्ने में केमार्कित्र निर्मा (वंकासनं लपकादं आंचुकात्रा द्रम्म) र्वमायमा-अक् (भाष्रका अटक व भाषा मान्य मत्रकाटन) भरत्र (भव्रचक) मृक्षि प्रमृष्य । कि धुरीका (मृ भूच ७ कि। द्वितीय मन्द्र यक्ष काम्मा) अम्मन्माने. र्राट्ट (ध्रिकं थीरं बिम्बार्क्या रश्चार्यं भार्व) निक्कु ए भटारे (क्र त्क्र मध्य कार्ना. हिर्मत)।। 2811 कराहित (कमत्र का) बासम्प्राई (ई कमरमं बाखिक)

म वादा (एनं चीकादा) लाम्यतम्म (के क्ष्र्य वसम आंख्रिय) में समार्थः खास्त्रास्त्री (व्यास्त्र सर्वाव अ (अभिकार) काता अका विका विका (क्र क अवद् न वितक वहता [नवर]) डेर्भन करते: कृषाखर्भा (भीत हेर्भत्रमात्रिकां । मिर्वाक्ष्ये भक्षाद्रम्बक) नामा प्रिष्टियाने क्षात्र कृषिपूष्ण (नामास्त क्ष्मे रात्रे शहिल अमक्षान कार्य कार्य) निमानाका (मिरिप) लानिमार्वा (मभीमर्गन मह्दे) विमंद काहमनाह (मिनं महिलक काटम करवंत)।।रहा, [RAY] Emerich won on on of (Sch & Eining. विडिन भार [हारेख हमिख हमि]) हिंग (ताक-हत्) स्रमार (निक भड़ कामात्र) वक्रमंडी (प्रामत काक्या) दरमी बराबिरेशिन: (वर्मीबरिष) मामगा (men ein) unigg ([usasers] un) ergin) न का कारन कारन हमने कथा कि न मामान विश रूरमं अरम) गामा (विग्र) (कार्म भूवक) उत्रयत. पूरा (अलं बरकाप्रकर्कत्रे) निमृद् ९ डेराभाता (पालप गार्वा रम्मं)मा (वार्)र्काममीक काल (मध्यावं यकति समय कार्नेनार्डायय)॥२०॥

[जिति उद्कारत] बूदा (इब्डिंक) मानूद्रमुक्तन १ (मान् भावे। प्रक क्रमभात्री) भम्मा- निकेव् (भम्मव तिलं) अहै। (उद्यंत्र भूरेक) दीकात्मार शासूनी-केल केकावद्र (ममें आवे क्षेत्रकी शुकार वि म त्कुणम् तात) भएमे (भाम कर्ने तान)॥ २१॥ क्ष्मर्टिमान भीवे ([मारा] व्यक्तिन । ध्रितन भीवे) र्भावत्यात्रमारं १ ([मारा] र्भायत्र मक्त अन्त्री) क्रिक्केम्नाडर् अडिड: कमनवर् (भात्राम् आर्ष र्रात्व में के मान के भाग हरे मान्त्र के मन : लक्ष्य) कुन्त त्यनी मनाछ १ (भारा कुन्त त्यनी क्र मनकारी-हा अं अते क्षे) मानुमां ने में सर्व्याकर (क्षानुमां प्राक्षेत्र भागांच मक्षेत्रिय देवम क्रम्मानक्ष) मप्-उद्गास्त्रत्री-किन्नु द (अर्थन कर्यावक कार्यद्र महाव (कमन [वर् भारा]) दममवदम शकीवक्रार (अर्अद्य कथन्त्रम्), जीत्मारिक्स्मकः ('नीताविन्दर्भने नामकं) देन् (वरे) अधन्वर्षरे (विक्र उरेडामरक) नमा (की शका) मनम (दर्भन कार्नेगाहित्यत्र)॥ २५॥ त्मुम्मं रद्री। (दुविस्मियाह्र्य,) रेक्ना

क (मस्या प्रती) अंतु- नाज्य सत्यामर्गः (अंतु त नाज्य त. हरात) प्रमुक्त के बादकार (प्रमुक प्रमुक्षणंत عدة باسعانين) مروء: (كم يوف قيرته) صناية هذ द्रव (त्मत द्रेडाक क्यांक क्यांक क्रांत्रेष क्रांत्रेशक)॥ १०॥ रा (क त्यांब्र स्यमामक, तम वद्याम,) पवांबाद्य-दिशामिका अंदेक: (अर्थर में यवाना मिश्रा का लामा भंड), mea: (ma), orea: (ora), omea: (oura). हत्रपत-बक्तः (अक्षा, बक्त), माहिकतः (माहित्य), ममार्थः (आम्र), कू मार्थः (कारियात), भाक्षेत्रः पहिलय-भक्षाः (विश्वत्रकालेखाभक्ष), क्षिमिया), कल गरिन: (क्ष्रिकार्य), देखारिन: जित्रिः (उप् जित) , नस्तिः (मरीन) , भाज-नार्यः (भाड मात्र), अर्भः (बरे), ब्र्रेमः (बाम भाक वा गम व्यव्यात्र), भामाति: (भामा), धरम्- छक्कतेयः (त्यामान् , भीम्), भामतिः (cma), कार्ट्स: 5 (ट्याह), लामीरि: (अली. भाक्ती) करेक-पति: (क्षावात) , मर्किति: (ट्यो मन् के) , मर्मिकः (बनकाष ट्योन),

क् क्यार्थ : (प्रापात), काकानित्यं : (प्रक्षाक), मनाकारि : (कामानन) रामाखरेंग : (कप्य) " यस्तिः वक्तर्थः (धरमप्तं वर्गमाक), त्यादाः (यांवी), वक्तरमः (यक्त्र), अक्तर्तः धाम (भाग-विश्वती), क्रांप्य भरते: (म्त भेभ), कर्णगति: (भार्य) भीत), क्रांकः (क्रांक), प्रवयमुकः (क्सर्व), वाक्षितात्रक्षेत्र: (वाक्षितात्रवर) क्यान्ताः (क्युवक्), धानाहेगार्वः धाने-गार्छ: (अधिशार्च-अ भगाउपकारी भारताक) बाक्षीताद्वः (राष्ट्रा-गमक) ममायं में किं (यलावणक) अभामणामिः (यवाचिष्ठावकार्व) यहायक: १ (मन्त्रयक म् अ.) मान्यव (प्रवंद्ध) इर्दः (चीक्रकं) हित-मनीय-हमतिः (१६५ उ (५१२वं व्याप्तापकातक) हमते: क्रवंहमते: वार्ष (हस्त ७ शक्षात [कर्]) भरावराद्यः (सरायतारा) रेठ्ड्ब: (लभाभ) हेक्ट्र: ह (र्क् नार्थ श्रेम्) मेर (म्प्रे व्यक्त व्यक्त (मह्म निक्र) ग्राहिड (महत् वास्ताह. Ar2-1172) 1100- 1811

जी-गामडी- मस्ता- मर्ग्यी- वाली- म्यी- मार्जिना-इ पत्रकारोताः (धार्वकी , नयमार्थका , धर्मे भूगी , धाराणी, नेजी का मुका व लाक्षता प्रवास के विकं]) म्भी , ब्राम्नका ७ बूदतनादि [वक्]) विक्राडा-क्क्राडीकाविष्ठा क्याट्यावादी : (जन्मविद्या क्षी ' सकर्मा । हरियहा ' कवासम् व काल्मका-व्यक्ति) बत्ती-समृदि : ह (यवा गानिक्षाना [चनर]) नवना (लाक-क्लाप्रतनाडि:ह(लवके,धालाक) क्षा वास्त्रका) दाक्षा-क्र्यायम् निका ए जायुन-नजान) बन्न हे (क्रिन भर्म शाना) मर (मारा कार्या देन कार कार के के हिंदे (लाम त्याम भूगरम) धार्वे ह (भूरमा दिव बार्गाट्ट)।। ० ६ - ० १। NEJ. (80. 24/6) 21: (CNJ.) NOL: (NAY) A31: (लका) क्ष्मबन्ना: (क्ष्मनवा [नक्]) अर्थ र्काः (भक्त र्भर) कत्रर्भाः (क्वर्क्षांस्य) उकादं : (पान्धिम र १ (च्युक्रिक व प्यान्था-पर्दे) लाक्षाक की व्या (लाक्षाक की कार) असक्यः (असक् 54) 128 (128) WALL (213 CA) M: (A

(CR YOL O CR EN STE EN) OL: CR ONTH: (लाकादंत त्यं प्रवात त्यं केम ग्रेश्व कर्म्यू [18 als ship(5]) 110 d 11 (अरम (अरम!) देन (यर भी केम्हारन) नाजा: (प्रवाशात्) में अवदा: लाम (में अमें ज्या) लामानुगाः (स्मानुगरीयाः) , मर्मुखेन्नमः लाभ (अवागमें अप) भेर्यमात् (में (कामात्रा) " म अभवा: (भमवर्ग) थान (वर्) भूका: (र्रेमताके खा । सिर्मार्ट्सिक - , में क्राउटी क्रमार मिल्हा इर्मा अस्मिन मा अस्ति वाम्ये क क्षित्र केट्या मार्स् में क्या केंद्र मात त्रे के मार् लाम्य काक्ष्य म्हा क्ष्या कार्य सरित्यकी रंतु मावति स्था: , काम्पर में मां श्वार कार्या श्वार मा ध्याडिका])॥ ७ ४ ॥ गत (९० अ१० म्हात) (पान): (पानीमन) लायुमार (मक्सा) के क्र अम्बर (म्यक क्र मम्दर) न्यास्त्रवारं भवा: (न्यास्त्रवा काम्राह्मास्त्र Tala 52 in) when a cos and (when a cal

क्यारे व्यामक प्रमार्थिक हिंद्य) म्र स्थाः (इस Exin) Missel (Misse,) audi; mg. (TOUR 27 - NICE) 11 0011 भर्डिं : ह (मर्डवीयन) मामाः ह (नर राम्याम् ३) राक्त्या (माक त्यातः (म्येकिकं प्रभागित दर्धनमाडः) सुद्धाः करेकिवाः (सक्ष उ कलाकि अप्रार द्यापाकि रहेगा प्राम्ति - कल्कमेल ड्रमं) मेखिलिए: (छित्र मृति करके ने व्यक्त) उत्पादमा (उत्पक्त) (अहा: (अच्छान कर्ष एटरि प्रयहनी अवर् दार्श नर दे के म नवारे विटमम विटमम विकेष प्रमा विद्या का एक । किस्स किरी मुख्य व के करेकाकीर्])॥ 80॥ मी-षु-मीता: (की, षु ७ मीता - अरे मार्डवर) नत्. भूटमा: (की कृत्भन) त्रवत्म न्या: (त्रवान करा लू इ ररेमा) कृषि न्यूर्य): (अक् अ भूर) बता) म्हान्न वार (म्यवंते) पद्याः (पात कार्या) मन (त्रमाप) माठी मानी जूनभाष्या (भारती, भाषास्मी उ क्रिम्मीक्रिक) क्रम् (मामाद् कार्य) वर कूर्व डा:

(जीकृष्णनं स्था कार्या कार्या कार्या) तिल्लात) बमाहि (बाम कडिरवर्टन)। हर।। व्यानी (भाषत्री) दिमयती ह (नवर भावती) के का-ध्याक्षत्रकं (क्षिकं द स्थाकारमानं) काय. (अभूगरत) (अभवन्ती-इशेष्ट्या) : हत्यत (अभवना लवर ड्वाक्ष्रीय हिए) मा में कार (मा वर्ष कामार रेमरे) मान (जान रेड गार्ट्य । जिम्म, नातन अलव अर्थ उत्रापक मूक्षात्रिक लाक विलय अवर् (र्यम्भी , नाटम के कार्य कर्य प्रेंग्रे किया])118511 wa (अभारत) करत भूति (करत अभूति) भाषिता : (कभानिती उ राश्वतीमार्न [यवर]) मत्त (मनमार्या) ० व९ (८ भरेक्न) कानी व भारमं : (कानी वर्जान) हरं- भिनंदमा (रम्म क स्ववंश्व) केमान लामना: (अक्षिकं लामनमाम कर्वता) उपार (टलाडा भारे (उरहर विशेष नाशीय - विधिमप्भी, भ्वतं कानीय - लम्ममूर])॥ हणा लार्या (लार्या) मन (त्रम्तत) दिवास लाखे (मिबाला(पा) क्रामी (क्रामी) में मा (कर्म मा डर्मा) सिंग (सिंग्डाप) कावि (प्याता नाप्रवाह

्विश्न, नाटम काग्य काल विद्याम् डमें अवसे सकाबातत. लिश खिला ह आखेरा के उद्गादि। नदं सेल दमलाए) इक्षा भारता व्याची मित्र व्याच (इक्षा एक व वर मिना-नारमण) (कारमी (कारमी) मामुकार्मण ह (भि येवा पात कार्कांटि , त्यारेत्री , नाट त्यारेत्रा. म्मी दानि जल्म विद्यार न वर् न का विलास जल्म दुरा के लाईराज त्यादका]। 8811 त्यः (त्मरातः) लक्षे (ध्यमत्तः) नवापः (माक्र-विलय) हवा जाजि (हत्रमीत्रक्तम (माजा भाग) मृत (मृत ७१०) मणिते : (मम्मामक वृत्रे अभूर) मिंबा ह (मी ब कंसरल [त्याका मार्ग नवर तमराए] अवा: (अवभन्त) १ वे - १ में बद्धा (बम्म व म्हाबवं स्टल) कात मृत्य (ह्रत ७ भूत छाएम) जाहि (विश्व) कार्टिट । किल क्षेत्र - प्रच्या न्या क्षेत्र - नामक्या -118 EII) 118 EII तक (ट्यर्गर्य) कारं (ध्यम्प्र) नामा: (नाम-सरमा) हड़ा: (मलम) नम्दा (म्नप्रक) नामा: (नामक्ष्रमूत्र)। मुना: (म्हायन), कर्म (क्र-सद्ग) त्यार्य : (सरमाख्याल) १ वं : (राज्य लिक्ट)

भारतं (क्षेत्र हार्स) टबंग्यरका कि हनं स्टिंब् ह ang (canto, more angua sin osé ं द्यार्य , लाग्य रे मार्यान मिवंसरम त्याता M155055)118011 मन (टमराट्य) रक्षा (मुरक्षक) रेंद्र में (रेंद्र विशासन करा) क्लिन (क्ल्रमप्टर) कथना : लाह (का कराया लाग्दि का कार्य या में मामन ट्याटा आहेटल्ट) जीरवं (जीवलारम) कमना: क्रियाः धर्मार म्मार्त) पीकाहि (विश्व कर्वाटिश [नवर]) कद्यत्म (क्यम अर्थार् क्रमधार्यः) कद्यमानि लास (कराय काम्र अमचा श [हिंकाश कार्वाटर])॥ 830 मन देवर (वर टम अवकार मा) शका (मर्गा) वादिक: (अव्य) केम्पर्कः (क्म्प्रक क्रम्पर क्रम्पर वर्षा र्डेड) कार्याद् : (कार्यमन् कर्म) हिंग्रिक कार्य (विरंक वर्षात) मठकर (म्यूमा) वक्षार्य ; (19 mm, ongo man) 's eny : (19 mm, ongo लासंबद [तर्]) केमार्कः (वंद्राक, लम्द ए (आर्थम्बर्क) व्याश्वर (यर्तेक र्य्ये विवासभात्र कार्य गाटि] ।। हम।

गते (गात्रा) याप्रवादिः (याप्रकावं, लाम्पर विवादकावं) THUNDARD) BLOS (18 AS. "[OME]) PLY-कान्तिः (कानिकावं अधिर कवन्त्र मुक्तकानि धावा) मर्मेवर (यर्नेक चार्मार " [नर्माल मारा]) खादा: (७१९ के) मर्छ : (अग्रिन ते व वाना) विदीन १ ह (अर्व डम्मा) यस (मन्त) मिन (स्वि) होताः (, दीम , काम्पेर . लवित्य अन्यमं मार्ग) लाबुट्ट (मैक बाहुगंदर)।। 8%।। [मारा] मर्बाद्धः (तमक् कं, लम्प्रमा) 'कार्बह्तः (काइके क्रिनिर क्रमान किंद्र) अमामार्कः ह (यवर त्वानक, लिस्ट सरमान्ति क्यानुस्तेक हैं के) हिरीयर लाभ (विमेक डर्रा क) मर्थ (में वर्ग में) लाने देश: १ (त्वार्डेड, काम्पर चीवार्क (निवडी) अभारित: ह (अमाम 'कार्याए जामार र अराविश्वारंग) समा (मक्यार) लार्यकर (में के बाह गार्ड)।। ६०॥ रेश (अरे कीरे भ्रात) या करका हिण्णुः (त्य भूवत । मगी ज्ञार) करकः (हम्मण) , करकः (करक धर्माषु किएलक) कर्ना (क्राक कर्मा मारक मार्क करिक: (कनक क्यार देश व [नवर]) कमरिक: ह (कनक क्यार

ल्याम्) क्येक्: (प्याम्क्य) क्येक्: (क्येक क्याप्त काक्य-रेक स्थान् हास्) रेबा (क्येक स्थार्ग है) मा (प्य कर संबद्ध) कर्माक: (क्रमेक लिया विवाद)) क्रमेट्य: र्क्रमा (क्रमे क क्रमार बेअमर्क बेअमर्स प्रमासे है 12-1801 (DIR 12 110) 110 211 निहिंग विवर्षे (कान्यु दरेमा लाका वार्टिट)।। ७३।। [एक भीरे मात्र] अगरिम: (अग्र) विग्रक वार्याप व्माविलाध) । भिरंदा: (स्पायम्) सिमकः (सिमक वार्षाः सिमेम रेम [विवर]) खित्र ([म्वर] कमम रेम) णक्ष (वर्मम) कमार्थः (कम्म) मम्देवः (भम्क धर्माष् सर्मवलमी) मेरवादः (ववर मावव) सर्मादः लाम (रामंच लगाडे लक्ष्याम्-रेम्प्रसंद माना ३) मक् (23 212 MEZ)11 6511 भमारी (त्यम् त्म द्वारी) नवक्तः (नवीन त्यानेयुक) वक्तः (वक्तम्भ मम्र), नजमानिः (धवनज-क्यीमक) जमात्म : 6 (जमान्य मानिष्या) न्वा (अविवास रर्गा), मक्ता (विविध वृष्ण्यक विषठ) Parm 6 formand 26 (1854 only gara-वानुक र न ग्रंग) काम्या कार्य (काम्या स्वामान

दार्भाष्ट। चिश्रात 'नवक्ता: वक्ता: वकेल महाम वर्त्वाहर वर्त्त (तर्वात्वर्क: व्यात्व: ने ने ने निर्वाध कराय बाधुक कराय जबर सक्ता काम्पर क्रममेका ड्रममेड , प्रसार, काम्ये स्थानीया - यम्सम काम् विद्यास् ल इंड क्यानुक काल कार्य अस्पान में कर्मा हिटाक्राकान अथ है। वं त्यावरा)।। ६०।। मर (देवः भीग्राम) केक्स्रादं : (केट्क्रमत्म) केक-अपद्य: (क्रिक्रमार्च सँमा) हेकाहु: (स्प्राकार) कंकाहु: १ (क्क्राधक मृत्र) अपूर्वः (म्रांतकाधी) अपूर्वः (असेव असक से म) ' त्वार्य विके क्या (ट्वार्य म असम -र्धेय [नवढ]) त्वार्मा खर्मः (व्यामक ब्रिममंत्रमांग) बीत कर (आवं मा के बार्मा कि)। 6811-यर (टम भीरेम्पत) वर्भ-मानव-मा उत्ताविष् (बर्भ, मानव उभगाछिना अर्थार क्रेल, टलाई उ विनुष् वाशिषां में के उर्मा) क्ष्रामं रात्र विश्वाल-ए क्याका छ : (क्या मार्ग राग्ने अभी, हर्यान अभी ड क्षक अभी व डिकिश्वार) मानिममः भया (बर्ममाने, भामवम्ति अगालिया मूनिधारा धनकुल मूनियान ग्रेम क्षेत्र रावी करा है व दा का अपत उ लाक के कार्ने किए ।। ००।

काश्च-अर्थ-उत्राद्धः (हान्देश वा कत्र्राम् गैक) क्रान्हि म अत्मरिं: ह (क्रार्त्ते आयात् क्रान क्रानिह य उत्तरकारियां में के वर्षाय) विविधियां विकित्तः (अमह अमानिक स्प्रिमां निह्न) प्रिक् (हर्निक) (आलानम्टि: (Chousing) " अध्येत्व-गाह-त्यान-ल्या मूक परिष् : (भन्न वकः हेपड़ माडि टक्कारी नाडि उ डेच क्रमार्त) , माम वर्षः ([ववर्] W स्वात- प्रमाति) कुढिरमः (अम्भूयभावा) वक्षमूनाः (भारातिक श्रुम (मन व्यवक्ष कार्यात्र), त्काहित (विवेशका थाराद्व कान कानिएं) नीनवक्षाने वक्षक्रिणः (म्हन भीय उ बक्र मु स्थाने का का मा [कार्य]) रेम्प्रानेमात्रात्मणः (हेराद्यं भागमा रेम्प्रीन-हलाना द्वारित किए), तक प्राम (कार कार छिंग) नी सब्छ -धारेकातकातकाः (आतकात नीत उ वक्कर धार्न-वाहिल [क्याह]) हत्याती-यात्र विभाः (माने लापि १ लेका वे स्पार्थ का वा व ते भा : र्माः रेमा : ([र्याप्य मार्य] यम मम र्क्ष ममूर) शक्तिने मिः (रेस्ती मधानमा) येववियम् : (पवायमन-चार्थत्या) जिल्लामुल्याः (द्रल्लामुल्यान्यार्थित्रात्री)

का क द्य: (भैष्य संगी [पाठाय प्रांगा वि मार्था]) (कर्ते माता: (कर्ति स्थाने स्थाने सामिता प्रामिता) कादिक-राम् काः (कादिक-रामुसंग [यवात्रमं अधि-राजा]) * क्रमादुक्तः (क्रमित्यम्स्यं [र्क्रमस्य]) मामन्त्रः (अमचायराप्ति [प्रव्य नंत्रायुक्षां) टभ्रामाखाला: (हत्तवाब्रिश्नमम् [र्कमर्तेड]) वर्षा यद्भः (संवक्वस्प्रमें [यक्षयम्बर्धायुर्धेयं])व्या (अवर अवस्थ) ए धारा ह (मानाविध धान व [ब्रेंग्रसंड ३]) कार्यः किः (यामवृत् कार्यव प्राचममंग्राष्ट्रिया)। भिष्ठ मात्राः (का ग्राप्रमीत स दिए रंगुर्ग) सर्ज्या: (अर् ने स्टार्ग) व्यापार (-12 भीठे मात) भीकाडि (लास भारे एटि)। ०४-०४। थाअन ((ए मात) शर्मेमी क्वि (रेक्क्यीसमीन भग लिलाएं) द्रमाः (अप्तमं) " आद्वामान्स्वाताः (ग्राहिक भग्रम के लाए। (वस्ता: १ (व्यापता) स्मित्य (स्मित्र तिवास) माद्रियाः (स्पित्रमा) लक्षेत्रसम्बद्धां (वक्ष्यस्यात्रं व काट्य) न्याक्ष्युष्यः १ (इस्त्री प्रसाम्या [तक]) संबक्षा मुख्या (संबक्ष-रामुस्त है लाट्म) म्यास्यामा: (यम बामसामुस्त)

क्सः दि (ब्रम्मस्य) विकाहि (त्याका वाद्रावाद)॥ क्रा भाभीत (त्यक्तात) काहि (त्यात त्यात क्या) अर्थक अर (अश्रमं अत) माति । यि स्त्री में प्या क्षित्र वा शाः (क के व के काग्रुसंग जा गा ने सा गा) यं के व रंगा : (सर्वकरापुर्सनं अच्च) अम्बाय-स्वाचाः (अमबायः सनं लेख्य) में य में क्या म्याः (में य में क्या में त्रिक्ट-क्य बाम शवं कार्यम [नदंसल]) लाट्य ह (लगाम बुक्त कार्व) ज उसी निवं हमा के स्थान (पूर्वा क मारे काणीण धाराता सारिकाका विवाहित हरेगा) ते बनीलार (विभव्ने ए छात्व कर्मान अस्मान क्रिने विष्ठ का अस् किन्ने भूवक) बिजाब हु (बिनाब कार्ये (एट)॥ ए०॥ ग्य (प्रामेट्ड कार लागर (ये प्रकत क्टिक) मनानि (कत-वानि) लीक्क-क्कवमीठमं (याम) वसामक्कावं-मक् अद्यासम्बार्ष (बार्केक त त्यांत किंग्सीअद्भव वरेकरात् उस , धामका वं गका न का व में भाक है र काम माना वार्म् ररेगा) त्प्रम् मक्रि नातिषाति (त्प्रमण म भी सकत काम्ये व्यक्ति मार्ग) व्यक्त मार्थ (अक्त (अकत्वव अधीक मामक्राल) भीका डि (विवास का निएट)॥ ७३॥

मदा (तम्मादा) मालायमामामा किली भारतामा (मालायवर रामानं भाग लार्चा हास्त्रासः संस्थातं सर्माः) त्र आर प्राया (विक्रिया मार्था है के वार ने मी-त्र प्रभानि (क्षा ए ज जार व मद्र) जीकृष नी त्याहि -वस् जान्ते (जीक्एक व नीमान हेन त्यांनी वस्त्रभूर द्वार्त कार्येश) के के ह : (त्याका कार्य (छट्ट) 110511 यव (त्यक्त्व) क्रूप्रवंहिन न्याराट्याह-कृत्यावर्षाते : (भूभाराहिण नामा विचान , पृथ्ने , डेलकार) अधर्व-हमक. जा मुना मुनकारि-भार्वः (प्रदूत्रं भाराभाषा, जामु मारीन्, स्माय , मक्षा कारिय भाव), कान्य-मूक्य-प्रिम् वा क्राम्यकः ह (क्राम्प्रेम् म्याय द्विष् कळात्र नाटा पाना) धारी प्रामी निष्णि हुई मण : (भी मन् अन्ति वं नाति अविकास विवास)। रिकासमार (शिवतिक्षेत्रमात्री) आप मार्ट (रिक-अमू (३ व) छिछिरेन्द्र : कुभू मिछ वन् वन्ती प्र छ ते : (छिछिकरेन्न: (हिल्मिक] आही का कार्य व्यवास्त्र) कुम्मिण्यत्र-वनी-मण्तिः (व्यामम्य अवूण मणा-यक्ती [यवर्] हे अवि ६ (डे अवि छात्म) निविष् दत्र-भनामार् (धनकन अवनानी) लाद लामार् (मुक्रमाविक)

मरेमारकः लाममम्दिः (अवस्तव अर्भे के वर्मका ल मार मेडड राटिइ फान मार्गिक आमार्मेड असं) राम्का: (लाक्ताम्क) "सपुसनं वेडवैगाः (सपुत्रनं भ्रममृत्र) इच्छा : (इच्छ्र मध्र) विकार्ड (विद्याभस्तत केर्डिकार्ड)।। तत - त8।। मत्र (टम्स्रात) व्यक्षियाम् व व क्याहास्त्राः (व्यक्षिम्रोरं इस ७ भू अ दार्भाषा से में में एक) प्रामाना है। में हितिला : (विভिन्न क्रीनेगानि व सम्मार्यला क्राक्रिय के विकास्मान [पवर]) प्रवक्त्रसमानिमर् (छण्य क्त्रवृष्ट्रम्) आश्रम (आग्रमध्य) त्रिवाः (व्यावक दर्म) अशिव निर्मिका विमा : (की ग्रामा उ की मुख्य विम) हिट्यानिकाः (हिट्यानिका व्यक्ति (यम मम्मर) भीकाछ (me मार्चिट्ट)। उका थ९ (प्रभारती) कटलाज-भागायण-काकिताता १ (क लाज, भारायज, त्माकित), श्वीण-कामिकूत-टि दि अतार (श्वीठ कालयूम , हिद्धि), माम्य-हात्मायकः हाउकाताए (मध्य हिकान, हाउक), हाथाने-ताकावान-वर्षामार् (हार्य, ताय वर्षक), त्योक-भाषी छि-हारिका तर् (छक् मार्ची, हिरेक), कार्येश-भाषाम् क-

कि जिनी मेर (कालिक , इसरे , जिनि), ग्रामाद-लाभाराम- त्में कामार (डब्यान, अभ उ त्में क लाक्ष्मातिव) यदाः विस्तरमः (स्त्री ७ विसामक्षाना) कार्यकार (कर्ष व मम्मूलन वाक्य क्रिक्ट)॥ क्रम्यः (देक भीवेश्वात्यं भक्ताप्ताः) क्रम्यम्मार् निकृत्यः -(याक्त [चवर]) बेले हिया था (सार एए के वे बाप्त से बे हिकिए) कनक मूनी (मुक्रमण (अव) आहे (विक) भार वार्गाट्य)।। एक।। om: (लरे पूर्वामण कुलाल व) मर्टि (प्रकेडाल) क्षेत्रमाद्वर वार् (क्ष्मेवकं का विव सम्दिए (मा) किश्व (क्ल् कित्व) कुरिय लगाडि (क्ल्यूलगाडिक), स्मान पिक्र (60 पिटक) ट्या बात- मानि- नानि ए (Стыч रंगश्रिको प्रत्येत (चिवर]) सिरिक (कान्ममिट्ट) अत्रामकारी लवं के क हे में एत्र (मडानक, मलाय, भावेगाठ उ रायेहमान - ११ क्र-हर् के मं माना) वालिक (भाने (वाकिन) । वाह्य स्मी-मान्द् (बिह्न धार्मिम् र) व्यक्त (त्याका भारेखाइ)॥ त्रा

यभा था : (त्य भाने मान्यत्वतं मधी मृत्न), भकाति भाना-यण्- (नाम लिकः (श्रीमं क्रांतिक्रामं कं ला विकेल उरक्रम लक्ष्मात्म पुक्), देख्य समार (देख्य मिलिए के)क्रिक अर्थार्ट: (कत्रवरी अमम्मरमं काक् क्रममानी) भ निम्दिन मुद्र संग्ठाम निम्मा के च नमा वि दिन्द्र वादिः (सक्तात्म कात्रा कात्र हिमा हिमा है के खे कार्य अपने कार्य अपम्मात्म (पर जार कार्य भारती) प्रमारेका (मर्दा: (मण्डिममं तियम्मन (नाडिं) व्वविक्रमार्टा: (मर्यकारिसम् सम त्यर्वाची) देव नेक क्षिम् : (नेक- 3 कर्ममात्व डेक्स अभावनेय छ) दावी लाका दिरियः (विम्तित विकास (विम्तिक क्षान विकास), डेडडीन मर्टन: रेच (डेडडम् त्नाम् (अन् नाम् अवीपमान) वक्षाम् द्रः (वक्षमा मिर्दे हे के कितं का वा) मेरे (कार्य) पिक (हर्षिएक) अप (पार्र) मिम् छ छेरापान रेक (आकार लारे टमन डेफ्र वर्शिमार , [१ वर]) मु (हल-जूली-पुछ-एयमकर्निकर (धाराक स्वर्मम क्री का क्यांग्द प्रकी वर्षी द्वाम हेउस न मन हिड वैत्री कामते वैयाचं क्षामा कामिक बाहरंगा (इ) स्मिक्पिष्ट- (क्प्नेड (स्प्ने साम्ब कार्य मार्ड मार्ड

(यान का क्रिके अं अं अं अं भी महें त्राया (राज्य महें के गाम विद्याल कर्निकार) जाककर न- अत्र अप्रिक ([नक] माराव लाका व लक्ष्य भग्नेम), क्ष्म (क्री के किं विश्व के ल]) काक्रम (भ्रम्भिंग) मिर्मामम ० लाहि (मिल्यामन विवास कार्वेट्टर)॥१०-१२॥ यु (ए भानेप्राल्व) वारे: (वारेपाला) मिन् (हर्नित्य उ हर्द्रात) न भू त्रवान म नार्ड (त्याद पार भ्य वप्रवालिन यक), कत्रतावृक्षिः (वर् कत्रतावाकानि-हाना भावेत्र), कत्र कुभारी प्रकेष : कुटिशः (क्ल ठक्क कि जारे पि क्यू कार्म) टमाडिक (अयुर्व (लाएम देखने कर्य मार्टि) 119011 िडेक मिर्मानिव] उप्राहिन दिः (डेक अर्थ कु त्यू व विशिष्ण विशिष्ण) कमा (कमा : रे हेउदगण्यं वि अने अर्भातार् (वि अने अर्भाता) व नी पक्-क नुव्यानीर (क्लूनणादामेण क्लूज्मममूर्यः) वत्रिः प्रक्तिः (लिसक सल्य मिया) केल् (वाम्येल कार्माटर)॥ वशा जम्बारि: (Cxx क्रुप्रधनीय क्रिक्ण) मु हि वि छि: (वक्राहिक) म्मा-लक्ष्मारि-शिक्र्ये: (विधिव म्मा ल्या स्ट्रिक्ट में या अभी के के अधि) व्या (इ सम्मू-

साउत्रास्त्र (अदित्त मैन्याम विश्वत समक्ष्य व की ग. आये लामाया) रे ०० (प्रमाण ये यह मार्ट)॥ वह।। वर् वार् : (इराव वार्दाम) कर्मकवंबन्धिः (कर्षावंब धाकवंशक्त व सूत्र भूकः), निवत कर्षः (नीवन प्र-डि। मेर्ड) मामाका हिल्हा (शिंडिन कार्याम) मामतः (भनवात) कप्तीय दिः (कप्ती कुन का विश्वा) रेठ० (आंव रेठ ब्रह्मार्ट)॥ वता उप्याद : (उर्व अप्रिल्म) समत्यः (६० दिएक) जिसक (जिसम्बार्य) ०३९ वस्तारी-वाम् एन (डिडिय मेर्स पाड्डार कार के) " व्यक्तियाराम (व्यक्-विकितः) अस्माम्यायम (अस्माम्याय) (बाञ्चवः (CAISE 2 22 JUE)11 99 11 जम् बार्टः (जारा व वार्डाना) या म डाव्छः न मानाः

उत्राहे: (अर्य वाहिका ७ हे अवरम् प्रकृत्या क्रियाहे: (अर्य वाहिका ७ हे अवरम् प्रकृत्या क्रियाहे (क्रियम अर्थे क्रियम अर्थे क्रियम क्रियाहे (क्रियम अर्थे क्रियम अर्थे क्रियं क्रियाहे (क्रियम अर्थे क्रियम अर्थे क्रियं क्रियाहे (क्रियम अर्थे क्रियम अर्थे क्रियं क्रियाहे क्रियम क्रियाहे क्रियम अर्थे क्रियं क्रियाहे क्रियम क्रियाहे क्रियम क्रियं क्रियाहे क्रियम क्रियं क्रियाहे क्रियम क्रियं क्रियाहे क्रियम क्रियं उ 3. (अय) ध्वंभे दिनी- क्यू मात्री मानावितः (अ७ अ७ वनास्वी ७ दा भीगाते व अभी व युक्) (अद्यालक वर्गा मान निकट्न: (अवान हे लक्न ने अधीरन लाकार्येड अधराया) वाव्वः (अव्य) 200 (x2205 4 325-165) 11 60 11 जभा ९ (अर डेमयत्त्व) करि: बारे: (डेडालंडर राह्द्रासम्भूर) क्षेत्रमा क्रमाड (क्रममा:) आउवाद्य: (ज्ञब्रवर्गन मुक), ज्ञुल्लामुलः (विज्ञिनाणा-विकारिक) न स्थक (स्थानात) त्यारिक : (क्यानका) छ: छ: (विचित्र) क्रम छताः (क्रमानि-हावा) बेळ० (आवुर्वेक चार्नारह)।। १०॥ क्रियार : (द्रियाय राहित्या) क वयती - हार्यह लाकि क्षार्थ. याम अव्यक्तिः (इस सामा राक्तिवर् वी व्यक्तिवर् का<u>त्र श्रीक प्रतिक कथ कक्ष्य प्रकार मंत्र साहत विक्</u>षान (क्मिनाटम लाउठ) मामान प्रवादाः (उदाव-इं, अप्रस्टि) के वे व (त्याकर ने कार्ड ने पट ना अभार (देशक) वार्टः (वार्ट्रिया) धामवाय-पि प्रिमाना व (कार्यम्पर व में में किंग्डे करियात)

मत्य: (मिटिन ' [कायर]) के सम्मितिः (के सम्कार्थः यांचा) लाकि क ध्रुष: र्स (क श्रीतिक में मार्थित यांग) भ यतं - उष्ट्वा विष : (यत - उष्ट्यमाथि) नाविकत -वसर्पः (भविकसवृश्यानिष्वावा) वाषि छ० (cargo aus 2015)11 4511 जिस्बारे: (ठेराव बार्डिमा) कृष्णाउति। जाव (यभ्राव जीत्वंडे लट्ड) हम्प्रका (माक-रीभामाभी मार् (हस्त्रक लिलाक क्रम व लाम सर्हि [नवड]) भू न्यान बक्तापी नाए (भू नाम ७ वक्त सहा छिन) निकारिकः (निकास मधार) कुण् (वासे ज anszurz)11 0-011 [यारा] जीव- जीवान मुमारिय: (वीव्छाल उ जन-राक्ष प्रमाणाविष्य (निग्ट्र) भू स्वामा देश बिहा वाकुत्मः वानुताः कृत्यः (प्रानाक अ त्राम-७ क कत्क सभेड थाया) लाहिए: (अव) वि ००° (आवव्य वर्ष्ट्र)11 6811 लाटा (न म्हात) ला साम्ने वार (हा मुन इरे ए लाउ स कर्यमा) याम् मणीय गामि (यम् माव भारे वर्ष द

त्रमात) मानाम्याः (त्रम द्रक्तं नात्म्) मानक्या-विनिष्ठार् (वक्त क्यिनिय निम्माना) अस्ट मर्णादिवानि (nuester [नक्]) यहते: शिव्या (यं तेया श्रिक्त अविकास) हश्चावि (हासिट) वर्षाति (अभ) मिन्न (हाउनिमित्न) मिड्यार्ड (ल्लास्य मार्ट्राउट्ट) ॥ ४०० यमा (देस भीचे भ्यारत) व्येक्सताप् मिलि (येक्सत (कार्प) राप्वाद (राप्तावद (मार्टिक) मर (त्म) क्षेत्र हे स्मार्थि हर्षे स्टि क्रिक हे स्पार्ट) Ох (अभाग (अभाग (आप) (मायी-क्रयामा: (प्राथीलवर्गमारक) यः (मेत्राम्य) लियः (1निय) मार (भर्मा) रेट (यर व्यक्तिम) वार्ड (12 यावा कर्ते (2 (24) वर्गा (वर्ग्य) दुन्तु होर्ड (उउनि कि) जरेड वि (मम्माप् जीत) मः (म्यामिक) म्लानियां भा: (मल्लीनर मप्पक) उकः (राम) लाह (सिंग) मात्र कार्ड मार्ड) मारा (ट्रा क्यी-यदिवं) अद्भिक केटिस (मियटम्बर वार्टकरं) विक्रमं (लाकमात्र कार्युगं) के कः (क्युक-त्र) प्रज्या (प्रज्याभागं) चेत्रमाः (प्यावचंत्रम्यम्य) outsing (outres a Cay)11 P. 911

[। यात्र] क्राष्ट्र (कात्रमात) क्रान्मप्रे : (कान्यमार् क्षेत्रक डेक् अमार्ग) किरादिशका (किरियमर् नार्ट-लाम), इदक्के मूर्य-इम्ट्यः (यमः अमाने, क्लेखमाने वा ध के र क्राप्त (क्रायांत्र) क्रें क्रिय क्राप्त क्र क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्राप्त क्र क्राप्त क्रा (ज्याम) यामितः (स्य गामिवाना) जमारनः (अक्रकन) अलकानि- त्यो अ ् (अलकानि मू अ) प्रम्मा पा भेवी (अस्माप्त कार्यत), लममार्चकर्यः (अम्बन्धित विनाम-भुक) , अव्धि: (अय्भ [७]) भू त्नुः (अभून्न) कर्माय-काकनम-कियय-भूछवीकिः (क्र्लाव, वक्षेर्मन, उक् हेर्भन (प्यणभम), रेमी वना मुक्र-रल्लन- (रमम्पी: (मीट्नार्वन अभ वक्त मारि ७ स्त्र सन व्यक्तिवावा) स्तिका (भारा काल्यायम र्रेगार [वन्]) ००८ अवाग- सक्या में ग्रे Corin € (दे कर्णांब-सर्वित दंग उ सर् माना ग्राय व्यक्ति टम्बल्येड रूरे गाट्य) हकाल-प्रमु - श्रय-हक्तवाक-प्रवादि-लाभिष्ठ -भावभागार (इर्भ, भागकोष्टि भ्रव धर्मार छ छ छ छ जाभी, हम्म बाक, प्रवासि, क्षिप्रक भावमे), काम मुक्ताव छ व-अके प्राप्तार (क्यर्ट्र कारंदित लग्ड अके प्रमाप्ते) अति: वितास: (क्यानि छ वितासक्षा ना) भूष- धीय- नी ना

(स्रायं श्रेक्ति व स्र दाम मैंक कार्माटर) 'त्माक्त्-च्यार् तय - आर्थ - क्रिमार्थ : (त्यार्थ प्रम्य अर्थ न इक्रांव) ' गार्टिन- वह - क्रिकः (गडे नन् वह क्रिकः) अवद्राः (अवम) अद्भः १ (अभाक) अअष् - (बाउट -अमूक- विम्य- विति: (तथार्थ, प्रमूक, व्यक् [वयः]) ज्याः (ज्याम) मृताः (म्ममत्ने न्नाया) वानिष्ठीयः वनातुषामा (भाराय जीववर्ण वत्व कातुषाम प्रमृक्तिमानी र्रेग्टि), मना: (म्प्राव) वकानि (कान कान) याने नानि (याने) काछि : (डेड म् मार्ल्य) निकार-क्लाने (निसंत्र पुक), अलयानि (अलव कान कान कानिन) अरड (अरड एक) - व्यक्तिक व - निकुक्त - नजारीजानि (अठ अ० मार्श्वी में कि में कि विष्टे) कामान (कार कार [भूतिर]) पिशू (ह्यू दिक) कुत्र भाभवता-क्रामि (अल्लामाम का मिया मार्चे ए दर्मा) स्टिन माडाम निकाम (स्रिम माडाम माडाम माडाम माडाम वस्ति (भारतावस इरेमाट [नवर]) कर्म् व हूर्न- प्रद निज्य ना मुकानि (कर्य हुन यर्वा भाउ अन मुकामन इन् बाम्का-धाउँ), भूर्रम् । पुर्णक व । विश्वतार (भूने हटलाय कियन आता ररे एक । विक्रेन समुख्यत , [प्रभ ह]) व्योक्ष- य त्र व व व ह ह भ- ना मन्छ। - नाभाविणाने

(जीक्ष उ टमालवर्षमार्य कामम्लाव नमन्मक इरेग) ज्यान हे (त्याचा वार्य (कट्ट), भा (वर्यका) मस्या (मस्यायमी) ममा (देक पर्का परिवं) देक्या गर् मिलि (डेउन मिक) मान्नी-जीर्नः (अन्नेम्ड मन-टमाहिक [नवर]) मास्त्रमाहिकाशिकः (मास्य-यादिक) र्वः (अभ्) हुम्बेडिः (अटनक) निर्कार्षः (निर्कात्र वाना) ला छ दा ला मुस्वा (प्राक्त) मा मा मिला (वा मा मीति) र्टिकर (दिक्षेत कार्यमा) विलात (विशेष कार्यक्टिन)। केंगा क्यूक्तिमार्थः मिष्ट्रम् प्रामिन् १ थ९ (क्यू एक्न अविदिन-120 बंतेमा मुबं मंद्रा अ- मारा दक) लाय मत्या: (लायम-आसिक्यम्) क्षामान्द्रायम- त्मामभीवे (त्मामाम जीकितक सिर्ज्यमणक का वर्षकंत त्या अपी विक्ने) अवमान (बालेग भरकत, [ara]) रावः (अविका) जिग्गमन: (त्यमंभी नान) कानामिक की व लाउ (कान. तिकुट्य कार्यमा वर्तन करम्त)। 1,811 प्रमणी- छि : (मन्नी भरते व मार्ड) वादा (की यादा) कल्लीनाम् अप्रवाधालिंगः (कल्लीनाध्यक मूरअव निव्हरं विव्यति मार्भव्यक्तम [नवर्]) लालामः छर्नः (मिश्व विनेवा किषाका) टामार्थन- प्रश्माप्त

(जीटमानुत्यं भीक्षापक) " च्यातिक्रं (चर्चेत) वर् (टभ्टे) म्त्रमाम जनम् (अवस्था भूत) मिका (मर्न काव्मा) सर् काल (इस्माह कर्वाय)॥ अव।। लाय (गम्पटम) अर्बेस्स बेस्स (भ्रिक ख्य साप्तं के आई के हैं रुकारपदी) नामात्र हताल हारेयः (मामाधिय वृहमाय देलक्ष्रमाम) क्रुम्मिम (क्रुम्मिम) विद्रष्टी (याष्ट्रिक कार्यात कार्यात) स्मार्यम ट्रांगः (क्यान्य क्षेत्र अगतिकावं) वर्शन (अरमवादिक) में वर्षः (द्रां दान कार्नेम) कक्सार (क्रमार) ट्रिक्सार (निम भेन्त्र वीरक) विभिन्न प्रमा (डेमार्स्ट ररेट (पार्यास्त्र)॥ १७७ मा ([क्या] र्मात्मनी) समा व्यक्ति (इस्मरकारं) प्रकृष्ति (प्रस्विती इत्रेमा) प्रदेश (व्या काशास) (कलाताउर्म-हत्व (अरिक्तं क्वल्यं कर्त्यतंत्रम) र लक्ष (र नकम प्रामी व नाम मूर्ति भूका) विमिषका (लाय्न करत्ता) कार (व्याप) वय-के के सक्त कार कर कर्मांश (वन उ क्यू कार्विय (लाका त्मारेष त्मारेष) मिक्र में दे अहर कार (ट्राप्ट ट्रिक मिक्र में प्रदे मिता) व्यक्तिमीष (नार्मा (मट्यम)॥ २१।

िटेकार मार्ड ने स्मुवंद्ये [विकाट्य] मा (स्मित्राद्य) इस्ट इत्ये असे वार्ट (१ का क्षेत्र वार्य वार्य विष्टी) श्वाचा : (श्वाचार्य) अविव्यः (द्वाच वार्मिव) देणीयतीः (डिम्मी अर), वन भी लायार (कामन-लाया, [नवर्]) र् ममा १००० (र्मायक्र मधार्क) मिर् स र मार ह (निक्क द्राकि र [स्माडा]) बीका (पर्म कार्य गा) शक्त में भाषा हाम (धीक्रिक् ममें नार्डिक करा) (जाता काम (६क्ट वर इरेगारिवन)।। २०॥ [७९कारन] छेप्ती छ डायानी- याण्या (डेप्पी छ डाय-द्राकिष्वक्ष अवन कामुख्या) छभा : (उन्हाक) प्रमः (183.) 900 11 ya 6 (900 11 ya 5 5 in) \$ 100 12 miles स्पार्क्षायल (क्षाक्ष्याक्षं काम्पास्त्री) निमीन छेर्क्के म्ला धार्म हिंदी) शून १ रेग (शूनान गरम) वामल्ड (वाक्ट इड्माहिम)॥भग।। [यतस्त्] रेप्र् (की लिशे) प्रूरः (कादमान्) र् के (रे ट्रिक) के हिमां (कावमा कांत्र क mn भरतन), जय (CAMET) हिमार्न (हिममधूर) भामारि (पलन कार्नेटारियन (वाकार) व्यामार (इस १२७) नित्मा (मिन्ना १२१) । अपमा

(। अ. में १ टिंस) मंत्रिं (अरमत हिटक) मंत्रि (श्राम्ह लानित्तत) , इन्हिं (इस्त उ) भरम हमां (कारि अया हक्र रर्श्यर) ७० मत्य ७ (ठाराव हे भार्या) वन् (शत किला [वयर]) छेरमूका (अर्म्भा अरकारम) देगार (इमार्फ) क्रामिर (श्रांत क्रामिरं क्रम) पृक्षि (किकाम कविराष्ट्रिक)॥५००॥ भा (भागमा [ज्यमात]) मिया छा १ मूका (भी १ किं आहि। विसम्ब छित्रका यन्य :) रावे ना (ब्राक्षिय भार्ष) विमामविष्एः (मस्तिमाम विमाममपूर्व) भक्क नाम, (अक्त) वारको (आक्षीम्बयक) विकन्नान (गामका स महमाम) में में का मिंग्रे किया [चवर] स्मीत्रामात. हिडाएं डेक्स हिडाएगाल अमा (में क्रकालेंड) अमूना (वीक् क्वं अर्थ) द्विल: (अव्ष) प्रक्तार ह (वाकामाल) अउत्वी (विश्व कविया) मूर्ण अल्याः (प्रिक्टिंड) लाक्षेड (ट्रम ब्रह्म [नवर]) ज्यु र (लमात्) प्रक्यू र धार्य (ममाममा विमाम-साव । अर्क्ष्य । (द्यारावं भर्कावं कार्य कर्षात कर्षात) भाव : कार (कार धार कारक क) धार व क नुमर् न ् (प्रात (अमर्भा कन्न का तक्ता भारत करने ए दिन में ॥ २०२॥

मिं (म्य (क्र) आका मुक्का (आंत्र कबाद मां) अर्थेड कं काम मुक्कार काम वात (आदे के का चार (क्र) आबुनार (ह्राका का नाता) (भिष्ण मेर्ट प्रत्य कार्याम) म: (अर्) त्यात्वसमेत: (क्षीयात् अतिक्षत्र) अर्थः (अर्थात) विक्रमालाय (विकासमूर्क) अप्रभात (तिक द्वानीक) मारे: अम्बर्भ (बाहर्ष (अवंत्र कार्यमा) आमंत्रात (आमा २३७) डिममुा९ (डोर्चि २२ त्यम) 11 20211 िशित ने में दिस से बंद (समी (सर ही के) की या ने ही। (ल्युणावत कार्यमा) त्रामार् (ल्यामप्रक) वर्षार: (अरिदेशाम) अभूगमा (स्माभीया) इत्यू (कृष्ट्व) अस ६ द्रक्षामा: (मार्याव लगा हित द्रमेक रम्मा) अक्षिति (अक्षत् वाव किया) मिर्या (मिर्स् २रे (नन) 11 >0011 तः (किन भारे (पत्रते) असुरावि - विविध-(पाक्रमम पत्र (िलाम) वर ट्याक्षवं मालामा किं अस्तियाम्डः) व्यानक्षाहिष् (ियः] हम्मिक्ती भस्र क्यम) प्रायम् प्रायम् (विल्य नरे द्रेक प्रश्न) र्डिया (वात्राम प्रवाद का भाषा के (अन्माद् जासव) विवास विदेश मृत्या अवनारः

(In sur nuss un ign) xx (aniux) चिलित् (बत्र) भार्त (लयत कर्मन) रे चर (वर्मन) विधार (विधानं सर्वित) यः (छिति) परि (प्रथमरे) पक् (प्रत्यं व्या) वैदः (असे प्रत्या) वर रैमर् विषि (लम्मान विमाभ कर्य तान), जमा देव व (० भन्दे) आ (टार्) देश हैं: (येश हैं भी) वाक्रिक (अला वती म काला) मद्रालिक भाममाति (पद्रालिक-मार्म मम्म) न प्रामकाय (व्यक्षिकारी) (मा (अग्) रुविकास (रम्भावाम) (वि (व्राटाक) मिकाम (मालत कार्यमा) विमासमा सत्र (द्वारान हिल्ल मार्वर) क्ट (काष्ट्रमत्र) के के प्रमात (केंके में रह) (यथानं (अर्मा थिमाहिष्य)॥ 208- 20 ७॥ लंड (लण्म) (क्यार मार्ज्य ((क्यार मार्ज्य) इ.स. (अग) मवार (मवेमडकार) हैं ए (मवें) दु में क्यो (क्राक्त्र म व क्क) क संभार हा माठर ने (क्र नाविय रामा याचा लार्क [अम]) में रेप (लाज्य मं कार्यमा) ourie: (ount sount ! [12]) (n (ound) या (अंग्री (एप जिंग्डमा ज्या का आधार क्रिंग न (जाभी ता किमा ?), जमा (जिल्लाम) कुछ :

(वीक्षे) रेल् (वर्मन) हेर्कः धारीय (हेर्क्णारि र्येगारित्यम्)॥ २०७॥ लावर दंव: (चर् मलां चातिक) संसर (क्या संसर) छता नार (तिकारेत्रे) लगार प्राक्ट्यिन ज बनाएका निष एतर (कारिसारमारम सर्क्यत उ अमे कर्ड अच-मानिन करलामनना नी)कनक-हिण् (बादपूत अर्रवाक) जमान १ (जमान वृष्ट) जमाना (पर्यंत कार्यमा) मूरिका (इसार्यका इसे मा) । अमेर व्यामार ० सक्र (अम वीक्क जलमेराहर साम कार्यमा) धार् (छाराटक) विश्व मेषु (भावेशम कार्य वास क्ता) को कूक वर्ष (को कूक वल छ:) वस भागा नुप्रण (भग्राधाप्यं लयंत्रवोष्मायं) वं क्रायनं लये (क्यू मुर्दे) तिलीका आसीर (लेकारेगा वाश्यात)॥ २०१॥ [1617] व्यक्षिमादिकसावे-छिछियनय-दिम-अकियानि प्रार्थि (यु अपी लगिर में नी , जिल्डे प्रन्ते प्र भूवनिम्मी अधिमा भम्द्रित प्राची) भिषा (अवस्थान अव्यात) स्थित (सिम्बस्य) तें व : में उन दिया

(सम्बारम क्रियाना साम्याम) व्यासम् मेर्ड कामी

(देश क्राया कामार्टिय) देश (वर्त्राक यात भारता) में जः (संभक्ते) भित्र (प्रेम्पान्य २रे (यन) 11 20 51 एरवर (अर महारं) क्षं: and (अक्षेड) कुमा-क्टिंग बल्या (बें क बार्थिक वांगा वार्क व कारामाता) en (ami) avried (g on 20 2x (4x) 4 41. ([क्रिय] ब्लाट्सरी) व्यट्डाठा (व्ययक्षेत्री हरेगा) उद्या (अपरादक) करिया वा वण्याक परकरे (करिया व भरकार कर्य हमन मण) माम (ताम कर्यामन) 1120011 वासीन, दायील (खिंग की क्रिक) डेम मह (द्रमाम) आ त्यानुकाम : (यानुकासक के अनुमान) धूनकन्मकाना भार्वती भार्वती रेव (वभनुकातीन स्मिन् ग्रामक ने मान ने के प्रकास (वी पक्षेत ते के प्रधार) वाक्ष क्षिया प्रकार (वाक्ष क्षेत्र के व पर्य) न विक्षित्रम्या (जिल्ला (विक्रम्ने वसम्बाम्य देन आपि देश्य अयत काम), । भीठ-क्रें के विषठ]) यह प्रामुख्या (यर्पर के म लिस विवास अका करने माहितात)॥ >>०॥

केकः जास (क्युर्केत) यामार (धर्म मा क्यानातम्) अबत्लाक भाषात्र (मा अडाबानी-। विकृषिकार्यः (मनीनकारीक कार मार्य दे हैं क लाय कार्य मित्र अव्यक्ष विद्याति [ववह]) कार्यदास्त्राखद्याभित्रमः (बियवसाय म्म्याभ रतंत्र व १९ दिन हक्ष्यवातिक रहाते) थाया (खिनवत्ताक) लासकार (परत्मम्म) लियानी: (अन्याव मन्यामप्रक) णकप्र (कालीक लामिक (अरे म्ल कालामहिलान)।।)। प्रभा: क्रांमाः (ए प्रभासम्।) व: (क्रांसदिक) वतमा है व स्मी (क्यामान ह दिख्यों) मिन्नर्स (मिन्नर्सि) कर् चित्रप्रेणः (जिन्कक मानामन] कर्काकीण) मृग्र (Carran) क्याई साखा: (15 50 त्यामुलाई , [934]) विष्टि (भेत् नेबाव) क्रेंसर लिवार (वैक्रा-ए म ट्रेंस व व्यन र [आकृष का नित्तन]) कुछ : (कारा इन्रेख) जिंदामें बढ़ार (द्वाराय कार्यायक) ममयाव (विसु व १रे एटि १ [डेउर]) व दल्देन विनिष्ण (अग्राय धारणेय भारक वितिष्) ध्रमाकः (ध्रामारम्य) महीवार (आयी व रेंद्र ए) रेंद्र विश्व वार्य वार वार्य व र्या थिया क्या (दिन्न]) विकर्ण पर क्या ((वल प्रिया रहेक.)। >>२।।

Useful Factors

$$(a-b)^3 = a^3 + 2ab + b^3$$

$$(a-b)^3 = a^3 - 2ab + b^3$$

$$a^3 - b^3 = (a+b)(a-b)$$

$$a^3 + b^3 = (a+b)(a^3 - ab + b^3)$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$a^3 + b^3 + c^3 - 3abc = (a+b+c)(a^3 + b^3 + c^3 - ab - bc - ca$$

$$b^2 + b^3 + b^3 + c^3 + ab(a-b) = -(a-b)(b-c)(c-a)$$

$$a(b^3 - c^3) + b(c^3 - a^3) + c(a^3 - b^3) = (a-b)(b-c)(c-a)$$

ROUTINE

Days	1st. Hour	2ed. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	66h. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday				1-			-5
Wednesday					*	-	
Thursday			1-				-
Friday		- 4-					
Saturday					,a.,=		die.

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণী সে যে পাছে ধরা প**ড়ে** "

- इवीखना

energy your of con WENG ETER Cekha 24 LA LA MOUS ? End of 19 Khatas _Khata no - 18 mer isp व्यादिलाचित्रको वर्ष छ व 3090 धार्य छ न मेर्न सम 2018 and (Could.) िक्रीकेक दानुष्ट्रच । सिष्टि (क्रामुक्त)तार (क्या सम्मर्स) विना (भन्नेकाजीय) बहुन (बुन्तायर) भू था म् मार्च : (ट्लाझार्भ व विष्यतित) म अस्पवड्ट (अस्पवमा कंग मामना) हल मृष्टि सिमा (हाल व मृष्टि व मलेकाकीय) काका (काकाल) क्या दी हरें : (कार्य किंत्रे पाला) ग अ(अ) (अ १ अ व इंत्या) ॥ २ २ ७ ॥ [यबीलते जिल्लान] रेसर् (र्मन) ४ व्या मु: न (हटन श्रेंड कर्णा वर्ष हता वर्षी महित्र) किन्त (यरं ३) इतं (इड्र) र्मनार्थीः (व्यक्षिम् मंत्र रहात देवल स्थान व्यापा विष्या नेता नेता ने कर्म लक्षी संस्थिती) या (।यीते) वक दिल्ला (वकदिला) किता (लाबम्बर कर्ममा) स्वती मिता (प्रिक प्रीक्षिप्रत-याना) अधि व वर्ष १ (१ व्यर्षेत्र ३ (यास्पर्क) स्राटसाछ (काका व कार्य (करह)॥ 238॥ निय (खिर्ष) न्यात्मितः (अभीमित्यं अव्हे) नवडं (चर्यंत) यत् वर्ष (लाव्द्राम विक्रांव कार्याव असंद्र) रेस मा (रेस्पर) तेया (रिम्ह तारी हाता) अप्रवेदः (क्षित्वि रस्मा) साउत्यस्न (पादिक्यः : (। लग्नाय मन्त्रित दे दे क्राम) मा मान्य दे (मर्म द्रामा (१) आविका ९ (अर्थाम कार्य (मन) ॥ 55 0 ॥

हित: ([०८ व्याप] स्थान स व्यक्तिक) लक्ष्याप्याप्रस् (६ अर् अं य स्त्रो में ! अ असे दर न साइरे) लाहितर (लाइकपूर्वक) सर्वः (सांस्थानं) अपाप्पक सार्वे कार्ष (समामनाम् कार्य कार्य करा करा करा (अ महाता-अया) श्चिम्पर (खिन्निस्पर) से द: (ब्रह्मवार) स सम्मा काम (मम् कार्यात) सक्ष्याच्या (साव (अवस्त्रम्या मिश्र शामकार काम कार्यमान्डियन)॥ रावः ([०० कारम] क्योर्क) संस्था हाक्य न राम (गर्का हुउन (बी गर्सात् का हिणाल हेक्ट्रान प्रवत मार्कित्ववं कारिकाया) व्यक्ति (भक्त वस्रे) भीगारिक कुछ (क्यामात्र भीवर्त भाषु इरेल) कर्त (डिक सूर्यन झार्ला वृद्ध झार्ष)) अर्थ (सम्र स उस्टक्ट्रे) ८३ सम्म १ व्यवना १ (स्वत्यम् मार्य टफार्स्स माहित्यन)॥ इडडा जाय (१ र अधरमें) आ (जी सर्वा) अका ने विलगा १ (मिक् कार् व भिन्ति) (आक् न हो) (डेक्ट्रिक) जार्डुया b (ब्योक्टिंग् कार्डियाका) कार्यु (भावेगार्थ) व्यक्त १ (अर्म प्रार्थिश में हे) अर्व (अरुम व सुक्रे)

यक्तक स्तर्द (यनं कर स्पृतं गर्भ क्ष्युतिक) कानमा है (मलय काक्नमाहित्सम)।। 22411 हितः ([ब्रेक्टिंस] क्रिक्टिक) सक्रामका सर्व (अंदे में ब्रुसिंग) से हिंदी असी किये साम्ये) व्यक्ति (याधनस्रक), या त्याकप्रम् की कडार् (नित्तन में भ्राड्ड साम् उ द्रं रायकः) क्र से विकार (इस करराम की नियम्पक) स में द : (या कार्व) मामान व्यान (मन्त्र कार्याप) आकार्याकार सात (अवस्थिति वाल्याने धरत कार्याम्याम)॥ >> ७॥ [any] whym (whym) are (alsugua) 2151a-मम्बद्द (खिरमण्टित थ्या)त्याक (मिष्ठवं) सैवकार (अअल्या [नवर्]) मामण ह (वामण कर्मार् विधेशका) लक्षमं वरतं (ल लमं व(पं यं प) लकार (अम्बाद्धात्म) हरूर्य (व्याक्यन करत् (क्लामिन) जायह (अरे अप्राण) मुम्ला अएउं (क्रीफीनानिष 8 221) 302 (OUIZIN) Qué OLÓ E (WLYNL 3 दासठा(क) विकार (नियम न कार्यम) द्वारा प्राची देव (यारात्याका का अश्वां कारं) इरके द्वारात

(कार्यकर वायकाध्यर दिश्वामान १११ किवा नामात्व)) प्रिकेटराय (प्रकास कांत्रेय) के में 11 22911 [क्षीर्क] जार (क्षीर्वाकारक) भूषे ए. (भन्न कार्वकार करण) त्रे में सकता (वि मकोक के अपनितः (त्यावि इंड्रेंस) व्यक्तिक (सिक्टि द्रवामे व. इंड्राय) वर (छाराक) यू पू ला (बीनिकारिक) सद्भ जा (सद्भावा) क्षार्थ (असर्व)) इसपर (वस्वक) क्रिवार्थ (देश कार्य) भूष्या भा (िक्या] प्रायमा) त्राहे (क्यास्मा) 016 (क्षेत्र कारक) हिम इकार होनेयार (अवल सिकार्ने मूर्क) । अपन (क्रिंग्डराक) १० सासमा (क्रिंग्डरावं एकदि шई में मार्डमें) ला (भेरे) बढे कर्व व लाक्र कंते (क िस्डिम्स सारंग] याद्रांत इ. स. वर्ग प्रवार्गाः 12 (717) 11 22011 मा (म्यासा) वरमायाः (म्यारक्षा स्वरम्) व्यय-क्षेत्रमें भारी क्यापा (जैसक असम उ का अमेर अप उद्गा) (ययती-मर्प्रमणाक ज्वनामणाभी (त्वयत) यमे उ नम्तम् तत्त्वं ६क्षत्रचा भाषतेषूर्वक)क्रिन-हिन्नित्रण-िर्वारिक सारक्त (सि.मी. (अ. में प्राप्त मदम का सरकारक

र्शित नमने द्वाने कावा) कामू ए लका ही (बी क्राक्र कर्णन क विरेण केलिए) जिसकार (जाराव देस रेडे ए) मक्तर हराव (तिम इस व्यक्तिन कार्यम नरेतात)11 52511 डांबे: ([विकारण] न्तुकिक) (सावाकंपाय केटिया क्र-कन्माक्रिक्का- ८२ त्यान्त्रक्र अन-त्याहन- प्रश्निकार्ड ् (विकायण वास्तास अक्रेवर् क्रिय ड अक्रविन गुड-अश्रास्ताडिण, त्रूनणत्नाता देश्यून एकन त्लाहनयूगन-ना नी विषय ह अधिवन्तं द्राम्यार्भिक [यवर])कर्णाम-भाकूष- मर्कृषि-डर्मिताले (करेनाम रक्षायमारक वाका का से हर समा वाको में कि । विहास (चीका क्षां म् म) (स्मा) (म्मान कार्नुमा) व्यामिनार् मृद् ध्वाम (अलिशिविक इसे ट्वार्स कार्न्या हित्तन) 113 रर।। [लप्रकं] त्व जिल्ले (त्य जिनमेप्यवं साक्र) अिंग (अवाका) हमाछ पर (हमल्कर मृत्वार [प्रक्]) लग्र (अक्षे के) वयार (वय मूर्क) भूरे (अक्षान) छात् मिक अप विकास (भिष्य प्रिय विकास कामार मक्षे वम नम न क्ष उभामारिकारं) में दि: (त्यालनक) मासा-व्यक्ता- क्षाचि- त्य वर्षाडः (नार्यका विका करे (तय उ एर्याया) मियः (लय्यायम्) अम्तीय्व

(कन्द्राया) पॅंकुगामायदः (पॅक्ष्य क्दाईगाहिल्य)॥ २५०॥ मंतः (काकः भवं)। प्रम क्रकेशा दिवं (त्रम क्रक रम व ण लाखर) मार्जी (उस जार बक्ने) भर्म भारे। (म यासन क्यम क्यांक वितासिक (() कर यं मुक्ति कर के एक) सारात्र आय (कारमं कणात्य कार्य अस्त मस्यो अम्पर क्षेत्रमभयम्) रिवः भवत्रेवं (कार्टक्र इस्थेल एकर) अव्ये मेल दे ([क्क्रिक ताका] समय कार्वीय) या (व्याचा) कर्वन (इस्हावा) आकृष्ण (जारा कि कार्या पि द्यान वर्ष), अयुर् किंड) यार्कि०० (वर्षिकांक प्रथ वार्कारक) म (वाद्या पि(नममा)॥ > 2811 (सम्मि (सिंग चीक्क)। भागीने प्रवाहिए (एउउ यरम द्यानु प्रामुक इसेमा) राष्ट्र (यरेकाल) समर्यः नी जातमा भिरको (भूष र्वृत् नी जातम भप् (क्)। निमाप (प्रियं ड्राप) (अतंत्र मा (अनंब्या क्रीयंत्र) द्वित्र सम्भा (मामकार्य द्वां पर्द) क्यार र से र रंगा के लिस मेर मिन मीस (सराव (क्यू गरिय कार्य दर्द) विमम्बर्तिन नी नार्याकमार वानी-यानेवर् (विम्वय उपित्य नी नाम्मीत्रय

म् अस्तान काल दिलाम् इर्यान ।। रहता िल्यत] श्री : काकी (बी क्किड) न्मार्कः (न्मणन्कं-नामिकाना) जरमधील (त्यीना सम्मादे) व्यालिक: (कारी कर्रेट्स) भा (क्षीयाची) जम बकलम जीवा (छाराय आकर्षतेष्टमं) अनीषू (अन्नीसर्वेद प्रार्था) निनित्न (न्दूर्भामेज इतेत्वन), त्रः भूनः (क्षेत्रक्ष) इंड (क्याने) कार्जे (यश्चाप्तुंत साम) कर (खिने-ज्यान विषित्र (अनुस्मात कानी कानी कानी क्षार (अराज्य हिल) स्यां के प्रमार्थित है। ताः (अने मंक्रिन- पृथि मुख्त मश्रीनने (क) मर्भूनन (स्थल कार्यमा) (कार कार (कार्य कार कार मान 如如北京(四日一) 112501 मर दंग्या (मर्ट) लिंगमा: (ब्रोग वार)कार-यानिका (जिल्लियम) माम्चा (माम्बार)यान (९ लाइ इइसा) विमाः (९ व्यान्त्रे) शति विने थार (स्त्राम्ड काड्नेक) काक्ट लामार (कान कामायिकहर्षक) गुक्रमेश (मिर्वार करवेभाष्ट्रम), वर काल (बमान) कि (ब्रम्मं द्रवर्ग्य) द्रम्यार

म्य प्रमासिर (कालियां मुभमस्किते) खा पण : (व्यम्पन अविमाहित्यत) महि (त्यरक्त) व्यव्यास्त (ववरी-मार्थेक) वाद्यका व्यक्ति (वाद्यकावक) मुलासीन (प्रज-रामन्द्र) अयम् विचित्र काने पार्त अलक ।। 25 ना जो हिंड न अदा बाबिल हार्यू अ- जी कुल ट्राया फट्टा (यार) मार्ट्रिकार (यद का एका मा कि ए स्थां अंस के सामर क्रमाकारी व (प्रवाव क्रमावक्रम), व्यवच्याना-द्राम क्रिय दिए (सर्यम् मा छे ड खीन् भू ताय द्राम (सामादी मार्व दं देल दिल कार्नेगाट्ट), नी कार् ज्यामाज्य र अराक (क्यामा की ब रिया क्या की व मक्षीर व भाराय देश व रहे गाह [वर]) न्या व समाय हिदेव देश (ज्या सार्वे स्थान हिदेश स्थान वर्ष दा न्य सर रहे महत्व लका कर्मिट) रसम्बल-नीन्त्रभूख काट्य (मीर्याचिसनी स्प्रमण्यायक (अरे कार्य) व अतु मंछ) व्यवित्साः वितासवित्रः (अरामधनीयावर्गमण्यक) जकाविल्लााउर्वः (वकाविल्ल-सर्कक) प्रतः कलार (प्रत लामिमाह रहेन)॥ र रा।

[म्राहारा] द्वित्को पर्मारास्त्र (द्विमेकाशित सर्माप्तं मलागा कार्नेम) म्लाम (म्लाकर्क) मण्यानिकार्यः (अडिस अवेष्टि ग्रिकाका) काकाक्षास्त्र (काकाक् क ड्युंगः) टिसंग्यातः (जिंत्रभाषात्वं अप्येव) विविधवित्रेत्रः मात्रका अधिकारेमा: (बताबियां वक् मात उक्तापि म्डामर्टणाता) नमारही (तिमाम कावे ए कविए) मामा-प्राथिकारका (हित्ति भीयां का कुण में है। हे उन्ने) अने में मरह दी दूर्ण - मर्ति मा प्रात्ने (अने में मरह दी वर्ण म मत्माहिक (अवा चाल कार्यमा) मिलामाई (वेश्मीति) मुक्त्रमण्या (भूक्षामन भूभणाम) आस्तित्वर् (निका भारेतिहर), त्वी (त्यरे) मामान् एको (वी नामा अ व्यक्ति [लाम]) प्रांगि (अवने कानेकाहि)।। ।। लम (लमहर) महता हैना (तिम मनगत्ने भारत है वृक्षा (प्रवी) प्रशामिक्टकी (प्रश्रीमार्तम भाविक) मार्टि (अभावी अभाव) कुलावताली (अवार्था अविकार) लय माना (बार्यमा करिया) भूतिम् का का कवा निष् (भू न हत्य व किन्ने प्रश्रम् प्रमुख्यन) क्रिक्स्पार् (अयम स्मालमम्) जनाममानियः (डेक म्दिन वार्यतः लाम्य वादवं गरिकामारिक अकाकारितात) वियान (नरेमा टमत्मर)॥२॥

अ। (१९१९) वस (टब्स् लामुला) में साह वा क्यांगंड (मक्तारम क्रममासीर) महीमक्तास्वमारिकागः (भूभा बटमवं लास्वप्रेंक [नवर]) राम्य प्रधानिय-जीव आगं (मर्मां वार्म अवास्त्र मर्मिष्ट्र) काक्षत्र विधिकागंद (अर्वितीक) कि (इन्साटर ब जिल्ला) माती विलय (डिलायलात क्यारे तित)॥ ७॥ [अमरुक] आ (ब्लीकुमार्पकी) सम्प्री (मिकमनेम्प्रिक) प्रिकाल (प्रिक अन्यवं उ अन्यवं) (वर् (क्षांका व क्षांकाक) लारकमान (मिन्नमूर इरेक) आमिनत्मामीकः (मनीमन-कर्क लायाक) विष्टिं में क्या त्वंद्राः (विष्टिं में क्यालवंत् -अपूर्ण) स्तिः (स्त्य प्रदेश) लस्य- पक्ष काय प्र: त्राटिंगः ह (छात्रम् मक्ष मानम अ त्रामी हम भूमानी ब्लक्ष्यं) मिट्यत्व (प्रमा कार्येगा हित्र)॥ ४॥ त्र: कुक: (त्रे वीकृष) उर काममर् (त्रे वम्हाम), लाई वं थ्या ६ (टम्ड्र वं थ्या) वा: जिमा: (टम्ड्र जिमा-क्ष), जल् क्ष्मण् (टम्द्रे भम्मा) जानि जल्लानिनानि ह (लवर व्याद क्ये मील्यकान) यहाका (त्य्र करकुरेंग) अप ध्यवमा (अपानं धायव) रामायुपामकार्कां (sorgens over the) conso: (constitut)

(धामनुयाव लाल्याव राजा) टलावृदः लल्यर (अड्मानिक इंद्रित)॥ व। यमनः (त्रिक धरमान्य मार्क) वतः (मार्क के) कमार् क्सम:) अविभाषिकाछ: (वराविरामं) १ दक्त मान-प्रवर (ध्याकारक त्मम्भयकारक रिक्र) , यञ्जीमक (याज्ञीमत्क मक्ष्याकारं रेक) भेग-रेक (मी भैकिष व सिर्ण म्ला), वास्तर् (वैक्ष-र्ला) आसा (सी-र्ला) नक्षरं (नक्ष्रें) विद्यम्भायरं (मभासप्रमित विदिन मी मामार्थि), प्रमृत्य-मार्थिन र्यापी (मृत्य मित आर्डेडाम [नरः]) अपरम्याह(यमकान) "इ. १० लर्मिक (नर अक्स) बालामानि (बाल्यीयाव लया-प्रमूप्त्र) माना (ध्रम्कान कान्गा दिलन)॥ ७ - १।। [लिर] क्याद्याक्वमर (क्यादमा-मम्बन्म) मममभी ब-वानेवर (मृपू अवना ल्यानिक) अमलं स्मानी छ- वमड-ल् हिंड (प्रिमागरम देली ह यम् विमाममूक), र्काममंबर (समंब-रेका हिलाउक) ' विक-रेम-पारिकर ([नवर] क्यांक्र व लयं मार्च क्यांत्र म्यांक्य) वपर् मधीका (बन प्लिन कार्यमा) लाम (बमार्स) विर्दे ् नेष्ट्र (विश्व कवित रेष्ट्र दर्गातर)॥७॥

लब: ([क्रिय] क्युकिक) प्रम्भाष्य (प्रम्भाव भयात-यां) कार्र (टार् से संयुप म् कि भार्क कर (त्र्य लाहियात) त्यालांसाम (त्यालय कार्यप्य (नवडी) व्याह: १ (ब्रायात) वयाया (ब्रार्क्य पासम्दर्भक) लर्गात्र्य (क्वेडवंत्रकेल मयत्रेका) सः लर्गात्वः (वर्षितं लर्साय क्षेमाहित्य)॥ ग। िष्मिकं भिष लाहियाने त्याकर तक प्याक्षाप्तं Qमं खिलतं लय त्यास्य प्रणीक च दस्य ते दि खिलायुर्भ (प्रमित्रभागमः) (स (ल्पस्पनं) शिवर्षातः (१९७ रेख) लार (लार) भूकार्ड-कार्ड-छाई-छाई-प्रकू विधार (ह अविवृते समुख्यत ए स मार्गाम्य मृति की की), अन (न रे) भाकित (अ अप्याति) याप्त (यापता) वित्र मत् (COLRILLE . अर्थ) वं र (वंसन कार्याव) वास्त्रित्ति (कारियाय) द्रिति (क्षावं प्रकृति टिं चित्रं से व्यक्तिक त्यान त्याना क्ष असं भें मंत्री भारत के लये (प्र धार्म]) (र धारे (र जिंग्टर) रेक रेक रेक रेक (न्येक ;) नवर लक्ष (outry 28 s.) 112011 म: ([लामस्य] छित्र)द्रामिण: (द्रामिण दर्मा)म्बन्ममी: मने अली (विम ब्रामी मार्ने माले विमेन हरे हम) ब्रम्प

काम व्यापकः (इता क्षाराके व्याप्ति कारियम कार्या [1013]) रेट मात्र (रिटे अर र मात्र कार्य मात्रेता) काळा सर अ। छेन एर अ। छेन कु ए (अ छे कू वि अ खा क छ न व । (क) सन्ते) अद्याप्त्रीलमा (अद्यक्तिन नित्त कार्य कार्य अमि भा (असर्न कार्नेमाधित्वत)॥ >>॥ अम् नियान- भीक छनः ([विद्यापा] अमार्त्रमान उत्यान छने लाम का ने छिट्टितम व्यवस्था । यः शने: (त्मरे वीकृष्क) अय (कहात) मृप्यामानिकार्तक-प्रावक अचिरमं (वित यममामिश्न कार्या प्राव जक्रा विव अन्मार्टियं कत्स्रमानी) मार्चयं-भक्त भिति-कताहत- (का कित कर् (भू भर्ष म अधियोतेन णाविश्वरत् मूतिभूते कातित्र वृत्तकर्क मूमाविष्), क्षत्र तास- मार्त्र (िवदः वित्र व वार्व अर्थ कार्य क कारियुक) ७९ वन १ (भरे वर अपाल) मूपा (क्यार्ट्टिं) व्यवसार्ड (विष्यं कार्यमा) व्या (व्यक लाड कार्यमाहित्यत)॥ > २॥ [७९कात] १८वं: (जीकृत्कवं) वत विदान विताक-र्या ९ (वताविताय म्मित्रकारिक र्य यमकः) वृद्धायत (क्लायत) ७ क- ना निम् ना के प्रेंग : (७ क् ना ना

रंग नमी व त्यंत्रम्) में किराज्या : इंड लामर (स्टब्स् अल्टा इते त्व दे की जीव इते न), भून: नववार्वासा: इंस (त्या मंत्रमार ममणी बमई त्यम अवने कर्यम) लामें बंदुन : ब्रावा : द्र (लामें बंदमद दार अरम रावित) , अर्घितिण: मा (क वमउकर्क त्मन हिन्निछरे रूरेन)। उठा। िसर हिमार् भूष्कं वात्रका हिमा (हमाह्ये गुन्ता) यक्ष्यत (वार्काम्या) वरास्त्री (व्यव्यक्ष्य) रे गर (चरे) अरेबी (बमामी) क्रिक्स्प्रमूकर् (व्या के कियं त्या स्मार्थित)। विश-र्था- रक्षेत-रेग्नं (अअ) ये उत्तर्भप्त) लास रे वे (लास myri) misie minto (zeronno) 2000 (क्षे क् काल) श्राविष् (मप्रवेष) प्राध्या रेव (टमन खळा म् अधनहेक विमारिन)॥ 5811 ट्यानाअप्रमार ([विकाल] ट्यानाअप रकत्मामी-भरते) वभूः काछि। प्रीमिल्यू का (८५८२ का देव अहिण ब्रिजिण हलाकि वर्ग का वा) विनिश्च (विनिश्च इरेगा) वन् (अरे वन अपना) कन सिष्याः स्तन (भूग्रे उ क्राज्य असमाया) सीवर्गा (विसिष्टिन ग्राम) ल्यान (त्रमाम मार्य प्राप्त) 11> 611

देकाम १ कर्णा लगे : (व्यो के एक के लाज दे हे के न स्मान -कारत) त्यी मा हि का ले में छित म म म नित्र (त्यी मा मिरन धरणं व पी डिवालव मणं प्रट्यू) मुक्र इस्टिं (हलप्रकास) गाडिल्यू राक्षाः (पीडिल्यू पाना देखी ह) १ प्रकारमास- त्यायमं : नमा (व्यायव के द १ कथ लच्या थें ने प्रत्ये) बिला हर्य (cursi वार्माह्य)॥३७॥ (समा: र्मा: (दाव्यम्मन्। (दर्ममन्) सम्पर्धः मील्यः में (कारास्व किनामसन र्रामाहि व र (द्वामनं भी अ कार के) " प्या: प्या: (दि व के प्या-मनं !) यः (ज्याप्तवं) असे नमाई किं (कूलन उरे) सर्गः (ए सर्वक्षप्।) व: (वासात्रक्) काश्यक्ष डवा (प्रमान व्यवभारत बार्य मार्ट ज !) रे रे जि (वर्काल) क्याः (व्येक्षे) जामं जाममानं (कारादि अक्स रिने) अमृष्ट्र (अस्तिम उ विकास कार्येश. हितन) 115911

भक्ति। या (लिक्ते । सर्वक्रक्त क्याकुण प्राप्ति क्याप्तिन । प्रक्राप्त-। प्रक्र-। प्रक्राप्त-। प्रक्र-। प्रक्राप्त-। प्रक्राप्त-। प्रक्राप्त-। प्रक्राप्त-। प्रक्राप्त-। प्रक्राप्त-। प्रक्राप्त-। प्रक्राप्त-। प्रक्राप्त-। प्रक्

सरणवंस अभी कथारेया) इंभेड (चर्) त्र वी (व मलात्र) इडिंड करापाओं (क्ष्रिकेक्स मित्रा) प्रेक्ष रेव (पल्की न गार्ग) प्रयव (प्रवा कर्ष्य गार्म)॥ अहम . हे रे में वा (प्रकारमें का) विभावा (त्रमान् हिया) रेगर (वर) ममडी (भासबी नजा) भासा कृतको अनू अन (बीजाबाक्टकवं लक्षात वक्षात) हमण : (क्षावि) धार्भाम (धामर्भ) द्यान (द्वानमन क्या द्वान, मद्रा (भानेकाउ वस कार्नेम)यर भारतीकर (भी मर् मर्दे) स्तामेहिं 🔁 (स्ताम क्षाम्याव वयात्) येत्र (मात-मत्रकादः) भाषानी-यमुद्रिकलम्य राष्ट्रम (भाष्ट्र हक्रम भ ल्रावक्र र रहावा) लाल्यर वास्वराङ देव (भिन्द्रनं टमर आस्तर कान्छिट्ट)॥२०॥ ल्याभिका (लायीमर्न) मिन कूनविर्ण (श्रीय कूनविर्म) लालाडी (ग्याम कार्यमा) केक (च्याकिक) में मंग्री (भ्रम्पान कर्नन), रेणि (वर्रका) । मिल्ला रेय (1निकार्यक्रे टाम) रेप (वर् समप्ति) भामणी (धामनीमन) प्रवाद्ये (बमडकाल) भूरिना (अम्तिश्वि इरेमा) व्या (व्यात्त) जमाप (वारात स्मार्व क्या) व्यानेक हैं। (क्यम्मार्थ क्रक्रमक्टा) उर् त्मेषि अमि (जाराम्ये अपि कामिएह कि?)।। २०॥ प्रमी-वनी (धानिकामणा) क्रूम्मिक्रमण (ल्याकाविक हल राभा विकास कार्नमा) हक्ष्मसाध्यमवित्रिष्ठामारं माका (मण उ हक्ष्म अम्मूल्य न विमामक्ष अभागं छारे विकार्य्य) अमिन-हम-वस्था (अग्रित हक्ष्म मिन प्रिश्वां) नृज्ञ ही रेच (त्र कार्ने तार) डार्नेमें (अकिक्षं रेस्) लावारी (विक्षायं कर्यमाधिन)॥ २०॥ रेपर (वरे) मनानी (मणयानि) कुक् (भीक्ष्यक) यामार्वि (तिलाव तिकार) आमेक् मीका (white त्मार्थमा) अत्माद्मार (इस्टेड्र) अम्मिन-विद्या-क्यान-नाभी पूजी (मूट्य द्र्याप्ट विक्रांगते विनिक्त पानी लामार साम्मान्य साक कार्य कार्या) मनम्ब-भरतालानप्र पल्ले विश्व कर विश् करें। (प्रमान-अवात हेन्नाभेण अनुवक्ष काष्ट्रण राष्ट्रव विश्व राष्ट्रभी-मक्सर) न्जाल रेव (ट्यंत न्जा कार्या कार्या उन्मावि क्विति (उन्ना कार्य अभावत्य हिन्दिन [नवर]) क्रेंग्रेमहाह्या (शिह्य क्रेक्सप्लाह्यसम्।)

मुक्रामिः थान (क्कुट्यी) नमदन्त्रमा (निरीत अव्यक्ति भागा [विष्]) अलामिविक कं मा (ध्रार्भ त्रमचं त क्याक्रिय अप्तं क्ष्य (इ श्रिमं क्रिक्रं क्रिक्रं) जिला ने क-क्षणिक कपि (निम् की कि जान की क्ष अर्छ कि हिए) र्काः अपृत्यकः (धित्रम् र्कातं मक्ततं कार्षाव प्राथ्य)॥५०॥ माधानामानि। किएएर (अवाधाकानिभी। विद्यार्थकर् wm निर्मा) , मा कात (महीव काने ना नी [अर]) लर्मे वर्ष (लर्मियायम्) ड्रिक अत्यात (मुक्किमेल नयम्भवनं) व्यास (अम्म अठाराम) भूगने (डिपिट ररेल) भिर्मिति (प्रम्वीमति मार्ड) मड-भगूरायति: (प्रज्ञभ्य गणि) क्काम्बारि: हेन्छ-भिल्हः (भूष्ट हेन् कार्ने मा क्रान्व विकान्युक) का वार्ड (कर्माड) दुष्ट: र्टिश्ट (काकुमन नृड्ड अकामा कार्निष्टिन)॥२८॥ स्तिमानि-विद्रम् (ज्यव ७ विश्नेमारेव क्रिकेयुक)1 भीठ कार्वाहें (भीवन कांगेलिं माम्त) मांकु मन्मप्य (अतिलव्ह प्रम्मार्भा) न हान्येगा काविक् (क्रार्भा वाकेत लिवडी) विकर-क्रमेसमेर त्रांबत् (विकायण क्यूमकार्य हिन्य प्रमेश)

क्रिलार १ (इराव अव) रात्रीर (खीरकार विक्रमेगन लात्या व स्था यात्र कार्या न लारा व महत्]) मार् न्यान्य व्याल (बायतात) श्रामुल (यस्य क्षतिय तिवह में मंगति द्वा हिवन अनुम्मादर (अनुम्मात्र) अग्र काम्ये (मक्तार) - कार्ट क श्वार) रेपर् रार (मूर्लिक रत्र अपमा) भीत्र : (बीक्रक्त) ड्राम्नाम्पर (अक लायामार्गं) यें ते लावरमार (इस बिक्स कर्नेकहिन)॥ रवा। लम (लमक्षं) सैमें भी (समें भी) रिकलामें में त (लीबाक्ष) मण्ड (मिलामें) मस्मूल (भेसप्विकामण) लियाक्यका स्वक्तामक (त्रीह लियाक्यका हरू) ल प्राष्ट्र) (धर्म कार्यमा) धलमकार्य (शक्ष प्रक्षिका) राष: (बीक्षिव) अवाभाः (कर्मभूभाम) मार्म प्राधी (आर्ड्साय करंग्यू नंग्यु प्राप्त) 11 5011 क्षे लाम १ (वर्ष प्रमें) लाम (मार्क) मनंद (मार्क) राहिमा (जीकृष्कव भारत) हिमला (हिमल लामीलन) कार्क (उन्हें) आप कार्य (अस्तर) अप्रेमकार् (खन्त्र क्यार) अवनाविका (विस्पेर पाड क्यांकिता) 1: 2 (cm) 2: 2 (cm) 2 (cm) 2 (cm) 2 (cm) (ब्युमिस् = इस् इर्द्र) वर (ट्यू) स्वक्रम्मन (त्यार्ग) लक्ष्ये (लक्ष्यं प्रमेश्य) खिंग-क्यारा: (बिग्डमार् क्रियर) मिरि (विम्रु क्रिलन)॥ २१॥ क्ली व्य- प्रमुम्मकाणिः (। प्रश्रम् नाम भूवमा भीते-करियका) क्रकी छि: (भूकरी लामभूमबीमर्न)

लाहिकः (त्रे बात्स) कमर अवं अरे (अवंश क्यमारं) धर माम्हीरि: (धर्मने मात कवि क के ए) भीषाप्रत-उने: (भाराक अधन छनेकालि कीलन काक्छा होतन, मक्ता रे ट्राइ) लाए (जीक्ष) स्वक क्रमामार्थन-मियार (श्वक व रिस्मारिक जास्पृष्टाम) लामार (उत्पाद) व्यानि (विकेशमूपम) अभाव (अभी करिंगा) मिष्ठवं एएं (मिष्ठ विलास्त्रवं क्रा) magic geage (may goods) magic (रस्य कार्यकारितर)॥ २०॥ (अवार्ष हे दक्कान्) अवसंग्र (मृक्ति कार्नेगा-हिलिन)॥२७॥ कृष्ण: ([जर्याम] लीकृष) यमनार (मिठामन-(२० हेयुड) किलाकिकड-विश्वक-विलाभ- (श लीकामिडिः (किलकिक्ड विस्तिविद्याक विमाभ उ नामण अपृष्टि) धाय द्यारी: (आ द्वेक छात्रक्ष लप्रकेषवं कार्यतिकं) हर: (क्य प्रे भवाश्वर्ष) लिस्ट्राः रिक् (लयके कर्यनेनेर्यात्या)।। रशा म्याप्राहः ([माकिक] मार्ड मार्गिय मध्य ब्रुपा कार्वपारित्रत्रत्रत्रे व्योष्टः (नण्यावि)

वानिकातीमियार (यमनगरोन उक्ताला) वार्म लर्गाव: (क्षांत्रं विष्णाय कर्ने प् ' एप) वैकालाय-क्रमार (अक्स कर्राम इस्म) हा: (क्रिक्स समारक) म्मान (भाभ कार्यात) व्ययमारे (व्यानमान कार्यभाष्ट्र लत)॥ ००॥ रातः (अक्षे) हल नजापकः (हल उनजा कर्णः असिका,) मर मर बर्ट्स (त्म त्म यात्र कार्त्र मेरे लिय) ७1: अपन्म: (टमरे मशीमनेड) बन्हार (बन्हार) (एत वर (त्मरे मामक्षा यो) । खित्र या मेठ के डाये क (मिग्रंड मार्ड सिम्ड की के तक के) लये अहः (अमू की वन कार्या हिला में न कु ह (आ या व क अ म उना) कु ज्याचे (काममृत्य) वर्षा मिला: (वर्ष अ अल्पेन) विलग् एमें (जिलग्ने कार्यमें) के कारी पारी (बीकृष्कर मार्परे नित्र करियादित्र ने)॥००१। चित्रिकं भार क्रियार्सिक क्षेत्रः (क्राएं धारमाम अतक श्रावा विकि में [ववर]) अग्रमारापि (व्यतीलते व हिए) वार्षण-प्रतामक-भीनः (काम-महरवार्यक), अम्र भः (वरे स्परे) कमानिषेः (छ) वार्षात्र गारिकातः विस्त्रत् (वार्षा ७ थत्. ग्रिक नक्ष विव भवी कर्त विवासमाती हरेगा)

बनक [नरह]) अधिकात्रापि (अधिकामार्पन हिस्त) वारिक समाप्रक भीतः (कामभी अपनिष) , क कमामिरे: (अक्य क्या दित्रां कार्यानं अक्ष) भ: लगंद (वर CM [मार्क]) भारत्ये यात्र साह : (मार्थ सा उ नाने छात्र भक्षा अपान । विनाम छ छ एड (विनाम श्रीम (आहा मार् १०११ र)।। ००।। [न्युकिटक यात्र] कर्त (गर्) में येत्यः (पायद्यमं क्भ) रेप (-वरे) लय्टा (वन प्राचिड) मना मणा १ (मंब्रा (कारियाने क्या) सामकोर् (वंब्यात) मैं में पति: रामणी ह: (अमूना भामणी मण वाका कर्क) भावेण: (हर्लिक) अंवामिक: (आवेदम्सिक दर्गा) विकाम (० (त्माडा मारे २०८२) 110811 [ट्यामुम्परम्ब यात्र] लग्ड (मर्ड) में बाय: (मं स्थाय लागूर मंभनवर [चारका]) इड (नई) पडल (उपस्तु)) अयामकोर्ड सामकोर्ड (मंद्रा (कार्रियाम्) व्याप्त) म्लाडिः (अम्लाहिः) भारतीहः (स्पार्श लागूर्य पार्माम कर्क) वार्ष : (हर्वास्ट्र)

मर्कांबंधः (लिनिकार्थिक दर्गे) विकासिक (विकास चिर्क्त मात्र] भास्त्राम्त्रिका (म्मक्क क्ष्णमुम्भूका इरेमा) धार्यी (भार्यीया) जानाए (विश्वाम कामेलाह), भार्त : १ (सम्बर लाग्र वसक्रायक) मैं में गंग लयंग (अमें मार्याप्यायं सरत्माता) राजात (त्माका वाद (वाह) विषय् धाले (वरे सल मिलिन कमय्) पण्याः (वरे उन्तिम) अल्लामन्य : (विस्त्रमानिक व्यामपारक्) क्रमी नक्षमम (नम्मम्स्यक व्यान्ति कार्नेम) भक्तः (भवता) स्मार्ष (इव खकाम कावेल्टि) ॥ ०७॥ [टानिमरोत्र मात्र] प्रामिनात्रीक्षेत्र (भाषत व्यक्ष्यिक्षकः कार्ने अंत्र क्षावका इरेग) आर्थि (भार्षेषी क्षार्थ की नार्था) मान् (दी किमानिनी इरेगार्टन) भारितः ह (धार्वन लाम्य क्षिक) मैं में ता लयमा (अमें प्रिया क्षिमंत्र क सक्तास) डालाह (अंश प्लाहा हारेप करंगाट्य) मिनार लास (भिश्च यसका) निकास (व्यापन दुन्तन) मण्यामला (। मिनमानिक व्यामारक्) ह्यूमी नम्पन् (नम्त्रमून्नाक व्यानामेठ कानेमा) अर्थठ: (अर्थ्य) स्मित्व (इस्ट्राकाम कार्यकार)110011

[systma us] रेश (७३) वत (बत) अर्भूता धरभे काक्रतवती ह (सरें से स्थाल [न बर]) सरेरें से : (सरें में) ब्रामुके टम्प्राय: १ (क्रायककंत्रक) तिम: मियमार (अवंत्रकं मिनगर्य) मा (अर्था) धानीमा (ज्यस्मारेटन) मूमपा (मूमपात कारे खिट्ट)।। ७४।। [त्यान्याप्त्रं मात्र] इत्र (चत्रं) वत्र (वयकत्त्रीत) भर्भूता अरमे काक्रवती ह (अभूता वरे काक्रवत्री लागूर व्याचा [नवर]) महत्त्र म : (क्रमे मार्क) लिक-टिमान: १ (सम्बर्ध सत्- हिलाबाडी व्यक्ति) भिन: सिनमार (अवस्थव सिनमार्ष्) मपा (सर्पार) धारीयाए (मशीनरोष) मूयदाला (मूमदान कार्छिट्टर)।। ००।। [वीक्रिक् नात] प्रदेभूपतः (अप्रत) प्रप्तास्कार् (प्रपतन लाएमा) मर्भन् रेष (अहात काने मारे त्यन) इंदर्भ प्रमान (हिउदक देसारिक कार्यमा) कतर मामम (लाम्देशव मात्र कारेट कारेट) वास्त्र (बार्यकार्य)

व्याला के)॥ 80॥ (श्रिमं कांड्रेट्ट) , हिन्द (र्रुय लाड्स प्रिक्टिन प्रमाणियोत (यदीय करास्त्री मण्यं सद्ग) विस्त्राति (श्रिमं कांड्रेट्ट) , हिन्द (र्रुय लाड्स प्रमाणिक प्रमाणिक कांड्रेस)) क्रम्प प्रमाणिक कांड्रेस) क्रम्प प्रमाणिक कांड्रेस) क्रम्प प्रमाणिक कांड्रेस)

[प्पानी अपने मात्र] सर्व रेत्र : (सर्व रेत्र कार्य महिक) सम्मान्त्र (कल्ल्बालक लाएन) अव्यम् रेम (महाय कांब्रेग्ने त्म) स्मेर सम्मेर (हिटा ब द्याप्य प्रमान कार्ना) क्यर आमेर (सर्वेश्यवं मात्र कार्डा क्रिए) क्रां (मार्चिकात्म) मयलामिती भू (मनीमा लामिती धर्मा १ भामिती जालीया द्वामी मारेस प्रार्था) हिन्द (बिहिनाडात) विन्नभाष्ठ (बिलाभ कानेखर्म)॥ ४ ।॥ यग्नीय [क्लिकिरक भाष] यंग्रीयंग्रापः (यंग्रीयं यंग्रे) उसमार् लग्नः (धक्यका क्वालिक विनालक), नामनीकून-मू सार्भार धलतूप (मामेनी धर्मप् कद्मानीमार्स व दर्ष उ मी क्षिमान विभावक) न निविष्: (विवर् । अपनिवर्ग भारती) अयः (अरे) कूम्पायकः (कूम्पिनी भारे जारे छ) विभारत (सम्मितिश्रक)। मोछिए ममात (७ म मान महत्त) यूपा (इसम्यकारम) क्रिके प्रकार (विकाम कार्याट)118211 [रम्माम्या निषय] वस्त्री वस्त्र (वस्त्रीमरम्ब र्मन) विभाग्रलमातः (पू: भवानिम् वा धकान्यानिव प्रश्यात्क) भारी में मास्यार्भार् (भारी अर्थार् म्खेर बस्तीमरोन इस उ मी हिनाविन) अमन्त

(लगराममकार्ग) मेममाकतः ([नक्] क्राम्मीन . क्यान्त व्यानम् व्यवस्था) ननः (वर्) । न्याविष्ठः (क्यू -कार्य हिम्दी (क्षिक)) हिम्दि (वि. क्षेत्रिक वाकु भारत रावा , मत्र , जाम्र मार्ड में । " । मार्ड दि (न्यामक्स) गरत (वन आपाला) मूका (इसे अस्कारक) विवाल क्षेत्र)॥ ८७॥ [अक्षक मात्र] कश्मित्री-प्रतिरोक्ष्ते अहे : (भाषीती-मार्थन अभिनामकामात मानिश्र), मः विर्: (नर हक्ष) र्य (अम्पत) हक्षकार् (हक्ष वाकसमेल) विर्विषणः र्वे विषात् निविषयि (विवयक्तात् वाक्तात कार्नमा [वर]) क्सर्प (कांबकामर्पवं सर्का) देखि विस्त्रि (दिन मक्सवं कार्रेण) मन (आभार) मू पान म मम्पारि (क्षी छ न म) छोरिक इरेलाइमा , जम्मिव महात्वम कमरे देविक वरेलाई)॥४४॥ मेर्नार [आयामत्यं मात्र] मेर्नार (मेर्पाश्या-मर्भक) स् द्रमार (भ्रवमा सम्मवादिक) काहिक्दकाहः (क्रिक्न काडिभात्री) त्र: (अरे) विश्व: (विश्व अर्थाप् न्तिक के कि) प्रिवासका: (भिन कार्य त्यामा लक्ष om जिला भीतक) विवादिला- वारिला: प्राविष पे९ (विवर-न्ता कित्रं िवर] क्रियावन (क्रियाविक त्रामन)

्रं जन्मरे लेख्नुं । संदे, जन्मदे स्मात्वं त्वारत्वम, ' लग्गर समार्क आयम) प्रिम्बर (कार्समा) म : (काम्परमं) वर्ष्ट्र हि (कार्क्स इस विद्यातम् कम्) ममूक्ति (डिफि ररेएट्स्)॥ ४०॥ अस्म रकः (CM मिट्टकः) द्वार (पर्याम) मान्य (मान कार्किक कांब्रिक) सर्वाही मिन श्री क्वा (माक इस: (भागवर वन अत्मालव तमे कर्म त मह है। दिंड) आर्थित (भिन कर्मानी दिशाना)का दा : वली: लाल (काउनमाने अ नजरशाहित) मूना : विन्छम्म (१८ में या कार्या) मार्थाः (११० ल्यान) व्यय-निक्तः (यमवाभक्क) व्यक्तिः (व्यक्ति हर्ममा) त्याह: (जिम्मान्द आह्व) चासर सासर (यस) कार्टिए कार्निए) वर् भी वहे निर्धा (वर्भीवर्ष न) कार्देश खाल (के के के ले लिए इसे ले न)॥ ८ ॥ अ: (जिति) जन्म (१ भर्ने के के ले ले हे ले न)॥ ८ मिलान कार्त्रिया) अपन्यस्तानम् विष्ठा प्रभारः (विकारं प्रभान-वारिक लायम बन्नवः लाख्यतं लायं वेसा) मार्थास्त्र डेवक्क क्षीकवर्ता (तिन मल्याल क्र न्य रेवियंवलिक क्रिकेशनेत्या) किया सुकामा (दिस्य केल इत्या. त्रकालां क्रिक क्रिक्ट) मध्यात-मध्याद (माम्याद विनाम ध्रान डाक्शि तछ।)

301) िमार्क कर अ अंग्रेड कार्युत्र के क्रमार (असवाहक) मध्य (मन्त्र अतुआहत्त्व)॥ ८४म मार्जार्मवाम (मिलन् मार्जिन मन) डेक्ट्रसद्धि-२४१९ (७६% जल इर्छन विष्ठा वकाविती), त्वाबाद-इंक्सिनम् भू व दनवार् (हक्षत्र बामां उ इंक्सिर् जान बाम देर्भा नम्मत्याक्षि) अधूक्त न न मू एमाक्षतामार (क्रे.त. कार्याम्य देशीरवं र मसे त देश-भारत्याने (नवड]) व्यावव्यावार में कथ्ने वामी (मार कायि केल क्षेत्र देशिक मुस्यादिवर) के मार् (अस्मात्क) मम्म (मम्म कर्म्याष्ट्रत्मन)। १९१-१७। काले शर्वे : (व्यक्षि) मानिसानि (पप्रमान भ्रामिनवादि) मधीका (पन्त काई ए) जन (वस्की) ब्राम्म (ज्याप्य व्यक्ष्यास) ई. क्रामायं (तसेशने वाद्व) सानिकासः (माद्राठ देळ्य द्वांग्र) सिरायाः (छित्वसाराप्तं मार्क) मर्वेत्ररम् (ब्राम्व र्रेलिंग)118211 लाम (लाप रे के) आ (अप) के का (मर्स पर) वन मा उक् (मिल न कत्मन मिक्ले) यामनामा (अस्पात) किस्ट (क्या के किस के विषय) समारक्षे

(अर्थभागम् १५) ७वं भंदरके : (जनमं कुल इस्ट्रान्ड-होता) लगाप्त असक्ते (लगलक अक्त हलहा व असम्म अर्था) त्या (वातः मन्) (व: दाः (कर् . इंक्स इस इस डार्स काम) काप ((अ) बार बमार रेड) अधिला है। इस (अल्ल कार्न मा) में छ : (या से ये) वर प्र क्रेंच (टमन बल्यन कर्यमार्डियन)। ६०।। क्स र्शिमका वानि - वानिछ: (क्स र्भी भारते व भार्छ) क्स -इंश्मः (क्यर्भ) मिलाः (भ्रीम) भाव-मार्तः (भावक्यी उ भद्मां) यूवविला: (बीक्रक्षेत्र) विनिजानार् (कामी-मर्नेक) गाछ-। नाजिल्ल (माछ छ भी अ धामद्वार व व कार्यम् क ७९ था असम् देव (भवन था असम् अस् करं (ने व गरे तार) र्र (जमां) भूयं : जरेककार (सम्भ्रम् छर आह इरेए) छ धडारमाछ (अक्रकन जिल्ला जामिए नानिय)।। हा। भयमा (भयमा) अहा जाना विद्या (की क्रिक् लाससम्बार्य रह्म वस्तः) अध्यम् भाष्ठिमा (स्रवा-तियक्त) अमृक्तत्रा ् अलाम ([अभमणः]कतिन निके भारत कार्माहित्यन (वरडे) अय (अन्हार) एर (च्युक्करक) अमावंड लामुळ ड (प्रम आरव

मार् यावं अन्) असे ६ कर (दुर्श्य) असुम्भी (त्याम्मां) करिया में त माह: (करियं द्या स्वय इंग्रेंग्रें तामूर्ट प्रतियं ध्यान्यं कालम्बन्दर्व) की वर्षारं अन्ति। (यास इरे स्मम)।। ०२।। केकतेक्टां (मीकटकव विक्रियं वेश) केकारा (तय अव) लाग्रम् प्राणांगं (वन लाग् अमान हर्ता) भीत्रमहताः (भारित- त्यारिक) निकाताः (निकात-प्रमृ (रव) अन्त-म् भूक्ता: ध्यमन् (स्त उ उत्तावभाने र्रेगार्ने)॥ ६७॥ डावं: (चार्किक) भ-खिना अपु: (त्यन भारत) कट्मन (क्सम:) थाजान (परे मकता) निका कान (तिसेव) भूलात (अनामात्म) जीवा जीवा (भाव इरे (७ इरे (७) प्यू भानित्य (यम्मान भूनित-समृ (१) विश्वन विधाम (विश्वन स्थान कार्निमार्टित्मन)॥ ७८॥

प्रः क्षः (बीक्क) भक्ष-प्राप्ति - वित्यक्त - मर्घकितः (धार्धिकार्म् कृष्टि प्राप्ति । (धार्धिकार्म् वाकामान) । (धार्यिम् कृष्टि क्ष्यम् पृष्टि भाष्त्र । (धार्यिम् वाकामान) । (धार्यिम् वाकामान) । धार्या । धार्य

कमल विज्ञारमन एका) विभू नार् कूर्वन (वार्यक करनेया) विन्तात्र (विश्वक्षिणाष्ट्रत्तन)॥ ८०॥ ७७: (अतु ।) प्र: (छिति) हक्त प्रमारिकः (१ अ. मधने नामक) भारति (भारति) (धामान (भारति) (धामान अवं मा) वन (टमआप) वं दें (वं सप कर्वना वं व्या) जिगायपुर: (क्रिनेमुयप्तं सह्त) हक् काक बाड (हत्य धार्मार्ने कार्नेत्म)॥ एउ॥ लाम (लाम् वे) मः (च्ये के के) वास्तां यर (च्या बाद्यां यारेक) विवासिया त्याक्षाने भाज मकुना- वित्रामि हत्मानावे (अर्थर र भाव एक , प्रति त्यामिर विनिर्ध भड़ व्यापित एमलिन हे मार्ने हाल वितास वितास कियार ह त्यतं) प्रति। (प्रयी जाता) । प्रिं : (व्यक्त कानेगा) लगम्भाम्तः (लाव म्यामित्व वाका) कतार गरे: (क्रमणः महिंदाल वर्षाष्ट्र ताप्रकम् मा आहार्य जिनिए हर्ने) मूत्र जनमें। (जिनिए मुल्य प्रक्रम) हकाय (बहना करियाहि (नन)॥ एप्। यम्भवन्यातिः (धर्मक्षिण आत्रकात-त्याने) त्रूक्री-वन्त्राकिक्यान-लाभिन्द्रेय (एकल त्रूसन भन्नेन जा-काहिल क्यामलक एक [वर्षेत्र कार्य माला भाग (प्रदेसमी)

लडम् (अर्) ववयवंता (शिह ववया) वंसम्बर्धाः अस् (अस्तामार सरीय [नवर्]) या (ब्राममि र (जा सम्मर्क क्यातां अह) हां ई क्याने के किए क (यक्षेत्र करवेथा) व्यावाली किन (स्माना मार्थित)। वन। उच (त्रहे इक्सर्वा) मियः अष्म विम् सुकुलि (अन्भाद्व अक्षातिक सार्व विकास कावता) है लाभाविषाए (मृजाविष्गतियं) मह वाविष्के (अस्ती-क्रायं क) त्वा भावासँ के त्या (क्या वा क्रिक) पालुवा-प्रिकाली: (जानवासम्भ समामन्दर) रसीलक रूसम कान-वरण (इन्नीमकमाधक मृठ्य वर्ण्य) थादिना (लग तम समा म ने द्रक) लाम का का र (में के के के मा-हिल्लन)। लगा उत्मः (बीलकी उद्योक्क) न्छान्निष्मिनी भर् अली (जबर न्छा वण मिनाधीमीलर्न न विमक) सम् ठाम दे : (त्रम्मेक्ठ अप् हासमाधाका) ७९ (१२१) ६२ १ (हक्ष) क्रियामहक्ष्य (क्षिका दिवं हिक्स गारं) त्यह ल्प्यार (मन्यम के ड्रमाह्म)।। त्रा भः थरमे थहुठः (टमरे जीकृष) का कदा वाले (क्रमत वा) वासार (ब्यावासाक) व्ययासमामाना मिन

(आम्बा व विचा अपने सन्। मात्र) रेविन (मर्वा करनेगा) ७५०×१९७ वायः (द्वारास मा द्वारात्य क्रकातात्व अर्वाह्यामव्दक) आगेति: यद्यापात: (म्याद-कार्तिया प्रवर्गमाप्ते) भर (मह्त्) मान्यं रिकार (भात ७ त्या करवेल करवेल) धान वडाम (भामक. माल लावे जमने करवेगाहित्य)।। ७३।। नम्यम् कक्षाएः (ज्यनेनी न ह अनि व ना कि ना भवत्र कू) जाभार (त्ताकीमार्तत) भाषि: (भाषि) क्वाहि (क्वाहिष) अया (अय), क्वाहिं (क अन ७) मी प्रा प्रका (मक [वक्] क्रिहि (क्रम उम) नी पूप (50 - 22 माम) विचिति (विचित्र अकाव ररेमा) १ (व: (अक्रिकं) क्रिया थात्री १ (क्री कि देशमान काष्ट्रिया हिन)॥७२॥ यः (छिदक्तात्री व्योक्षे) जाभार् (टमाभीमार्तत्रं) इत्याः इरियाः प्रात्ते (मूरे पूरे कर्तन प्रयोखार्म) जम्प्र-ग्रहरमाः (छात्राद्य काल काल विमामपूर्वक) यूनम् (यू मिनारी इरेमा) हलक्यर-वलीमा (हक्रम यर्गनावन यक्षात) र्षावामिक्षर (र्णावण वस्तर् रे भाग) प्रत्य (टब्लाका बार्माहियर) ॥ तता क जाम (क्यत्र) मः (जित्र) धानाण हक्त वर् (धानाण-

१ (अर गाम) ब्रामणा कमा लग्नित्रेत में व (गता) असम्बद (ममन कार्यमाहित्यम (म) ममा (भारात) ाः (त्माचीमन खाक) त्मरे) दिल्ला (नारक) यह डिडा (ल्यमारक त्राम करने में) है ल्यम क्राक (क्राम्य (कामात) न क्रमाठ (म सम करवंत्र वार्) रेडि (वरेक्न) स्मानीत (मत कविमारितन)॥ ७४॥ मः (छित्र) आह (हत्म्य आरुषाला) भक्तियामतीः (अक्न ट्रम्मीमार्ग्व नावा) ककार (वक्षि) प्रवतीर र्श (म ए भी बहुमा कर्मिंग) जा मार् भरि) (जाराप न म की जारम) भू रम् मृत्रम् (आविष्ठ क्राम मृत्र) कार् कार्ड) 620 प्रमण्य ह (621600 ज्यारे क यारे पा) वटले (विवाश का वि टि टियम)॥ उठण मः (जीक्ष) यमाछ ए मर्मात् (मिन माक अम्मरिय बन) हतायु ह्यायु (त्ये ध्रमनेव् हम र्वेष) यूगमर क्यार वा (क्याप्रवाक्षमः) मूपः (गयवाव) अवक्री ([किंट्य] अवववं नेभूवक) वर वर मार्च (ित त्म मात्र वर्ष व्यवन ने कार्वमाधित्वन] ट्रारे ट्रारे मात्रे) धार (भवन) आक्राकार (आरकार ने कार्विमाहित्सन)॥ उडा

(414): P ([3424] (414) 47 (2 x 23) अर्डाः (अक्त) मुलल् (वक्ताणं) क्व छि (क्रमतं उता) ्रिक्म : (प्रकार्य)) व्यवस्त्रा (क्वान) व्यवक्रीपूर्वक) लाइ (कि) लादम लाक ही (लारकार पृथ्विंग) प्रथम बका मर् हम् : (भूरेयर प्रख्मी बका म कार्मा दिस्म)॥ ७१॥ मः शबः (जीकृष) जार्षः (अपमीमत्रेय भार्ष) रेग्रः (वर्काल) हक खनने नरे तिः (हक समने न्याप्य नार्य) वित्रभा (विलाभक्षप्रभावपूर्वक) बाम्रजीना-विलियाम (अभिमाचिट्णायं हम) हमा (हम १५०) धावक्रवार (धायणवर्तकवित्तन)॥ ७७॥ मः वालः (पान्यायपंत्र महि न्यीक के कंक ने व्याप (अभी यम्माकर्क) श्रमश्ति मृष्ट्रिः (निक सद्ती-क्ष कामन रस्याना) प्रक्षर (लामिक) क्रम्म-मुद्रा विष्ठ : (कू मुद्रा विव सो वह वारी कांग कर्ष क) मार्बिट (प्राविट विकर्]) मानिक्त्रेमूका हि: (हन-क्विनेमा मूर्या भावा) मिछ-निष्ट् (भिक् ७ निष्ठ), विन दिन न्या मन केन अर् (विन किन नाम न के नाम के) अखार भावर (अखन्त्री उ मुनिसी ने) मूनिनवन् व्यापा (देखम भूमिन धर्मी दे मार्च वरे तन)।। जगा

का में है कि : (जर ची रिक) वासीन (अप में मिता) सिता. राम कड़न : (ल कम्म क कप्ताम कहा) जिला मानु : (किंग्सी-मार्थन माना) भानेण: (हजूदिक) मूमल मीण विश्वाप (दुनम यवत्री बंहम कार्नमा) वह लाइमा (दुन यवत्रीन तक् भेष) जिनेतं (ज्युवाहावं सहक) विभा भना (जिला आ जावं कावं अहिं । धीनिं), भावीयन प्रवीतः (बल्य सर्वावर्ग) रे मु: प्रमा (हाम र नाम) बार्ष (ला डा बावर करियाहित्य) 119011 क्ष अविजयर (क्रिकेट (हर्जिक मूर्तनक (अर्थ) ल न मानि म छ न १ (वस्ती ना ने य प्रस्तारि) या मारि-भामाओ भरि। दि। त्रिर्धि (का भादि तीना कुल घरे। दिन निर्धान-गाला (व) शब्-मछ-मानिष् (नीकृषक ल मछ भाग भारी जानिए) काप्रकृतात खूलए (कल्लेक्स कू स का (वं व) ब्रव्य हम ए प्रा (भूक्री प्रम हमन् मार्ग) पत्न (त्याल अभ्यंगाहित्र)॥ व >॥ ७९ मछन् (वस्तीमत्व ट्यरे मछन्छि)रेर विनाम भागात् (परं कामविमामममू (क) रातः (जीक्षक) सत्मधीत् (हिंड काम प्रष्मातक) द्वा कूर्यव (क्रक कान्वान करात्रे) कला कि वर्ष व स्था विष्ण (कला ने

काल (यक भी वरवं कामाकेल [नेवर]) देरवंश विश्वकर (मेर केल लायार्जिक) दिस् (मेर्ज्यमं) सेरासापर कारि कि (मराकामकामरे अकाम वारेगाहित कि १ िस्वन्तरीत काल न्यू गुमर् उन्न वाता मू अपृष्ठि छात्रमात वस जावक कमा जाकित अन्त हेतान जा कर्यों डेमानन िक्ट्रे भारक ब्रायन निक्नार्वनीरि हार्यमा अभूता। क्ष्रकालन उत्राक्त वर्गाट])। वह। अ१९ (कअपत) सः लतः (चारक) अवंभाग्यम्यन जिमाठि : (अवं अवं लावस् इ से (अने ग्री भए वं) विट्या: वट्या: (पूरे पूरे बारे व विराम) अर्था ना । (प्रकार) रहता) विसंग्रितालिक है एतर्थः (विश्वेमल्यं अक्ष मिर्न कार्य मान वार्ष म करवेंगा) वाहः (द्वारात्व अक्टि) मामपला - नरे ते : (विविध मार्टियुक म्छ-मयका(क) खन्म (भाविधमने भूरिक) आक्र वर् (लाक अपरेगार्टियम)॥१७॥ या अपानाः (मिन त्यम्भीमातेत्) जुनानेवाभी (क्षाप्ता) विवाल (भार्मम् (वाल्युस्त्र भार्मते-कारी) क्रिम्स (जीश्यमं विश्वारं) अवनर

क्राह्र (क्रायं क्रा) लक: लब कारं (ब्राक्रिक (भवं ति क्रांच्या)।। प्रा स्थाति क्रांच्या (स्थाय क्रांच्या) लाम में स्थाति : अस्ये (स्थाय क्रांच्या क्रांच्या) स्थाय स्थाय । भूषं विरोध क्षे क्र लाणा श्रिक्य । स्थाय स्थाय । भूषं विरोध क्षे क्र लाणा श्रिक्य । स्थाय स्थाय । भूषं विरोध क्षे क्र लाणा श्रिक्य । स्थाय स्थाय । भूषं विरोध क्षे क्र लाणा श्रिक्य । अस्य । स्थाय स्थाय । भूषं विरोध क्षे क्षे लाणा श्रिक्य ।

अकाम अपर्मा टिएम) 11 d o 11 अकाम अपर्मा टिएम) 11 d o 11 अकाम कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य का

द्वि- श्राविपाणि नाए (क्षिक ७ ज्योग (अग्रीमारेन)
वर्षिका क्षेत्र मार्थः (वर्षिक ७ ज्योग (अग्रीमारेन)
वर्षिका क्षेत्र का क्षेत्र क्ष

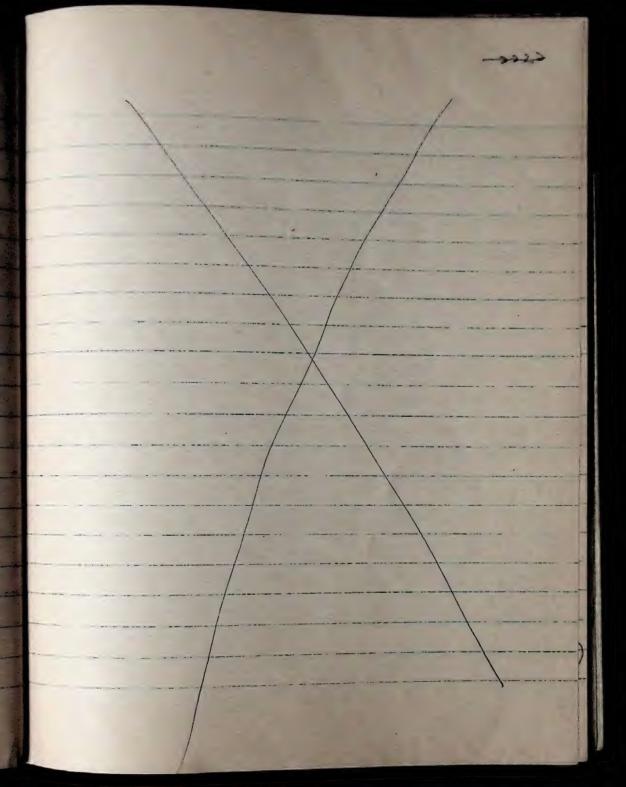
(७ (छात्रावा) व्यतिक १ तिक क् १ (व्यतिक उ निक्क) करियादित्यन (जमार्व) अग्रस्ठः]) भन- अविभन्न-लका मामा-वंगम् (भा भा वि, भ, म, भ वी, नि -अड्र अक्ष अदिवं) वेमक लाममर्थः (बेमक वेममंदाद लायाल अविमाहित्यय)।। ११॥ [य्रायं] क्ष्मार लाइके वर् १ (क्षमा व लाइके का तिस) मित्रमार (में अकाव) भगाव: १ (धार्वत) येगा हा (रक्तरकार्व भाम कोर्व गारियम) विन (जनातिर) प्रक्षाविची १ (प्रक्षाविच) अकार (अकारार्) [वर्]) नमादमायिकार (वकादम प्रकार) अयार (कार्केश्ने थाएउ [यात का क्राहि (नप]) 11 वि 11 ((र्राप्ता) मलेश- यहीस- माश्राविताय (मलेश सर्गम उ आअर्दाकर) जिल्हिकार (छितिस) ज्यामार (अरिषं [अप कांब्रीहिल्प]) वस (वसस्येत) हाक्षेत्राधारक (वर्षात्रक कार्याहर) याक्षारं आयर (भागान माराम्) नेक्यन (देनमाम में कित्रिमाद्दिन)। १०॥

[स्थां] मक्षत्रं याताः (मक्ष अधियं न्या क्रिक्) स्थात्रं न्यात् -िया: (द्वारिक्मार क्रिकान) क्यारी: (क्यारि), अधीन प्रक्यान, (देन प्रका मढे- सर्भक) वामार १ (वाप [चर्ट]) ज्य-विश्माि (वक्षिलाि अकार) मूळ्माः जु करछः (स्टूर्म भात कार्यमाहितन)।। ५-०॥ रेट्स (ठारास) विविभाषिकार (जिने अ- अकृति) भक्तम- खकावान (अक्रम्म खकान) भमकान ह (असक [नवर]) क्रामाप-नल्ला (क्रान कर्ने अरमक्षकान) दम्य (वस्तीय) मार्व (भारमंग्छ) अ छ : (भान कार्याप्टिलन)॥ ७ > 11 ि जाराना] अक्र- मालग- ए दिन (क्रिक्त अ अलगाएदि) दिशिशः (पूरे अकात) निवंद्रः (निवंद्रः) अप्त म्छ: (भान कार्न्या हिल न) व्य (ज सर्वेड) व्यवक्ष वस का भक् (व्यवक्ष वसु उ स्थक) मर्फायमर् (वर विविध मर्फायुक) अपन् (अन्न [मान करने गाउँ (य न])॥ ६८॥ अयरक (अयरक) नामाविधाम अव भागापि-एपान (अव आठेगिष मानगरिक एड पविषयक) जाउः (आत कार्कताहि (पन गित्रस्त) भागतकावान

(यास सका न) यासात्र १ (यास [नवर]) मार्ग्य किंगारा (न्यातिक अद्भेष) अध्यत् १ (अद्रमतिक [आय अविधाष्ट्रितन])॥६७॥ क अस्त्रीम (अवाता) अध्यात्र (अध्यात) अख स्वान (अस अर्) माल्याल्यान (याल्यासक) त्र म्यार (हत प्रवं निक्]) अल्यार (अल्ब-अर्फक) लक्ष अवान (लक्ष खन) वि एक पनान , जान (वरेकार विविध खरन) व छः (भान कारियाहिलन) 11 6-811 (७ (अर्थाना) मनाय - क्रांटिक - नहे- माम- स्किपाय-कारभाषक- टिवंबापीन (धनान, कर्निए नह, भाभ, (करात का (मारक 3 किंच क कि [नवर] मर सापवार भाअपन-तिमास-चम्रेकार १ (सप्तव सामानं (प्रभागम उरम्बन्धक) नामात् (नामम्हाद्य) ल्यामंत्र (यात्र करवेलाहिष्य)।। १-७। ता: (प्पामीयन) जाउथ्वीं (जा ठथ्वा) 'ग्रस-क्षिंड (श्रिम ख्रिंडी) (यादी (त्यादी) क्ष्यावद्यी (क्षाम्यवी) (पाद्धाक्ष्यी (पाद्धाक्ष्यी) काली १

(काड़ी), त्वना वती १ (कनावनी), मले न छ है नी १ ह (क्षांत- अर्थती), त्रवाहिका, (त्रवाहिका), तम-वेचाहका ६० (त्या बचाहका) स्थान १० (स्थान) भ को । भे भे १ (को भेकी), आती १ (या भी), नाता छ। १ (नामेण), मठमद्भवी (भठमद्भवी), म्रहमार् (मूलमा [नर्])। प्रक्रमं (मिक्रमं) नवा: (नर् अस्त) यास्त्रा: (अपस्त्राक) क्रममः (अस्य अस्त (क्रम्म:) अ छ: (मात कार्य गिहिल्म) ॥ ५५- ५१॥ ्यः (ट्रांट्र टम्प्यीयप्) र्जामा (र्जाकर्ष्यः) द्रात-क्षान (अप्ड) भनानक- जनमण् (मण्मानापि, य कथार पी भारति [नकर]) किस्य भारति (अ न् नी अ द्वि माम प्रात्) जात (एम का न ह (अद्भेष भारत्य मर्क) करमन (क्यम:) क्रि मं दः (भव मर्क) का बारमं (मानिक कर्र्यान-を何可)11661 [वर्यमा] जा: (अवाया) म्यावः (स्ववः) , प्रमकः (७भक्), छम् १ (७म्), भन् १ (भन्), प्रवकारिकः

(यमन) प्रत्नी (प्रती) अगिननार् (पानिका), रक्ती (वक्ती) यामान (यामीया), क वजान मार् (कन्ठात), विभक्षी (विभक्षी), प्रश्वी (भ्राष्ट्री), री केट् (ती का), कार्मी ् (कार्यी), कवितारिकार् (अनुसामका) भाग महासकार (अन् प्रकामका) स्ट्र-भिष्ट (निष्ट कर भीमा) काममन (माया मान (ECAA) 1160-0011 ण: (हेन्द्राका) मर्छत (म्क्राकात) भवाका (भवाका) विभागाए ह (विभाजका), द्रामा (र्र्भाम) कत्वीसम् (क्व्यासम) क्याम (क्याम) ध्यानी में ह (ध्यानी में) में मामार्ग (भन सम्बन्ध (सम्बन) अटेका में में (में का में में) र्घात्रा (म्हास्म) क्षिक् कं विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र (कायादिवाकिकः (अभारकाय वारिवाकिक), रेकामि-२ सकात (रेक्सार इस म्हात वा इसमाञ्च मम्द मल्लियाद्यात्र : (अमली करकेपारित्य)। के - गरा



िहादाना ने ज्याना नामा - असा: (ज्यान ज्याना व यह नामक) विविदेश: (18 मान) करें : मूलान 6 तार में अ कियर]) अस्त- धार्मिक धा- (आद्या राप्त-मावाद: में थार (महार पार्वाहर्भ व त्यादावडा-वर्षि भाष-मदाश्च [जन्]) क्रांच-प्रका - निमाश्च : क्र प्रकी अ विताष्ठिना प्रको विविधिः (विविधि) आद्रा: मे अरथ १ (यत- मर्म अ [नक्]) शिः आर्थ-ल्या मिल्ल (मि:लावा 3 मला काला) दिया (दियं) र्वने भेट्यान (द्वर्न- भक्ते) भे भक्तः वर्षाप्रमाद्वः सरं : व रीमित्रामा हिर्द : (वस्ताम-प्रतक नक सकावं उ रामसाम्यासक काम सकार्न -) इन्ह कायव वर्गात्रिय (वर्क्त पूरे प्रकार आयर भट्मक) भारत्य (भारकार्ग) म्रायेणम् ह (माम्रानिष्) क्रियमक्रोपम् (क्रिय-थाड़ी में) स्पर्वास्टरें (काल्या [वाय]) य मुप्त सम्यारे ह or we (English of the seg our [ora = 1 = 5]) उद् वित्रक्षत्र, कर्षा (अश्मिद्र रेक वित्रक्रो अश्विम (वास वर्षाम) वर्षित्र (वर्षक्रमण) अरकार वर्षे: (अस हरवंप कार्यमार अस)॥ १०-१०॥

(अर्ड्स्स्त), सम्मीनार् (अम्मीना), अम्मान्

= अणाल), ति: आदी प्रापि - जाना १ (ति: प्राची धारि छान), अक्ट २९ (अक्टक), क्राविष्ट के (व्यक्तिक), सथार ६ (अका) विष्टे (विष्ट), योष्ट्रिका), ममक्ष्य रेड (रमक्षर रह), १८० (१८), इरकः (११०), (अवार्ड (स्माक अपयय), डेमाएड (अवार्ड) म्ब्रुं (प्रवंत), मान (कामार्य- व्यक्ति विद्यो (बाक्टकालाइन , जाठी विशे), अअंतिकार्यन् (यक्ने-रिमीर्स्व) वासकाम् मान कड़ी (रापकामक्रम कड़ते), सी बलार भी (धी बला) में प्राप (क्या है) कर् खिलाभ्यकः (किर्मिणाभ्यक) ज्ञा मार्गिताहरः (अपूर्ण (अपूर्ण) । देशक हे द्वारा न- य मालिया

यान के मारत्य , कारा क्रम) 'बाक्ष्या पर (बाक्ष्या) म 125 1196 (Bost), 6879 (6679 (2021) री वाचित्रपर (बिक की कार्यक्ष) रेजालीय (रेजाले) जानात् (जानाम्य) मर्चः (क्षेत्रमे कान्याप्यात्व)॥१११-२०) वी रिज्या तमा इसिम प्रकूष-व्याम्बर भवाक्ता (प्रका ना १००० । मार्ग पा म पामा जिल व्यान अवीत न्या रेप इ. मा अप्राय (अया व तथ्य वस्त्र) में क्या दे मा पारा रामकाश्या प्रिक (अवसमे अठि व्यातमास्त्रा पारकारो अपराव हेपायम कार्निया हते। व्यानीय-म्यार पाटि (की सार दीय आक्षाती ने मण देव डाराउ द रिय वर्गार [न यह]) न्यायम पारा यहां यहां व ल्या यम प्रमास्य के प्राज्यात्र वर्ष वर लार्च मर दि मार्थित क्रमण हम्मार) (पात्रिक पुण्येत गारक (क्षी त्याति व्य मीमामेक्सस कर्म शाकान अन्ति), मा मिनियामवर्ति । अनू (मार्मी नियमिन (35 x 2) ' Or 5 (33) EN gone; (21,300) ध्यः अतः (भय वार्त्रमास द्राय)।। 55 ।।

(अभेट कार्य थांचित्र)॥ २॥ प्राक्त (अप्रक्ष) जिमका मार्थ (अप्रक्रमार क्ष्र्रे कार्य क्ष्रमार क्ष्रिक) अप्रक्ष कार्य क्ष्रिक (अप्रक्ष कार्य क्ष्रमार क्ष्रमा क्ष्रमार क्ष्रमार क्ष्रमार क्ष्रमा क्ष्रमा क्ष्रमार क्ष्रमा

इक्रमाहिट्यम्)॥र॥ सक्षिक्षे (महामर्स्क) म्यान्ति : आसम् (मिर्म्क स्थि) म्लाक्षि ध्राप्ते स्थान्ते : (म्यान्याः अभाः स्थि) म्लाक्षे (म्यान्याः (मान्याः अभाः स्थि) म्लाक्षे (म्यान्याः (मान्याः अभाः स्थि) म्लाक्षे (म्यान्याः (मान्याः अभाः स्थि) म्लाक्षे (मान्याः अभाः स्थि) म्लाक्षे (मान्याः अभाः स्थि । स्थानिक्षे । स्थानिक्षे । स्थानिकाः । स्थानिकाः

कृष्क (क्षिक्क) प्रकत्म मृष्णि (प्रकार मृष्णि प्रकार : (क्षित्र) मार्थकाना : (क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र) प्रकार : (क्षित्र) प्राक्ष क्षित्र : (क्षित्र) प्राक्ष क्षित्र : (क्षित्र) प्राक्ष क्षित्र क्षित

इंटमं (इम्म्यम् प्रमी जाता) मरेलार् (निक्ष अकृति] प्राचिक्यान् यसिक) वा में : लहुत्र मानामार (१० प्राय वस्ताय विष्य विष्य विषय)क्षा (क्षाय :) (अपुल्म (त्यानु बन्धं साल)। भेलामढ (लायाम् वा) दीराह-वामावानिकार्वकारां (बीरापिवादाकार्यहरी) भाग अवकारिक-भगमेकामार (विवर्) विविध अवकारि-मधीण काविती), धमंत्रामण् (ब्रामीमार्तक) ७७ - धन -अविवाद्यानक-क्लेश्वर्षाचि (७७, भन् । अवं वानक -वरे ठण्डिक राष्ट्रकान उक्ले पुरमध्य) मृद्वाविषि -भाविष्य धार्म (विविध मृद्दाविमाय अने का व्यास (य) का काल इरे (या) यः क्षाः जाः (योर् क उ लाबी-मत्) ११ (जम्म) अविना (अतम कार्नम)कत्म ने (उसल:) ७५ मान वाम जारेंगाः (डिड मान्यामे ड करे-खाउंच ल्यान अम्बान [नवं]) स व्यामाण हाता: (क्रिक थार्स अ तमा का मामारकार का में निष्टू: (र्का कार्यमाहिसम)॥ ४- ७॥ न्या स्परं स: क्षे: (म्य के १ व्य) हें द: (शवसीव)वामार् सक्राठ (प्राम्प्रमान्य सक् म्य रहा) इर स्थामकर (रम्भात देलार् र्रेम) मतालातक प्रवल्ण

(यातात्त्र लाय-कासद लायमल स्था) व्यालमारक (लाम लग्न-त्मन) शत्मन्य (लाबुकााप्त काबुना) लाम्। (क्यमेंगाप्तं) हैं वर (मकायय-यडकार्ज) ताः (त्या स्मान्त्र) न्यायसम्ब लाउमा विश्व वर्ष) त्या वर्ष में मिल दें में दें में दें मन् जरेल भा (जला, जला, मृति कि, मृति भार्त्र प्रवित , के लिए मा) दे यह (वर्म मा) विसम्म (दे कार्य करते छ अवित्व) मेरे वि (म्वा कार्वा विस्ताम)।। ७।। सः राष्ट्रः (चार्क्क) कामत्र (वंश्रम्य कार्यमा) ्या पिक् पार्पार् कि कि कि कर स्थर (आकु त्या पिक्क थार तम द जार तम र जार किरि किरि किरि की ए तम द तम ? ट्स दु त्य वि ए त्या मिक माए मार पृति पृति पृति कार काड़ त्यर काड़ त्यर नार (त्या दिक पर पर विदे किंदे क्य त्मरं पाक प्ता । हिंदे क्यादं त्मरं सरं त्मरं वार् किरि किरि किरि किर कर, तमक तमर तमड़ तमर (अं , cur, विक, मार, मार, मार, मृति, क्रिसे, मासी, क्रिसे, कार्ष (मर् कार्ष प्रमार) त्र (पर से प) छाक्-लाकुल्त्वल (रापनंस मानु स्वक्ष प्रदेश दं) भीति वासा (त्रीयामा) क्कारी हिल्म ।।। व।। र्र (क्ष्मण)

(मामका न सरक्र " [12 में अधान - के कब्य (सामकान्त वस्तर]) रक्षा इं (शिंडिंक भागं) मंबद्दी (सक्षाम्का द्र गंग) क्तर काकी करेक विसर्ममूत्र कात्र मा १ (अका नय प्र काकी अम्बलन व में मेंदिव सामवित क्षापुर्व आईव) परंद-कर्ना (कर्मने मारायं सक्षियं नाम) मानुस्कर (क्षत्रे) म्रः (गरमाय) हात्र मेडी (भक्षात्रिक क्रिमा) म्छाडी (म्डा करिए करिए), उस रिम रिम उरिम रिम उरिम भा (क्य क्षि क्षेत्र (य क्षि क्षि क्षि) देखा (वर्षक्ष) मपाठ (देखान्ने कहिलहिलन)॥ ७॥ जीप्रतीला (भेनवी जीमणी वादा)रेश (वंभेश्वत) लामान् (लामसम्बद्ध) सँ ४: (मंद्र से व) सँ ता (ल्या) व मरकारम) भार भार हक हक हड़ हड़ मिडार्नर निहार्नर पिहार मार बेंब्र बेंह वंद असे असे अने मार मार असे तार उड़ पर देक दिक ती ती कि कि कि कि कि सिक के में से मार में मार (मार मार में में में में में हर, हर, निकर ने , निकर ने ने निकर नार, ज्यूक, रें , हं, छड़् , छड़् , छड़् , करं , जार, छड़ , छड़ , प्रं, दिक्, दिक्, दीर, दीर, किमिरि, किमिरि, चार्, दिनि, चार मिति यर) नवर (न्म्स्य देकावन कर्यां) नमर् (मृष्ठ करियादियर)॥ ग॥

ममादे (ज्यमप्त) मानेज जामे (मानेजा) जामार् प्रकार (ट्यामी मर्पन सन् रद्धि), मत्य काहेरदेव (टमम्मानेव सद्य हिमें किं भागे) रिक्था दिया न्यास (मुर्किं कारे प्रकृत प्रत्याल के कार्य काप्रतीकृष) वर्ष (इल्फ्ट्र) , आमार (आममन पूर्व) मार्म् पूर्व . करकरमा (करक रमम्यावन सक्षात्रम्क) भारिमाध है बूठी (कवकप्रत्यूमत अकातिक कार्या) रेम रेम तम तम निमक निम कि त्या करि त्या करिय का (त्ये, त्ये, त्या, त्या, जिनक जिनला, त्या, जला, जला, जला) रेयर (नरेकम) यमही (देक्षान्ने कार्ड कार्ड) म्ला (म्ला कार्ड लाभित्र)॥ >०॥ [2 3 24 of] 12 mon (12 mon 3) 24 - 24 - 24 - 24 - 12 4 mon -प्रिटि: (वीराव कर कर कर विवासिक मार्व प्रिमिक), मृति मृति मृति त्या त्या त्या स्मानिमारी : (स्मनंगित्र दृशि दृशि क्षि ति ति ति । अरेक्ष वितिस् अर्थ) यन्य-कः करकारी नद्भाव नामा (अमङ्गाव भर्तिव सङ्गाव विकार कार्नम) दीमाल दीमाल हम एम एम उत्पा लग क्यानेन (मामाछ, मामाछ, मुक्, त्य, त्या, उत्या, त्या-नरेक्ष देखान्ने परकार्य) द महावि (न्या कार्ने ए व्यावस कवित्यत)।(>>)।

आहि (त्यान (पायी) अनम् अव-कि। की मीका (र्युवड शिदिश्व न्य महकार्व) मूदः (वानंत्रेषे वे प्रेक्टेन्-लापुन थार (कर्षात् काका क्षिप्रक) क्षेत्र में प्रियेश. (xwelly a lain) gin a agin a spire (gin) विश्रमा विस्ति किया) द्या (चर्चा) अवत्री-(हिक्कार्त कार्ने कार्ने कार्ने)में कि (म्डा कार्ने कार्ने आग्रें। लागा (का एका प्राम (मान) नेमें व स्थायितः (में में दिवं क्रिये छ) अरम् अर्थः (स्पाविक्ष [नवर्]) अतिकव्यक्ष श्रां (करंत्रमान राष्ट्राम्यक्ष्यं) श्रां भारत (जान हत्यारम क सम्) हम त्या देव देव देव कर्य देव कर्य या (त्य त्य, त्य त्य, त्य, जिल, त्य, जिल, वर , जिला) रेक्ट (वर्क्न) दिक्षानं मंदी (देक्षानं म अनुति कार्नुति) रेग्ने वि (रेग्ने कविलिस्तिन)॥ २७॥ ON (75 34 A.) ON (06 58 NW) MINNYIN (014 d. तक (भार्य) के लाम (कार्य सर्व) राम् कास्रा (क्राम्ट्री क्राम्य) म्लाही (न्ला क्राम्य क्राम्य ्यांत क्षांत कर कर क्षांत क्षांत क्षांत क्षित क्षित (Copie of on- on pain Som of shill Buc) अप्रमं) इ.स. (चयुंचेस) प्रवाद (१८८विष् अर्थित -EMA)11 >811

कार्यक (त्र नी नार्य !) (कार्यमाळ्यमानं (कार्यमान अव्यक्षामें दे करामान्ते) भू चित्र (यसूत्रा भू चित्र) धा के धारि ला काछ कर काह काम काछ वा का छ का का का का (. ला ला , रंकारियक) महेर देव लमा (त्यम न्छ) मार्ने (व (र प्रम) मार्च लग लग लग लग लग (, ला(वं ला, दंगाम संत्रं) समयति विवेठ (से त्याने-हम्पत्र) विभिन्ह (बन्ड) निष्ठि (न्हा कार्न्टि न [(ग्रा]) में में : (जेमनार्ग) द्राप्त (गर्मन यामगा) क्षे: (वीक्षे) का का का (or ar an') मिमनन (वान्ति वान्ति) रेप (वंग्रेम्स) भाम भागं ; (क्राममा में क त्राय क्रम का क्रम क्रम तर (४) मत्र (मृठ) कविया हित्सम)॥ > ०॥ लियकतं वे वे का (चा का का) किस का विनं (प्र अवंश जिंगं [(धारणक]) डाप्तः (डाम्ण) १ त्वाह (धात्मक प्रमं) रेमा (रेम मेरमव प्रां विका) रंगा (रंगा गाम कार्य कार्टिट अवंति अवंति गाम) 'ड्रांकि (डी बंदम के प्राप्त निवर]) ठावाद (ते का प्राप्त कार्य ल्या वर्ष कार्यातित वर्ष वर्ण]) मार्य का कार्य own a rea on a or our or (cours or) रक्तियाल) म्डाडि (म्ड) कर्षा कार्तिय) मण्डा

राज्य (दुक बासरेक्र कात्म) नामक (त्या माप्तं) with: (2.02) owning: (owe wir o'g 54 is) कार (वरे) मुनवा: (म्प्लीरे) जा निक् जा विक् दिन (जा विक जा विक विक) रेग्न (अरेग्न) तिताप है कर्वत (लाय कर्षिण कर्षिण) धाना: प्रवित्रिण: अवस्था अपूर्क क्रम् लामका लक्ष्यं मप्रक प्रिवार कि (निका अर्थार विकाय अमान कार्याटाट किन)॥ २१॥ जिल्लास] त्यानेकाः (बीनाक्ताब्री) ,त्यनाविकाः ह (यम् शाव्या) " आतंश : (यात्या) " अस्यक्षावंका : (अम्मान्त्री [नयर]) त्यां नाम् ना हा है। विस्मान मन्ती-सर्) मह कराहै: सम् (महेकी मार्त न महिंह) मूना (इस्टाव) म्छाडि (म्ड कार्निड नामित्र)॥४०॥ रेक: (न्यरिक) सामर्थित (स्मृति व रिट्याम् विसर्) ज्यानिक मार् (कानिक हिडा) ज्यामार् (क्यमीलस्व) o उप्तान्। (के अक्र कि मात् (यन यन) था क्षुम्प-सार्वक (सार्वक (प्रवं कार्य मार्क) ७९ मीकी- (वरी-कक्रकारि (भी वी, त्वरी उक्क्लारि) न्कास्त्र (म्कान स्त्रेय) । स्वर (सवक) ववका (मक्तामा छाट्य वक्षत्र कार्यमा हिलाहित्य)॥११०॥

क यान्त्री- था. (क्यं मानिकायप) मात्रामम बाक्षत (याम्य म मर्बका मर्मा(व) म म्या स ल ह्य ग्रामा: तत्त्र अवत् भाषात् भक्षां सक्षां (त्वक व श्वम प्राथक) हरेत: (अलु अन् पालि) तकात् तकात् (तक तक) कांभात् भियामतार ने) समेथें: (मिन बार्नेमाहिष्य)॥ १०॥ ाः (उत्राम्) अकात मधीनात् ह (अक उ मधीनार () xx 3 gs (ontring) sair (saxxilsa) onmaris (क्यण्य शर्वताहिष्य [नवर]) स्थल- त्यमानिकत्त्र स्त्र ७ तम्मी मिलित) य असा (य अकार्य) मी छ । १ कड़: लड़: (भ्रम्भीक कार्रेगाहित्य)।। रेगा ७९ (एरे) मान् (मणीक) अप्रमेट: देव (वक्षामानीन माया (या वं गाम) यम् पर (मप- मक प्राचान अरम -(सम्मेक भ्राचा वाक - कार्मा कामार् वामार् के) र्य श्री मंग्र इं (मिर्ड में म ला प्रकार) मका मुनं ं (अ व व म क निक्राम भारत में शुक्रमा लाभ - आहर ने मअं विवास - वर्मी अहि विवादी में के) ममपर रेव (यमरम्ब ग्रमं) लादु व वर् (लाक्य म्बर्भ - लादु। दुर्दे व अभी व वर्भ - मीर्मार्स वामा मेक [नवर्]) मप्र देव (ब्रिंड प्रेर) सराप्र (ब्रें अ.अ. - अर्गा लाइक्

सम्मान नार्माहिय)॥ रहा।

गत्त्रविभाग् (िवेका त्र] में तेर का का की मान्य) सकीय-अम्बलम-क्यून-किन्द्रीकः (न्यून, बता, क्यूने उ डिडिया डइए देवसरे) म: लमंड (यह एम) यहरें दुर्धा: (राम द्याम) कर्ड (क्रामुक ड म्माहिन) व: (कारा) भाषाय-अस्त्रमाधिकमा (भवादिन) मक्तात्र कात्रमध्यात्र भारत सिमा रर्मा किस हर्म वासम (वर्णामास , नाम्य उ मय - नर् हळात्र माला व) अक्ष मार पाल कित (अक्षम्मातीय दर्भाष्ट्रित)।।२७।। ज्या (जरकात्म) बन्न बीतार् (त्या भीतातंत्र) व्याटम (ब्राह्म) लीकि: (अभीक), जीकरवं (१८४) वदाखित मन् (भन्नी छ-विवयंक वाह्यमं क्यी) जी मदाद्व (वाद्याम) जान: (जन), जीवाकार्य (जीवा उकार दिला) र्वान (भक्तमम) त्यातमः (त्यम्मत्य) त्यायमः (त्यात्र) व्यवकामार् (अवकार्मात्) अवासकामधन-मधन (क वाप उ मामरेन मधनामधन), कृष्णमा द्व [अद्]) समाधिक-मू अर् ([ाहिउडरकी] कन्मलेका ने ज र्रामन) mungle (प्रमे डक्साइन)॥ र 811

र्यः अधिकां : क्राक्रमः मिक्साः १ (८म मध्य भ्राष्ट्रेक्षित हर्मना [ववर]) (भ मलका: ६ (८४ मकत मलक) बीनार् विमा (बीमायाणीय) करते (करते) म डेक मार्क (अनामण ्यंता), जा: (त्माक्षीमते) जा: जात् ह (त्मरे मकत नारि, कारि म्हरा ववं लामक्षेत्र के किंड: (भार कार्या. 怪(两不)112011 या वका (एप त्यात (मार्थी) व्यक्ति मनक विभागः (क्यांव व सम्दर्भ मर दमाला सम्प्रोमकात्व) अववतः (अवसम्दर्व) धनः व्यम् मिताः क्राचीः (व्यक्तिम व्यक्ति ल्यक् ल्यम् का छिरमूम एमं) अमाने ता (किस्नी सरकार्य भार कार्ने मारितन (एक मक्ती कार्य कार्र तिर), किय मारिक मार्था (जीकिक अधित इंगा) आर्क कृति । संभ ((भन्ने भन् , तर्मत माद्र)) इंतर (व्यायन) में रिय (अधान कारे लिये), उमा (उरकाटम) था (धान लान (भाषी) ७१ जाल ह (जारून कर क्रांति-मध्यारियुक मणीलरे के बार्जान प्रमम्पे (के व उ जारणांत व शर्पाम कार्नमहिल्लत) न भार (छिन्न) व्यञ्जात (व्यक्तिक के निकरे हमेख) धार्यक (अधार्यक) आर (धार्यक)

अल्डिड करे (नाड करने मारित्न)॥ २७॥

वाहाला: (जीवाहाव) हालका मृख्य (शामका मृख्य) व्यक्त (अर. ह उद्गा) के तक्ष्य (अर कि क) लागड (यंत (लें व स्थां व (मा का का अप म म) का का का (म (मार्थमा) जिस (जारात) कार्यमान (amanta हत्ते) व्याप्त कार्या : (कार्यात कार्याहित्यत)।१११ क्रिक (क्रीक्क) के लाल (क्राहिश) म्या (र्थमरमान) इंट्रेम् समाद्न: (क्ट्री-मानुक्षाका) शहर महिन्छ ्यी कार्य रेटरे कडाइ कि लाव में कर्वाप) आ (चीनेका) रेर (हेक वर्नी-मन्ति) जमा (जीक्टक) मान रू (मक्नाण किरव अप) किस्न मुक्ता मार्था नीएए म्था (भारत्रामक् क पृथिक भारकार्य) पिनाही (भिर्क्ता मजी मार्त ने दिसे आकर्षन कार्न गाहितन वर्ष वीक्रका) भानिष् जान वाली (जान-भानन रर्मि । असाममही (भन्न कार्य भन्ने कार्य नामित्र), ज्या क्लाम्य) कु जान (क्राय वा) a का कार्य (जी ना का) धार्मन: (मित्न) भी मार्च मार्च : (की भारित भारताया) ७० ह कार्य (ची कुकार 3) ow मरेमाडि (ट्रारेस्लारे र्डा करार्या. 18 (MA)11 26-11

क्रम (लयह व) कंटकप (च्या कंटकप्र) म्य समर् (मार्ट) माहा (स्थामाहा [नक्टी] किया (स्थि असूर अध्देश) डाजुः (जी कुक) अल (नंभर्त) यथा (त्यम् व) नन कार्मी लाबाएने (रित्र मात्र व बारों कार्ड माहित्यम) यशी-ाह: (मभायप) विदंग: (द्राद्रासिव द्रवासव) भाराहित्र (कार्य का लास (भाराम श्रांबर दर्भक इंद्रंगात) तमा (असल) रे. वि-याम समित (रेंद्रों भार उ वाष्ट्रकार्वाछ) धानर्त धानीर (अन्न 23 (अन्तरा)॥ 2011 श्वः (धीक्क) जानावत्रात (जात्न अवभान वा अल्पि किया । किया कार्य (क्या के कार्य के अल्प) कार्यान-गाम म् म्राविवाद (श्रीम र्ष्ट्रमाभम कार्विकिट्रित्तन (आर]) विभाषाम (वीयाकाउ) ज्का (अउत् प्रकृषी इरेगाउ) क्षा रेग (पन क्याद्विव भारवर) मत्यर करंग् (शसर स्थाता) भे भागा (वीक्रिक) कवं (१४१क) नियमा (विदास का ने ए नामित्यम) 116011 वका (त्यान वक (माभी) सानुष्ठा (सानुभाम-राया) 12 100 लाम हैरे (हैं वय लाम मंद्रांग)

ालो (विष्ठक) हान्। (हें समात) समात (समायक ्तिल) व्यामा असा (त्याम बिक्रिस) काक्ष्मी याव-शिक्त के व (में ब्रुक्त सामा एक प्रांत) व मीन (भारत देरे विच्यान) 1000 म (स्ता (त्याम (तामी) Anagadin मर्वा ७११ १ (तीमा-र्यात्रं केसमार्थः अ कार्यात्) दाः त्रानं निक्कामः अध्यापात व अध्येष क क्षार्य विष्टे] क्षायाः लिंगान (चक् लामका लाजन लाम मही अन्ति क्रिया) मृष्टि हत्म (मृष्ड कार्न (काहित्यम) ॥ ७ १।। राहि (कमप्र) अवा (काप प्रामी) कर्निक्य (तक इट्स) हैं वर अंकी (है। से अम अविता) त्र र (अवृष्त) मं मं : मं मं : (का क्षीतं) हि। व (का क्र्यान) भवा के हो. मीप्र मार्थेम) है। अवसी (हैंद्राम माटिव इंद्रांग) अत्ठार (म्ठा कार्निमार्यम), क्या धार्य (क्यम ७वा) आ अल्लो (त्ये लाभी) ज्यानमून विना (ज्ञामे मिन्न म कार्नम) अवं (क्षित्रमान) मिन्द (क्राह्मित्र [म्डिकाने कामिलान])॥७७॥ पका (कार पक) भीतिमंत्री (कुटमा पत्री टामार्थी) त अथला (दे अथला क्या हिंद ड्यंग) हे स्था । हैं अ

हेड्याल व्यक्तम्बर्क) विक्रा ([लकार्काल] वका ्रेण) लाकिसर्वाने: (त्वतीरम अन्यापालम न मार्ड रव्यय कार्नुमा) भेका वल । साम्बीया (मेका । सम्ब Egresia) oneg [[Jas] oneg) no (21: उत्तर्याता देव (कला न अप्रत्या ह्य प्रत्य गारं) नम् (र्व) कार्नेगाह्तम)॥ ७८॥ का लान (त्यात त्याली) माराम हायमेडी (अममसवं लावे हा तमा कर्ने ए के विल) के काले (के अम ७) जामानू-्राची १ (जात्म अमू (कार्ष) मद्भी का मुलं कि विवस्तान, (म् अर्वं हि (पर भक्त) कता गात (कता में अधूर्व) अव-18- वि-क्रमण्या (वकि , पूरे वि वा जिनारे वर्क (अ काम काम) याप मही (वापि कार्रिमाहित्यन, [लक्])के लाम (कमप्र का) मन्तर में भर्ता अकल कलाय करे स्त कानिका हित्य), ध्वर (वर्काभ) लार्ट्ड रें शिष्टी (लर्बेड् रें वर कार्यु में) जका (र्यंत्र) जारीत: छारेडि: (असम छारेसते व) भाई यारे : ल भाग (सम्प्रमाका भाग समामिन र्यंगार्ट्य)॥ ७०॥ विक्रिताक (विक्रिक त्याक जिल्लातन महिल्यन हाता]) मप्र ह (एम अकत्र) भी छ द समा १ तृष्ठा ९ ह

लीक बाद्य अ मुन्) विषि - विषय व किक् (ब्राम क विषय -कर्ण नाहिं द्रेशाहित), यु (य अक्त नीठ, नामा ७ मुना) पक्षी माथ- अभी- हत अने चाहित (एकांप व अभी यप -कर् मीजिसमाजकरम अक्रामिक व्रेमाहिस) यर यर (ए प्रक्रम भीव, मामा उ मृत्य) एकम स्रोति (भागे की के क के क लिया के माहिल [विवर्]) यह (त्मकन भीठं, राषा ७ रूका) काडि: (यरे) त्रवयममनामर्कनीछः ह (बन्नाममाक्रम महकीमनकर्क) अमाममुर (अलट्यव प्रति काल) म् छ १६ (विहि० इरे माहिन), इंद्र भारत (तर् भारत देवर्ग (सर्द्रिक) केकः (निक्ष) क्यांडि: (त्मा भी मार्त के का ना) मूप: (निक्ड न) ७९ ००९ भर्दर् (७९ भगू ५ ८ मृत्र में) गुजा भी ९ (खका अ कान्याहित्यम)॥ एए। म: (जीकुक) क्याकें ९ (क्यान क्यान क्या भीव छाउँ) अभाषि (पृथिकाठ कान् छिटिलन) , का : b (कान कान (भाभी (क) हुन्नि (हुन्न कर्नि (छाटिलार), अना: (धन काराव व काराव व मित्र) भा कुछ । धाराकार (काल्याम् हक नममल्या कर्माण्डित्तम) व्यामाकर

(त्यान त्यान (मानी न) मन्त्रकात्मे (उक्षे उ व्यर्ष)

(म नार्क (वात कर्नि कि हित्तन) व्यमाभाद (वाम क्या क्या (माली ने) कराने (कृष्णमान) कर्वा (का कर्वन कर्वा -ियत [नवर]) कामार ह ह (कारावं व कारावं व) राक्षाल (स्त्रभग्रंत) जन्मिन् (जन्मिन जार) नम्बान, अवीष् (नम्बं वाविवं महत्यास कर्वाण्डितन), म: (जिरे) म: शने: (लरे की कुक) मामिषिन (बार्भ र हत) मुख) न वर्षमम, (मृज्याभारत अर्काल ज्ञान कार्ड कार्ड) ला: (तारे पानी-भर्ता व्याद्भी (व्यमभाषात्) व्यप्त त्वाप (वस्त क्वार्म कर्ति वस्त क्रक्साहित्य)।। ०१।। [अप] नर् (नर्याल) आमर (आप कर्वात कार्ट) अपावात जात (तिक अपूरिस्था टर्म लाभी-अमरिक) आग्में (आम कबाइमा), छ : मिछि : (उत्राप्त म भाग मार्जि शर्म) हिन्द (विहिन) नृष्ठान (१०) रुखेट रुखेट [क्षित्राहिमाक ड]) मर्गम (रिटर क या प्रता [नवः]) ((द्वारात्व श्वां) भीव: स्वाम् वः (या ० व मर्थात्र हर् में) (व्याप्राय के) न्याम न में ह (अभार्भ कार्यमा) याविषा: वातक: वा (क्रिकार्वावध -मर्थ (उन अवि म अध्याना है [मिलंबत] वाम (क व मारं) अक्रोडि : (यह (aro मर मिट अम्बर कार्यमाहिताम) ॥ ७ ८ ॥

Useful Factors

$$(a - b)^{3} = a^{3} + 2ab + b^{3}$$

$$(a - b)^{3} = a^{3} - 2ab + b^{3}$$

$$a^{3} - b^{3} = (a + b)(a - b)$$

$$a^{6} + b^{8} = (a + b)(a^{2} - ab + b^{3})$$

$$a^{3} - b^{5} = (a - b)(a^{2} + ab + b^{3})$$

$$a^{3} + b^{3} + c^{5} - 3abc = (a + b + c)(a^{2} + b^{2} + c^{2} - ab - bc - ca)$$

$$a^{3}(b - c) + b^{3}(c - a) + c^{3}(a - b) = -(a - b)(b - c)(c - a)$$

$$bc(b - c) + ca(c - a) + ab(a - b) = -(a - b)(b - c)(c - a)$$

$$a(b^{3} - c^{3}) + b(c^{3} - a^{3}) + c(a^{3} - b^{3}) = (a - b)(b - c)(c - a)$$

ROUTINE

Days	1st. Hour	Sec. Hour	3rd. Hour	4th. Hour	5th. Hour	64h. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday		-	Į.				
Friday						7.0	
Baturday)							

অসীম আকাশ খৃন্য প্রসারি রাখে, হোথায় পৃথিবী মনে মনে তার অমরার ছবি আঁকে।। ed survey of here reces Jaji 3 Burdan Cekh wors sign - 50 19 Khatas Khataho-19 ough of the state They mery - Terriage a sed (Confr) क्ताहि (कान लगानी) निकार्त्य (निक कक्षादाल) मार् (विमक्ष), श्राम्किनम् नार्व- अरे विस्तिष्ठ् (देउदाकान १ ए । एस) रदं : हैंगर (क्ये के किये वा में) महास्मान (ल्यामान् कार्यात) लायल मधा (लाय प्याप्ता [नवड़ी) द्रिस्म साक्ष कथा (लक्ष कथा उ से सक में सा ठंड मा) इ० हुड़ी ([इक अप्र] है सम्बद्ध) जार । है ना ((मभ स स नामू ० मार्म) भ क्या देव वार्ष (विम्डाए व ग्राम लकाम आईमाहिलय)।।००।। [न्यत्ये] टम्राक्ता (टमराक्ता) व्यत्ती देव (येश्वायं ग्रामं) रेल्येका मा च्याषुः (रेळी व्याप्त ज्यानि) लः लर्थः धंगाक्षः (ट्ये प्रिपादमान्ति) जान क (आन्तरण : (नमादे उभ उर्म भान) (अपाइते : (त्यम विस्वाहिषां) विद्यम ही (असड़ क कार्यों) विभाभन्णा १ (विमाभ नृष्ठ १३ ए) विश्वाममामार् (बिकास क्याईमाहिन्स)॥ 8011 नामन्थावभात (नामन्ख्रनं धवमात) वणः (अरे ट्याधीयन) क्लियेत-वसन क्ला: (वसन उक्तन-क्रामित देनाभिता), न्याभ (यस् १ क्रामा: (न्याभवान उष्मार्थियं त्रामात्रास्य शक्ष्यो) क्रमण्यम् नेत-

कानाः (ननारे भ्रमीविण्न प्रश्रामा [नवर्]) किया प्र (अन्त्राच कर्ष) अप्यभागं : (वाम्मर्गितं वाप्यभ) हान्ने अर्थ) अस विश्वानित केटा वामा (क्यार वार्न क्षालाताराय) क्षिक भिन्माल व कि र (क्षिणं विषय पन नीय (पन के जिले) विष्ट्रक (सम्प्रकायन) स् स्र (वाहिण करबेसाहित्य)। 8311 वास (कान (मासी) में में में के के कि में में भेड़े-ठ भेष: (अम् न कश्रत द्राविष नर्गामक नग्तम्मत-न्मा भी) वा मा (मी के किये) रिखन खिला - दे खिल (सक्र कुल्त न हाक्र माडिक) भड़ मड़ल (मड्म्ट्र) यमल्य छन् (मिन मड्यड्न) न्म) (ब्र्निज़ कार्नमा) एक (०९क क्रिके) म उ १ (अम उ) अर्मान हार्वा वाडि (जाश्रम उ उसारक व हार्व कार्य ख्यते कार्वाणाहिलाते) 1182 II अरा (काम पर लाभी) म्याली १ भूमका की (मे (मिन अभ्या ८२७ भूतकमुक), इक्ष्म अ वर्ष (क्याकाक के क्षा तर्मा) १ हे अपरम्पर में में का 1800 (द्रारा के म्यूर्ट व्याहमां वैष्यात्र) वैष्ट्रेग्रे

(14) का क देला कार्य में क्षित (अपकार) विकासार (निकास जन्माहत्वम)॥४७॥ न्जान-क्रांखे मिका (न्जानिव भाने अप्रयस्त) न्य का (टकार प्या की) वार गाम - महम्मा र में हि (अवस्थात्व प्रव्यम्भ महार इस्वमा :) ह प्राक्ति ्यापीन (भूतक उ ट्यम यु उन) कु ठाल कार्य (समात्व) आठ-अठ-आम- आठ० (टकाहिह म मुमीखन) में य या ? (द्या साक (स्पाह्त (चिवर)) (अम में क ई (८अमन क) अवसम्कर्ट (स्तितितिसं क प्रम) प्रमान (म्हाल प कार्यना) क्या ह- ल्या दिं व पात (मानुज्यासन नाविषा क कार्नुमाई (सप्)॥ 88॥ मिंगिष्टियं : (मिंगचं माम(वं मित्रमं) के कि : (व्ये कि के) कबारक्षेत्र (तिक कसकप्रताया) मूदः (तिब्ह्यं) जागार् (Ст नी मार्न) मुभा ९ (मू अ र्रेट) टिक्रम क मानि (मर्गम्यां) भर्मार्गम् व्यम (मान्य कार्न (छे पड़ वर्ष भा छ) ७९ सम्मारमा भाग (छ। राष्ट्र सम्मान निष् म्रास्य कार्याल) विद्यानिक्षाने ([प्रचेत्रान व] वि छप्टाइन) सम्बू ६ (सम्ब्राप) प लमक ६ (त्रम्य इरेट्नमा)॥ ८०॥

स्यम्भारक प्रिक्र मृतिः (लयम सम्मन्तिः। भ्रमा । रंत्र भारत्वाम् वर्षात्रः (स्था मेल वार्षित्राचा माद्राव एव 1 अ. र रंगार " चर्मेल) तथा (त्यात्र प्यात्रा) याका (ज्या करके) भड़वाय अद्राक्त (प्रय (देव में य वास व माप्त. लाम दादा) भरत्यम् मान (भर्ममा प्रिक) निमा भार (निम में असल्य [चनर]) मा लिय काम (190 एउसी ने पत्ते साम् लाम माना) लाम ह (मिर्काम के) or दे कर वर (मन्य नामक समयत्त्र) समाम (मार्च कार्यमा-13 (27)11 8 5 11 म्लाकाः (त्ये म्ताहतालने) कृष्णाचे मन्ति। विवास. भिक्ते (क्याक् क्षेत्र जल्मिला निमाय म म क्ष क्षातम् का नम् (जानम् भानम्) ज्यनं प्रमाः (ज्यान निधा हरेमा) जम्म रसमान्या सुन-क्रुमा मार् (श्रीमं म्म्यामण भागा, यम उ कल मस्ट्ररे राधिवाप् (तमाम विभाग शवील) प्र लाय कार्य (अधर्य दर्तियमा)॥ ८ वा निर्मा नाड: ययर (प्यामीय प्रं माइन) रे पर (वरेकाल) जाता भिष्ठ (भाषायात्रिष्ठ [वनर]) विविधालं (गामन व धल्ममाथि) मर्मनाम न्छा । (अंध्य अंथर्डि) समाली (समालम क्र्निंग) (लामी ४-संतर (अम्ब्रासिन विपिष्टार्टि) में मः (में मेंगारे) धार् (वीक्क) वाणिकानित्राः (वाणिकानित्रा) कर् अस्प्रमा (अस्माप (मन् वन) छे९ भूका छिड दर्सा र्या (युक्तरप्रती) विविधा हि (जिस्) जनमण इरेमा) सम्प्रा (विश्व वनमहाने न महिं) हि स्वासून -वान् क (कर्ष्य हूर्यक्ष कामूका भूरे) अम्त (विर्धय) भागत (मन्त्राभीति) मार्या भर (जीकाकित भारेत) अठ्ठा (क्षेक्कक) विनित्वना (म्राभन करिया) म भी मिहम् (भभी समे क) जर्माः भूवः (छ। द्रा एव छे ७ र म व प्रमा (भ) मा वी विल् ए (वि व कार्प निम् क कार्रेमार्टियन)।। 86 - 8011 म ([अम] रूमा (पयी) रावे-रावे मामेजामा (वी रुक उ वर्षान (अग्रेमीम (प्रं) लाम : (यम (म) हैं वि (कर्ष : (प्रमास्त्राव) (क: के सेस मार्था: (से का ल मान्व व्यक्षण) क्रानि (अक्षण), श्राप्रेवानिके प्राक् ([जनर्] जाकिला प्रयाप) समार्थित (देउस सर्थे) साप्रतक दिवापु (यंग्रेसनं वाप्रवाद्य विष्टी) विविधिकमाविष्ट्रिः धार्यानि (समाविधिकम् इतिष

विष्टें का शिद्रमिंदं अदि में के कार्यों। मेरिहार (कार्य क्रिके माहत्यत)। ६०॥ असी अमः (जीक्ष) मनजा (तिमनकियता) अमेनामूननः काल (मेंद्र में अम क्समेश्वे शिक्द) म्पेंबर (मार्ब हैं व र्देश) अ: (अंदामिनक) जमर्ब शायु वरांत्र जानि (जमा धर्मम् एवं मर्भार्स स्वामिष [ववर]) विदर्भ-मद्रिः (विपर्भ-जून) शाटिम: (शामा [3]) ले: विपर्टम: पाने (स्वाक विविध-मनविष् विष्णमसूर्व भारेक) जाते सर्मि (अर्थात सर्म अर्थे अर्थे) आतंत्र (आप क्वांक्रेस [अंते के]) लाखड (क्रियो लाय शर्माह (प्र)॥ ७ > 11 इस्मे (विक्ष) कम्पर भारतीक-सपात्रानिष्टे (कम्प्येत्रम वन् मर्न ममकर्क व्याने र्रमा)कमा निमासी कमा-क्रामी (क्रम्मिय अधियाती) विश्वनामी) वादी (न्यु बंद्वारकः) अस्परानं (अस्म अर्गं) विश्व छे व (ल्या-समाविष) भामिमा इस्क (भामिम आ हा भिष क् स्मार्थ) अविसी (अत्यम कविता) क्या अभि (क्या एवी ७) क्या -मप्टिक्रकार (कल्ल मह्मकानिण विश्वनण निवक्षन) भूनी-र्जिश्कमाः (मैत्र कि. यम्या) यत्राः (मन्यामप्त) लागान (अप्र पर्मा) वेमक वेमक के प्रित (वेमक वेमक के त्या है। लमामते (मन्त्र क्वाइनाहिष्य)॥६८-६०॥

रकः (क्षेत्रक) भाष्यक (स्रिमाद्यात) स्रिमार्क का बन्दार (म्यास्त्राक्षाकं लाकमा) मानमा (माह कवार्मा) र्जियाचंत्रः (माप्तंत्र लाकुर्जित् हेर्या)कर्म यर (क्षायंत्र भरिक) सम्म (ज्ञाभिष ज्ञाभिष) बारि: आभएमे (क् सू इरेल वादेशक इमेट्नन)।। ०४॥ [लपक्य] यः (१९१४) कतं भृष्ठिः (स्तिनक्तावं क्रिवंभातं) म्यय (पक्षात) ममक् (विति) के त्ये ते (क्यं मर्द्र) लाह्या) (त्राक्रम कार्डेगा) यः यश्री: (अर् यश्रीपाद्य मकत्या) भाषी तड ह्या व मार् (भाषी त ड ह्या व परमा) ज्यानगम्म (यह क्वाइमाहित्र)।। कका [त्वः अवं] रेकः (मुर्के) खादः त्यामुकः (cuaj-लानेव व्यवस्था) क्षू निक्षा (क्षू भरू र ररेए) नितं : (निर्माण ररेण) अकः मन् (अकाकीरे) अपनान मृपू भिणाः (130 त्या प्र प्र मिरामारेका) भारत्या वापार (क्षीवारीय मिकी आमधन कावेलन)॥ एए॥ [ज्यत] कुन्ति छ छ : (कुन्ति अधूर ररेष) निविषा (मिल्जा) उद्य ध्यामणा ([वनर] व्योक्तिया निकर सम्मण) व्यानिमानिः (प्रश्रीत्वाने) भूववः (प्रम् अष्टाता) इसक्। (रामावल) प्रवर्ता (क्षाप्त ममा मान ममा मानिक रि न्या (पनंत कार्या) यक्षात् ज्ञानं कार्वः (यव यवनारः तिम दिन वामं मध्यम् वलव्य कावेगा) न्यानमा (नव्यव्य) (मानम् (७ कन नगरन धानकात कार्त) पछ म दे छ (क्वी निर्धा हिरादिन कि विति विति है। दिना म: भम्क: (मिन म्लामीमाव भागक) म: (छान) व्यव बटा (वरे व मंग्रक) सब्दा मणा (ब्राह्म अवादाव अप्ये) । में व : (लाक में प्र कार्य मा) अपूर (अपूका (प्र व वाना क) के तथ्य (लायान का मारेड) मार मह : (म यम करवंत्र मार्च), जाटमी (छोने) व: (एग प्राप्तिक) वार्ष-नर्त (वाहित्वा) कः (वाकारिक्टक) न वानर्पपु (रूण्ड क या म नारे व्याष्ट्र) यः (लामापन) म्यूथः (८५८२१) अपूर्णी मन्ता (अस्व मन्ता) कुछ: छाड्यर (इरेस (कर ?)। ८० । [ज्यत] रावे: (वीकृष्) रमम् जाय (शामिल शामिल वास्त्रत), यर (त्यर्) मृष्टिमा (भूरियात्) डेल्यरमा (डेल्यमध्य भ) ब्रममा यक्त (इम्बाल लिया वंतर कालवलाम न्यार की] मिक्के वं (मिक्के. कल नगमा)रेमाः महेडः ((वरे मर्वनीमने (क) वं भाग-मृत्य (वृद्धि-मामक मृद्यानी मान्) म्यापिता :

(awith a fall sing in (5 " [no 34]) sh good #1: (देशाय कार्ती नाड़ जीनाम विधिन हिस्मध्य अवस्था MINO 22 (0(2) 110011 इत्क में यमार् (ब्युक्क व यमा ब्यु वादावं सिंह) अप्ताम्य किया: (अप्रधिय अस्थिय क्रियं देश) णः (ठले लाभीमते [बिर्काम] डिहः (मिनियन), ८० (१०१मा । १६ । (१५) त्या (चर्चा या या) य००० (अर्थमा) वार् (वाद्मारक) अगम् (न म्हारन) मार्जिन्छऽ (वार्ष्ट्रीता) पद्मेश (रिवा कवार्मा) विमा (वास्ते वाया) न: (ज्यामिन क्रिक) आन्या : कर्ड (क्रान्या) लक्ष । ल त्या व लिया करवे (रे क्या कार्याण्डिय)।। ७०।। लिस (समल) मिलकमा (मिल्स रेक्टाम) मा एसम-साछ : माड (एक र तिक हि एम आम म करा रम) कमा नव (अराक्षा कार्) मा में यहा (मा में यहाक) निकाण आए (निकाष्ट्र प्रिक १५), निक्न जुलि] रता १ रूप (वस भूर्य करे छ। राव सक्षापन करिया वसार क्षा न धन (नमधूर्क छ सन धारा स्वर्न अक्षा पिछ इरे ए बाट्यंसा) वह: (व्यक्ष वर)

वंतर (व्यासना) म्लाक्सा: (म्लाका) न (महिर्देशको) वर (विश्वत) छकः (छक [मर विकार]) मार (Course के दिल्यां के) कता : विकय : (स्रोग स प्रिकेट 223 11020 त्यानि अर्थ (दर अर्थ अर्थ ! जामारहान- ए त्यात. भी (म भार्य!) पुर् (जूपि) न कू ना अंना भर् मः (नकूत-लजी संला कासार ने) विस्त्रार में हिंदे (विस्त्र में हिंदे) (या सामात्र (साममा कि । लाया हरन - क्यामामा -क्रवर्ष्या (मः - जालात्मन , विक्रका कृति ' तम कामामि'- साममा, तम'- रेशमार वार्मार धारकार जात), जमान (जमान) भ्रमामा ९ सस्यामार्गेष्ठ ([कासामिषक] ति व समात कार्ने कार् वन)) ज्वा गेर् (ज्वा गेर वार्मप्र मिक भारि मर्पाक, क्रिक्टिं - लक्ष्मिट की कृष्टिं) टिस्से (त्यव मेर दान कर्डिया [व्यास्पर्याक]) । कुई (क्रिट्र) रेग मिर्यास (र्मा हेड का हिला कर्षां कर है। एट में कार्ड कार्ड मार्ड कार्ड कार्ड मार्ड कार्ड कार्ड मार्ड कार्ड मार्ड कार्ड मार्ड कार्ड कार्ड मार्ड कार्ड का (त्याली मार्वे मार्ड व्ये र्क) र यह (वर्काल) मूक (भावेलूर्स) मधीवशन म्छ (भावेशम, विश्व ७ म्छ) Kgin (2 mid = daw) 0 3 will MC with uin (0 willia. आइ जम रें व कांबुगा व अपर) काल्य में जाय (त्रात्रेयां) नावे वियान न्छा (लामाध्यान न्छा) कर्ष् (कांबल) य सारं तत (ला नं है अन् (पन) 110011 रूजू की अ: (त्मेजूक माभी खीक्क) अमा (अस्मान) क्षाहित (क्रमत्र) देक्ष्मारम (देक्षमान विभवते) मार्डिया (मार्डियमार्न) , इ ६ (क्रमान्ड्या) क्रेप्स्य (क्र ब्रह्म) कास्त्र (कार्म (क्षाचं मध्ये) हाः । व्याः (टमरे ट्रिम्मी मर्ने के आकृष्ठ (धाकर्षने कर्यात) जाि : (अरावा) असर मिषक: ([अराव माटा] अष्ठकाल बन (महन करां प [जिन उ]) रमन (क्रामिट क्रामिट) छा: मामिक्ष (ह्राक्रास म क्राहिसद बल त्रहर कार्बाल लाभिट्यर)॥७४॥ रावि: (वीक्क) विकाषि: (वक्वक), अक्ष्याषि: (लाह हम [यवः]) अग्रस्तां (भम्रस्) जाहि: (त्यामीयान्य मार्क) विसक् स्यक् (स्यक् स्यन् टाट्य) महासीतासूर्यः (महाक्य तीम वर्न कार्यमा) रात्र जुली व विषय (व व ल्या व क्य प्रकर-की अंच व्यक्तित का ने (त्र के) ।। उठा

सरम ([मिलामन] ममं इर्ट्रिंग) ७०००१ भर्ड (जिस्मितिन खिल्य मन) अधामाक ८ ([जी किक व प्रकर देवार] मद्र [नवर्]) समायरम (समायम इक्स) मापूर (विश्वास सिरिक] लय-नियात) व मं ० कर् ० (नर प्रे काटर) कामिष्टा : ([ग्राहाना]कामिष्टक १रेटमम), लाहः (हारात्नं महिल्) सः (चीक्ष) क्मराम्छ (विवाद कामिए अगामित्यम)।। एए।। ९ ७०: (द्वार) का त्यों b (का जिलात ७) 6 का निभ त्य (६ के वाक्यूम (सर् भार्ष) यूजाने (ब्रिमिक) भूताष्ठ्रभाने (अपून कप्रम ना नि न [पर्]) । में वार्ष (भार करनेराण्ट) र्यो (अक्क) रेजि (अरेक्म) क्वारी (कार्या) ा: (टप्ट्र) लियं: (ब्युकेक (अत्रेश्वाप्) युमार्खेटा: (अष्टित रंदमा) त्या अपित्य (यदममं अपिकाकातं किमामलूर्क छात्राया) (या हिका का (या विम) ह राजम्मलकाचा) अपनं (वकः स्त [नवर्]) दारमारकार्यम (मम्राक्ष्यमार्ग) वस्तर १ (यम-य स्था के प्राक् (अपने) के चित्र (क्यर के का है या -हित्तत विक्षा व्योक्षे दुर्भ नत्य निवाल, हक 'हक विभूत भाषा ताची मर्ते व स्तर्भाता क , व वर् भूता-

प्टर्ड])॥ तता व्यवस्थान हलालीमान्यं क्रियां विष्यं नक्षे कार्यता-

विश्व में अं ख्रिश्च के ज्या मार्ग के प्रमाण का ना मारा क लया एक कार्य मिय वर्षेत ल ल मेरी) मादिश-स्मिता दारा (सी का भव अक्षाम दिन भट्टेंग का मान रावेल है जिनि) ठाकेला (ठिक्ल इरेग़) अग्रिप (स्मित्रेटम) राईड (स्मिक्किक) लाई प्रति (ज्यानिश्रेन कार्नमाहित्तन) (जन (जादाए) त्रः (क्राइक) लम्पाः (ज्यम्बुक्) सम्पेट द्रिय (समा लाम्रि अभी करमाहिल व्यात्र सून द जान कार्य (सन)॥ ए०। म की मार् (मकी नामं व धार्व) अवभ्यां) क प्रमा-कथाने (क्यात क्यात प्रकार कतानि (अभवाया) , क्याना-क्यान (अस्म अस्म जा काठ करते गा) विभाषात्र के (ववर् स्मारम स्मारम जनका करने मा) यर अवन् व्यक्ष (रममक र्राटार्म), रेड (कम्पन) मुनार (र्व इरेट्ड) ७९ समा : रदं : (जारा न ममन का मी व्योक् एक के अम: (यम:) रेट (यरे मुक्त) विविष् (अवाणि उद्ये) गिर्म (देशके कार्यमं व्यान्द्रची कत्त्व)। ७ का।

[७१०१८न] प्रकृष्टः (ली हुक्ते) विकारिः (पूरे, विन), लक्षातिः (भारे हतं) "यक्षाक्षातः १ (यात्या लाद् सप [पानाम]) यह (अप्रेत) सत्यातिं। (सत्य-वक्रम्यक) असम्बुक-वापार (असम्बन्धाप) नुष्ट्रम ९ (।वस्त्र कार्ने माहित्म)।। १०॥ इसतीम् (त्मानांतानने) जन्यत्वत्म (धम्तानं करत्न, आर्था छ दर् जी कृष्ण रमवा मृत क खना ए मूर्य प्रति) प्रभा मू (निमम इरेटम) कम्या (उन्हाद्य) क्रियान (सम्मान) मिलिलाए (हलनापित खरमलल्माणाः का लाम्या न । मिल्या वाम्य वाक्य महम्मा न्म्न जा) टनवारी (रमक्षानि) मिसक्षमप्र (कल्यम साराम व्यान व्यानिक्ष - मिक्साविक्षण) व्यामाः कहाः ह (१ क्षात्रा व दक्ष कार्य) त्या अर (भ्याय व व्यक्ति दिन-द्युकि) मर्याय-प्रामा भीयाः ह (श्यं द्वामा उ नी साम्य) निर्देन प्रमार् (छने मून् छ। व्यक्ति अभन-मू (अ व विकारि, क्यारिस् - म व्यापि स्मारी क्यारिक प्रमा) का असर (का अ रर्माहिस रिमित क्या रेक्सिन एवं द्राकि अक्षिविष्याम अव्या नारे , जन्मानि द्राके अक्षि य नंदंत्र के बाज् इंद्र याने थया क्या के कि स्वास्थ ने लासने अर्भ कर्रम । अरेझ्य मिक्कार्प्यूमाट्य अस्त हेड्य

लाभूय मम्ब इंग । लमना समयवः हिल्लामं लाभूवं सामाति इदेत्य छेत्रा चोर्कारमकमाते र अधाक विक्रक रानिग ्ति के के का के कि सम्हार समहार समार कार्य का प्रकार्यम् विद्यार - अझार्यात इ उमार । विद्या का काम अन क्रार इस्)॥ १३॥ उमा (जर्मात) अमूभार (त्याभीमात्म) द्विता प्रद्यापार-अर्गाम्लाक (अक वमत्तव अहम्म दरेख देपम्ड का जाविक अर्थाण) आत्मलमानकुष्तेः (जात्मलम उ लाक्षेत्राधित) क लाम्या (लामम्भूक विर्]) कारके विश्वविधि (समक्षिण में किंग देश) क्षमा हुलाः (च्युक्टिक न न न म म अ प्यं) प्लाम कासी (प्लाह देवला प्र कार्रमाहिल)।। १२॥ [जिल्कात्म] अटमो कृषा (भव्रममपी) जामार (लाली-मर्तन) वक्रम्लातः (यक्राम्या विभिन्न हमातन यर्भार्म) त्यल त्यामा (काल क त्यल वर्ष मान्ने कानेमा) मनंग (नकाम) माछ्र न वा धार्म (माम्ना माड कार्व (माठ) नन्य (मिन्हन) जािं : (त्मानी म तिन् अभिक) त्मा (न : (न्ती कृ कितं) ठउ रकाम ट्रमे जाना जा वर (जाहा ने व न्यक्तिम् (भेजन) आहित्) आ (भम्म)

रार् (मन्त्रातक) रेक (यम्भारतिक) काष्म्रीत (यन कार्वभाष्टित्य)॥१७॥ यः शकः (म्यक्क) असाहः (क्यमेश्राप्त्यं मह्त) रेग्यर (अरेकाल) अम्बारियान-म्कार (मनियान ७ र्वो) विसाम (अर्काप्र शहेता) लबाखित्रः (अतः डेमार्स्ड इरेल) मार्शक्तः (मार्भामन) मार्बिड-टकनानकी (क्षेत्रात कमतानि उ प्रायत भार्यन कामिता [किमि])अलू प्रममीय-वस् (कील वस-मुगन) प्रमात (लाई वीर कि विद्या)119811 रूमा ([जमन] रूमा (रूमा करी) जाडि: मपर् (क्रिमेश्वाप्तं महि) के के (क्रिकेक) म्यूसिडम (अर्म छ (कारीय (कारीया) क्यू के जुन्न-कृषिता (देशक वर्व दिल्वण मार् (असमारं ला के बंदि) भे बा बुमरे (दुलद्यमा । ककारेट्यर)॥१६॥ उठः (अम्डन) अव्या (निम अमू ह्यीन ते न मार्ठ) कुमा (कुमाएकी) विविधाष्ट्रकी कूर्य मान्यू ति: (विहिन वत्रत, प्यते, अनूलवत, अन्त्रत [नवर्]) गामवा- वर्ष (म: १ (मिल्व वाका) मेर्याम (वाक्र्य)

जात क्लाम-बन्नी- भनमाभूरीन (क्लू रूक अ क्लूनजान र्जास्तक, म्यकंत सस्ति, लाम्पे लाक्तराबुल्यम्पर्मेर) द्रे आयुमानं (दुसरा कंत्रां का का प्रमान का के एप प) 11 व 17 11 आर्तिकार: (क्रामास्कार प्रशास) उत्यामादिकात् (क्रि क्रियामा के) अ (अर्याम् (डेकः त्यादिया-मर्थे) लायान (यद्म र्वा) केक (च्यु केक) धादार (न्यवाद्य) लर्मः युनाः १ (चवः प्रामुखास्य युना-सम्पाक) अमक् अमक (अमक अमण्डात्व) लक्षमं ठ (अमझुड कर्निया रिलम)॥११॥ र्विः (धीकृष) डेक्वसर्भपृषिः (डेक्वस र एस र्विश्वकाल विष्टी) वासामाः हि (म्याकासलि Quaguy) बंदिलार्डिप्टर्द्रित: (श्रेट्रिक स्कट्ट-र्याद् । [लाइ]) त्रां (चार्डाक) । बुद् : (१ व्यावस्त [नक्]) हाः (त्याभीमते) अभी (व्यावं) कमाः (क्रम , [नर्सिल द्रारा]) नकालामः कार्य (लाह्याता उद्गात) वर सम्मार (म्हार : (म्हिक इकेट व्यक् एक श्वान के बिटिट्न) 11961 राधील (मार्टित) याखिताः (स्मिक्टिक संभाद्य) हाः । हामा: (विधीत विभिन्नीयन) स्वा: व्यावासाविक्यः

(परम्पतंत्रं क्षेत्राच्यः स्थितः (स्थाकरेश्-नस्राः (अड्माइड (अइड्राम किन एर्जल इस्तीम), शक्तापुर्वन-श्खाला: (मन्मक्त पडे वर्षान्य (मास्त्र मुन्द्रकार्यम्क) ार नेगर्ठ मूं भाजाः (जार नेम् ल जर्छ भाज) लायनं वस्ताळ्याः (लायनं मण वसन्धान प्रमुख्यान) हिया (भोजाम) जिल्ला : (अवकारवव (भोजाम) सम किनक-(लाकिक), (स्रोक्ये भूगमका क्रिया: (स्रोक्ये म्म भूगाकः अर्चा ९ हल्यादित (सल्युक), सहारिताः (श्रक्तियंत्र) मामाह: (लात स्थान) हाव व प्र्यः (बादस्य मां क वार्षाष्ठ संभूत प्रवासाया) हि जिला दें : ह (अन्म मृत्र हिन्दिन्), किल कि किन निष्ठा का प्रभाषातु-इन्जादिष्टः (किनाकोकण विर्वाक विसाद उक्त भू का अक्षि) मानाजारिय: (मानामिक बादमाम) ज्यातः (ज्यक्षावंग्रिम्) म्युन्द्रिष्यं: (मस्ति में मर्चाल लाय है व उन्तान) लड़: (ण तुर्न) रे भर् (पर माल) । चित्राचिताः (ज्यान इंद्रेगाइ(अर्' [क्रियान]) जिंगामाह: (ख्रिम्मा-18CH7) 1190-6211

2/39

भागता (सलसके थु) मह (मारा) नामुकर (धानमत्र कार्यमाहिलन , ठाते)धानकं छाठकाः (अन्यामिका) न्योर्च विमाभः (भीर्वाबिमाभ) नुका-ल के रह (ते खाल क्या [चर्ड]) बेल मा (बलात्र व) रताष (वन एरेए) भागि (ए अल्ल) दमक्षानि (रिवर्ध इमार्थेक [3]) सर्विधी-वमानु 🗮 (सर्वे गान में सर्दे) ज्यान १ रूप्नांम विषयम् कान्नाहिए ।) मः (म्यकिक) व्यक्तः (स्त्रांभा-अरम्ब आहुक) व्याम (य असे संग्) लाउन (व्यन् राव्नित) लाक्ष्य (ज्यक्ष्य न व्यक्ष्य) (क श्रिक्ष वर् (का निभाषीरम्) विस्था (अवमा करवेरात्र)॥४७-४8॥ क्षः (चारक) मध्यम्य चन्ना विष्य (मस्यारं यान-स्वार्य म्माल मूमी कम), मुक्क क्ष्मार् (डेमा अवात्र हुके मम् अ), त्नारि मूर्यार् छ - मप्यु-हमार् छ - अंद्राम्बाट (काहिमें म्यं प्यान्ते गाम समी अ देवर बंते बार एवं प्रार्थ में करण)" <u>ताम् र (अड़</u>) अस् र्नाट्रियंदि (अडकं र्भिष्ठाका भैयमभूत) वास्त्र (कर्) स्थान क्रिन

निन्दा (कललक्षीकाव काल्यकाक) विकास व्यक्तिवर्द्ध (क्रिक्स वर्ते सर्वा लग् दिने इंडिस के सिक्स वर्ष वर् (डर्ड अं पारं अस्व मू की प्रका का (कामकर्ते ?) विशेष १- चते सम्दि (मात्र मात्र अति सम्दि) मार्मिल कीन-हिमार (मिसिन हे जिसेन कार्यान द्रालें सामिलका मा उत्तास मूल्या छ । मुका वृज्य वण्डा - प्रवृक्ष्म स्वामावि (यू भा व आक्षा पि , वृ छ शीन भू दला मन भूथा वा हर ला श्रीपुर्व १ व्या कुत्राता) का थता (सित्रवसा न्त्री संस्था ने अभूत) में में तल (यि त्राय से इंग्रा-12 (M7) 1160-6911 नामेषा- विकार्भाक (नामेषा छ। विकारमा) अर्थेषु -आन्यार्थित-अद्भियारीता (अम्दिव द्वत्र आन्ध्रार्थेत म् रेटि अद्वेष) मुम् (भूरम) मिविषि (डेअरवन्त क बिगा) क्षामा - जायुन - मूठारी जान ति (निक र्थ एम क्युक एक व र्षा हित्व वासेम लामारे पर्वत्र) क भिरमकार्य (ज्यासार उ न्ये के के कि) वा से पर (ग्रास्त्र) व्याभ्यत्यवार् (व्याभ्यत्व करारेत्र. 12 (AA)11 6611

न्। कं ल- के शिक्ष त्रित (न्। के ल सकी की व न्। के ल यक्षेत्) विसा : (१ वर १ तर) लात के उप इ १ कर है : (लप् प्रका कार्निणहिलान [वनर]) र्वना : अलगः (स्था लख्नां अ यश्यम्) ब्रव्यम् : (ब्रव्यम्बावं) ्षे धारीन यम् (छारादि क्राक्षे छेटाला) बीनम कार् ७ लग्भित्तत)॥ ६ व।। ण: ममा: (भर्म ममीतान) रेयर (नर्काभ) अने (अनेकान) ता भाविष्य (देशापन देख्यमं नार्बहर्य कार्ब्या) कार्यकार्यवा १ (कालबादि ररेए) नित्राः (नित्र ररेया) त्य त्य कन वं क- मठामत्र (कन उक् उक्न न ठा-विषि निक निक क्रिये) मुभू भू: (नि डि० 23 471 E(M7) 112011 त्रीक्ष लयक वी में महा: (न्योक लयक वी महात्) (प्रयाभवाः (प्रयाभवाग्ता) मञ्जीव्याः (स्क्रीलन) जल्लीया-प्राम्य वारिका मिर् हें प्रामित्य (देश नी या प्रामित्य वारिका मिर् हें प्रामित्य) मार्भ (मार्भक्ति) भिली ए (लयम कार्यमाष्ट्रिक)॥ २०।

य९ (यादा) जावम्ये : (की मन यत्नामा कर्क) मानिष्ट् (मानिष्) नीता वर्षः (मीता नुकवृते-वल) शिक्रमान: (सेव्यक्तिम सिक्सन्य) विक्रिक् (मिल्मिक्स मिष्ठ) , ७१७: (वक्र न लयक्ष्र ए पियकमर्न कर्क) निषाविष् (यय -प्रकारम (प्राचि [वयर]) आनी है: (प्रकाम []) व्योगिरीम (की नामिक क्र) प्रदा (भर्मा) ध्राकादि ? (कामारिव इर्मार्ट) , पवर क् क समम्मवर (जाम्न परे व्योक्षित्रमण्डे) मन् स्मान (७७४ मल्यासम्)॥ १८॥ धाय (वरे) बुक्ताविभित्त (बुक्तावत्त) अले अले म्वत-म्वता: (निष्कुत् नय-न्याप्थान) गुडाः ([नक्] अन्ध्रम्भनम् क्रिक्ष) मार्मा (क्रीक्ष्य भार्व) क्रक्रमा (जी कृरक र) धारहा: (धारह) मर्वाः नी नाः (प्रवृत्ने नी नाममूप्रे) हका मार्ड (प्यमीका समन वृद्धिंग (प्रमेका (प्रार्थ) वाण्ड मिन्याय (देशक मिन्याव करे) क्रिमाहि (सिर्म कार्यमाहि)। १०१

सम्म (ल्याम) त्या वं सम्मित्राम् वात्रमा (व्या सम्बंत-त्मात्राश अवन क्यान्त् वीव्यम्भ (व) देमं लक्नमा ना ना ना निरम्भ-कृष- कार्यणा : (न्यां का व न्या के रकतं च व व त्या का ना पाना-त्रभूत) भिर्मार्भाषा (मिलवक्ष कार्न्याहि) # अप (परे नीमाममूट्य मारी रे अर्थाप रेशन कार्ड लाउन दर्गते) वामा क्य- मार्चक मि: (वाम-भागावलाशी भार्यकर्म (प्रामा वस्था (प्रिक्राप्तः) व्रतमा (हिउद्यादा) व्यतिनार् (मर्थेता) व्यम् व्यमाः ह (अक्ष उ नी ग्रिय) (अयर विति भा (सवा काव्यत) 11 0) 811 न्त्रीयं अ- यं मं या या ताः (न्या से अ व न्या मं या म माम (मामामीन) आमानाव स-क्रांन (आम-माला न्या असम्म) के किरास्य (जी के करास-भागक त्यान कारके) रेपए (वर) त्यारिय-भी नाम् ७९ किए (क्यीरमाब क्र ने नाम् ए र हमन कार्यमाट्ट)।। २०१। र्गः (म्प्राम) अपि प्रविकाल (क्रिमार्वर विद्याग समन अयम किया बनाव:) के में अ: (मुद्रेस)

दकारोडः कान प्रमाद (बक्तापन उपनेक) पण्ड मिर्या व अविषी: (अविषा-कृष्क व वर) नी नाम्डर् (तीताम्ण) मूयः (तिवत् न) भावेभी गए (अर्वाणाला धा भाषन कर्यन), ब्लायनेन-बिनात्री-कू मूर्पनी-र्षमा (र्कायरम विमामयण जीवाबा अक्षे इद्रामेनी लातंत्) रक्षः (अतिवन्न ७ जीकृष्ण ७) काइके 19 (कक्रेंग्बल :) अर्घ त्रें (अर्घ त्रें) इरिंग (बगप्र ता) अमंद (अमंद) (व माद (छारासन) मान्छ् उ प्राट् (मन् म ण की में अमात कड़त) II रेडा। निरिष्ठत अपन्य विल- मर्भ न न न न न न मिवा पत्न (मारा क्या दिवन) (एरन व लाम लिय न मन मन मन क्यों सलामायाया रमवान क्यम मन्त्र) भीवर्ग-पाम साम के 10 मा हित्त (अ ने समें माउ० मा साम वं यापाम राम (आकारी कारावं देल प्रमा कार्नेमार्च्य), व्यीकी यम्भापमार्ष (व्यीक्राम अन्तरमामाश्च भगराय माराय देते व इंद्र मार्ट [चंबर]) न्या वर्ण प्रायत हे व वं र व (व्यानम प्रमाल द्वास्त्राधीन क्व मा लग्न महारहे

भारत अकाल हरेपाट) त ल्लाबिल भी माध्य कारण (जी (मार्चिक भी माध्यम् अति कार्या व अनुनीय-क्षा) इस्ती-विकास वामिष्टः (विका विकास-अधारिक) व्याप् (वरे) वाषा विश्लकः अलीः (व(मार्विल्ल मर्स) लूर्नः (भावेमग्रह्म ११म)॥२७॥

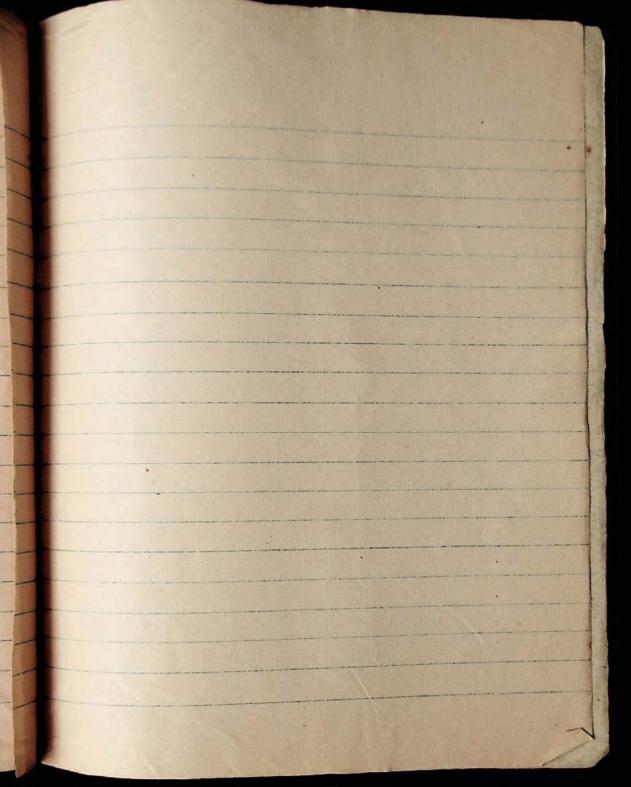
ल्या टाकार्त है, महार शक्ट रक्टा । ल्या त्या मण्ड रंग । भी: लक्ट न्या में में नाक्य ल्या प्रमाह रंग्या। भी: लक्ट न्या में हिंग, महं ल र। रडम्प - १६ ट्याक - न्या में हिंग, महं क्या से हिंह ल्या है.

() रे में में ने क्ष्म क्षित्र क्ष्म क्ष

and Sol 1

, Man Eyes, My of Chy 1 5th 19/20-1 5 his min and ann-12 y angle Expenmin e 2 in 1 let a ment (2 year year, min e 2 in 1 let a ment (2 year year, min e 2 in 1 let a ment (2 year of year, min e 2 in 1 let a ment (2 year of year, min e 2 in 1 let a ment (2 year, min e 2 in 1 let a me 0120 अप. अ (अपन - 1818. सम्बद्धते, व्याद्ध. ax armie Esim 1 (3/200: 25/4 18, 20. ल्याम र्मार । किया कि । किया वर्ष कर् र्श्वाम लाग् ताम में मवं उग् । विश्वाक वृश् वर अवश्वां त्राह क्य, - लाइक ज्यार मंबाहर हरीय 3 देश के के विशेषा दे वर्ष महिंगे। वि (पछ)। 8122 md - 95 1-1126 -, क्राध्य र कार्यक्ता र बाहर हिर्मिश , दिवार । निया व व्यक्ति व्यक्त मिन्द्र राष्ट्र द्वार (कारिक्का) म्यान - (विक्का) द्येर की 2212 BADIO 2220 MICO. 1 वार अभीकमार्यक भाव विकल भट्डा बारे मा। राम उरा - लाममा र मारवम हत्यों प्रमी कार्या व 5 Di 9 SAN OW 51 (NOTA HA OR! Ani 14 of was pros good on 100 19 2012 xxx 101210 ans 1 (dading)

a1 22 xxd - 6 0 conto-(empajó, 25/2 (empajó, 25/20 mis 18; च्याप्ती अधियो क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र (त्युत्र), यान्ते. carr annal and law, our ende arts 1 01 20 mg - 89 Caller -(उठ: क्रम्य-हर्मे स्थ्यामु प्राची वापि : ' 73 KTL (2 से 3 अट्रिक्स में ड्रीक्सरे के करे करे. Cr show Egairs gar aring 1 काकार ट्याकिर जिलेश्यक। महका हेट्य दिला xin 6 of the aramout Ca sing word and and month co 2/2000 ala 22m; 20 5x 1 flows 2000 -CHUMMY DON CHYMET 1 ११ में करा में दिकाए ये में ये पा बे हा प्रमा ने में। मार्थ मार्थ काम्याद का क्ष्य का का मार्थ का का मार्थ !! Egri - Essa Newwar Dejrus +1 45 son - 82/24-50 Cars 1 (なかしばれるかかい)



Useful Factors

$$(a + b)^{a} = a^{a} + 2ab + b^{a}$$

$$(a - b)^{a} = a^{a} - 2ab + b^{a}$$

$$a^{3} - b^{2} = (a + b)(a - b)$$

$$a^{6} + b^{6} = (a + b)(a^{2} - ab + b^{2})$$

$$a^{5} - b^{6} = (a - b)(a^{2} + ab + b^{2})$$

$$a^{3} + b^{5} + c^{6} - 3abc = (a + b + c)(a^{2} + b^{2} + c^{6} - ab - bc - ca)$$

$$a^{3} (b - c) + b^{3}(c - a) + c^{6}(a - b) = -(a - b)(b - c)(c - a)$$

$$bc(b - c) + ca(c - a) + ab(a - b) = -(a - b)(b - c)(c - a)$$

$$a(b^{2} - c^{2}) + b(c^{2} - a^{4}) + c(a^{2} - b^{2}) = (a - b)(b - c)(c - a)$$

ROULINE

Days	1st. Hour	2nd. Heur	3rd Hour	4th. Hour	5th. Hour	6th. Hour	7th. Hour
Monday							
Tuesday							
Wednesday							
Thursday							
Friday			7 4 5 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1				
Baturday				8			

ধ্বনিটিরে প্রতিধ্বনি সদা ব্যঙ্গ করে ধ্বনি কাছে ঋণীসেযে পাছে ধরা প**ড়ে**

— ववीखना॰